रजिस्ट्री स. डी. (डी. एस.)—73 REGISTERED No. D. (D.N.)—73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 20, 1982/फाल्गुन 1, 1903
No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 20, 1982/PHALPGUNA 1, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 13 अगस्त, 1981

आय-कर

का०आ० 649.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "गुरु गोविन्द सिंह प्रतिष्ठान" को निर्धारण वर्ष 1967-68 से 1978-79 एवं 1981-82 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है । प्रतिष्ठान को निर्धारण वर्ष 1979-80 और 1980-81 के लिए अधिसूचना सं० 3508, तारीख 1-7-1980 द्वारा छूट दे दी गई है ।

[सं० 4166/फा०सं० 197/229/80-आ०क० (ए I)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 13th August, 1981

INCOME-TAX

S.O. 649.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Guru Gobind Singh Foundation" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1967-68 to 1978-79 and 1981-82. The Foundation has been granted exemption for the assessment years 1979-80 and 1980-81, vide notification No. 3508, dated 1-7-1980.

[No. 4166/F. No. 197/229/80-IT(AI)]

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 1981

आय-कर

का०आ० 650.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80छ की उपधारा (2)(ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री वैंकटेस देवस्थान, फणसवाड़ी, मुम्बई को महाराष्ट्र में सर्वत्र विख्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है । इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि मंदिर को फिर से बनवाने के लिए दिया जाने वाला दान ही धारा 80छ (2)(ख) के अधीन अनुलोष के लिए अर्हित होगा ।

[सं० 4367/फा० सं० 176/51/80-आई० टी०(ए I)]

New Delhi, the 7th December, 1981

INCOME-TAX

S.O. 650—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Venkatesa Devasthan, Fanaswadi, Bombay" to be a place of public worship of renown throughout the State of Maharashtra. It is clarified that for purposes of this notification only the donation for renovation the temple will qualify for relief under section 80G(2)(b).

[No. 4637/F. No. 176/51/80-IT(AI)]

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1981

आय-कर

का०आ० 651.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80छ की उपधारा (2)(ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री दर्भनारायणीश्वर स्वामी मन्दिर, डा० ष० थिरुनेल्लरु (कराइकाल क्षेत्र)-609607" को, उक्त धारा के प्रयोजनो

के लिए तमिलनाडु राज्य में सर्वत्र विख्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है ।

[सं० 4405/फा० सं० 176/91/81-आ०क०(ए I)]

New Delhi, the 30th December, 1981

INCOME-TAX

S.O. 651.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Darbhanyaneswara Swami Temple, Thirunallaru P.O. (Karaikal Region)-609607" to be a place of public worship of renown throughout the State of Tamil Nadu.

[No. 4405/F. No. 176/91/81-IT(AI)]

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1982

आय-कर

का० आ० 652.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री वेलूर देवस्थानम्, थांजावुर" को निर्धारण वर्ष 1972-73 से 1981-82 तक के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है ।

[सं० 4410/फा० सं० 197/120/81-आ० क०(ए I)]

New Delhi, the 14th January, 1982

INCOME-TAX

S.O. 652.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Velur Devasthanam, Thanjavour" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1972-73 to 1981-82.

[No. 4410/F. No. 197/120/81-IT(AI)]

आय-कर

का० आ० 653.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "कोयम्बटूर श्री अय्यप्पा सेवा संगम" को निर्धारण वर्ष 1981-82 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है ।

[सं० 4411/फा० सं० 197/240/80-आ० क०(ए I)]

मिलाप जैन, अवर सचिव

INCOME-TAX

S.O. 653.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Coimbatore Sree Ayyappa Seva Sangham" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment year 1981-82

[No. 4411/F. No. 197/240/80-IT(AI)]

MILAP JAIN, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1982

स्टाम्प

का०आ० 654.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1080 का 2) की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मन्त्रालय (राजस्व विभाग) की 2 नवम्बर, 1981 की अधिसूचना सं० 25/81-स्टाम्प/फा० सं० 33/3/81-बि०क० (सं० का० आ० 3140) को अधिक्रान्त करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा नीचे सारणी के स्तम्भ (3) में स्टाम्प शुल्क की गणना के प्रयोजनार्थ उस सारणी के स्तम्भ (2) में संगत प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट विदेशी मुद्रा को भारतीय मुद्रा में सम्परिवर्तित करने के लिए विनिमय की दर निर्धारित करती है :—

सारणी

क्रम० सं०	विदेशी मुद्रा	100 रु० के समतुल्य विदेशी मुद्रा के विनिमय की दर
1	2	3
1	आस्ट्रियन शिलिंग	171.40
2.	आस्ट्रेलियन डालर	9.61
3.	बेल्जियन फ्रैंक	413
4.	कनाडियन डालर	12.80
5	डेनिश क्रोनर	79.85
6.	ड्यूश मार्क	24.50
7.	डच गिल्डर	26.90
8.	फ्रैंच फ्रैंक	61.80
9	हांगकांग डालर	61.70
10.	इतालवी लीरा	13038
11.	जापानी येन	2389
12.	मलयेशियन डालर	24.25
13.	नार्वेजियन क्रोनर	63.20
14.	पौंड स्टर्लिंग	5.7405
15.	स्वीडिश क्रोनर	60.25
16.	स्विस फ्रैंक	19.435
17.	अमरीकी डालर	10.875

[सं० 3/82/फा० सं० 33/1/82-वि० क०]

भगवान दास, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd February, 1982

STAMPS

S.O. 654.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 20 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 25/81-Stamps/F. No. 33/3/81-ST (No. S.O. 3140), dated the 2nd November, 1981, the Central Government hereby prescribes in Column (3) of the Table below the rate of exchange for the conversion of the foreign currency specified in the corresponding entry in column (2) thereof into the currency of India for the purpose of calculating stamp duty :

TABLE

S. No.	Foreign currency	Rate of exchange of foreign currency equivalent to Rs. 100
(1)	(2)	(3)
1.	Austrian Schillings	171.40
2.	Australian Dollars	9.61
3.	Belgian Francs	413
4.	Canadian Dollars	12.80
5.	Danish Kroners	79.85
6.	Deutsche Marks	24.50
7.	Dutch Guilders	26.90
8.	French Francs	61.80
9.	Hong Kong Dollars	61.70
10.	Italian Lire	13038

1	2	3
11.	Japanese Yen	2389
12.	Malaysian Dollars	24.25
13.	Norwegian Kroners	63.20
14.	Pound Sterling	5.7405
15.	Swedish Kroners	60.25
16.	Swiss Francs	19.435
17.	U.S.A. Dollars	10.875

[F. No. 33/1/82-ST]
BHAGWAN DAS, Under Secy.

(आर्थिक विभाग)

नई दिल्ली, 8 फरवरी 1982

का० आ० 655—केन्द्रीय सरकार बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) की धारा 114 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बीमा नियम, 1939 का और संशोधन करना चाहती है। जैसा कि उक्त उपधारा (1) में अपेक्षित है, प्रस्तावित संशोधनों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से साठ दिन के अवसान पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख को या उससे पूर्व नियमों के उक्त प्रारूप की बाबत जो भी आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

प्रारूप

1 इन नियमों का संक्षिप्त नाम बीमा (संशोधन) नियम, 1982 है।

2 बीमा नियम, 1939 के नियम 53ख में,—

(1) उपनियम (1) में, "उस सरकार द्वारा नियोजित संपरीक्षक" शब्दों के स्थान पर "भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक" शब्द रखे जाएंगे।

(2) उपनियम (2) और (4) में, "संपरीक्षक" शब्द के स्थान पर "भारत के नियंत्रक-महापरीक्षक" शब्द रखे जाएंगे।

(3) उप नियम (3) में, "संपरीक्षक के और समिति के लेखाओं के संपरीक्षा के संबंध में उससे द्वारा नियुक्त किसी व्यक्ति के" शब्दों के स्थान पर "समिति के लेखाओं की संपरीक्षा के संबंध में भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त किसी व्यक्ति के" शब्द रखे जाएंगे।

[फा० सं० 100(8)-बीमा-2/81]
शिव दयाल रहेजा, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 8th February, 1982

S.O. 655.—The following draft of rules further to amend the Insurance Rules, 1939, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 114 of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938), is published, as required by sub-section (1) of the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the draft will be taken into consideration by the Central Government on or after sixty days from the date of its publication in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the draft on or before the date so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT

1. These rules may be called the Insurance (Amendment) Rules, 1982.

2. In rule 53 B of the Insurance Rules, 1939,

(i) in sub-rule (1), for the words "auditor appointed by that Government" the words 'Comptroller and Auditor-General of India" shall be substituted.

(ii) in sub-rule (2) and (4), for the word "auditor", the words "Comptroller and Auditor-General of India" shall be substituted.

(iii) in sub-rule (3), for the words "The auditor and any person appointed by him", the words "Any person appointed by the Comptroller and Auditor-General of India" shall be substituted.

[F. No. 100(8)-Ins. II/81]
S. D. RAHEJA, Under Secy.

(Banking Division)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 25th January, 1982

S.O. 656.—In this department's Notification of even number dated 28th December, 1981 published in part II Section 3(ii) of Gazette of India Extraordinary dated 29-12-1981 for the words "Ka Bank Nongkyndong Ri Khasi Jaintia Hills" please read "Ka Bank Nongkyondong Ri Khasi Jaintia".

[No. F. 1-13/79-RRB(II)]
DINESH CHANDRA, Director

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1982

का० आ० 657.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबंध) योजना 1970 की धारा 3 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के बाद उक्त धारा 3 की उपधारा (घ), (ङ) और (च) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए भारत सरकार वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की 31 अक्तूबर, 1977 8 नवम्बर, 1977 और 21 जुलाई 1978 की अधिसूचना संख्या एफ० 9/34/77-बी० ओ०-1 के अंतर्गत नियुक्त निदेशकों के स्थान पर फरवरी, 1982 के चौथे दिन से प्रारम्भ होने वाली तथा फरवरी 1985 के तीसरे दिन को समाप्त होने वाली 3 वर्षों की अवधि के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों को इंडियन ओवरसीज बैंक के निदेशकों के रूप में नियुक्त करती है :—

1. श्री रामचरन, आई०ए०एस० (सेवा निवृत्त) 1, जयपुर हाउस, आगरा-282002 (उत्तर प्रदेश)	उक्त बैंक के जमाकर्ताओं के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए—धारा 3 की उपधारा (घ) के अनुसरण में।
2. श्री एम०एम०जैकब, आई० 1, जवाहर नगर, त्रिवेन्द्रम-695003, (केरल)	किसानों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए धारा 3 की उपधारा (ङ) के अनुसरण में।
3. श्री एस०कनीयप्पन, एसोसिएट लैक्चरार (सिरेमिक) गवर्नमेंट कालिज आफ आर्ट्स एण्ड क्राफ्ट्स, मद्रास-600003 (तमिलनाडु)	शिल्पकारों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए—धारा 3 की उपधारा (ङ) के अनुसरण में।

4. श्री सी०एन० गंगाधरन, चार्टर्ड एकाउन्टेंट 63, बाजुल्ला रोड, 'टी' नगर, मद्रास-600017 (तमिलनाडु)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
5. डा० प्रफुल्ल आर०हेडे, ललिता निवास, मिरामार, पणिजम-403001, (गोवा)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
6. श्री जे०के०के०सुन्दरम प्रबन्ध साझीदार, सुन्दरम स्पिनिंग मिल्स, पोस्ट बाक्स नं० 25, कुमारपालायम-638183, (तमिलनाडु)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
7. श्री जी० एम० सुराणा, मेसर्स आंध्रइलैक्ट्रो गैल्वनाईजिंग वर्क्स, सुराणा उद्योग, 50,एम०जी० रोड, सिकन्दराबाद, (आंध्र प्रदेश)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
8. श्री पी० एस०खेड़ा, बैरिस्टर-एट-ला, ए-5 ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नयी दिल्ली-110016	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।

[सं० एफ० 9/38/81-बी० ओ-I]
च० वा० मीरचन्दानी, उप सचिव

New Delhi, the 3rd February, 1982

S.O. 657.—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Mangementa and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons as Directors of the Indian Overseas Bank for a period of three years commencing on the 4th day of February, 1982 and ending with the 3rd day of February, 1985, in the place of the Directors appointed under the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) No. F. 9/34/77-BO. I, dated the 31st October, 1977, 8th November, 1977 and 24th July, 1978 to represent the interests of the persons specified in sub-clauses (d), (e) and (f) of the said clause 3:—

1. Shri Ram Charan, I.A.S. (Retd.), 1, Jaipur House, Agra-282002. (Uttar Pradesh)	Representing the interests of depositors of the said Bank in pursuance of sub-clause (d) of clause 3.
2. Shri M.M. Jacob, 1, Jawahar Nagar, Trivandrum-695003 (Kerala)	Representing the interests of farmers in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.
3. Shri S. Kannipparan, Associate Lecturer (Ceramic), Government College of Arts and Crafts, Madras-600003. (Tamil Nadu).	Representing the interests of artisans—in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.
4. Shri C.N. Gangadaran, Chartered Accountant, 63, Bazullah Road, T' Nagar, Madras-600017. (Tamil Nadu).	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
5. Dr. Prafulla R. Hede, Lalita Nivas, Miramar, Panjim-403001. (Goa)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
6. Shri J.K.K. Sundaran, Managing Partner, Sundaram Spinning Mills, Post Box No. 25, Komarapalayam-638183. (Tamil Nadu).	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
7. Shri G.M. Surana, M/s. Andhra Electro Galvanising Works, Surana Udyog, 50, M.G. Road, Secunderabad (Andhra Pradesh)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
8. Shri P.S. Khera, Barrister-at-Law, A-5, Green Park Extension, New Delhi-110016.	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.

[No. F. 9/38/81-BO.I]
C.W. MIRCHANDANI, Dy. Secy

उद्योग मंत्रालय

(भारी उद्योग विभाग)

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1982

का० आ० 658—पृष्ठ 2339 पर इस विभाग की अधिसूचना संख्या का० आ० 2181 दिनांक 24-8-1974 में आंशिक संशोधन करते हुए और सार्वजनिक परिसर (अनधिकृत दखलकारों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री आर० जी० के० मूर्ति, उप-प्रबंधक (विल्स), बी०एच०ई०एल०, रामचन्द्रपुरम, हैदराबाद को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है। वह उक्त अधिनियम के द्वारा और अधीन सम्पदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और सौंपे गए कर्तव्यों का पालन अधिसूचना संख्या का० आ० 2181 दिनांक 24-8-1974 की तालिका के भाग II में विनिर्दिष्ट स्थानीय सीमाओं के अन्दर करेगा।

[फा० सं० 14(3)/74-एच०ई०एम०]
टी० सी० भाटिया, अवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Heavy Industry)

New Delhi, the 6th February, 1982

S.O. 658.—In partial modification of this Department's Notification No. SO 2181 dated 24-8-74 on page 2339 and in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints Shri R. G. K. Murthy, Deputy Manager (Finance), BHEL, Ramachandrapuram, Hyderabad to be the Estate Officer for the purpose of the said Act. He shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on the Estate Officer by and under the said Act, within the local limits as defined in Part II of the table of the Notification SO No. 2181 dated 24-8-1974.

[File No. 14(3)/74-HEM]
T. C. BHATIA, Under Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(विद्युत विभाग)

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1982

का० आ० 659.—भारतीय विद्युत अधिनियम, 1910 की धारा 36 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस मंत्रालय की अधिसूचना सं० बिजली-दो-6(11)/65, दिनांक 16 दिसम्बर, 1975 के अनुक्रम में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेशक (वाणिज्यिक), केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण को राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम के और उसके नियंत्रणाधीन प्रतिष्ठानों के संबंध में केन्द्रीय निरीक्षक के रूप में नियुक्त करती है ।

[सं० 25/4/81-डेस्क-1]
ई० ए० एस० शर्मा, निदेशक

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Power)

New Delhi, the 20th January, 1982

S.O. 659.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 36 of the Indian Electricity Act, 1910 and in continuation of this Ministry's Notification No. EL II-6(11)/65, dated the 16th December, 1975, the Central Government hereby appoint Director (Commercial), Central Electricity Authority, to be the Central Inspector in respect of the installations belonging to and under the control of the National Thermal Power Corporation Ltd.

[No. 25/4/81-Desk I]
E. A. S. SARMA, Director

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1982

का० आ० 660—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1251, तारीख 3 मई, 1980 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को दे दी है ,

और केन्द्रीय सरकार का, पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने और मध्य प्रदेश सरकार से परामर्श करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 18082.00 एकड़ (लगभग) या 7317.42 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि का अर्जन किया जाना चाहिए ।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में वर्णित 18082.00 एकड़ (लगभग) या 7317.42 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि का अर्जन किया जाता है ।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण कलक्टर सीधी (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक 1-काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या सेन्ट्रल कोलफील्डस लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) दरभंगा हाउस, रांची (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है ।

अनुसूची

झिंगुरदा ब्लाक—विस्तार
सिंगरौली कोयला क्षेत्र
जिला सीधी
(मध्य प्रदेश)

रेखांक सं० राजस्व 16/81
तारीख 28-1-81

(जिसमें अर्जित की गई भूमि दर्शित की गई है)

सभी अधिकार

क्रम सं०	ग्राम	तहसील	तहसील सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1.	चुरकी –	देवसर	–	सीधी	–	भाग
2.	झिंगुरदा –	सिंगरौली	206	सीधी	–	भाग

कुल क्षेत्र : 307.00 एकड़ (लगभग)
या 124.24 हैक्टर (लगभग)

चुरकी में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

761 (भाग), 915 (भाग), 921 (भाग), 922 (भाग), 923 (भाग), 924 925 (भाग), 929 (भाग), 932 (भाग), 933 (भाग), 1010 (भाग), और 1011 (भाग) ।

झिंगुरदा ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक –

11(भाग), 12(भाग), 13 (भाग), 17 (भाग), 20 (भाग), 21 (भाग) 24 (भाग), 25 (भाग), 68 (भाग), 69 (भाग), 70 (भाग), 73 (भाग), 74 (भाग), 75 (भाग), 79 (भाग), 92 (भाग), 97 (भाग), और 105 (भाग),

सीमा वर्णन :

क–ख	रेखा झिंगुरदा ग्राम के प्लाट सं० 73 और 105 से होकर जाती है ।
ख–ग–घ–ङ	रेखाएं झिंगुरदा ग्राम के प्लाट सं० 105, 75, 97, 92, 79, 68, 12, 13, 17, 20, 21, 24 और 25 से होकर जाती है और फिर झिंगुरदा तथा चुरकी ग्रामों की भागत सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है (जो कोयला अधिनियम की धारा 9 (1) के अधीन अर्जित झिंगुरदा कोयला क्षेत्र की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है)
ङ–च	रेखा झिंगुरदा ग्राम के प्लाट सं० 25 और चुरकी ग्राम के प्लाट सं० 933 से होकर जाती है ।
च–छ–ज	रेखाएं चुरकी ग्राम के प्लाट सं० 933, 932, 929, 1010, 1011, 925, 923, 922 और 921 से होकर जाती है ।
ज–क	रेखा चुरकी ग्राम के प्लाट सं० 921, 915 और 761 तथा झिंगुरदा ग्राम के प्लाट सं० 11, 69, 70, 74 और 73 से होकर जाती है ।

अनुसूची

मुहेर ब्लाक

सिंगरौली कोयला क्षेत्र

जिला : सीधी (मध्य प्रदेश)

प्राइंग सं० राजस्व /14/81

तारीख 28-1-81

[जिसमें अर्जित की गई भूमि दर्शित की गई है)

सभी अधिकार

क्रम सं०	ग्राम	तहसील	तहसील सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1.	अमलोरी	सिंगरौली	6	सीधी		भाग
2.	मुहेर	,,	476			भाग
3.	पड़ारी	,,	305	,,		भाग
4.	चिनगीटोला	,,	173	,,		भाग
5.	हरैया (पुकरा रामगढ़)	,,	-	,,		भाग
6.	चौकारा	,,	176	,,		भाग

कुल क्षेत्र 6015.00 एकड़ (लगभग)
या 2434.13 हैक्टर (लगभग)

अमलोरी ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्याएं :

1 से 43, 44 (भाग), 45 (भाग), 46 से 62, 63 (भाग), 64 (भाग), 65 (भाग), 66 (भाग), 67 (भाग), 68 (भाग), 69 से 87, 88 (भाग), 89 (भाग), 92 (भाग), 93, 94, 95, 96 (भाग), 97 (भाग), 98 (भाग), 100 (भाग), 101, से 108 109 (भाग), 110 (भाग), 114 (भाग), (115 भाग), 116 से 118, 119 (भाग), 120 (भाग), 121 से 272, 273 (भाग) 274 से 286, 287 (भाग), 288 (भाग), 289 (भाग), 290 (भाग), 293 (भाग), 294 से 412, 413 से 641, 642 (भाग), 661 (भाग), 662 (भाग), 663 (भाग), 664(भाग), 665 (भाग), 666 (भाग), 667 (भाग), 669 (भाग), 670 (भाग), 671 (भाग), 672 से 673, 675 (भाग), 732 (भाग), 733 (भाग), 745 से 749, 751 से 753, 754 (भाग), 757, 643 (भाग), 653 (भाग), 654 (भाग), 655 (भाग), 656(भाग), 657,(भाग), 658 (भाग), 659 (भाग), और 660 (भाग) ।

मुहेर ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

441 (भाग), 412, 413, 414 (भाग), 477 (भाग), 478 (भाग), 479 से 483, 484(भाग), 502 (भाग), और 520 (भाग) ।

पड़री ग्राम में अर्जित किए गये प्लाट संख्यांक

1353 (भाग),1362(भाग), 1363, 1364, 1365 (भाग), 1366 (भाग), 1367 (भाग), 1372 (भाग), 1373 और 1383 ।

चिनगीटोला ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

489 (भाग), 490 (भाग), 491 (भाग), 492 (भाग), और 493 ।

हरैया ग्राम (पुकारा रामगढ़) में अर्जित किए गए संख्यांक :

6 (भाग), 7, 8 (भाग), 9, 10 (भाग), 12 (भाग), 26/1 (भाग), 26/2 (भाग), 26/3 (भाग), और 27 (भाग) ।

चौकारा ग्राम में अर्जित किए गए संख्यांक :

1 से 12, 13 (भाग) और 14 से 254 ।

सीमा वर्णन :

क–ख रेखा मुहेर ग्राम मे प्लाट सं० 414, 411 से होकर पड़ारी ग्राम मे प्लाट सं० 1372, 1367 1365, 1366, 1362 और 1353 से होकर फिर चिनगीटोला ग्राम में प्लाट सं० 492, 491, 490 और 489 से होकर जाती है और बिंदु "ख" पर मिलती है ।

ख–ग रेखा चिनगीटोला ग्राम मे प्लाट सं० 489 से होकर फिर हरैया ग्राम (पुकरा रामगढ़) मे प्लाट संख्या 6, 8, 10, 12, 24, 26/1, 26/2, 26/3 और 27 से होकर जाती है फिर चौकारा ग्राम में प्लाट सं० 13 से होकर जाती है और बिंदु 'ग' पर मिलती है ।

ग–घ रेखा, नदी की मध्य रेखा के साथ-साथ जाती है फिर अमलोरी ग्राम में प्लाट सं० 290, 279, 289, 288, 287, 293 642, 643, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 669 670 671, 675, 754 732 और 733 से होकर जाती है और बिंदु 'घ' पर मिलती है ।

घ–ङ रेखा नाला की मध्य रेखा के साथ साथ जाती है फिर नौगढ़ तथा अमलोरी ग्राम की भागतः सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है फिर अमलोरी ग्राम में प्लाट सं० 120, 119, 115, 109, 110, 114, 100, 96, 98, 92, 89, 88, 68, 67, 66, 65, 64, 63, 45, 44 से फिर मुहेर ग्राम में प्लाट सं० 520, 502 और 484 से होकर जाती है और बिन्दु 'ङ' पर मिलती है ।

ङ–क रेखा मुहेर ग्राम में प्लाट सं० 484, 478, 477 और 414 से होकर जाती है और प्रारंभिक बिन्दु 'क' पर मिलती है ।

अनुसूची

अमलोरी ब्लाक

(सिंगरौली कोयला क्षेत्र)

जिला-सीधी (मध्य प्रदेश)

प्राइंग सं० राजस्व/13/81

तारीख 28-1-81

(जिसमें अर्जित की गई भूमि दर्शित की गई है)

क्रम सं०	ग्राम	तहसील	तहसील सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1	अमलोरी	सिंगरौली	6	सीधी		भाग
2.	मुहेर	,,	476	,,		भाग
3.	नौगढ़	,,	—	,,		भाग
4.	कचनी	,,	—	,,		भाग
5.	दसौली	,,	—	,,		सम्पूर्ण
6.	भारवा	,,	181			सम्पूर्ण
7.	कोल भारवा	,,	41	,,		सम्पूर्ण
8.	पुरेवा	,,	309	,,		भाग
9.	अमझार	,,	7	,,		भाग
10.	नया नगर	,,	—	,,		भाग
11.	भाजन कला	,,	—	,,		भाग

कुल क्षेत्र : 5375.00 एकड़ (लगभग)
या 2175.15 हैक्टर (लगभग)

अमलोरी ग्राम अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

44 (भाग), 45 (भाग), 63 (भाग), 64 (भाग), 65 (भाग), 66 (भाग), 67 (भाग), 68 (भाग), 88 (भाग), 89 (भाग), 90, 91, 92 (भाग), 96 (भाग), 98 (भाग), 99, 100 (भाग), 109 (भाग), 110 (भाग), 111, 112, 113, 114 (भाग), 115 (भाग), 119 (भाग), 120 (भाग) ।

मुहेर ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

484 (भाग), 487 (भाग), 488 (भाग), 489 (भाग), 492 (भाग), 493 (भाग), 494 (भाग), 495 (भाग), 496 (भाग), 496/2 (भाग), 497 से 501, 502 (भाग), 503 से 512, 520 (भाग), 569, 570 ।

नौगढ़ ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

1 से 58, 59 (भाग), 60 से 71, 72 (भाग), 73 (भाग), 74 (भाग), 75, 76, 77, 78, 79 (भाग), 80 (भाग), 81 (भाग), 87 (भाग), 90 (भाग), 91 (भाग), 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234 ।

कचनी ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

1 (भाग), 2 से 618, 619 (भाग), 620, 621, 622, 623 (भाग), 624 से 672, 673 (भाग), 674 (भाग), 675 (भाग), 676 (भाग), 677 (भाग), 686 (भाग), 687 (भाग), 689, 690 (भाग), 691 (भाग), 692 (भाग), 899 (भाग), 900, 901 (भाग), 902 (भाग), 909 (भाग), 910 (भाग), 911 (भाग), 912, 913, 914, (भाग), 917 (भाग), 918 (भाग), 919 से 941, 942 (भाग), 943 (भाग), 972 (भाग), 976 (भाग), 977 (भाग), 978 (भाग), 979 (भाग), 980 से 1000, 1001 (भाग), 1002 (भाग), 1003 (भाग), 1004 (भाग), 1024 (भाग), 1025 (भाग), 1026 (भाग), 1029 (भाग), 1030 (भाग), 1031, 1032, 1033 (भाग), 1034, 1035, 1036 (भाग), 1039 (भाग), 1040, 1041, 1042 (भाग), 1046 (भाग), 1047, 1048 (भाग), 1051 (भाग), 1054 (भाग), 1057 (भाग), 1058 (भाग), 1061 (भाग), 1062 (भाग), 1065 (भाग), 1066 (भाग), 1068 (भाग), 1069 (भाग), 1131 (भाग), 1132 (भाग), 1136 (भाग), 1137 (भाग), 1138, 1139 (भाग), 1140, 1141 (भाग), 1142 (भाग), 1143 (भाग), 1144 (भाग), 1145 से 1161, 1162 (भाग), 1164 (भाग), 1165 (भाग), 1166 से 1179, 1180 (भाग), 1181, 1182, 1183 (भाग), 1188 (भाग), 1244 (भाग), 1246 (भाग) 1247 (भाग), 1248 (भाग), 1249 से 1251, 1252 (भाग), 1255 (भाग), 1256 (भाग), 1257 (भाग), 1258 से 1275, 1276 (भाग), 1277 (भाग), 1278, 1279, 1280, 1281, 1282, 1283, 1284, 1285, 1286, 1287 (भाग), 1288 (भाग), 1302 (भाग), 1378 (भाग), 2967, 2970, 2971, 2973, 2974, 2975, 2976, 2977, 2978, 2979, 2980, 2981, 2982, 2983, 2984, 2995, 2996, 2997, 2998, 3000 (भाग), 3001 (भाग), 3002 (भाग), 3100 और 3101 ।

बसौली ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

1 से 661

भारवा ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

1 से 1501

कोल भारवा ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

1 से 39

पुरेवा ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

38 (भाग)

अमझार ग्राक में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

1 (भाग), 3 (भाग), 6 (भाग), 7, 8 (भाग), 22 (भाग), 27 (भाग), 30 (भाग), 33 (भाग), 34 (भाग), 35 (भाग), 36 (भाग), बिना संख्या का प्लाट 37 से 47, 48 (भाग), 49 (भाग), 50, 51, 52, 53, (भाग), 54 से 83, 84 (भाग), 87 (भाग), 88 (भाग), 89 से 797 , 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864 और 865 ।

नवा नगर ग्राम अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

255 (भाग), 266 (भाग), 267 (भाग), 268 (भाग), 269 (भाग), 270, 271, 272 (भाग), 273 (भाग), 275 (भाग), 345 (भाग), 346 (भाग), 347 (भाग), 348 (भाग), 349 से 359, 360 (भाग), 361 (भाग), 364 (भाग), 366 (भाग), 367 से 599, 600 (भाग), 601 (भाग), 602, 603, 604 (भाग), 650 (भाग), 651 (भाग), 652, 653 (भाग), 654 (भाग), 655, 656, 657 (भाग), 658 (भाग), 716 (भाग), 717 (भाग), 718 (भाग), 719 (भाग), 720 (भाग), 722 (भाग), 723 (भाग), 724 से 772, 773 (भाग), 774 (भाग), 775 (भाग), 776, 777 (भाग), 780 (भाग), 787 (भाग), 788 (भाग), 789 से 797 798 (भाग), 799, 800 (भाग), 801, 802, 803, 804, 805, 806 (भाग), 807, (भाग), 808 (भाग), 809 (भाग), 810 (भाग), 811 (भाग), 812 (भाग), 813 (भाग), 814 (भाग) 815 (भाग), 817 (भाग), 818 (भाग), 819 (भाग), 833 (भाग), 835 (भाग), 941 से 942 ।

माजल कला ग्राम मे अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

1 से 147, 148 (भाग), 149, 150 (भाग), 153 (भाग), 154 (भाग), 155 (भाग), 156 से 239, 240 (भाग), 255, 260 (भाग), 381 (भाग), 382 (भाग), 385 (भाग), 388 (भाग), 389 (भाग), 390 से 396, 397 (भाग), 398 से 519, 520 (भाग), 521 (भाग), 522, 523 (भाग), 524, 525 (भाग), 526 से 534, 535 (भाग), 536, 537 (भाग), 546 (भाग), 547 (भाग), 561 (भाग), 562 (भाग), 563 (भाग), 564 (भाग), 565 (भाग), 1114, 1116, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123 ।

सीमा वर्णन :

ङ–घ रेखा मुहेर ग्राम में प्लाट सं० 484, 502 और 520 से होकर जाती है, फिर अमलोरी ग्राम में प्लाट सं० 44, 45, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 88, 89, 92, 98, 96, 100, 114, 110, 109, 115, 119 और 120 से होकर जाती है और तब अमलोरी तथा नौगढ़ ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है ।

घ–ज–छ रेखाएं नौगढ़ ग्राम में प्लाट सं० 59, 72, 73, 74, 81, 80, 79, 87 90, 91 से होकर जाती है और काचनी ग्राम में प्लाट सं० 1, 1287, 1288, 1378, 1277, 1276, 1257, 1256, 1255, 1252 1246, 1248, 1247, 1244, 1183, 1183, 1180, 1164 1165, 1162 1136 1137 1139 1132, 1131, 1141, 1142, 1143 1114, 1069, 1068 1066, 1065, 1062, 1061, 1058, 1057, 3002, 1054, 3001, 1051, 1048, 1046, 1042, 1039, 1036, 1033, 1030, 3000, 1029, 1025, 1026, 1001, 1002, 1003, 1004, 276, 977, 978, 979, 972, 943, 942, 918 917, 914, 911, 910, 909, 901 900, 619, 899, 675, 623, 674, 673, और फिर 675, 692, 691, 690, 687, 686, 676, 677, से होकर जाती है और फिर मानजकला ग्राम में प्लाट सं० 240, 260, 153, 154, 155, 148, 150, 381, 382, 389, 385, 388, 565, 564, 563, 562, 561, 397, 520, 521, 547, 546, 523, 525, 537 और 535 से होकर जाती है और तब नवानगर ग्राम में प्लाट सं० 900, 835, 833, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 818, 819, से होकर जाती है और बिन्दु 'छ' पर मिलती है ।

छ–च रेखा ग्राम नवानगर मे प्लाट सं० 819, 817, 816, 798, 787, 788, 773, 774, 775, 780, 777, 722, 723, 720, 719, 718, 717, 716, 657, 659, 658, 653, 650, 654, 600, 601, 604, 266, 267, 255, 268, 275, 272, 273, 364, 366, 360, 361, 346, 348, 347, 345 से होकर जाती है ग्राम अमझर में प्लाट सं० 88, 87, 84, 49, और फिर 84, 22, 48 असंख्याकित प्लाट 36, 35, 27, 34, 53, और फिर 34, 33, और फिर 33, 30 और फिर 53, 30, 53, 8, 6, 3 और 1 मे होकर जाती है और तब ग्राम पुरेवा में प्लाट सं० 38 से होकर जाती है और तब ग्राम मुहेर मे (जो निगही ब्लाक की सम्मिलित सीमा बनाती है) प्लाट सं० 495, 494, 493, 496, 496/2, 491, 489, 488 और फिर 489 से होकर जाती है और बिन्दु 'च' पर मिलती है ।

च–क रेखा मुहेर ग्राम मे प्लाट सं० 489, 488, 487, 484 से होकर जाती है और प्रारंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है ।

अनुसूची

निगही ब्लाक

(सिंगरौली कोयला क्षेत्र)

जिला-सीधी (म०प्र०)

ड्राइंग सं० राजस्व 15/81

सभी अधिकार तारीख 28-1-81

(जिसमे अर्जित की गई भूमि दर्शित की गई है)

क्रम सं०	ग्राम	तहसील	तहसील सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1	2	3	4	5	6	7
1.	निगही	सिंगरौली	288	सीधी		भाग
2.	छान पथर	,,	184	,,		संपूर्ण
3	पुरेवा	,,	309	,,		भाग
4	मुहेर	,,	476	,,		,,
5	अमझर	,,	7	,,		
6	नवानगर	,,	129	,,		,,
7	घुरौली खुर्द	,,	117	,,		,,
8	घुरौली कला	,,	116	,,		
9	इलवा	,,	—	,,		,,
10.	बिनौली	,,	170	,,		,,
11.	पियरा लाल टोला	,,	—	,,		,,
12	जैतपुर	,,	—	,,		,,
13.	सरसावा राजा टोला	,,	224	,,		,,
14.	गर्डा	,,	—	,,		,,
15	मरयनी	,,	205	,,		,,
		कुल क्षेत्र	6385.00 एकड़			(लगभग)
		या	2583.88 हैक्टर			(लगभग)

ग्राम निगही में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक

2 (भाग), 9 (भाग), 10 (भाग), 11 से 64, 69 (भाग), 70 (भाग), 72 (भाग), 73 भाग), 74 से 91, 92 भाग), 93, 94 (भाग), 95 (भाग), 96 (भाग), 97 (भाग), 111 (भाग), 114 (भाग), 115 (भाग), 116 से 152, 153 (भाग), 154 (भाग), 55/162 (भाग), 163, 164, 95/165 (भाग), 95/166, 95/167 (भाग), 96/178 179, 46/180, 38/181, 116/182, 183, 184, 116/185, 116/186, 116/187, 116/188, 189, 190, 116/191, 16/192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 202, 202, 203 ।

ग्राम छान पथर अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

1 से 16 ।

ग्राम पुरेवा से अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

1 से 37, 38, (भाग), 39, 40, 41 ।

ग्राम मुहेर में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक .

222 (भाग), 223 (भाग), 226 (भाग), 227 (भाग), 228 (भाग), 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235 (भाग), 236 (भाग), 310 (भाग), 488 (भाग), 189 (भाग), 490, 491 (भाग), 492, 493 (भाग), 494 (भाग), 495 (भाग), 496 (भाग), 496/2 (भाग), 514, 575

ग्राम अमझर में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक .

1 (भाग), 2, 3 (भाग), 4, 5, 6 (भाग), 8 (भाग), 9 से 21, 22 (भाग), 23 से 26, 27 (भाग), 28, 29, 30 (भाग), 31, 32, 33 (भाग), 34 (भाग), 35 (भाग), 36 (भाग), एक असंख्यांकित प्लाट, 18 (भाग), 49 (भाग), 53 (भाग), 84 (भाग), 85, 86 87 (भाग), 88 (भाग), 799 ।

ग्राम नवानगर मे अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक .

1 से 254, 255 (भाग), 256 से 265, 266 (भाग), 267 (भाग), 268 (भाग), 272 (भाग), 273 (भाग), 274, 275 (भाग), 276 से 344, 345 (भाग), 346 (भाग), 347 (भाग), 348 (भाग), 360 (भाग), 361 (भाग), 362, 363, 364 (भाग), 365, 366 (भाग), 600 (भाग), 601 (भाग), 604 (भाग), 605 से 64-, 650 (भाग), 653 (भाग), 657 (भाग), 658 (भाग), 659 (भाग), 660 से 715, 716 (भाग), 717 (भाग), 718 (भाग), 719 (भाग). 720 (भाग), 721, 722

(भाग), 723 (भाग), 773 (भाग), 774 (भाग), 776 (भाग), 777 (भाग), 778, 779, 780 (भाग), 781 से 786, 787 (भाग), 788 (भाग), 816 (भाग), 819 (भाग), 934, 936, 937, 940, 798 (भाग), 817 (भाग) और 946।

ग्राम घुरौली खुर्द में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

1 से 340, 341 (भाग), 342 (भाग), 343 (भाग), 346 (भाग), 348 (भाग), 349 (भाग), 360 (भाग), 362 (भाग), 363 (भाग), 364 (भाग), 365 से 473, 474 (भाग), 475 (भाग), 565, 566, 568, 570

ग्राम घुरौली कला मे अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

1 से 414, 415 (भाग), 416 से 420, 421 (भाग), 422, 423, 423, 425 (भाग), 427 (भाग), 428 से 430, 431 (भाग), 432 (भाग), 470 (भाग), 471 (भाग), 472 (भाग), 473 (भाग), 474 से 477, 478 (भाग), 479 से 489, 490 (भाग), 491, 492 (भाग), 734 से 746।

ग्राम इमिया में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

1 से 106, 107 (भाग), 108, 109 (भाग), 130, (भाग), 131 (भाग), 132 (भाग), 133 (भाग), 134 (भाग), 136 (भाग), 137 से 263, 264 (भाग), 270 (भाग), 271 (भाग), 272 (भाग), 273 से 300, 301 (भाग), 303 (भाग), 304, 305 (भाग), 306, 307 (भाग), 308 (भाग), 302 (भाग), 715 से 726, 733 और 734।

ग्राम बिनौली में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

1,2, 2/1, 3 से 31, 32, 32/1, 32/2, 33 से 35, 35/1, 35/2, 35/2, 36,36/1,36/2, 36/3, 36/4, 36/5, 36/6, 37, 37/2, 37/21, 37/22 37/23, 37/24, 37/25, 37/26, 38 से 42, 42/1, 43, 43/1, 43/2, 43/3, 43/4, 43/5, 44 से 86, 87 (भाग), 88 (भाग) 95 (भाग), 96 (भाग), 97 से 112, 113 (भाग), 114 से 123, 124/1, 125 से 146, 141 (भाग), एक असंख्यांकित प्लाट 146 (भाग), 147 (भाग), 148 (भाग), 149 से 159, 160 (भाग), 161, 162 (भाग), 163 (भाग), 165, 169, 170, 185 (भाग), 187 (भाग), 192 (भाग), 196 (भाग), 197 (भाग), 198 (भाग), 199 (भाग), 200 201, 201/21, 201/22, 201/23, 201/24, 201/25, 207 (भाग), 208 (भाग), 209 (भाग), 210, 211, 213 से 216, 217 (भाग), 218 (भाग), 219 (भाग), 1016, 1050 (भाग), 1051 (भाग) 1052 से 1054, 1055 (भाग), 1056 से 1058।

ग्राम पिपरा लालटोला में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक

1 से 14, 15 (भाग), 16 (भाग), 17 (भाग), एक असंख्यांकित प्लाट 31 (भाग), 1 असंख्यांकित प्लाट 38 (भाग), 39 (भाग), 40 (भाग), 41 से 61, 64 (भाग), 65, 66 (भाग), 72 (भाग), 112, (भाग) 113 (भाग), 114,, 115, 116 (भाग), 117 से 121, 122 (भाग), 123 (भाग), 124 (भाग), एक असंख्यांकित प्लाट 125 से 128, 129 (भाग) 130 (भाग), 132 (भाग) और 156 (भाग)।

ग्राम जैनपुर में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक

3 (भाग), 8 (भाग), 9 (भाग), 10 (भाग), 11 (भाग), 12 से 35, 36/1, 36/2, 36/3 36/4, 36/5, 36/6, 36/7, 36/8, 37 से 42,43 (भाग), 44,45, 46, 47 (भाग), 48 से 66 68 से 71, 73/1, 73/2, 74 से 95, 96/1, 96/2, 96/3, 96/4 96/5, 96/6, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103 (भाग), 104 (भाग), 105 से 109, 110 (भाग), 111, 112 (भाग), 142 (भाग), 143 (भाग), 145 (भाग), 154 (भाग), 155 (भाग), 156 से 160, 161 (भाग), 162 (भाग), 163, 164 165 (भाग) 166 (भाग), 320 (भाग), 322 से 334, 336 (भाग), 338 (भाग), 339 (भाग) 882 (भाग), 883 (भाग), 884 (भाग), 886, 887 888 889 890, 899 900, 901 (भाग) 937 और 939।

ग्राम सरसावा राजाटोला में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

100(भाग), 100, 102, 103 ,104 (भाग), 105 (भाग), 107 (भाग), 108 (भाग), 109 (भाग), 110 से 115, 116/1, 116/2, 117 से 162, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197,

ग्राम गर्रा में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

1,2/1, 2/2, 61/1, (भाग), 63 (भाग), 64 (भाग), 66 (भाग), 67(भाग), 96, 97, 98, और 99।

ग्राम मरवनी में किए गए प्लाट संख्यांक :

1(भाग), 2 (भाग), 3 (भाग), 36 (भाग), 37 (भाग), और 38 (भाग)।

सीमावर्णन :

च-छ रेखा ग्राम मुहेर में प्लाट संख्यांक 489, 488, 491, 496/2, 496, 493, 494, 495 से होकर ग्राम पुरैवा में प्लाट संख्यांक 38 से होकर ग्राम अमभार में प्लाट संख्यांक 1, 3, 6, 8, 53, 30, 33, 34, 27, 35, 36, एक असंख्यांकित प्लाट, 48, 22, 49, 84, 87, 88, से होकर ग्राम नवानगर में प्लाट संख्यांक 345, 347, 348, 346, 361, 360, 366, 364, 273, 272, 275, 268, 255, 267, 266, 604, 601, 600, 650, 653, 658, 659, 657, 716, 717, 718, 719, 720, 723, 722, 777, 780, 775, 774, 773, 788, 798, 787,. 788, 817, 816, 819, से होकर जाती है।

छ-ज रेखा ग्राम नवानगर में प्लाट संख्यांक 819, 817, से होकर ग्राम घरौली खुर्द में प्लाट संख्यांक 474, 475, 364, 362, 363, 360, 349, 348, 346, 341, 343, 342 से होकर ग्राम घरौली में प्लाट संख्यांक 490, 492, 478, 470, 471, 472, 473, 415, 432, 431, 427, 425, 421 से होकर ग्राम इमिया प्लाट संख्यांक 107, 109, 136, 134, 133, 132, 131, 130, 264, 270, 271, 272, 301, 303, 305, 312, 307, 308, से होकर ग्राम बनौली में प्लाट संख्यांक 87 88, 95, 96, 113, 141, 146, 148, 147, 160 एक असंख्यांकित प्लाट 162, 163, 185, 187, 1050, 1051, 1055, 199, 192, 196, 198, 197, 209, 208, 207, 218, 217, 219 से होकर ग्राम पिपरालाल टोला में प्लाट संख्या 16, 17, 15, एक असंख्यांकित प्लाट, 31 एक असंख्यांकित प्लाट, 40, 39, 38, 66, 72, 64, 113, 112, 116, 130, 129, 132, 124, एक असंख्यांकित प्लाट, 123, 122; 156, से होकर ग्राम जैनपुर में प्लाट संख्या 339, 338, 336, 320 165, 166, 162, 161, 155, 103, 154, 104, 145, 142 143 112, 110 से होकर जाती है।

ज-झ रेखा ग्राम जैनपुर और सरसावा लालटोला और सरसावा राजाटोला, और सरसावाद लालटोला की भागत सम्मिलित सीमा से होकर जाती है।

झ-ट-ठ रेखा ग्राम सरसावा राजाटोला मे प्लाट संख्या में 100, 104, 105, 107, 108, 109, से होकर ग्राम जैनपुर प्लाट सं० 8, 9, 882, 10, 884, 883, 11, 43, 3, 47 से होकर ग्राम गर्रा में प्लाट सं० 67, 66, 61/1, 66, 64, 63 और प्लाट संख्या 63, 3, 4/2, 4/1, 5 से होकर जाती है (जो कोयला अधिनियम की धारा 9 के अधीन अर्जित किए गए जयन्त ब्लाक विस्तार सम्मिलित सीमा बनाती है।

ठ-ड। रेखाएं, ग्राम गर्रा और मरवनी, बिनौली और मुरवनी की भागत सम्मिलित सीमा से होकर जाती है फिर ग्राम मरवनी प्लाट संख्या 1, 47 46 3 2, 1 से होकर जाती है।

ड1-ड2 रेखा ग्राम मुरबती में प्लाट संख्या 1 से होकर फिर ग्राम निगही मे प्लाट सं० 153, 154, 114 से होकर जाती है। (जो कोयला अधिनियम की धारा 9 के अधीन अर्जित किए गए जयन्त ब्लाक की भागत. सम्मिलित सीमा बनाती है)

ड2-ड रेखा निगही ग्राम में प्लाट सं० 114, 115, 111, 92, 94, 95/167, 95 से होकर जाती है। (जो कोयला अधिनियम की धारा 9 के अधीन अर्जित किए गए जयन्त ब्लाक विस्तार की भागत. सम्मिलित सीमा बनाती है)

ड-ण-त रेखा ग्राम निगही में (जो खान और खनिज विनियमन और विकास) अधिनियम, 1958 की धारा 18 के अधीन अधिसूचित क्षेत्र है) प्लाट सं० 95, 95/165, 55/162, 96, 97, 72, 70, 69, 9, 2 से होकर जाती है।]

त-थ रेखा ग्राम निगही मे प्लाट सं० 210 से होकर ग्राम मुहैर में प्लाट सं० 222, 223, 228, 227, 226, 235, 236, 310 489 से होकर जाती है और आरम्भिक बिन्दु "थ" पर मिलती है।

[सं० 19/13/81-सी स

स्वर्ण सिंह, अवर सचिव

(Department of Coal)

New Delhi, the 4th February, 1982

S.O. 660.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Steel, Mines and Coal (Department of Coal) No. S.O. 1251 dated the 3rd May, 1980, under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands specified in the Schedule appended to that notification ;

And whereas the competent Authority, in pursuance of section 8 of the said Act, has made his report to the Central Government ;

And whereas the Central Government, after considering the report aforesaid and, after consulting the Government of Madhya Pradesh, is satisfied that the land measuring 18082.00 acres (approximately) or 7317.42 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the lands measuring 18082.00 acres (approximately) or 7317.42 hectares (approximately) described in the said Schedule are hereby acquired ;

2. The plans of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Sidhi (Madhya Pradesh) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, or in the Office of Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi (Bihar).

SCHEDULE

Jhingurda Block—Extn. Singrauli Coalfield Distt. Sidhi(M.P.)

Drg. No. Rev/16/81
Dated : 28-1-81
(Shewing lands acquired)

All Rights.

Serial No.	Village	Tahsil	Tahsil number	District	Area	Remarks
1.	Churki	Deosar	—	Sidhi		Part.
2.	Jhingurda	Singrauli	206	Sidhi		Part.
		Total Area : 307 00 Acres (Approximately) or : 124 24 Hectares (Approximately)				

Plot numbers acquired in Village Churki :—

761 (Part), 915 (Part), 921 (Part), 922 (Part), 923 (Part), 924, 925 (Part), 929 (Part), 932 (Part), 933 (Part), 1010 (Part) & 1011 (Part).

Plot numbers acquired in village Jhingurda :—

11 (Part), 12 (Part), 13 (Part), 17 (Part), 20 (Part), 21 (Part), 24 (Part), 25 (Part), 68 (Part), 69 (Part), 70 (Part), 73 (Part), 74 (Part), 75 (Part), 79 (Part), 92 (Part), 97 (Part) & 105 (Part).

Boundary description.

A–B	Line passes through plot Nos. 73 and 105 of village Jhingurda.
B–C–D–E	lines pass through plot Nos. 105, 75, 97, 92, 68 12, 13, 17, 20, 21, 24 & 25 of village Jhingurda and along the part common boundary of villages Jhingurda & Churik (which forms part common boundary of the Jhingurda Colliery acquired u/s 9(1) of Coal Act.)
E–F	line passes through plot No. 25 of village Jhingurda & through plot No. 933 of village Churki.
F–G–H	lines pass through plot nos 933, 932, 929, 1010, 1011, 925, 923, 922 & 921 of village Churk
H–A	line passes through plot nos. 921, 915, & 761 of village Churki and through plot Nos. 11, 69, 70, 74 & 73 of village Jhingurda.

SCHEDULE

Muher Block (Singrauli Coalfield) District : Sidhi (M.P.)

Drg. No. Rev/14/81
Dated 28-1-81
(Showing lands acquired)

All rights

Serial No.	Village	Tahsil	Tahsil Number	District	Area	Remarks
1.	Amlori	Singrauli	6	Sidhi		Part.
2.	Muher	-do-	476	,,		,,
3.	Paderi	-do-	305	,,		,,
4.	Chinagitola	-do-	173	,,		,,
5.	Haraia	-do-	6	,,		,,
5.	(Pukra Ramgarh)					
6	Chekara	-do-	178	,,		,,
		Total area : 6015.00 acres (approximately) or : 2434 15 hectares (approximately)				

Plot numbers acquired in village Amlori :—

1 to 43, 44 (Part), 45 (Part), 46 to 62, 63 (Part), 64 (Part), 65 (Part), 66 (Part), 67 (Part), 68 (Part), 69 to 87, 88 (Part), 89 (Part), 92 (Part), 93, 94, 95, 96 (Part), 97, 98 (Part), 100 (Part) 101 to 108, 109 (Part), 110 (Part), 114 (Part), 115 (Part), 116 to 118, 119 (Part), 120 (Part), 121 to 272, 273 (Part), 274 to 286 287 (Part), 288 (Part), 289 (Part), 290 (Part), 293 (Part), 294 to 412, 413 to 641, 642 (Part), 661 (Part), 662 (Part), 663 (Part), 664, (Part) 665 (Part), 666 (Part), 667 (Part), 669 (Part), 670 (Part), 671 (Part), 672 to 674, 675 (Part), 732 (Part), 733 (Part), 745 to 749, 751 to 753, 754 (Part), 757, 643 (Part), 653 (Part), 654 (Part), 655 (Part), 656 (Part), 657 (Part), 658 (Part), 659 (Part) & 660 (Part).

Plot Numbers acquired .n village Muhar :—

411 (Part), 412, 413, 414 (Part), 477 (Part), 478 (Part), 479 to 483, 484 (Part), 502 (Part) & 520 (Part).

Plot numbers acquired in village Padari :—

1353 (Part), 1362 (Part), 1363, 1364, 1365 (Part), 1366 (Part), 1367 (Part), 1372 (Part) & 1373 to 1383.

Plot numbers acquired in village Chhinagitela :—

489 (Part), 490 (Part), 491 (Part), 492 (Part) & 493.

Plot numbers acquired in village Haraia (Pukra Ramgarh) :

6 (Part), 7, 8 (Part), 9, 10 (Part), 12 (Part), 26/1 (Part), 26/2 (Part), 26/3 (Part), & 27 (Part).

Plot numbers acquired in village Chokara :—

1 to 12, 13 (Part) & 14 to 254.

Boundary description :—

A-B	line passes through plot Nos. 414, 411, in village Muhar, through plot nos. 1372, 1367, 1365, 1366, 1362, 1363 in village Padari, then through plot nos 492, 491, 490, 489 in village Chhinagitela & meets at point 'B'.
B-C	line passes through plot no 489 in village Chhingaitela, then through plot nos 6, 8, 10, 12, 26/1, 26/2, 26/3, 27 in village Haraia (Pukra Ramgarh) then through plot no 13 in village Chokara & meets at point 'C'.
C-D	line passes along the Central line of River, then through plot Nos 290, 273, 289, 287, 293, 642, 643, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 669, 670, 671 675, 754, 732, 733, in village Almori and meets at Point 'D'.
D-E	line passes along the Central Line of Nalla, then along the part common boundary of villages Naugarh & Amlori, then through plot nos 120, 119, 115, 109, 110, 114, 100, 96, 98, 92, 89, 88, 68, 67, 66, 65, 64, 63, 45, 44 in village Amlori, then through plot nos 520, 502, 484, in village Muhar & meet at point 'E'.
E-A	line passes through plot nos 484, 470, 477, 414, in village Muhar and meets at starting point 'A'.

SCHEDULE

AMLORI BLOCK

(Singrauli Coalfields)

District—Sidhi (M.P.)

Drg. No. Rev/13/81
Dated : 28-1-81.
(showing lands acquired)

ALL RIGHTS

S. No.	Village	Tahsil	Tahsil number	District	Area	Remarks
1.	Amlori	Singrauli	6	Sidhi		Part
2.	Muhar	,,	476	,,		,,
3.	Naugarh	,,	—	,,		,,
4.	Kachani	,,	—	,,		,,
5.	Dasauti	,,	—	,,		Full
6.	Bharwa	,,	181	,,		,,
7.	Kol Bharwa	,,	41	,,		,,
8.	Purewa	,,	309	,,		Part
9.	Amjhar	,,	7	,,		,,
10.	Nawa Nagar	,,	—	,,		,,
11.	Majan Kala	,,	—	,,		,,
		Total	Area : 5375.00 Acres (approximately) or : 2175.15 hectares (,,)			

Plot numbess acquired in village Amlori :——

44 (Part), 45 (Part), 63 (Part), 64 (Part), 65 (Part), 66 (Part), 67 (Part), 68 (Part), 88 (Part), 89 (Part), 90, 91, 92 (Part), 96 (Part), 98 (Part), 99, 100 (Part), 109 (Part), 110 (Part), 111, 112, 113, 114, (Part), 115 (Part), 119 (Part) and 120 (Part.)

Plot numbers acquired in village Muhar :— —

484 (Part), 487 (Part), 488 (Part), 489 (Part), 491 (Part), 493 (Part), 494 (Part), 495 (Part), 496 (Part), 496/2 (Part), 497 to 501 502 (Part), 503 to 512, 520 (Part), 569 & 570.

Plot numbers acquired in village Naugarh :——

1 to 58, 59 (Part), 60 to 71, 72 (Part), 73 (Part), 74 (Part), 75, 76, 77, 78, 79 (Part), 80 (Part), 81 (Part), 87 (Part), 90 (Part), 91 (Part), 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232 2333 & 2234.

Plot numbers acquired in village Kachani :—

1 (Part), 2 to 618, 619, (Part), 620, 621, 623 (Part), 624 to 672 673 (Part), 674 (Part), 675 (Part), 676 (Part), 677 (Part), 686 (Part), 687 (Part), 689 690 (Part), 691 (Part), 692 (Part), 899 (Part), 900, 901 (Part), 902 (Part), 909 (Part), 910 (Part), 911 (Part), 912, 913, 914 (Part), 917 (Part), 918 (Part), 919 to 941, 942 (Part), 943 (Part), 972 (Part), 976 (Part), 977 (Part), 978, (Part), 979 (Part), 980 to 1000, 1001 (Part), 1002 (Part), 1003 (Part), 1004 (Part), 1024 (Part), 1025 (Part), 1026 (Part), 1029 (Part), 1030 (Part), 1031, 1032, 1033 (Part), 1034, 1035, 1036 (Part), 1039 (Part), 1040, 1041, 1042 (Part), 1046 (Part), 1047 1048, (Part), 1051 (Part), 1054 (Part), 1057 (Part), 1058 (Part), 1061 (Part), 1062 (Part), 1065 (Part), 1066 (Part), 1068 (Part), 1069 (Part), 1031 (Part), 1932 (Part), 1136 (Part), 1937 (Part), 1138, 1139 (Part), 1140, 1141 (Part), 1142 (Part), 1143 (Part), 1144 (Part),1145 to 1161, 1162 (Part), 1164 (Part), 1165 (Part), 1166, to 1179, 1180 (Part), 1181, 1182, 1183 (Part), 1188 (Part), 1244 (Part), 1246 (Part), 1247 (Part), 1248 (Part), 1249 to 1251, 1252 (Part), 1255 (Part), 1256 (Part), 1257 (Part), 1258 to 1275, 1276 (Part), 1277 (Part), 1278, 1279, 1280, 1281, 1282, 1283, 1284, 1285, 1286, 1287 (Part), 1288 (Part), 1302 (Part), 1378, (Part), 2967, 2970, 2971, 2973, 2974, 2975, 2976, 2977, 2978, 2979, 2980, 2981, 2982, 2983, 2984, 2995, 2996, 2997, 2998, 3000 (Part)- 3001, (P)- 3002 (Part)- 3100 & 3101.

Plot number acquired in villages Dassauti : 1 to 661.

Plot numbers acquired in village Bharwa : 1 to 1501

Plot numbers acquired in village Kol Bharwa : 1 to 39.

Plot nombers acquired in village Purewa : 38 (Part).

Plot numbers acquired in village Amjhar :——

1 (Part), 3 (Part), 6 (Part), 7, 8 (Part), 22 (Part), 27 (Part), 30 (Part), 33 (Part), 34 (Part), 35 (Part), 36 (Part), one unnumbered plot 37, so 47, 48 (Part), 49 (Part), 50, 51, 52, 53 (Part), 54 to 83 84 (Part), 87 (Part), 88 (Part), 89 to 797, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 705, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, & 865.

Plot numbers acquired in village Nawa Nagar :—

255 (Part), 266 (Part), 267 (Part), 268 (Part), 269 270, 271, 272, (Part), 273 (Part), 275 (Part), 345 (Part), 346 (Part), 347 (Part), 348 (Part), 349 to 359, 360 (Part), 361 (Part), 364 (Part), 366 (Part), 367 to 599, 600 (Part), 601 (Part), 602, 603, 604 (Part), 650 (Part), 651, 652, 653 (Part), 654 (Part), 655, 656, 657 (Part), 658 (Part), 659 (Part), 716 (Part), 717 (Part), 718

(Part), 719 (Part), 720 (Part), 722 (Part), 723 (Part), 724 to 772, 773 (Part), 774 (P), 775 (Part), 776, 777 (Part), 788 (Part), 787 (Part), 788 (Part), 789 to 797, 798 (Part), 799, 800 (Part), 801, 802, 803, 804, 805, 806, (Part), 807 (Part), 808 (Part), 809 (Part), 810 (Part), 811 (Part), 812 (Part), 813 (Part), 814 (Part), 815 (Part), 816 (Part), 817 (Part), 818 (Part), 819 (Part), 833 (Part), 835 (Part), 941 & 942.

Plot nos. acquired in village Maidan Kalas :——

1 to 147, 148 (Part), 149, 150 (Part), 153 (Part), 154 (Part), 155 (Part), 156 to 239, 240 (Part), 255, 260 (Part), 381 (Part), 382 (Part), 385 (Part), 388 (Part), 389 (Part), 390 to 396, 397 (Part), 398 to 519, 520 (Part), 521 (Part), 522, 523 (Part), 524, 525 (Part), 526 to 534, 535 (Part), 536, 537 (Part), 546 (Part), 547 (Part), 561 (Part), 562 (Part), 563 (Part), 564 (Part), 565 (Part), 1114, 1116, 1118, 1119, 1120, 121, 1122 & 1123.

Boundary Description :—

E-D. line passes through plot nos. 484, 502, 520, in village Muher, through plot nos: 44, 45, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 88, 89, 92, 98, 96, 100, 114, 110, 109, 115, 119, 120, in village Amlor, then alone part : common boundary of villages Amlori & Naugarh & meets at point 'D'.

D-H-G. lines pass through plot nos. 59, 72, 73, 74, 81, 80, 79, 87, 90, 91, in village Naugarh through Plot nis. 1,1287, 1288, 1378, 1277, 1276, 1257, 1256, 1255, 1246, 1248, 1247, 1244, 1188, 1183, 1180, 1164, 1165, 1162, 1136, 1137, 1139, 1132, 1141, 1142, 1143, 1144, 1069, 1068, 1066, 1065, 1062, 1061, 1058, 1057, 3002, 1054, 3001, 1051, 1048, 1046, 1042, 1039, 1036, 1033, 1030, 3000, 1029, 1025, 1026, 1001, 1002, 1003, 1004, 976, 977, 978, 979, 972, 943, 942 918, 917, 914, 911, 910, 909, 902, 901, 900, 619, 899, 675.

623, 674, 673, again 675, 592, 691, 690, 687, 686, 676, 677, in village Kachani, through plot nos. 240, 260, 153, 154, 155, 148, 150, 381, 382, 389, 385, 388, 565, 564, 563, 562, 561, 397, 520, 521, 547, 546, 523, 525, 537, 535, in village Majan Kala, then through Plot nos. 800, 835, 833, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 818, 819, in village Nawanagar and meets at plot 'G'.

G-F. line passes through plot nos. 819, 817, 816, 789, 787, 788, 773, 774, 775, 780, 777, 722, 723, 720, 719, 718, 717, 716, 657, 658, 659, 653, 650, 654, 600, 601, 604, 266, 267, 255, 268, 275, 272, 273, 364, 366, 360 361, 346, 348, 347, 345, in village Nawanagar through plot nos. 88, 37, 84, 49, again 84, 22, 48, one un-numbered plot, 36, 35, 27, 34, 53, again 34, 33, again 53 30 again 53, 30, 53, 86, 3, and 2 in village Amjhar, the through plot no. 38 in village Purewa, then through plot nos. 495, 494, 493, 496, 496/2, 491, 489, 488, 488, again 489 in village Muher (which forms common boundary of Nigahi Block) & meets at point 'F'.

F-E. line passes through 'plot nos. 489, 488, 487, 484, in village Maher & meets at starting plot 'E'.

SCHEDULE

Nigahi Block

(Singrauli Coalfields)

District—Sidhi (M.P.)

Drg. No. Rev/15/81

Dated : 28-1-81

All Rights (Showing lands acquired).

Serial Number	Village	Tehsil	Tehsil number	District	Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
1.	Nigahi	Singrauli	288	Sidhi		Part
2.	Chhan Pathar	,,	184	,,		Full
3.	Purewa	Singrauli	309	Sidhi		Part
4.	Muher	,,	476	,,		Part
5.	Amjhar	,,	7	,,		Part
6.	Nawa Nagar	,,	129	,,		Part
7.	Ghorauli Khurd	,,	117	,,		Part
8.	Ghorauli Kala	,,	116	,,		Part
9.	Itwa	,,	—	,,		Part
10.	Binauli	,,	170	,,		Part
11.	Pipra Lal tola	,,	—	,,		Part
12.	Jaitpur	,,	—	,,		Part
13.	Sarsabah Raja Tola	,,	224	,,		Part
14.	Garda	,,	—	,,		Part
15.	Murhbani	,,	205	,,		Part

Total Area : 6385.00 acres (approximately)
or : 2583.88 hectares (approximately)

Plot numbers acquired in Village Nigahi :—

2(Part), 9(Part), 10(Part), 11 to 64, 69(Part) 70(Part), 72 (Part), 73(Part), 74 to 91, 92(Part), 93, 94(Part), 95(Part), 96(Part), 97(Part), 111(Part), 114(Part), 115(Part), 116 to 152, 153(Part), 154(Part), 55/162(Part), 163,164, 96/165(Part), 95/166, 95/167 (Part), 96/178, 179, 46/180, 38/181, 116/182, 183, 184, 116/185, 116/186, 116/187, 116/188, 189, 190, 116/191, 116/192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202 & 203.

Plot numbers acquired in Village Chhan Pathar :—1 to 16
Plot numbers acquired in Village Purewa :—1 to 37, 38(Part), 39, 40 & 41.

Plot numbers acquired in village Muher :—222(Part), 225 (Part), 226(Part), 227(Part), 228(Part), 229, 230, 231, 232, 233 234, 235(Part), 236(Part), 310 (Part), 488(Part), 489(Part), 490, 491(Part), 492, 493(Part), 494(Part), 495(Part), 496(Part), 496/2 (Part), 514 & 575.

Plot number rsacquired in village Amjhar :—

1(Part), 2, 3(Part), 4, 5, 6(Part), 8(Part), 9 to 21, 22(Part), 23 to 26, 27(Part), 28, 29, 30(Part), 31, 32, 33(Part), 34(Part), 35(Part), 36(Part), one un-numbered plot, 48(Part), 49(Part), 53(Part), 84(Part), 85, 86, 87(Part), 88(Part), & 798.

Plot numbers acquired in village Nawa Nagar :—

1 to 254, 255(Part), 256 to 265, 266(Part), 267(Part), 268(Part), 272(Part), 273(Part), 274, 275(Part), 276 to 344, 345(Part), 346(Part), 347(Part, 348(Part), 360(Part), 361(Part), 362, 363, 364(Part), 365, 366(Part), 600(Part), 601(Part), 604(Part), 605 to 649, 650(Part), 653(Part), 657(Part), 658(Part), 659(Part), 660 to 715, 716(Part), 717(Part), 718(Par) 719(Part), 720(Part), 721, 722(Part), 723 (Part), 773(Part), 774 (Part), 775(Part), 777(Part), 778, 779, 780(Part), 781 to 786, 787 (Part), 788(Part), 816(Part), 819(Part), 934, 936, 937, 940, 798 (Part), 817(Part), & 946.

Plot numbers acquired in village Ghorauli Khurd :—

1 to 340, 341(Part), 342(Part), 343(Part), 346(Part), 348(Part), 349(Part), 360(Part), 362(Part), 363(Part), 364(Part), 365 to 473, 474(Part), 475(Part), 565, 566, 568 & 570.

Plot numbers acquired in village Ghorauli Kala :—

1 to 414, 415(Part), 416 to 420, 421(Part), 422, 423, 424, 425, (Part), 427(Part), 428 to 430, 431(Part), 432(Part), 470(Part), 471(Part), 472(Part), 473(Part), 474 to 477, 478(Part), 479 to 489, 490(Part), 491, 492(Part), & 734 to 746.

Plot numbers acquired in village Itwa :—

1 to 106, 107(Part), 108, 109(Part), 130(Part), 131(Part), 132, (Part, 133(Part), 134(Part), 136(Part), 137 to 263, 264(Part), 270(Part), 271(Part), 272(Part), 273 to 300, 301(Part), 303(Part), 304, 305(Part), 306, 307(Part), 308(Part), 312(Part), 715 to 726, 733 & 734.

Plot numbers acquired in village Binauli :—

1,2, 2/1, 3 to 31, 32,32/1, 32/2, 33 to 35, 35/1, 35/2, 35/3, 36, 36/1, 36/2, 36/3, 36/4, 36/5, 36/6, 37, 37/2, 37/21, 37/22, 37/23, 37/24, 37/25, 37/26, 38 to 42, 42/1, 43, 43/1, 43/2, 43/3, 43/4, 43/5, 544 to 86, 87(Part), 88(Part), 95(Part), 96(Part), 97 to 112, 113(Part), 114 to 123, 124/1. 125 to 140, 141(Part), one unnumbered, Plot, 146(Part), 147(Part), 148(Part), 149 to 159, 160(Part), 161, 162(Part), 163(Part), 165, 169, 170, 185 (Part), 187(Part), 192(Part), 196(Part), 197(Part), 198 (Part), 199(Part), 200, 201, 201/21. 201/22, 201/23, 201/24, 201/25, 207(Part), 208(Part), 209(Part), 210, 211, 213 to 216, 217(Part), 218(Part), 219(Part), 1046, 1050(Part), 1051(Part), 1052 to 1054, 1055(Part) & 1056 to 1058.

Plot numbers acquired in village Pipra Lal Tola:—

1 to 14, 15(Part), 16(Part), 17(Part), one unnumbered plot, 31(Part), one unnumbered plot, 38 (Part), 39(Part), 40 (Part), 41 to 61, 64(Part), 65, 66 (Part), 72(Part), 112(Part), 113(Part, 114, 115 , 116(Part), 117 to 121, 122(Part), 123(Part), 124(Part), one unnumbered plot , 125 to 128, 129(Part), 130(Part), 132 (Part) & 156(Part).

Plot numbers acquired in village Jaitpur:—

3(Part), 8(Part), 9(Part), 10(Part), 11(Part), 12 to 35, 36/1, 36/2, 36/3, 36/4, 36/5, 36/6, 36/7, 36/8, 37 to 42, 43(Part), 44, 45, 46, 47(Part), 48 to 66, 68 to 71, 73/1, 73/2, 74 to 95, 96/1 96/2, 96/3, 96/4, 96/5, 96/6, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103(Part), 104(Part), 105 to 109, 110(Part), 111, 112(Part), 142(Part), 143 (Part), 145(Part), 154(Part), 155(Part), 156 to 160, 161(Part), 162(Part), 163, 164, 165(Part), 166(Part), 320(Part), – 322 to 334, 336(Part), 338(Part), 339(Part), 882(Part), 883(Part), 884 (Part), 886, 887, 888, 889, 890, 899, 900, 901(Part), 937 & 938.

Plot numbers acquired in village Sarsabah Raja Tola :—

100(Part), 101, 102, 103, 104(Part), 105(Part), 107(Part), 108(Part), 109(Part), 110 to 115, 116/1, 116/2, 117 to 162, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196 & 197.

Plot numbers acquired in village Garda :—

1, 2/1, 2/2, 61/1(Part), (63 Part), 64(Part), 66 (Part), 67(Part), 96, 97, 98 & 99.

Plot numbers acquired in village Murhbani :—

1(Part), 2(Part), 3(Part), 36(Part), 37(Part) & 38(Part)

Boundary Description :—

F—G line passes through plot nos 489, 488, 491, 496/2, 496, 493, 494, 495, in village Muher, through plot no. 38 in village Purewa, through plot nos. 1, 3, 6, 8, 53, 30, 33, 34, 27, 35, 36, one unnumbered plot, 48, 22, 49, 84, 87, 88, in village Amjhar through plot nos 345, 347, 348, 346, 361, 360, 366, 364, 273, 272, 275, 268, 255, 267, 266, 604, 601, 600, 650, 653, 658, 659, 657, 716, 717, 718, 719, 720, 723, 722, 777, 780, 775 774, 773, 788, 798, 787, 788, 817, 816, 819, in village Nawa Nagar.

G—I Line passes through plot nos. 819, 817, in village Nawa Nagar, through plot nos. 474 475, 364, 362, 363, 360 349, 348, 346, 341., 343, 342 in village Ghurauli Khurd, through plot nos. 490, 492, 478, 470, 471, 472, 473, 415, 432, 431, 427, 425, 421, in village Ghurauli Kala through plot nos. 107, 109, 136, 134, 133, 132, 131, 130, 264, 270, 271, 272, 301, 303, 305, 312, 307, 308, in village Itwa, through plot nos. 87, 88, 95, 96, 113, 141, 146, 148, 147, 160, one unnumbered plot, 162, 163, 185, 187, 1050, 1051, 1055, 199, 192, 196, 198, 197, 209, 208, 207, 218, 217, 219, in village Binauli, through plot nos. 16, 17, 15, one unnumbered plot, 31, one unnumbered plot, 40, 39, 38, 66, 72, 64, 113, 112, 116, 130, 129, 132, 124, one unnumbered plot, 123, 122, 156, in village Pipra Lal Tola through plot no. 901, one unnumbered plot, 339, 338, 336, 320, 165, 166, 162, 161, 155, 103, 154, 104, 145, 142, 143, 112, 110, in village Jaitpur.

I-J Line passes along the part common boundary of villages Jaitpur & Sarsabah Lal Tola & Sarsabah Rajatola & Sarsabah Lal - tola.

J-K-L lines pass through plot nos. 100, 104, 105, 107, 108, 109, in village Sarsabah Raja tola, through plot nos. 8,9, 882, 10, 884, 883, 11, 43, 3, 47 in village Jaitpur, through plot nos. 67, 66, 61/1, 66, 64, 63, By plot nos. 63, 3,4/2, 4/1, 5 in village Garda (which forms part common boundary of Jayant block Extn. acquired u/s 9 of the Coal Act).

L-M-M1 lines pass along the part common boundary of villages Garda & Murhbani, Binauli & Murhbani, then through plot nos. 38, 37, 36, 3,2,1, in village Murhbani

M1-M2 line passes through plot no. 1 in village Murhbani, then through plot nos. 153, 154, 114, in village Nigahi (which form part common boundary of Jayant block acquired u/s 9 of the Coal Act).

M2-N line passes through plot nos. 114, 115, 111, 92, 94, 95/167, 95 in village Nigahi (which forms part common boundary of Jayant Block Extn. acquired u/s 9 of the Coal Act.)

N-O-P line pass through plot nos. 95, 95/165, 55/162, 96, 97, 72, 73, 70, 69, 9, 2, in village Nigahi (which forms part common boundary of notification u/s 17 of Mines & Minerals (Regulation & Development) Act, 1957).

P-F line passes through plot nos. 210, in village Nigahi, through plot nos. 222, 223, 228, 227, 226, 235, 236, 310, 489, in village Muher & meets at Starting point 'F'.

[No 19/13/18-CL]

SWARAN SINGH, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1982

का० आ० 661.—भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद अधिनियम, 1970 (1970 का 48) की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद से परामर्श करने के पश्चात् एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अनुसूची के भाग-1 में सरकारी आयुर्वेदिक विद्यालय (कालेज), पटियाला से संबंधित क्रम सं० 88 के सामने कालम 4 के अन्तर्गत वर्तमान प्रविष्टि "आयुर्वेदाचार्य के ए० ए०" के सामने "1912 से 1961 तक" की प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी :—

[सं० आर 12015/17/81-ए० ई]

हिम्मत सिंह धकालिया, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 2nd February, 1982

S.O. 661.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Indian Medicine Central Council Act, 1970 (48 of 1970), the Central Government after consulting the Central Council of Indian Medicine, hereby makes the following further amendment in the Second Schedule to the said Act, namely :—

In Part I of the said Schedule, against serial number 88, relating to Government Ayurvedic Vidyalaya (College), Patiala, for the existing entry under column 4 against "Ayurveda-charya.....', the entry "From 1912 to 1961" shall be substituted.

[No. R-12015/17/81-AE]

H. S. DHAKAALIA, Under Secy.

संस्कृति विभाग

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1982

(पुरातत्व)

का० आ० 662.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट संरक्षित संस्मारक के निकट या पार्श्वस्थ क्षेत्र को निर्माण के प्रयोजनों के लिए प्रतिषिद्ध कर दिया जाए :

अतः केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष नियम, 1959 के नियम, 31 के अनुसरण में उक्त प्रयोजन के लिए उक्त क्षेत्र को प्रतिषिद्ध क्षेत्र घोषित करने के अपने आशय की इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से, एक मास की सूचना देती है ;

केन्द्रीय सरकार, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के पूर्व उक्त क्षेत्रों से हितबद्ध किसी व्यक्ति से प्राप्त किसी आक्षेप पर विचार करेगी ।

अनुसूची

क्रम सं०	राज्य	जिला	तहसील	अवस्थान	संस्मारक	प्रतिषिद्ध घोषित किए जानेवाले सर्वेक्षण प्लाट सं०		क्षेत्र (हैक्टर में)	स्वामित्व	उस क्षेत्र में आधुनिक संरचना का ब्यौरा, यदि कोई हो, जिसे प्रतिषिद्ध घोषित किया जाना है	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7		8	9	10	11
1	महाराष्ट्र	औरंगाबाद	औरंगाबाद	औरंगाबाद	राबिया दूरानी का मकबरा (बीबी का मकबरा)	सर्वेक्षण प्लाट सं०	31	2.21	प्राईवेट	कुछ नहीं	कुछ नहीं
						"	32	3.82	"	"	"
						"	45(भाग)	0.05	"		
						"	46(भाग)	0.06	"	"	"
						"	97	7.72	"	"	"
						"	99	7.57	"	"	"
						"	102	0.72	"	"	"
						"	103	0.70	"	"	"
						"	106	7.40	"	"	"
						नगर सर्वेक्षण सं०	1590	1.37	"	"	"
						"	2034	0.21	"	"	"

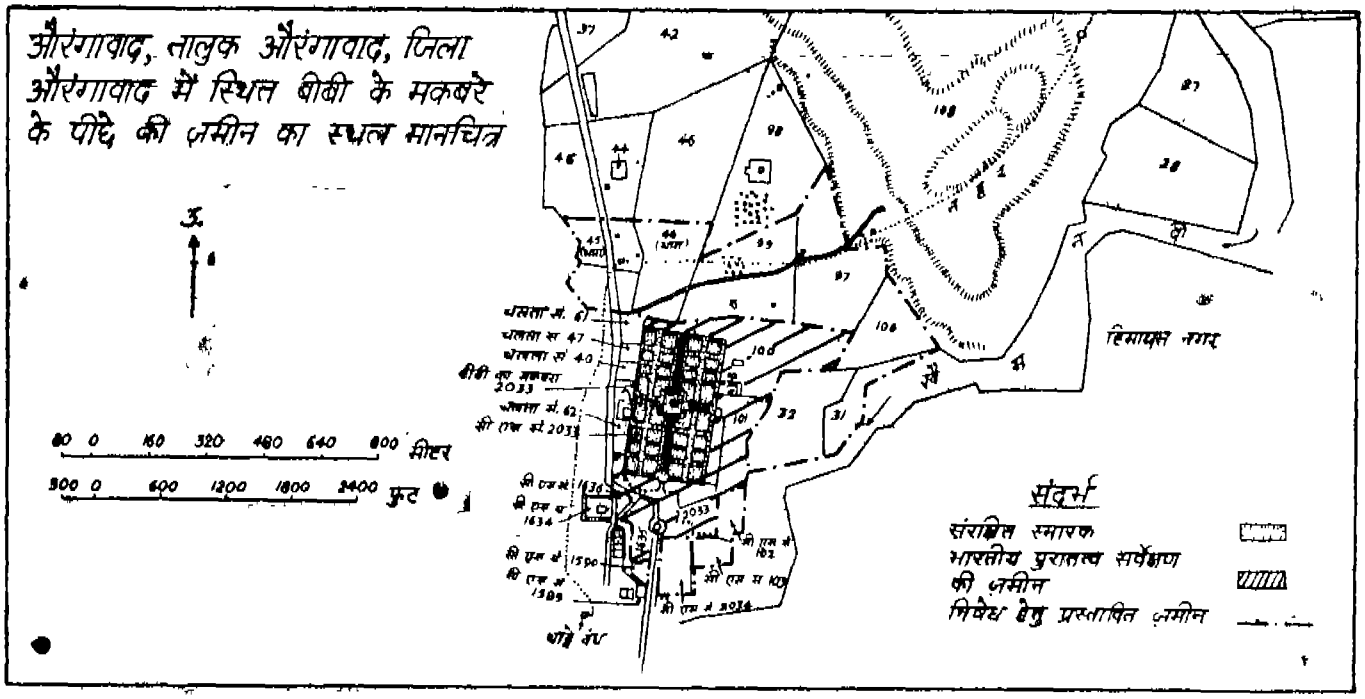

[सं० 2बी/1/79-स्मा०]

DEPARTMENT OF CULTURE

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 9th February, 1982

(ARCHAEOLOGY)

S.O. 622.—Whereas the Central Government is of opinion that the areas near or adjuining the protected monument specified in the Schedule attached hereto to be prohibited for purpose of construction ;

Now, therefore in pursuance of rule 31 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, the Central Government hereby gives one month's notice of its intention to declare the said areas as prohibited areas for the above purpose, from the date of publication of this notification in the Official Gazette;

Any objection which may be received from any person interested in the said areas before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

THE SCHEDULE

Sl. No.	State	District	Tehsil	Locality	Name of Monument	Revenue Plot Number to be declare prohibited	Area (in hectares)	Owner-ship	Details of modern structure, if any, in the area to be declared prohibited	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	Maharashtra	Auranga-bad	Auranga-bad	Auranga-bad	Tomb of Rabia Daurani (Bibi-ka-Maqbara)	Survey plot No. 31	2.21	Private	Nil	Nil
						No. 32	3 82	Private	Nil	Nil
						No. 45 (Part)	0 05	Private	Nil	Nil
						No. 46 (Part)	0.05	Private	Nil	Nil
						No. 97	7.72	Private	Nil	Nil
						No. 99	7.57	Private	Nil	Nil
						No. 102	0.72	Private	Nil	Nil
						No. 103	0.70	Private	Nil	Nil
						No. 106	7.40	Private	Nil	Nil
						City Survey No. 1590	1.37	Private	Nil	Nil
						No. 2034	0 21	Private	Nil	Nil

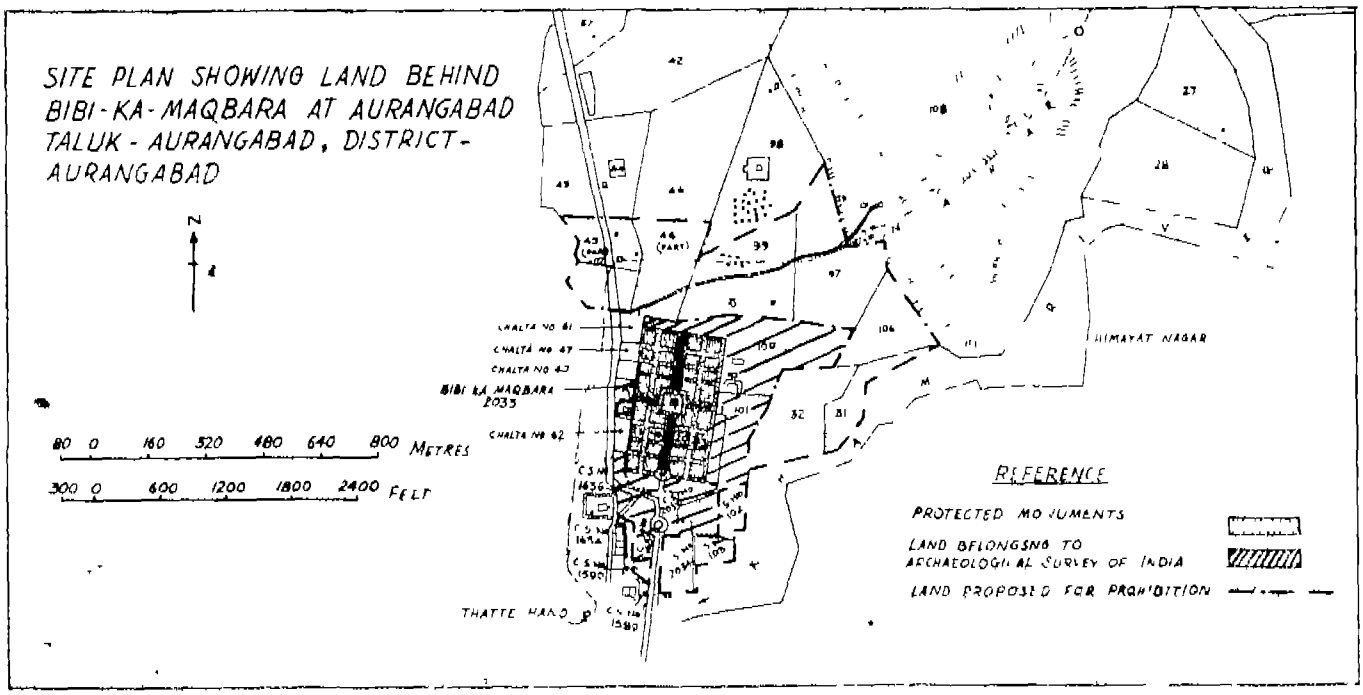

का० आ० 663—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक राष्ट्रीय महत्व का है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना देती है ;

केंद्रीय सरकार, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो मास की अवधि के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारक में हितबद्ध किसी भी व्यक्ति से प्राप्त किसी आक्षेप पर विचार करेगी ।

अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	अवस्थान	संस्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन सम्मिलित किए जाने वाले सर्वेक्षण प्लाट सं०
1	2	3	4	5	6
मध्य प्रदेश	भोपाल	भोपाल (हुजूर)	पेपुरा (भोपाल के पश्चिम में)	नीचे दिए गए रेखांक में दर्शित सर्वेक्षण प्लाट सं० 65 और 66 में समाविष्ट सलग्न क्षेत्र के साथ-साथ पहाड़ी आश्रय-स्थल और रंगचित्र	नीचे दिए गए रेखांक में दर्शित सर्वेक्षण प्लाट सं० 65 और 66 के भाग

क्षेत्र		सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणी
7		8	9	10
4 31 हैक्टर	उत्तर	सर्वेक्षण प्लाट सं० 66 का शेष भाग	सरकारी	—
	पूर्व	सर्वेक्षण प्लाट सं० 65 का शेष भाग		
	दक्षिण	सर्वेक्षण प्लाट सं० 66 का शेष भाग		
	पश्चिम	सर्वेक्षण प्लाट सं० 66 का शेष भाग		

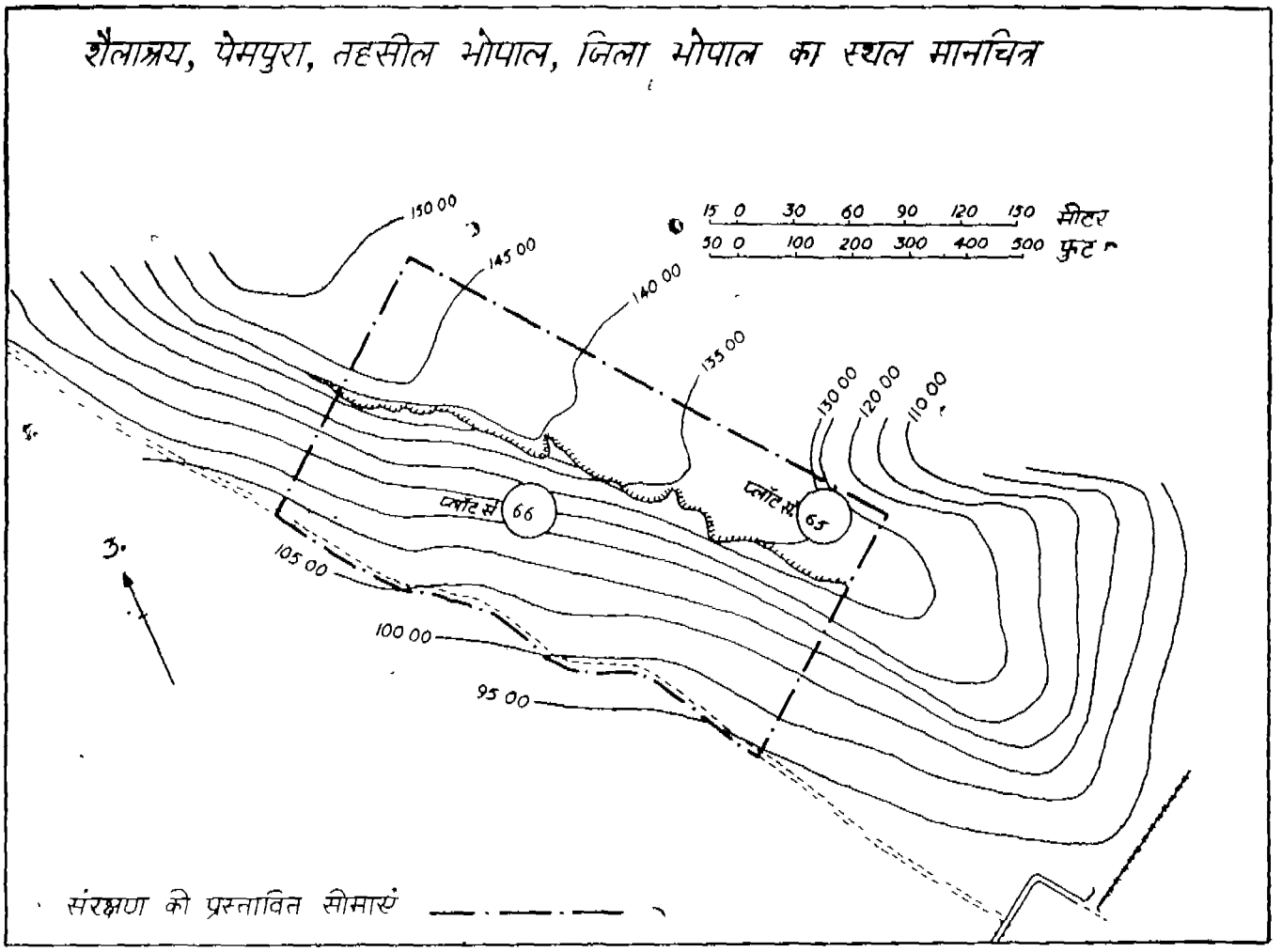

[सं० 2/9/73-स्मा०]

डा० (श्रीमती) देवला मित्र, महानिदेशक
और संयुक्त सचिव, पदेन

S.O. 663.—Whereas the Central Government is of opinion that the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Site and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives two months, notice of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance;

Any objection which may be received within a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette from any person interested in the said ancient monument will be considered by the Central Government.

SCHEDULE

State	District	Tehsil	Locality	Name of Monument	Revenue plot numbers to be included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Madhya Pradesh	Bhopal	Bhopal (Huzoor)	Pempura (Wets of Bhopal)	Rock shelters with paintings together with adjacent area comprised in parts of survey plot numbers 65 and 66 as shown in the site plan reproduced below	Parts of survey plot Nos. 65 and 66 as shown in the site plan reproduced below	4.31 Hectares	North: Remaining portion of survey plot No. 66 East : Remaining portion of survey plot No. 65 South: Remaining portion of survey plot No. 66 West : Remaining portion of survey plot No. 66	Government	—

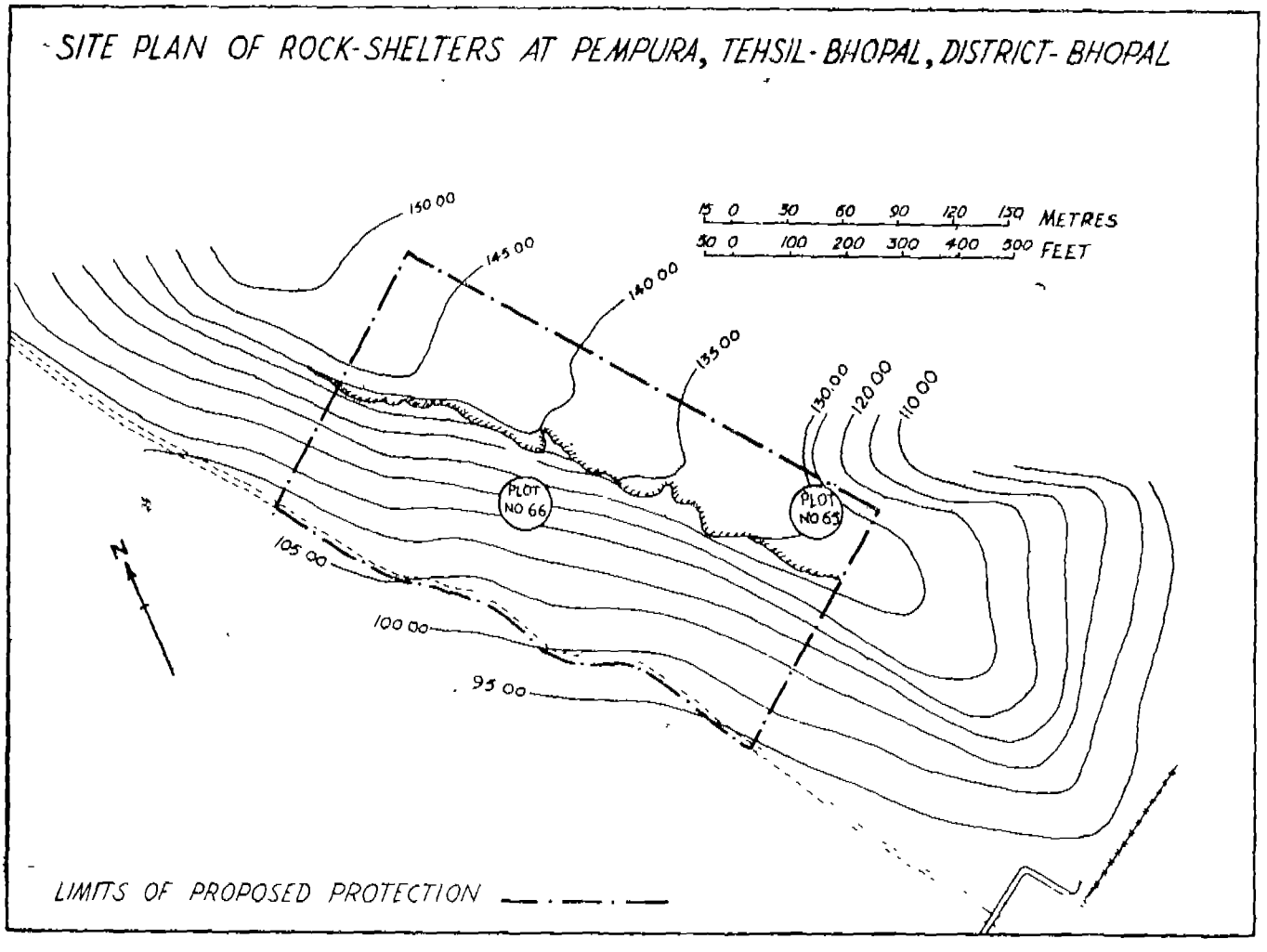

[No. 2/9/73-M]

D. MITRA, Dir. Gen. and Ex-officio Joint Secy

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1982

का० आ० 664.—यत: केन्द्रीय सरकार का दिल्ली की बृहत् योजना में यहां नीचे बताए गए क्षेत्रीय विनियमनों के सम्बन्ध में कतिपय संशोधन करने का प्रस्ताव है, जिसे दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (1957 का 61) की धारा 44 के अन्तर्गत 4-4-1981 के नोटिस संख्या एफ०-16(158)/78-एम० पी० उक्त नोटिस के 30 दिन के अन्तर्गत आपत्तियां/सुझाव मांगने के लिए प्रकाशित किया गया था, जैसे कि उक्त अधिनियम की धारा 11ए की उपधारा (3) में अपेक्षित है।

और यत: यहां नीचे बताई गई अधिसूचना के सम्बन्ध में कोई आपत्ति या सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है।

अब यत: उक्त अधिनियम की धारा 11ए की उपधारा (2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस अधिसूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दिल्ली की उक्त बृहत् योजना में निम्नलिखित संशोधन करती है; नामत: —

संशोधन :

"बृहत् योजना पुस्तक के पृष्ठ 61 पर शीर्ष 1(सी०) के अन्तर्गत शाहदरा और करोल बाग में जिला केन्द्र एवं प्रस्तावित केन्द्रीय व्यापार जिले "25 एकड़ से अधिक जिला केन्द्र" के नीचे निम्नलिखित जोड़ा जाएगा—

उप जिला केन्द्र :	
अधिकतम एफ०ए०आर०	125
अधिकतम भूपटाव	25 प्र०श०

[संख्या के०-13011/14/80-डी०डी०-IIए०]
कृष्ण कुमार सक्सेना, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 6th February, 1982

S.O. 664.—Whereas certain modification, which the Central Government proposes to make in the Master Plan for Delhi regarding zoning regulations mentioned hereunder were published with Notice No. F-16(158)/78-MP dated 4-4-1981 in accordance with the provisions of Section 44 of Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) inviting objections/ suggestions as required by sub-section (3) of Section 11-A of the said Act, within thirty days from the date of said notice;

And whereas no objections or suggestions having been received with regard to the said modification mentioned hereunder.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 11-A of the said Act, the Central Government hereby makes the following modification in the said Master Plan for Delhi with effect from the date of publication of this notification in the Gazete of India, namely :

MODIFICATION :

"At page 61, of the Master Plan book in the table under head IV (C) "District Centres and proposed Central Business Districts in Shahdara and Karol Bagh" below "District Centre more than 25 acres," the following shall be inserted" :—

Sub-District Centres :	
Maximum F. A. R.	125
Maximum ground coverage	25%

[No. K-13011/14/80-D.D. II.A]
K. K. SAXENA, Desk Officer

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1982

का० आ० 665.—राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजन के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10(4) के तहत जिन्हें सरकारी राजपत्र में 17 जुलाई, 1976 को अधिसूचित किया गया था, के तहत, इस कार्यालय के तारीख 26 अगस्त, 1981 को जारी की गई अधिसूचना सं० ई०-1901-6/81-राजभाषा में निम्नलिखित संशोधित किया जाता है—

परिशिष्टि पृष्ठ 2 उत्तर पश्चिम डाक सर्किल

क्रम सं० 3 :	'निदेशक, डाक सेवायें जालन्धर' के स्थान पर 'प्रधर अधीक्षक डाकघर, जालन्धर,' पढ़ा जाय ।

[सं०ई०-1904/1/81-राजभाषा]
मंगल नाथ सिंह, निदेशक
(राजभाषा)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 5th February, 1982

S.O. 665.—In operation of Rules 10(4) of the Official Language (use for official purposes of the Union) Rules, 1976 as published in the Gazette of India vide notification No. L-1901-6/81-OL dated 26th August, 1981, the following amendment has been made :—

Appendix Page 2	North West Postal Circle
Sl. No. 3	'Sr. Supdt. Post Offices, Jullundur' may be read in place of 'Director, Postal Services, Jullundur'.

[No. E-1904/1/81-OL]
M. N. SINGH, Director (OL)

श्रम मंत्रालय

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1981

का० आ० 666.—भारत सरकार, श्रम मंत्रालय के आदेश संख्या एल-42013/1/81-डी-II-बी०, तारीख 25 सितम्बर 1981 के आदेश में, श्री आर० के० गांगुली के हस्ताक्षर के नीचे जो "नियोजकों का प्रतिनिधित्व करते हैं", "मुख्य कार्यपालक इंजीनियर" के स्थान पर "मुख्य कार्यपालक अधिकारी" पढ़ें।

[सं० एल-42013/1/81-डी-II-बी]

MINISTRY OF LABOUR

CORRIGENDUM

New Delhi, the 30th October, 1981

S.O. 666.—In the Order of the Government of India in the Ministry of Labour No. L-42013(1)/81-D.II.B dated the 25th September, 1981 for the words "Chief Executive Engineer" below the signature of Shri R. K. Ganguly "representing employers" please read "Chief Executive Officer".

[No. L-42013(1)/81-D.II.B]

आदेश

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर 1981

का० आ० 667.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में मैसर्स ट्रावनकोर टाईटेनियम प्रोडक्टस लि०, त्रिवेन्द्रम के प्रबंधतंत्र के सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है :

अतः केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी थिरुफैजी महमूद होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या मैसर्स ट्रावनकोर टाईटेनियम प्रोडक्टस लि०, के नियोजकों द्वारा सर्वश्री एन, बालचन्द्रन थम्पी और पी० सी० भास्करन की टंककों के रूप में 1974 से 1978 तक की सेवाओं को ज्येष्ठ लिपिकों के रूप में प्रोन्नति के लिए 3 वर्ष के अपेक्षित अनुभव के लिए अपेक्षा करना न्यायोचित है, यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार है ?

[सं० एल०-42012/83/80-डी०-2 (बी,)]
एस० एस० भल्ला, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 18th December, 1981

S.O. 667.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of M/s. Travancore Titanium Products Limited, Trivandrum and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitute an Industrial Tribunal of which Thiru Fyzee Mahmood shall be the Presiding Officer, with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the employers of M/s. Travancore Titanium Products Limited were justified in ignoring the services of S/Shri N. Balachandran Thampi and P. C. Bhaskaran as typists from 1974 to 1978 as part of the required experience of 3 years for promotion as Senior Clerks ? If not, to what relief are the workmen entitled ?

[No. L-42012/83/80-D.II.B]
S. S. BHALLA, Desk Officer

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1982

का० आ० 668.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भसीन एसोसिएट (प्राईवेट) लिमिटेड, 58, जनपथ, नई दिल्ली, जिसके अन्तर्गत नवल बेस विशाखापत्तनम -14 स्थित उसकी शाखा भी है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/130/81-पी०एफ०-2]

New Delhi, the 30th January, 1982

S.O. 668.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bhasin Associates (Private) Limited, 58, Janpath, New Delhi including its branch at Naval Base, Visakhapatnam-14, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(130)/81-PF. II]

का० आ० 669.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्राकृतिक चिकित्सा और योग-विज्ञान संस्थान, सोलहवी के० एम० टुमकुर रोड, बंगलोर-73. नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/131/81-पी० एफ-2]

S.O. 669.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Institute of Naturopathy and Yogic Sciences, 16th K.M. Tumkur Road, Bangalore-73, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(131)/81-PF. II]

का० आ० 670.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गोरे एंड कंपनी, ग्रेट सोशियल बिल्डिंग, सर फिरोजशाह मेहता रोड, फोर्ट मुम्बई-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एस०-35018/132/81-पी० एफ-2]

S.O. 670.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gore and Company, Great Social Building, Sir Phirozshah Mehta Road, Fort, Bombay-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018/132/81-PF. II]

का० आ० 671.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स छोटेलाल केशरजी शाह एंड सन्स, नजीर बिल्डिंग, 6/12, कालिकट स्ट्रीट, बल्लार्ड एस्टेट, बम्बई-38 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35018/133/81-पी० एफ०-2]

S.O. 671.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Chhotalal Kesharjee Shah and Sons, Nazir Building, 6/12, Calicut Street, Ballard Estate, Bombay-38, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018/133/81-PF. II]

का० आ० 672.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एक्सिस एडवरटाईजिंग कान्सल्टैन्ट, रहमान बिल्डिंग, 24 वीर नरिमन रोड, मुम्बई-23, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35018/138/81-पी०एफ०-2]

S.O. 672.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Axis Advertising Consultants, Rehman Building, 24, Veer Nariman Road, Bombay-23, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018/138/81-PF. II]

का० आ० 673.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डी० जे० बी० इंटर प्राइसेज, शाप नं० 6 और 7, कम्बाटा बिल्डिंग, 42 एम० कार्वे रोड, मुम्बई-20, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35018/139/81-पी० एफ०-2]

S.O. 673.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs D. J. B. Enterprises, Shop No. 6 and 7, Cambata Building, 42 M, Karve Road, Bombay-20, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018/139/81-PF. II]

का० आ० 674.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शिफाफार्मा, डी-2, एम० आई० डी० सी० एरिया, सोलहवीं रोड, अंधेरी (पूर्व) मुम्बई-93 जिसके अन्तर्गत (1) कुंजविला, एक्जिबिशन रोड, पटना (2) मेहरलाज 107, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लाल किरन, लखनऊ और (3) 5ए, ओरिएण्ट रोड, कलकत्ता-1 स्थित उसकी शाखाएं भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35018/140/81-पी० एफ०2]

S.O. 674.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shifa Pharma, D2, M.I.D.C. Area, 16th Road, Andheri (East) Bombay-93 including its branches at (1) Kunjvilla Exhibition Road, Patna, (2) Meher Ledge, 107, Guru Govind Singh Marg, Lal Keran Lucknow and (3) 5A, Orient Row, Calcutta-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018/140/81-PF. II]

का० आ० 675.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दि पैकेज्ड टुर कंपनी, 44, मिंटरोड, मुम्बई-3 जिसके अन्तर्गत 2, लोक नायक भवन, खान मार्केट नई दिल्ली स्थित इसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35018/141/81-पी० एफ०-2]

S.O. 675.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Packaged Tour Company, 44, Mint Road, Bombay-1 including its branch at 2, Lok Nayak Bhavan, Khan Market, New Delhi, have agreed that the provisions of the Emplyoees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018/141/81-PF. II]

का० आ० 676.—केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रोमार्ट्स एडवरटाइजिंग, 303, उद्योग मन्दिर, 2,7-सी, पीताम्बर लेन, माहिम, मुम्बई-16, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35018/142/81-पी० एफ०-2]

S.O. 676.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Promarts Advertising, 303, Udyog Mandir 2, 7-C, Pitamber Lane, Mahim Bombay-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment ;

[No. S-35018/142/81-PF. II]

का० आ० 677.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स क्लेन्जाएड्स इंजीनियर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 21, पीरामल इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० वी० रोड, गोरेगांव, (पश्चिम), मुम्बई-62, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35018/143/81-पी० एफ०-2]

S.O. 677.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Klenzaids Engineers (Private) Limited, 25-Piramal Industrial Estate, S. V. Road, Goregaon (West), Bombay-62, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018/143/81-PF. II]

का० आ० 678.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सागर कॉटन कंपनी, 21, मित्तल चैम्बर्स, 229 नरिमन प्वाइंट, मुम्बई-21, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ,

इस केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35018/144/81-पी० एफ०-2]

S.O. 678.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sagar Cotton Company, 21, Mittal Chambers, 229, Nariman Point, Bombay-21, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018/144/81-PF. II]

का० आ० 679.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आनेस्टी इंडस्ट्रीज, 48-2, फेज 2, सेंट्रल रोड, मारेल इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम०, आई० डी० सी०, कार्यालय महाकाली केवस् रोड, अंधेरी (पूर्व) मुम्बई-73, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35018/147/81-पी० एफ०-2]

S.O. 679.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Honesty Industries, 48-2, Phase-II, Central Road, Marel Industrial Estate, MIDC Office Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-73, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018/147/81-PF. II]

का० आ० 680.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स स्पेक्ट्रम डेकर टी० के० इंडस्ट्रियल इस्टेट, गुप्तावाड़ी, किंग एडवर्ड क्रास लेन, सेवरी, बम्बई-15, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35018/148/81-पी० एफ०-2]

S.O. 680.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Spectrum Decor, T. K. Industrial Estate, Gupta Wadi, King Edward Cross Lane, Sewree, Bombay-15, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018(148)/81-PF. II]

का० आ० 681—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पैट्रियाट फार्मा, शाह इंडस्ट्रियल इस्टेट 35, टंगवे साकीविहार रोड, मुम्बई-72 जिसके अन्तर्गत 18/2, द्वितीय फनस्वाड़ी, मोती बिल्डिंग मुम्बई-2 स्थित उसका कार्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एफ०-35018/149/81-पी० एफ०-2]

S.O. 681.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Patriot Pharma, Shah Industrial Estate, 35, Tungway, Sakivihar Road, Bombay-72 including its Office at 18/2, 2nd Fanaswadi, Moti Building, Bombay-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018(149)/81-PF. II]

का० आ० 682—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सिग्मा सालवेंट, प्लाट सं० ए-39, एम० आई० डी० सी० फेज-1, डोम्बिवली, (जिला थाना), जिसके अन्तर्गत 80-81, जवाहर कोआपरेटिव इंडस्ट्रियल इस्टेट, कामोठे पानवेल स्थित उसका प्रशासनिक कार्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस० 35018/150/81-पी० एफ०-2]

S.O. 682.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sigma Solvants, Plot No. A-39, MIDC, Phase-I, Dombivli (District Thana), including its Administrative Office at 80-81, Jawahar Co-operative Industrial Estate, Kamothe Panvel, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018(150)/81-PF. II]

का० आ० 683—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स यूनीटेक्स कार्पोरेशन, 712, एम्बैसी सेंटर आठवी मंजिल, नरिमन पाइंट मुम्बई 21 जिसके अन्तर्गत (1) कानपुर रोड, अहमदाबाद और (2) 322, कीर्ति महल, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली स्थित उसकी शाखाएं भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35018/153/81-पी० एफ०-2]

S.O. 683.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the empolyees in relation to the establishment known as Messrs Unitex Corporation, 712, Embassy Centre, 7th Floor, Nariman Point, Bombay-21 including its branches at (1) Kanpur Road, Ahmedabad and (2) 322, Kirti Mahal Rajendra Place, New Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018/153)/81-PF. II]

का० आ० 684—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सी० वी० इंडस्ट्रीज 8 बी, तरुणा बिल्डिंग, जॉनसन एंड जॉनसन के सामने, मुलुन्द (पश्चिम) मुम्बई-80, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35018/154/81-पी० एफ०-2]

S.O. 684.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs C. V. Industries, 8-B, Taruna Building, Opposite Johnson, Mulund (West), Bombay, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018(154)/81-PF. II]

का० आ० 685—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हरीण कुमार इंजीनियरिंग वर्क्स, (प्राइवेट) लिमिटेड, 2/20, रांकी इन्डस्ट्रियल इस्टेट, आई० बी० पटेल रोड, गोरेगांव (पूर्व) मुम्बई-63, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि

और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस० 35018/155/81-पी० एफ०-2]

S.O. 685.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Harish Kumar Engineering Works (Private) Limited, 2/20, Rocky Industrial Estate, I. B. Patel Road, Goregaon (East), Bombay-63, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018(155)/81-PF. II]

का० आ० 686—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अतुल इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन 6-ए, फेवरिट इंडस्ट्रियल इस्टेट, मसरानी लेन, कुर्ला मुम्बई 70 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एम० 35018/156/81-पी० एफ०-2]

S.O. 686.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Atul Industrial Corporation, 6-A, Favourite Industrial Estate, Masrani Lane, Kurla, Bombay-70, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018(156)/81-PF. II]

का० आ० 687—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वोस्तोक लेबारटरीज-16, राजस्वग्राम, छतरीबाग इंदौर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/14/81-पी० एफ०-2]

S.O. 687.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vostok Laboratories, 16, Rajeswagram, Chhatribagh, Indore, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(14)/81-PF. II]

का० आ० 688—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एल्को इन्स्ट्रूमेन्ट कंपनी, 19 फ्रेंड कालोनी, जी० टी० रोड, शाहदरा-32 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एम०-35019/56/81-पी० एफ०-2]

S.O. 688.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Elco Instruments Company, 19, Friend Colony, G. T. Road, Shahdara, Delhi-32, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(56)/81-PF. II]

का० आ० 689—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स संघवी ब्रदर्स, 59, एम० टी० क्लाथ मार्केट, इन्दौर, नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/57/81-पी० एफ-2]

S.O. 689.—Whereas it appears to the Central Government that the employment and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sanghvi Brothers, 59, M. T. Cloth Market, Indore, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(57)/81-PF. II]

का० आ० 690—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अजय प्लास्टिक इंडस्ट्रीज फ्लैट सं० 95-96, शहजादा बाग, इक्सटेंशन, पुराना रोहतक रोड, दिल्ली, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस -35019/58/81-पी० एफ-2]

S.O. 690.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ajay Plastic Industries, Flat No. 95-96, Shahzada Bagh Extension, Old Rohtak Road, Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(58)/81-PF.II]

का० आ० 691—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स के० आर० एस० केमिकल कंपनी 20, ए० अंसारी मार्केट, दरियागंज, नई दिल्ली-2, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है

[सं० एस-35019/59/81-पी० एफ-2]

S.O. 691.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs K.R.S. Chemical Company, 20-A, Ansari Market, Darya Ganj, New Delhi-2 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(59)/81-PF-II]

का० आ० 692—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स न्यू इंडिया इंजीनियरिंग कार्पोरेशन मेन रोड, क्विलोन, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इसबात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है

[सं० एम-35019/66/81-पी० एफ-2]

S.O. 692.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs New India Engineering Corporation, Main Road, Quilon, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(66)/81-PF.II]

का० आ० 693—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हंस भवन फ्लैट ओनर्स एसोसिएशन 1, बहादुर शाह जफर मार्ग, तिलक ब्रिज के पास, नई दिल्ली-2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है

[संख्या एस० 35019/71/81-पी० एफ-2]

S.O. 693.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hans Bhavan Flatowners Association, 1, Bahadur Shah Zafar Marg, Near Tilak Bridge, New Delhi-2 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(71)/81 PF.II]

का० आ० 694—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बालक उपजीविका अन्ध चिकित्सा गृह, 29/सी, रणजीतसिंह रोड, नई दिल्ली नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है

[संख्या एस०-35019/72/81-पी० एफ-2]

S.O. 694.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Occupational Therapy Home for Children, 29/C, Ranjit Singh Road, New Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(72)/81-PF.II]

का० आ० 695—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आदर्श नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड, 151, टैगोर मार्ग, इन्दौर (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है

[संख्या एस- 35019/73/81-पी० एफ-2]

S.O. 695.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Adarsh Nagrik Sahakari Bank Limited, 151, Tagore Marg, Indore (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952

(19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(73)/81-PF.II]

का० आ० 696.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लोकनाथ एंड कम्पनी (मेन्टीनेंस) 23, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/74/81-पी० एफ-2]

S.O. 696.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Loke Nath and Company (Maintenance), 23, Kasturba Ghandhi Marg, New Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(74)/81-PF.II]

का० आ० 697.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रूप साड़ीस, 3 आर्य समाज रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-5 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है

[सं० एस-35019/75/81-पी एफ-2]

S.O. 697.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Roop Sarees, 3, Arya Samaj Road, Karol Bagh, New Delhi-5, have agreed that the Provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(75)/81-PF.II]

का० आ० 698.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इंडिया टॉयस इंडस्ट्रीज, 1157, ए/3, बाबर पुर रोड, शाहदरा, दिल्ली नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/76/81-पी० एफ-2]

S.O. 698.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs India T oys Industries, 1157, A-3, Babar Pur Road, Shahdara, Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(76)/81-PF.II]

का० आ० 699.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मॉडर्न पेपर प्रोडक्टस, 97-98/बी०, इन्डस्ट्रियल इस्टेट, पोलो-ग्राउन्ड इन्दौर-3, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/77/81-पी० एफ-2]

S.O. 699.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Modern Paper Products, 97-98/B, Industrial Estate, Pologround, Indore-3, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(77)/81-PF-II]

का० आ० 700.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कपूर केमिकल कारपोरेशन, 19 अंसारी मार्केट, नई दिल्ली-2, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/83/81-पी० एफ०-2]

S.O. 700.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kapoor Chemical Corporation, 19, Ansari Market, New Delhi-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(83)/81-PF.II]

का० आ० 701.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दिलमन इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन 10-बी, रीगन बिल्डिंग, नई दिल्ली नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है

[सं० एम०-35019/86/81-पी० एफ -2]

S.O. 701.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dilson Industrial Corporation, 10-B, Regal Building, New Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(86)/81-PF-II]

का० आ० 702.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राधा ऑफसेट प्रेस, 3, लोटस रामास्वामी स्ट्रीट, मद्रास-13 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है

[सं० एस-35019/87/81- पी० एफ-2]

S.O. 702.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Radha Offset Press, 3, Lotus Ramasamy Street, Madras-13, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(87)/81-PF. II]

का० आ० 703.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सुमेरपुर को-ऑपरेटिव मार्केटिंग सोसाइटी लिमिटेड, सुमेरपुर जिसके अन्तर्गत बाली जिला पाली (राजस्थान) स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एम०- 35019/117/81-पी० एफ०-2]

S.O. 703.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sumerpur Cooperative Marketing Society Limited, Sumerpur including its branch at Bali District Pali (Rajasthan), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(117)/81-PF-II]

का० आ० 704.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स साखी इंजीनियर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 99ए, मित्तल चेंबर्स, नरिमन प्वाइंट, मुम्बई-21, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35018/130/81-पी० एफ०-2]

S.O. 704.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sakhi Engineers (Private) Limited, 99A, Mittal Chambers, Nariman Point, Bombay-21, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018(130)/81-PF-II]

का० आ० 705.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रकाश इंजीनियरिंग वर्क्स, एम० टी० रोड, जयपुर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एम०-35019/133/81-पी०एफ०-2]

S.O. 705.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Prakash Engineering Works, M.I. Road, Jaipur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(133)/81-PF-II]

का० आ० 706.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स चड्ढा ट्रेवल्स (प्राइवेट) लिमिटेड, नैकसम्स होटल, जबलपुर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं,

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एम०-35019/174/81-पी० एफ०-2]

S.O. 706.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Chadha Travels (Private) Limited, Jacksons Hotel, Jabalpur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(174)/81-PF.II]

का० आ० 707. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पेपर प्रोडक्ट्स एंड पैकेजिंग इंडस्ट्रीज, 2 और 3 आर्काट रोड, मद्रास-26 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/276/81-पी०एफ०-2]

S.O. 707.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Paper Products and Packaging Industries, 2 and 3, Arcot Road, Madras-26, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(276)/81-PF-II]

का० आ० 708. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जेन्त रबर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, इंडस्ट्रियल इस्टेट, एट्टुमानूर, जिला कोट्टायम, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों का बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/77/81-पी०एफ०-2]

S.O. 708.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Zens Rubbers (Private) Limited, Industrial Estate, Ettumanoor, Kottayam District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(277)/81 PF-II]

का० आ० 709. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सुदर्शन चक्र, 92/1 एल, आर्काट रोड, मद्रास-24, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस० 35019/278/81-पी०एफ०-2]

S.O. 709.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sudarsan Chakra, 92/1-L, Arcot Road, Madras-24, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(278)/81 PF-II]

का० आ० 710.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लक्ष्मणन इसोला लिमिटेड, 11, राजभवन रोड, बंगलौर-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एस० 35019/279/81-पी०एफ०-2]

S.O. 710.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Laxshmanan Isola Limited, 11, Raj Bhavan Road, Banglore-I, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(279)/81-PF-II]

का०आ० 711.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रामकृष्ण कुडिल, कुडिल ट्रान्सपोर्ट, तिरुपराईथुराई, जिला त्रिची नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एस०-35019/280/81-पी०एस० 2]

S.O. 711.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ramakrishana Kudil, Kudil Transports, Tirpuraithurai, Trichy District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(280)/81-PF-II]

का॰आ॰ 712—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राजको रबर एण्ड प्लास्टिक, पोस्ट बाक्स संख्या 4, इण्डस्ट्रियल इस्टेट मद्रास-58 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अत: केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एस॰ 35019/281/81-पी॰एफ॰-2]

S.O. 712.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rajko Rubber and Plastics, Post Box No. 4, Industrial Estate, Madras-58, have agreed that the provision, of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made aplicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(281)/81-PF-II]

का॰आ॰ 713.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रीसीजन इन्स्ट्रूमेंट मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी ए-46, नारायणा इण्डस्ट्रियल एरिया, फेज-1, नई दिल्ली-28 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अत: केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोजन करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एस॰ 35019/283/81-पी॰एफ-2]

S.O. 713.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Precision Instrument Manufacturing Company, A-46, Naraina Industrial Area, Phase-I, New Delhi-28 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(283)/81-PF-II]

का॰आ॰ 714.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सर्विस, मद्रास सेंटर, ईस्टस्पर टैंक रोड, मद्रास-31 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए,

अत: केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस-35019/292/81-पी॰एफ॰-2]

S.O. 714.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs World University Service, Madras Centre, East Spur Tank Road, Madras-31, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(292)/81-PF-II]

का॰ आ॰ 715.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आइडियल रबर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एट्टूमानूर कोट्टायम, केरल, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अत: केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस॰-35019/293/81-पी॰एफ-2]

S.O. 715.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ideal Rubbers (Private) Limited, Industrial Estate, Ettumanoor, Kottayam, Kerala, have agree that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No S-35019(293)/81 PF. II]

का॰आ॰ 716.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कोनेलेक कैसंल्टेन्ट्स (प्राइवेट) लिमिटेड, नं॰ 3, फर्स्ट मेन रोड, गांधी नगर, मद्रास-20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अत: केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एस-35019/311/81-पी॰एफ॰-2]
आर॰ के॰ दास, अवर सचिव

S.O. 716.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Conclec Consultants (Private) Limited, No. 3, 1st Main Road, Gandhi Nagar, Madras-20, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No. S 35019(311)/81-PF-II]
R K DAS, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1982

का०आ० 717.—केन्द्रीय सरकार, लौह अयस्क खान तथा मैंगनीज अयस्क खान श्रम कल्याण निधि नियम, 1978 के नियम 3 के उप-नियम (2) के साथ पठित लौह अयस्क खान तथा मैंगनीज अयस्क खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1976 (1976 का 61) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 810, तारीख 6 फरवरी, 1976 का अधिक्रमण करते हुए, महाराष्ट्र राज्य के लिए सलाहकार समिति गठित करती है, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात :—

1. उद्योग, ऊर्जा और श्रम मंत्री , महाराष्ट्र सरकार	अध्यक्ष
2. कल्याण आयुक्त लौह अयस्क और मैंगनीज अयस्क खान श्रम कल्याण संगठन, गोवा और महाराष्ट्र।	उपाध्यक्ष पदेन
3. क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय), श्रम मंत्रालय, भारत सरकार, बम्बई	सदस्य पदेन
4. श्री एस० एम० भोसले, एम०एल०ए०, मकाम सावंत वाड़ी, जिला रत्नागिरी	सदस्य
5. श्री ए०बी० गोगते, पार्टनर, मिनरल्स प्राइवेट लि०, रेडी, जिला रत्नागिरी 6. श्री के०एन० त्रिपाठी, वरिष्ठ औद्योगिक संबंध अधिकारी मैंगनीज ओर इंडिया लिमिटेड, माउन्ट रोड, एक्सटेंशन सदर, नागपुर।	लौह अयस्क खान तथा मैंगनीज अयस्क खान मालिकों के प्रतिनिधि
7. श्री जी०एन० खोड़े वाइस प्रेसीडेंट इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस, महाराष्ट्र, ब्रांच, वार्ड नं० 28, इतवारी, नागपुर। 8 श्री बी०के० गंधारी, जनरल सेक्रेटरी, वैस्ट कोल फील्ड कोयला श्रमिक फैडरेशन, 116, सुलभ निवास, सिद्धी खाना, गणेशपथ, नागपुर।	लौह अयस्क खान तथा मैंगनीज अयस्क खानों के श्रमिक प्रतिनिधि
9. श्रीमती निर्मलताएं थोकल, भूतपूर्व एम०एल०ए०, सोलापुर, 96-6 गोल्ड फिच पथ, सोलापुर	महिला प्रतिनिधि सदस्य
10. कल्याण प्रशासक, लौह अयस्क खान और मैंगनीज अयस्क खान श्रम कल्याण संगठन गोवा।	सचिव

2 लौह अयस्क खान और मैंगनीज अयस्क खान श्रम कल्याण निधि नियम, 1978 के नियम 16 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त सलाहकार समिति का मुख्यालय पानाजी, गोवा निर्धारित करती है।

[संख्या मू० 23017/7/80-एम०-IV]

New Delhi, the 2nd February, 1982

S.O. 717.—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Iron Ore Mines and Manganese Ore Mines Labour Welfare Fund Act, 1976 (61 of 1976) read with sub-rule (2) of rule 3 of the Iron Ore Mines and Manganese Ore Mines Labour Welfare Fund Rules, 1978 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 810 dated the 6th February, 1976, the Central Government hereby constitutes an Advisory Committee for the State of Maharashtra consisting of the following members, namely :—

1. Minister of Industries, Energy and Labour, State of Maharashtra.	Chairman
2. Welfare Commissioner, Iron Ore and Manganese Ore Mines Labour Welfare Organisation, Goa and Maharashtra.	Vice-Chairman
3. Regional Labour Commissioner (Central), Ministry of Labour, Government of India, Bombay.	Member Ex officio
4. Shri S.S. Bhosale, M.L.A. at post, Sawantwadi, District Ratnagiri.	Member
5. Shri A.B. Gogte, Partner, Minerals Private Ltd. Redi, District Ratnagiri. 6. Shri K.N. Tripathi, Senior Industrial Relations Officer, Manganese Ore India Limited, Mount Road, Extension Sadar, Nagpur.	Representatives of Iron ore and manganese ore mine owners.
7. Shri G.M. Khode, Vice President, Indian National Trade Union Congress, Maharashtra Branch, Ward No. 28, Itwari, Nagpur. 8. Shri B.K. Ghandary, General Secretary, W. Coal Field Koyla Shramik Federation, 116, Sulbha Niwas Sidhi Khanna, Ganeshpeth-Nagpur.	Workers' representative of Iron Ore Mines and Manganese Ore Mines.
9. Smt. Nirmalatai Thekal, Ex-M.L.A. Solapur, 96-6, Gold Fineh Peth, Solapur.	Women representative—Member
10. Welfare Administrator, Iron Ore Mines and Manganese Ore Mines Labour Welfare Organisation, Goa.	Secretary

2. In pursuance of rule 16 of the Iron Ore Mines and Manganese Ore Mines Labour Welfare Fund Rules, 1978, the Central Government hereby fixed Panaji, Goa to be the Headquarters of the said Advisory Committee.

[File No. U. 23017/7/80-M. IV]

का० आ० 718.—लौह अयस्क खान तथा मैंगनीज अयस्क खान श्रम कल्याण निधि नियम, 1978 के नियम 3 के साथ पठित लौह अयस्क खान तथा मैंगनीज अयस्क खान श्रम कल्याण निधि नियम अधिनियम, 1976 (1976 का 61) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, तारीख 3 अक्तूबर, 1981 के भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) में पृष्ठ 3335 पर प्रकाशित भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 2692, तारीख 14 सितम्बर, 1981 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में क्रमांक 13 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"13. श्री एस० के० अखौरी,
मुख्य कार्मिक प्रबंधक, (खान विभाजन),
टाटा आयरन एंड स्टील कं० लि०,
नोआमंडी-833217,
जिला सिंहभूम (बिहार)"

[संख्या यू-23017/10/80-एम-IV]
श्री जगदीश प्रसाद
अवर सचिव

S.O. 718.—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Iron Ore Mines and Manganese Ore Mines Labour Welfare Fund Act, 1976 (61 of 1976) read with rule 3 of the Iron Ore Mines and Manganese Ore Mines Labour Welfare Fund Rules, 1978, the Central Government makes the following amendment to the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 2692 dated 14th September, 1981 published at page 3335 of the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (ii) dated 3rd October, 1981, namely :—

In the said notification, for the entry against serial No. 13, the following shall be substituted, namely :—

"13. Shri H. K. Akhauri,
Chief Personnel Manager (Mines Division),
The Tata Iron and Steel Company Limited,
NOAMUNDI 833217
District SINGHBHUM (Bihar)"

[File No. U. 23017/10/80-M.IV]
JAGDISH PRADASH, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1982

का० आ० 719.—केरल राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खंड (घ) के अनुसरण में सी० पी० नायर के स्थान पर श्री कृष्णामूर्ति राज्य श्रम सचिव को कर्मचारी राज्य बीमा निगम में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 850 (अ), दिनांक 21 अक्तूबर, 1980 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, "[राज्य सरकारों द्वारा धारा 4 के खण्ड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट]" शीर्षक के नीचे मद 16 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"श्री वी० कृष्णामूर्ति,
सचिव,
केरल सरकार, श्रम विभाग,
त्रिवेंद्रम"

[संख्या यू-16012/2/82 एच० आई]

New Delhi, the 2nd February, 1982

S.O. 719.—Whereas the State Government of Kerala has, in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Shri V. Krishnamurthy, the State Labour Secretary to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri C. P. Nair;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 850(E), dated the 21st October, 1980, namely :—

In the said notification, under the heading "[Nominated by the State Governments under clause (d) of section 4]", for the entry against Serial Number 16, the following entry shall be substituted, namely :—

"Shri V. Krishnamurthy,
Secretary to the Government of Kerala,
Labour Department,
TRIVANDRUM."

[No. U-16012/2/82-H.I.]

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1982

का० आ० 720.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 8 के खंड (ग) के उप-खंड (ii) के अनुसरण में कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने श्री वारिस आर० कदिवई, जो उक्त अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (1) के दूसरे परन्तुक के अनुसार अब स्थायी समिति के सदस्य नहीं रहे, के स्थान पर श्री आर० सी० दत्त अवैतनिक सलाहकार और सदस्य सार्वजनिक उद्यम स्थायी सम्मेलन संबंधी कार्यकारी बोर्ड का कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थायी समिति में प्रतिनिधित्व करने के लिए चयन किया है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 8 के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 966(अ), दिनांक 13 दिसम्बर, 1980 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, "[निगम द्वारा धारा 8 के खंड (ग) के उप-खंड (ii) के अधीन मनोनीत]" शीर्षक के नीचे क्रम संख्या 8 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"8. श्री आर० सी० दत्त,
अवैतनिक सलाहकार और सदस्य,
सार्वजनिक उद्यम स्थायी सम्मेलन संबंधी
कार्यकारी बोर्ड,
जनपथ लोक, 36-जनपथ,
नई दिल्ली।"

[संख्या यू-16012/13/81-एच० आई०]
ए० के० भट्टराई, अवर सचिव,

New Delhi, the 4th February, 1982

S.O. 720.—Whereas the Employees' State Insurance Corporation has in pursuance of sub-clause (ii) of clause (c) of Section 8 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) elected Shri R. C. Dutt, Hony. Adviser and Member of the Executive Board of Standing Conference of Public Enterprises as a member of the Standing Committee of the Employees' State Insurance Corporation in place of Shri Waris R. Kidwai, who has ceased to be a member of the Standing Committee in accordance with the second proviso to sub-section (1) of section 9 of the said Act;

Now, therefore, in pursuance of section 8 of the Employees' State Insurance Act (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification

of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 966(E), dated the 13th December, 1980, namely :—

In the said notification, under the heading "[elected by the Corporation under sub-clause (ii) of clause (c) of section 8]" of serial number 8 and the entry thereto, the following entry shall be substituted, namely :—

"Shri R. C. Dutt,
Hony. Adviser and Member
of the Executive Board of
the Standing Conference of
Public Enterprises,
Chandralok, 36, Janpath,
New Delhi-110001."

[No. U-16012/13/81-HI]
A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1982

का० आ० 721.—गवर्नमेंट इंडियन फार्मेसी, हैदराबाद (जिसे इसके पश्चात् उक्त प्रतिष्ठान कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि एवं प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (1क) के अधीन कर्मचारी कुटुंब पेंशन स्कीम, 1971 से छूट के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार की राय में उक्त प्रतिष्ठान के कर्मचारियों पर लागू आंध्र प्रदेश सरकार की कुटुंब पेंशन स्कीम, 1964 के अधीन कुटुंब पेंशन के रूप में ऐसे कर्मचारियों को प्राप्त फायदे उन फायदों से कम नहीं जो उक्त अधिनियम और कर्मचारी कुटुंब पेंशन स्कीम, 1971 के अधीन उसी प्रकार के किसी अन्य स्थापन के कर्मचारियों के लिए उपबंधित किए गए हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप धारा (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और यहां नीचे विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त प्रतिष्ठान को कर्मचारी कुटुंब पेंशन स्कीम के उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है :—

शर्तें :—

(1) नियोजक छूट के पश्चात् किसी समय केन्द्रीय सरकार की इजाजत के बिना कुटुंब पेंशन के रूप में प्राप्य फायदों की मात्रा को घटा नहीं सकेगा।

(2) नियोजक ऐसे लेखे रखेंगे, ऐसे विवरण प्रस्तुत करेंगे और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं देंगे जिनका निर्देश केन्द्रीय सरकार समय-समय पर दे।

(3) उक्त प्रतिष्ठान की कुटुंब पेंशन स्कीम की व्यवस्था में, जिसमें लेखे रखना, लेखा और विवरण प्रस्तुत करना, लेखों का अंतरण शामिल है, सन्निहित सारा व्यय नियोजक द्वारा वहन किया जाएगा :

(4) निदेशक उक्त प्रतिष्ठान के नोटिस बोर्ड पर केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित उक्त प्रतिष्ठान की कुटुंब पेंशन योजना के यथासंशोधित नियमों की एक प्रति लगाएगा। वह उसके साथ अधिकांश कर्मचारियों द्वारा समझी जाने वाली भाषा में उनकी मुख्य मुख्य बातें भी लगाएगा।

(5) केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमति के बिना प्रतिष्ठान की कुटुंब पेंशन स्कीम के नियमों में कोई संशोधन नहीं किया जाएगा। जहां किसी संशोधन के कर्मचारी के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपनी अनुमति देने से पहले कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का पर्याप्त अवसर देगा।

[फा० सं० एस-35014/5/81-एफ० पी० जी०]
पी० सिन्हा, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd February, 1982

S.O. 721.—Whereas the Government Indian Medicine Pharmacy, Hyderabad (hereinafter referred to as said establishment) has applied for exemption from the Employees' Family Pension Scheme, 1971, under sub-section (1A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) ;

And whereas, in the opinion of the Central Government the benefits in the nature of family pension under the Andhra Pradesh Government Family Pension Rules, 1964 as applicable to the employees of the said establishment are not less favourable to such employees than the benefits provided under the said Act and the Employees' Family Pension Scheme, 1971 to employees in any other establishment of a similar nature ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1A) of section 17 of the said Act, and subject to the conditions specified hereunder, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the Employees' Family Pension Scheme, 1971.

Conditions :—

(i) The employer shall not, at any time after exemption, without the leave of the Central Government, reduce the quantum of benefits in the nature of Family Pension.

(ii) The employer shall maintain such accounts, submit such returns and provide for such facility for inspection as the Central Government may from time to time direct.

(iii) All expenses involved in the administration of the Family Pension Scheme of the said establishment including maintenance of accounts, submission of accounts and return, transfer of accounts, shall be borne by the employer.

(iv) The employer shall display on the notice board of the establishment a copy of the rules incorporating therein all amendments, if any, of the Family Pension Scheme of the said establishment as approved by the Central Government alongwith a translation of the salient features thereof in the language understood by the majority of the employees.

(v) No amendment of the rules of the Family Pension Scheme of the said establishment, shall be made without the previous approval of the Central Provident Fund Commissioner. Where any amendment is likely to affect adversely the said interests of the employees, the Central Provident Fund Commissioner shall, before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

[File No S-35014/5/81-FPG]
P. SINHA, Dy. Secy.

New Delhi, the 4th February, 1982

S.O. 722.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bastacolla Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited Post Office Dhansar, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 29th January, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 23 of 1981

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bastacolla Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Dhansar, District Dhanbad

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Mr. Justice B. K. Ray (Retd.) Presiding Officer

APPEARANCES :

For the Employers- Shri G. Prasad, Advocate.

For the Workman—Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 22nd January, 1982

AWARD

By case No. L-20012(51)/81-D III(A) dated 16-5-1981 the Central Government being of opinion that an industrial dispute existed between the employers in relation to the management of Bastacolla Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Dhansar, Dist. Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the schedule attached to the order, referred the same to this Tribunal for adjudication. The schedule to the order reads thus.

"Whether the action of the management of Bastacolla Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Dhansar, District Dhanbad in superannuating Shri Mahadeo Mondal, Oil Mazdoor from service with effect from the 1st July, 1980 is justified ? if not, to what relief is the concerned workman entitled ?"

2. After notice to the parties the union has filed its written statement and a rejoinder whereas the management has filed its written statement-cum-rejoinder.

3. The case of the union as made out in its pleading is as follows. The concerned workman has been working as an Oil Mazdoor in Bastacolla Colliery with an unblemished record of service. As he was an active member of B.C.K.U. the management was against him and so to victimise him superannuated him with effect from 1-7-80 although the date of birth of the concerned workman was 1-7-30. In the statutory record maintained by the management namely the Form B Register and the identity card issued to the workman, the date of his birth is mentioned as 1-7-1930. The action, therefore, of the management in superannuating the concerned workman with effect from 1-7-80 is illegal and arbitrary. After the illegal superannuation the concerned workman alongwith the sponsoring union represented before the management against the impugned order of superannuation without any effect. So the sponsoring union raised an industrial dispute before the A.L.C. (C), Dhanbad. The conciliation proceeding thus started before A.L.C. having ended in failure the Central Government referred the dispute for adjudication. In these circumstances the union prays that the reference be answered reinstating the concerned workman with full back wages with effect from 1-7-1980.

The case of the management may be briefly stated thus. The concerned workman was employed much before the concerned coal mine was nationalised. Under the provision of Coal Mines Provident Fund Scheme he gave a declaration in writing in Form 'A' saying that his date of birth was 1-7-20. The said declaration therefore was binding on the workman and according to the said declaration he on completion of 60th year was superannuated on 1-7-80. At the time of superannuation the workman could not satisfy the management that the aforesaid declaration regarding his age was a mistake. Therefore the management had no reason to doubt the correctness of the declaration. The date of birth as recorded in the Form B Register is not correct. The old Form B Register maintained by the private management of the colliery before nationalisation was not received by the present management which therefore subsequently prepared its own Form B Register. While preparing such Form B Register a mistake was committed therein by recording the date of birth of the concerned workman as 1-7-30 as per the statement of the workman without verification of the C.M.P.F. record. The incorrect record regarding the date of birth of the concerned workman in the Form B Register prepared by the management was simply copies in the identity card register which was not a statutory one. Therefore in the identity card issued to the workman the mistake regarding his date of birth continued. The entry regarding age in Form B Register is no proof of exact age of the workman. The management is still prepared to send the workman concerned for examination by a medical board if he agrees to it for ascertainment of his real age on the date of superannuation. In these circumstances it is prayed that the union is not entitled to the relief claimed.

In a separate rejoinder the union says that the concerned workman was appointed as Mazdoor on 1-10-59 that as per Mines rule necessary entries were made in respect of the concerned workman including an entry regarding date of birth in the statutory Form B Register maintained by the then management, that the said entries were signed by the concerned workman in token of his admission about the correctness of the entries, that after nationalisation the present management issued the identity card to the concerned workman showing his date of birth as 1-7-30, that the concerned workman never filled up the decalaration in Form 'A' as contended by the management, that he was not aware of the date of birth mentioned in the said form, that the other allegations made by the management in respect of the Form B Register are false, that Coal Mine Provident Fund Commissioner informed all authorities not to place any reliance on the date of birth recorded in Form 'A' as according to him there were large scale manupulation in filling up these forms and that on a number of occasions the management had not accepted the correctness of the entry in Form 'A' on the basis of the aforesaid information of the Coal Mines Provident Fund Commissioner.

4. At the time of hearing parties did not choose to adduce any oral evidence. The union simply relied upon two documents which were marked Exts. W-1 and W-2. Ext. W-1 is a letter from C.M.P.F. Commissioner to the Regional Commissioner forwarding a letter of G. D. Pandey, Secretary of R.C.M.S. It is said in this letter that C.M.P.F. Organisation cannot certify the correctness regarding entries in Form 'A' as there were large scale manupulation there and that the interpolation in the form can only be detected after the relevant document is examined in a foronsic laboratory. Ext. W-2 is a letter of Personnel Manager to Sri A. K. Roy, M.P., President, B.C.K.U. in which with reference to a case of one Baba Singh the Provident Fund Commissioner's observation regarding correctness of the entries in Form 'A' as mentioned in Ext W-1 have been repeated. On behalf of the management the original declaration of the concerned workman before the Provident Fund Commissioner in Form 'A' marked Ext. M-1 has been relied upon showing the date of birth of the concerned workman as 1-7-20.

5. Mr. G. Prasad, Advocate, and Mr. D. Mukherjee for the management and the union respectively have been heard at length. From the written statement-cum-rejoinder of the management it is seen that the case of the management is that the entry showing the date of birth of the concerned workman as 1-7-30 in Form 'B' Register maintained by the management is incorrect. It is the further case of the management that the said entry was made as per the representations of the concerned workman as the management had to prepare its own Form B Register afresh the old Form B Register maintained by the private management not being available. Under Section 48 of the Mines Act of 1952 it is the statutory obligation of the management of every mine to maintain a register known as Form 'B' Register of all persons employed in the mine showing in respect of each such person amongst other particulars the age of the employee. This Form 'B' Register is a statutory one. The Form B prescribed under Section 48 contains a column for signature or thumb mark of the concerned employee. Rules provide that after the necessary entries in this form are made by the management the concerned employee is to sign in the column reserved for him in token of his acceptance of the correctness of the entries. There is no dispute that in the Form B Register in the present case the age of the concerned workman has been noted as 1-7-30 and that the

workman has signed in the column reserved for his signature accepting the correctness of the entries. It is also admitted by the management that the entry in the identity card issued to the concerned workman showing his date of birth is only a copy of the entry regarding age in Form B Register. It is thus clear that in the Form B register maintained by the management in the present case the age of the concerned workman has been given as 1-7-30 and the same has been repeated in the identity card issued to the workman. The management further says that the entry regarding age of the concerned workman in Form B Register is a mistake and that the said entry was only made as per the representation of the workman himself. Even though such a plea has been taken the management has not chosen to examine any witness to say under what circumstances the allowed incorrect entry in the Form B Register was made and as to whether in fact the said entry was made on the representation of the concerned workman. The management has also not examined any witness to show that the old Form B Register which was being maintained by the private management before nationalisation was not handed over to the present management after nationalisation and that therefore the present management had to constitute its own form B Register afresh. Even accepting this case of the management for the time being it is not explained as to why the management did not consult the declaration of the concerned workman in Form 'A' which had been given to the provident fund Commissioner at the time of making entry of the workman's age in the new Form B Register. Form B Register is a statutory register maintained by the management and without any evidence to show that the entry made therein regarding the age of the concerned workman is incorrect and in view of the fact that the correctness of the entry has been accepted by the workman by putting his thumb impression in the said form, it is very difficult for the management now to avoid the entry in the form B Register by saying that it is wrong because it does not tally with the decalaration of the concerned workman in Form 'A' before Provident Fund Commissioner in the year 1960. No doubt the date of birth given in Form 'A' Ext. M-1 is the declaration of the concerned workman. But the fact that the concerned workman accepted his date of birth to be 1-7-30 as mentioned in Form B Register by putting his thumb mark in the said register would only go to show that he resiled from his earlier statement in Form 'A'. The latter statement in Form B Register regarding the date of birth of the concerned workman has been accepted both by the management and the workman as management has not chosen to lead any oral evidence to make out a case that the entry in Form B was a mistaken one. It is however true as contended by Mr. G. Prasad that the Form 'A' is a satutory form and under Section 37 of the Coal Mines Provident Fund Scheme Act 1948 the particulars in Form 'A' shall be entered in the handwriting of the concerned workman or if he is unable to write shall be ascertained from him by the employer and entered in the form and that the employer shall obtain his signature and/or thumb impression of the person and sign the certificate on the form at the place provided for the purpose. Ext M-1 the Form 'A' in the present case shows that the workman has not signed it but has simply put his thumb mark thereon. There is no evidence that the entries in Form 'A' were made as per the instruction of the concerned workman and that he put his thumb mark after having accepted the correctness of the entry made therein. The manager who has signed the Form 'A' has not been examined by the management. The case of the union is that the entries made in Form 'A' are not correct. Subsequent entry regarding age of the concerned workman made in Form 'B' register by the management contradicts the entry in Form 'A'. It is contended by the management that the entry in Form B regarding date of birth of the workman was given by the workman himself and was accepted by the management without getting the same verified with reference to the entry in Form 'A' in the office of the Provident Fund Commissioner. In these circumstances the workman cannot be bound down to the entry regarding his age in Form 'A'. On the other hand the entry regarding the age of the workman mentioned in the Form F Register maintained under law by the management and accepted by the workman as correct by putting his thumb mark against the entry must bind the management in the absence of any evidence to show as to under what circumstance a wrong entry in Form B was made. Mr. Prasad invites my attention to a decision reported in 2 SCIJ 1019 (India General Navigation and Rly. Co. Ltd. and another Vs. Their Workmen) in support of the management's case that the declaration of the date of birth under rules framed under coal mines provident fund scheme is binding as the workman even though it is in conflict with the date of birth given in the school certificate. In that case the workman was superannuated on the basis of his age as given in Form 'A'. The union challenged the superannuation on the basis of age as recorded in school certificate. Their Lordship while deciding the case have observed that the question raised therein is a pure question of fact and the decision of it depends on appreciation of evidence adduced by the parties before the Tribunal. Before the Tribunal in that case the concerned workman did not examine himself to say as under what circumstances the entry regarding his age in Form 'A' had been made and he also did not file any affidavit before the Tribunal saying that the entry in Form 'A' was wrong. The teacher who had granted the school certificate on the basis of which the workman claimed that he had been superannuated earlier was not examined by the workman. In his place another teacher was examined to prove the certificate and he proved the same by simply recognising the handwriting of the writer. In these circumstances their Lordships have observed in their judgement that the teacher who proved the certificate had no personal knowledge about the entry in it and that he was a mere boy of six years when the entry in the certificate was made. So their Lordship held that the concerned workman not having given any evidence to show that the entry regarding his age in Form 'A' was a mistake and that the probative value of the school certificate proved by a person other than the granter as stated earlier being nil the workman must be bound by his own declaration made in Form 'A'. This decision therefore, cannot help Mr. Prasad in any way. In the case before their Lordship the conflict was between an entry made in Form 'A' and an entry made in school certificate. The workman did not adduce any evidence to prove that the entry in Form 'A' was wrong and according to their Lordship the school certificate had no probative value. So their Lordship were fully justified in holding that the concerned workman was bound by his declaration in Form 'A'. In the present case also no doubt the workman has not examined himself to show as to under what circumstance the entries in Form 'A' Ext. M-1 were made. Ext. M-1 however shows that it contains only the thumb mark of the workman. There is no evidence led by the management that the entries in Ext. M-1 were made according to instruction of the workman. Form 'A' Ext. M-1 is of the year 1960. Long thereafter nationalisation when the management prepared its new Form B Register there arose the necessity of making an entry therein about the age of the concerned workman. This Form B Register is a statutory register which the management is bound to preserve. While preparing this register management recorded the age of the concerned workman as 1-7-30. This entry according to the management was accepted by workman who put his thumb mark is taken of correctness of the entry in the Form 'B' Register itself. At that time management did not take any step to ascertain as to what was the date of birth given by the concerned workman in Form 'A' before the Provident Fund Commissioner. There being no evidence that the entries in Form 'A' Register which are in English were made as per the instruction of the concerned workman, it has to be hold that the date of birth given by the workman while preparing Form B Register is a correct one and the earlier entry regarding his date of birth in Form 'A' is not correct. That apart Exts. W-1 and W-2 one of which is a letter to the R.L.C. from C.M.P.F. and the other is a letter of Personnel Manager to Sri A. K. Roy, M.P., go to show that the Provident Fund Commissioner himself is of the view that the entries in Form 'A' may not be accepted to be correct on account of large scale manupulation and complicity of the staff of Coal Mines Provident Fund and of collieries. Such being the position the management cannot escape by merely saying that entry made by it in Form 'B' Register regarding age of the workman is wrong without examining any witness to say under what circumstances the mistaken entry was made. Coupled with this it may be noticed here that the management's case that the old Form 'B' Register maintained by the private management was not handed over to the present

management made out in the pleading has remained as an assertion not having been proved. Further as has been observed earlier there is no evidence that the entry in Form 'A' had been made under the instruction of the workman or that the workman put his thumb mark on the form after understanding the contents thereof. So the action of the management in superannuating the concerned workman on the basis of his date of birth in Ext. W-1 without accepting his date of birth as mentioned in Form 'B' Register maintained by itself is not justified.

Further it appears from a circular of B.C.C.L. issued to all General Managers [No. D(P)/PS/MKD/77/3741-691(A) dated 26-7-77] a copy of which has been placed before me by the union and genuineness of which is not denied by the management that in case where the age of an employee as recorded in Provident Fund record does not agree with his age as recorded in Form B Register a reference shall be made to the Medical Board for correct determination of the age of the employee before he is superannuated. Admittedly this circular has not been followed by the management before retiring the workman concerned and as reason has been given for this. Mr. Prasad for the management has referred to me an award made by me on 27th June 1981 in Reference No. 6 of 1981 in which I have held that the entry regarding age of a workman in Form 'A' filed before the Provident Fund Commissioner is binding on the workman because the entries in Form 'A' are his declaration. That case was decided exparte in the absence of the workman. Though in that case there was conflict between entry in Form 'B' register and the entry in Form 'A' the management examined its officer to say that at the time of preparation of Form 'B' Register the old Form 'B' Register maintained by the private management was not available and that therefore the entry in the new Form 'B' Register regarding age of the workman was not correct. In the absence of any contrary evidence the evidence of the officer of the management was accepted. The officer of the management in that case also proved the signature of the workman and of the then manager of the colliery in the Form 'A'. In these circumstances after accepting the evidence of the officer of the management I hold that the entry in Form 'B' Register was wrong that therefore the entry in Form 'A' in the absence of any evidence to challenge its correctness must prevail. That decision therefore can be of no assistance to Mr. Prasad. In the present case management has led no evidence to show under what circumstances the alleged mistaken entry in Form 'B' Register was made and who made the same. Further it has not been proved by the management that the concerned workman in the present case put his thumb mark on Form 'A' after knowing contents which are in English. Such being the state of things in the present case I hold that the management is bound by the entry regarding age of the concerned workman its own Form 'B' Register which is a later document. Further according to the management the workman accepted the entry made in Form 'B' Register as correct whereas there is no evidence that the workman accepted the entry in Form 'A' to be correct. The onus as per the terms of reference being on the management it has failed to discharge the same.

For the reasons given above I hold that the action of the management in superannuating the concerned workman from service with effect from 1-7-1980 is not justified, that the said order of superannuation is not tenable and that the workman is entitled to reinstatement with full back wages from 1-7-80. It is however, open to the management to get the concerned workman declared medically unfit for work after he is reinstated and thereafter to terminate his service on that ground if it so thinks. The reference is answered accordingly. There will be no order for cost.

B. K. RAY, Presiding Officer

[No. L-20012/51/81-D.III(A)]

New Delhi, the 6th February, 1982

S.O. 723.—In pursuance of section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the Central Automobile Workshop of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Godhur, Post Office Kusunda, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 27th January, 1982.

BEFORE SHRI J. N. SIMLOTE, DEPUTY CHIEF LABOUR COMMISSIONER (C), DHANBAD AND ARBITRATOR APPOINTED UNDER SECTION 10A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947

PARTIES :

Central Automobiles Workshop of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. Godhur, P.O. Kusunda, Dhanbad (Bihar)—Employers.

AND

Bihar Colliery Kamgar Union, Dhanbad through its Secretary on behalf of workers.

APPEARANCES :

For Employer.—1. Shri S. S. Mukherjee, Personnel Manager, M/s. B. C. C. Ltd

2. Shri R. S. Murthy, Advocate.

For Workmen—1. Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union, Dhanbad.

AWARD

No. 1/(16)/81-DY. CLC. INDUSTRY : Coal

The Senior Transportation Officer, Central Automobiles Workshop of M/s. Bharat Coking Coal Ltd, Godhur, P.O. Kusunda, Dhanbad (Employer) and The Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union, Dhanbad (Representing Shri Karu Prasad) agreed to refer the dispute noted below for my arbitration under Section 10-A of the Industrial Dispute Act, 1947.

Terms of Reference

"Whether the demand of Sri Karu Prasad, Automechanic that he should get Category-V wages with effect from 19-12-1975 and Category-VI wages with effect from 1-8-79 on the basis of nature of job performed by him is justified ? If so, what relief he is entitled to ?"

The said arbitration agreement was published by the Govt. vide their order No. L-20013(3)/81-DIII.A dated 18-7-81. The period during which the Award is to be given has been fixed for seven months from the date of publication of the agreement (after an agreement between the parties to extend the period from initial period of 3 months).

2. In their written statement the Union emphasised that since 19-12-75 he has been working meritoriously and independently with unblemished record of service at Godhur Workshop. In his examination-in-Chief Sri Karu Prasad stated that he is doing the work of automechanic since 19-12-1975 and the job of automechanic is to repair the vehicles. When he had joined the workshop repairs of Diesel and Petrol engines (both) was being done. He stated that he is doing the job (broadly) in regard to overhauling of Engine; Gear Box; Differential; Break; Steering and Suspension, Tuning and other minor repairs. Repairs were done after verifying and detecting the defect in the vehicle. When it became necessary to have grinding of the vehicle of seat-cutting, Crank-grinding or re-boring etc. this was to be done by a Mechanist or a Turner There is no automechanic in the workshop doing the job of grinding or reboring. With a view to emphasize his quality of performance etc; he mentioned that (i) he had worked with Bhojpur Motor Garage since August, 1971 as Diesel Mechanic Fitter prior to his joining, M/s. B.C.C.L. (ii) passed his Higher Secondary Examination from Bihar School Examination Board

(iii) Completed the course of Institutional Training in the trade of Motor Mechanic in July, 1971 (One year course of Industrial Training Institute) (iv) attended and successfully completed the training course conducted by M|s Hindustan Motors Ltd. for a week during December, 1978 and (v) Successfully completed the specialised course of Instruction on Repair, Service and Maintenance of Tata Diesel Vehicles. He deposed that he was doing the same type of jobs as (other workman) S/Shri K. P. Mukherjee, M. Benjamin and Ali Mistry and so should have the same category as they have been given. Further more, he was performing his job independently and not under supervision of anybody else. The details of work done are given in Job-Cards for 1975-78 and he relies on the said official documents. Shri Salim who was auto-helper and for same period remained his helper too has been given higher category prior to his getting the same. Shri Usman Ansari who was appointed as a serviceman in 1978 was given category V with effect from 1-8-1979 by means of a tripartite settlement as in his case also the management had ignored his correct duties.

During cross-examination Shri Karu Prasad clarified that he was not having a driving licence as it was not necessary for an auto-mechanic. The workshop where he had worked prior to joining M/s. B.C.C.L. is not a small workshop, the I.T.I. training was being imparted on diesel engines also. He refused to accept the suggestion of the advocate for the employer that he had done only minor jobs or that overhauling work was being done along with Sarva Shri B. Benjamin, K. P. Mukherjee, Ali Mistry, Md. Aziz and Nepal Ram. He further elaborated that he had worked alongwith other machanics as equals in overhauling work of engines. It is incorrect to suggest that he had not done engine tunning work. The union did not product other witness and relied essentially on the statement of Shri Karu Prasad and documents produced.

4. The case of the management in their written statement remain to the effect that Sri Karu Prasad was appointed as Auto-Mechanic Cat. IV. He is just an average worker doing minor jobs and not independently and job required to be done by Cat. V or VI workers. He worked in a very very small and insignificant workshop and experience in such a workshop can carry no value. The efficiency and experience of S/Shri Ali Mistry, K. P. Mukherjee and M. Benjamin remain much superior and there can not be any comparsion of Shri Karu Prasad. Education qualification remains not material as these 3 workers fulfil the requirements of the job and Shri Karu Prasad does not. According to the management, it is incorrect to say that the motor-mechanic are required only to repair and maintain motor vehicles. There was not post of Auto-Mechanic as such under the Coal Wage Board Recommendation. The standardisation Committee specifically considered the question of Auto-mechanics and what they laid down for Ropeway Section should equally hold good for other Section also. The major part of the job done is on lighter motor vehicles and sometimes 2/3 minibuses, one truck and two ambulances etc. The workshop does not have a machineshop nor is elaborately equipped with machinery and tools. The job performed in Cat. IV is equal to that of fitters in Category IV. Then, it is not open to resile from the contract and now claim Cat. V "If the contract of employment is to be abrogated, then he ceases to be an employee of the management I.T.I.'s are very poorly equipped in regard to equipment and otherwise'. The management has remained generous enough to place him by promotion in Category V with effect from 1-8-1979. Even now the workman concerned is not doing the job required to be performed by Auto-Mechanic Cat. V or Motor-Mechanic Cat. V and even earlier he did not perform such job.

5. Shri S. P. Sinha, Executive Engineer (Automobile) gave evidence on behalf of the management. When Shri Karu Prasad was appointed (19-12-1975), Shri Sinha was Asstt. Automobile Engineer at Godhur Workshop and is aware of skill and proficiency of workers there including Shri Karu Prasad. According to him an Automechanic at Godhur Workshop is required to do the following job :—

> Engine over-hauling, Clutch over-hauling, Gear Box over-hauling, Differential over-hauling, Break over-hauling, Steering over-hauling and suspension over-hauling, Propeller Shaft over-hauling.

Shri Sinha stated that Sri Karu Prasad was not engaged for over-hauling or dismantling the Engine or Assembly. He was never engaged for tuning the Engine. In the workshop the work relate to vehicles only. He also clarified that "Job-Register is the only document which can show" as to whether Shri Karu Prasad had worked under supervision of somebody else. He categorically asserted that the work of the Ropeway is quite different in comparision with Motor-Vehicles.

6. Shri S. P. Sinha is a technical hand and had been Incharge of the work I considered it necessary to have his views on certain material issues not covered by the examination-in-Chief or Cross-examination. He remained of the opinion that S/Shri K. P. Mukherjee, Ali Mistry and M. Benjamin who were and are capable of performing duties mentioned at item 14 of Appendix V of Wage Board Recommendation Vol. II (Page-50). This item 14 refers to Motor Mechanic Grade I(W) which is in aCtegory VI (Highly skilled). S/Shri Karu Prasad and Ali Ansari were capable at that time to do work at item 27(Page 45) under supervision. They could not do that work independently but under guidence. Item 27 relate to category V. Motor-Mechanic.

7. Category IV relate to skilled Junior, Category V skilled Senior and Cat. VI to Highly skilled. There is no water-tight compartment. The job specifications are also indicative of the work expected. Shri Karu Prasad in his statement has categorically asserted that he was doing all type of jobs. Shri S. P. Sinha has only to make a reference to the Job-Register when confronted I am inclined to hold a view that duties of Auto-mechanic at Godhur Workshop is more or less of Motor-mechanic (workshop). This line is also in accordance with the views expressed by Shri S. P. Sinha in his statement (briefly indicated supra). The designation of Auto-mechanic in Category V (detailed in 1981) in respect of General Ropeway's as agreed by the Standardisation Committee seems not to be relevant in the present case. The parties have correctly laid emphasis on the fact that the job-performance| nature of duties is material and not the designation.

8. During arguments Shri D. Mukherjee on behalf of the Union emphasized that the case of Shri Karu Prasad was not duly considered for Category VI as his initial categorisation in Cat. IV remained wrong. He laid much emphasis on the fact that Shri Karu Prasad alongwith Shri Hassan Ansari had carried out faults when tests of S|Shri Ali Mistry, K. P. Mukherjee and M. Benjamin were being taken. I have taken due note of the views of the union and the position as elaborated by Shri S. P. Sinha on this Score. The fact of Shri Abdul Mistry who was helper in Category II being promoted in Cat. V with effect from 1-6-79 goes to show that injustice has been done to Shri Karu Prasad by the management as per version of the union. To stretch the case of malafide intention of the management the union pointed out that promotion was not given alongwith other workers and the helpers who had worked under Shri Karu Prasad were given promotions before him. And with this background reliance has put on the well-settled law laid down in Reg. to management of Brooke Bond India (P) Ltd. (1950-77) 5 S.C.L-J- 3502 Viz- proper course in case of unjustified promotion is to set aside promotion and to ask the management to consider cases of superseded employees. The case of Shri C A. Balakrishnan (1950-77) II S.C.L-J-386 also lay down the same principle. The Advocate for the employer correctly laid stress on the legal position of the Arbitrator to consider only the specific matters referred. As per management there is no question of malafide intention as when Shri Karu Prasad was found fit he was promoted. Shri Prasad had not got the training of National Council of vocational Training which is important. There is no evidence that he was doing higher job and that Shri Prasad has been given his correct category.

9. The work done by Shri Karu Prasad has been detailed in job register. Its anthenticity has been accepted by both the parties. Some of the work done by Shri Karu Prasad has been given at the following places :—

Pages	Dates
49/50	22.1.77
59/60	28.1.77
65/66	29 1.77
77/78	31.1.77
83/84	1.12.77

It is obviously not possible to go into details of all the items mentioned therein. Job no 94 dated 31-1-77 at page 77-78 has been specifically pointed out by the union. This shows that the work was done by Shri Karu Prasad assisted by Shri Abdul and the job involved the following among others :—

1. Engine Overhauling.
2. Gear Box Overhauling.
3. Suspension Overhauling.
4. Stearing Overhauling.
5. Brake Overhauling.

I have gone in brief the works mentioned at the following pages :—

(A) Sl. no. of Register from 2-1-76 to 30-6-76
4, 10, 39, 92, 155, 248, & 452

(B) Sl. no. of Register for 25-11-76 to 6-1-77
1334, 1351, 1400, 1409, 1448, 1428 & 1513

(C) Sl. no. of Register from 19-3-77 to 2-6-77
99, 78, 79, 94, 116, 117, 137, 152, 196, 205, 223, 230.
dt. 27-1-77, 28-1-77, 31-1-77, 7-2-77, 7-2-77, 10-2-77, 23-7-77,&247 dt. 8-3-77 & Sl. no. 253 & 264.

10(A). The case of Shri Karu Prasad is not quite different from that of Usman Anshari who was re-categorised with effect from 1-8-79 before the ALC(C) Dhanbad on 26-6-81. It is difficult to just ignore M/s. BCCL Office Order No. BCC|PA-V|Auto|Mech|Transport|81|15|1578| 721597-603 dated 23-12-81 fixing pay of Shri Md. A. Mistry and Md. Salim with effect from 1-6-79. Though, this may not be pointer to any vindictiveness of malafide intention yet it smacks inequity. An employee should not expect and would not tolerate different treatment being given in similar cases of individuals.

(B). Whatever opinion one may hold in regard to experience as a Major factor the efficiency of a mechanic in Motor Workshop (Garage) the factor of educational qualification and systematic institutionalised training in efficiency and total economy can not be just easily brushed aside. The power of grasp understanding and consequently better chances of promotion of one who is educated has its own impact in the industry.

(C) Ex. M. I. Purporting to show jobs done by various operators has no value. The employer has neither been able to mentioned the basis on which it was prepared nor the specific purpose thereof.

(D) A perusal of job register gives an impression that no hard and fast line exists in regard to allotment of work. At one time or the other each Auto Fitter has done each type of job. It would be incorrect to assert that Shri Karu Prasad has not done the jobs done by Nepal Ram, Md. Ali, M. Benjamin or K. P. Mukherjee and Vice-versa. But at the same time it can not be denied that the job of dismantling and re-assembling has been done more by the later set of workmen. But the contention of the employer that Sri Karu Prasad was only a type of helper and can not work independently can not be fully accepted as this is not borne by the job Register. Thus, the issue is of degree of efficiency at work or performance.

(E) After going through all the evidences, written and oral I am inclined to hold that Shri Karu Prasad had the general qualifications of Motor Mechanic Gr. I but having less experience and requireing some degree of guidance. Shri Karu Prasad is entitled to Category V. The benefit of Category V wages be given to him with effect from 22-1-1976 and not 19-12-75 as claimed. Seniority will also be counted alongwith S|Shri Ali Mistry M. Benjamin & K. P. Mukherjee to avoid further complications as the issue of fixing wages can not be seperated from that of seniority in the present case. I direct accordingly. It is further clarified that for the period 19-12-1975 to 21-1-1976 he continues to be Cat. IV. 22-1-76 has been notionally fixed.

(F) In regard to the demand to have for Shri Karu Prasad Category VI with effect from 1-8-1979 the correct position is not emerging out clearly. Cat. VI relate to Highly skilled workmen. This is essentially relate to an assessment of the suitability to do all types of jobs including a degree of efficiency. The question as to whether he can work independently to cope with all type of repairs remain open. Shri Sinha has stated that he can not do all complicated jobs independently. His assessment has a force. But we have some instances where as per records he had done complicated jobs. He had worked independently on some of the difficult jobs sometimes. At the same time there is a lurking doubt as to whether the stage has or had come (or still some time is necessary for that stage to come). When he can fulfill condition laid down for Cat. VI worker. On 1-8-1979 S|Shri Ali Mistry, M. Banjamin and K. P. Mukherjee were put in Cat. VI General and broad assessment of the suitability to do all types of jobs including a better than that of Shri Karu Prasad though there seems to be an element of intentional excessiveness when it has been stated that their efficiency is so high that there can not be any comparison in the proficiency, skill, knowledge, experience etc. The evidence and documents do not fully justify the excessive superiority of these 3 mechanist or condemnation of Shri Karo Prasad. The view of the management in respect of some of the items mentioned below seem to be not borne by evidence or facts and there is a reason to assume that they were written only to strenghten their line of approach in the present case :—

(a) "It is well known that I.T.I's are very poorly equipped in regard to equipment and otherwise".

(b) "Even now the workmen concerned is not doing the jobs required to be performed by Auto-Mechanic Cat. V".

The management was generous enough....

And the propriety and legality (on the contrary) of the trade-test of S/Shri M. Benjamin, K. P. Mukherjee and Ali Mistry has been question in the evidence and the employer has faild to throw proper light thereon. There should not, be any scope for allegations of discriminatory treatment or favouratism or having special procedure of trade-test. Specifications of trade-test, time taken in trade-test, set rules for trade-test etc. should be clear and easily made known to those who are affected or work in the industry. After examining the details mentioned above and the case file I am inclined to hold that it would be in the fitness of the circumstances and in accordance with the views taken by the industrial judiciary that the decision on the question of category VI in respect of Shri Karu Prasad is taken as indicated below. While deciding this issue I have taken due not of the contention that in pith and substance the issue is of promotion which should not be decided by industrial judiciary. Category VI relates to highly skilled workmen, all juniors who have been promoted should be demoted and cases reviewed a fresh, propriety and legality of last trade-test for Cat. VI etc. I have also taken note of the fact that I am to decide only that issue which is in reference and not incidental thereto. The words of "relief entitled to" is wide enough to cover reasonable contingencies. I therefore, award that the Employer take fresh Trade-test of Shri Karu Prasad within two months of publications of this Award for category VI taking note of the fact that Shri Karu Prasad is in the category V with effect from 22-1-1976. As far as possible trade-test should have the standard of test and on similar lines as was in the case of S|Shri Napal Ram, Md. Ali, M. Benjamin and K. P. Mukherjee. The date of fixing in Cat. VI in the contingency of Shri Karu Prasad gratifying for Cat. VI be also fixed by the employer.

J. N. SIMLOTE, Presiding Officer

[No. L-20013(3)/81-D.III(A)]

A. V. S. SARMA, Desk Officer

आदेश

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1982

का० आ० 724.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में जयपुर सिलिका सप्लाई कंपनी और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देश करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री रामजी लाल गुप्ता होंगे, जिनका मुख्यालय जयपुर में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स जयपुर सिलिका सप्लाई कंपनी, जयपुर के प्रबंधतंत्र की सर्व श्री बिरदा पुत्र श्री भैरून, बिरदा पुत्र रेवार, मनफूली पत्नी बिरदा, बरजी लड़की हीरा मीना, प्रभाती पत्नी महादेव और गोविंदा पुत्र मानागला को 6-3-1978 से सेवामुक्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है। यदि नहीं, तो ये कामगार किस अनुतोष के हकदार हैं?"

[सं० एल-29011/15/81-डी० 3 बी०]

ORDERS

New Delhi, the 5th February, 1982

S.O. 724.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Jaipur Silica Supply Co. and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and Clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Ramji Lal Gupta shall be the Presiding Officer, with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Messrs Jaipur Silica Supply Company, Jaipur in retiring S|Shri Birda son of Bhairun, Birda son of Rewar, Manphooli, w/o Birda, Briji, d/o Heera Meena Prabhati w/o Mahadev and Govinda, son of Managala with effect from 6-3-1978 is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?

[No. L-29011(15)|81-D. III(B)]

का० आ० 725.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में श्री मुंशी अहमद, लाइमस्टोन माईन आउनर, पीपाखेड़ी, जिला कोटा, राजस्थान और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री रामजी लाल गुप्ता होंगे, और जिनका मुख्यालय जयपुर में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णय के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या पीपाखेड़ी, जिला कोटा (राजस्थान) के चूना-पत्थर खदान के मालिक श्री मुंशी अहमद के कामगारों की अनुलग्नक में दी गई मांगें न्यायोचित हैं। यदि हां, तो कामगार किस अनुतोष के हकदार हैं?

अनुलग्नक

1. खदानों पर कार्य कर रहे प्रत्येक कुली, बैलदार को 10 रु० प्रतिदिन के हिसाब से मजदूरी भुगतान की जाये।

2. खदानों पर पत्थर कटाई करने वाले कारीगरों को 100 वर्ग फुट पत्थर कटाई पर 12 रु० दिये जायें।

3. सभी स्थाई कर्मचारियों को जिनकी 1000 रु० तक वेतन मिलता है उनको 3 वेतन वृद्धियां दी जाये।

4. खदान पर कार्य कर रहे श्रमिकों के दवाइयों के बिल पास किये जायें।

5. खान श्रमिकों की कालोनी का निर्माण किया जाये।

6. खान पर निवास कर रहे श्रमिकों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था की जाये।

7. जिन कर्मचारियों को 6 माह से अधिक कार्य करते हुए हो गये है उन्हे स्थाई किया जाये।

[सं० एल-29011/20/81-डी० 3 बी०]

S.O. 725.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Sh. Munshi Ahmed, Limestone Mine Owner Pipakheri Distt. Kota (Rajasthan) and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Ramjilal Gupta, Jaipur shall be the Presiding Officer, with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the demands of the workers as given in the Annexure of Shri Munshi Ahmed, Limestone Mine Owner, Pipakheri, Distt. Kota (Rajasthan) in his Linestone Mine are justified. If so, to what relief are the workmen entitled?

ANNEXURE

1. Rs. 10 per day should be paid as wages for unskilled workmen.

2. Rs. 12 should be paid per 100 Sq. ft. of stone cutting for stone cutters (Karigar).

3. Three increments should be granted to all the permanent employees who are drawing wages less than Rs. 1000 per month.

4. Expenses on medical treatment for self and members of workers family should be reimbursed.

5. Labour Colony for the labour working in the mines should be constructed.

6. Wholesome water for the workers living near the mines should be provided in the residential areas.

7. Workmen who are working continuously for more than six months should be confirmed.

[No. L-29011/20/81-D. III. B]

New Delhi, the 6th February, 1982

S.O. 726.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Manganese Ore (India) Limited, Nagpur in relation to their Balaghat Manganese Mine and their workmen, which was received by the Central Government on 3rd February, 1982.

BEFORE JUSTICE SHRI S. R. VYAS (RETD.), PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(40)/1981

PARTIES:

Employers in relation to the Management of Manganese Ore (India) Limited, Nagpur,

AND

Their workman Shri Shriram represented through the Secretary, Rashtriya Manganese Mazdur Sangh (INTUC), Balaghat Mine Branch, Post Office Balaghat, District Balaghat (M.P.).

APPEARANCES:

For Union—None.

For Management—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Manganese Ore Mine.

DISTRICT : Balaghat (M.P.)

AWARD

Dated January 25, 1982

This is a dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, referred by the Government of India in the Ministry of Labour vide Notification No. L-27012/1/79-D.III(B) dated 30th October, 1981 to this Tribunal for the adjudication of the following matter:—

"Whether the action of the Manganese Ore (India) Limited, Nagpur in relation to their Balaghat Manganese Mine in terminating the services of Shri Shriram S/o Ramlal a permanent fitter of Balaghat Manganese Mine with effect from the 8th April, 1979 is justified? If not, to what relief Shri Shriram is entitled?"

2. The dispute between the parties was with regard to the termination of Shri Shriram S/o Shri Ramlal a permanent Fitter of the Balaghat Manganese Mine. His services were terminated with effect from 8th April, 1979. The question of his termination was raised by the workman before the Assistant Labour Commissioner (Central) where conciliation proceedings ended in failure. On the reference of the Conciliation Office the Government of India has referred the aforesaid dispute to this Tribunal for adjudication.

3. After the notices were issued to both the parties the case was fixed for filing of claims by the parties, but on the date fixed (14th January, 1982) parties filed a settlement which is Annexure 'A' to this award, according to which the management of the Manganese Ore (India) Limited have agreed to reinstate the workman Shri Shriram with effect from 25th January, 1982 without any back wages. This reinstatement, according to both the parties, fully and finally settles the dispute between them. The settlement was admitted by their Counsel and the above parties concerned.

4. From the terms of the settlement it appears that both the parties want to maintain industrial peace and harmony. The management has agreed to reinstate the workman concerned from 25th January, 1982 and the workman has given up all his claim for the period April 8, 1979 to January 24, 1982. As the settlement appears to be in the interest of both the parties it is accepted and the following award is given in terms of the said settlement:

1. The workman concerned, Shri Shriram will be reinstated by the Management on 25th January, 1982 without any back wages.

2. For the period from April 8, 1979 to January 24, 1982, the workman will not get any benefit whatsoever.

3. The Rashtriya Manganese Mazdoor Sangh, Balaghat will not raise any dispute with regard to back wages and other claims in respect of the termination of services of Shri Shriram with effect from 8th April, 1979 to 24th January, 1982.

The joint settlement filed by both the parties shall be part of this award as Annexure 'A'. In view of the settlement between the parties they are directed to bear their own costs as incurred in these proceedings.

S. R. VYAS, Presiding Officer

ANNEXURE 'A'

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

Case No. CGIT/LC/R/40/1981

The Chairman-cum-Managing Director,
Manganese Ore (I) Ltd., Nagpur ...Employer

V/s.

The Secretary,
Rashtriya Manganese Mazdoor Sangh,
(INTUC), Balaghat. ...Employee.

The parties beg to submit as under :—

1. That the Central Government by his order dated 30th October, 1981 was pleased to make the following reference to this Hon'ble Tribunal :—

'Whether the action of the Manganese Ore (I) Ltd. Nagpur, in relation to their Balaghat Manganese Mine in terminating the services of Sri Shriram S/o Ramlal a permanent fitter of Balaghat Manganese Mine with effect from 8th April, 1979, is justified? If not, to what relief Sri Shriram is entitled?"

2. After the reference was made by the Central Government to this Hon'ble Tribunal, the parties entered into negotiations. After detailed discussion, with a view to maintain good industrial relations and industrial peace in the mine, the parties have agreed to settle their dispute on the following terms of settlement :—

TERMS OF SETTLEMENT

(i) That Shri Shriram, the workman concerned will be reinstated by the Management on 25t January, 1982 without any back-wages.

(ii) For the period from 8th April, 1979 to 24th January, 1982, the workman will not get any benefit whatsoever.

(iii) The Rashtriya Manganese Mazdoor Sangh Balaghat accepts the above settlement in full and final settlement of all their demands and give-up all other claims against the Management and shall not raise any dispute with the Management in respect of termination of services of Shri Shriram on 8th April, 1979."

(iv) The above settles all the dispute between the parties and it is fair and reasonable.

3. That it is in the interest of justice that the Hon'ble Tribunal be pleased to give an Award in terms of the settlement which is fair for the both parties.

PRAYER

It is, therefore, prayed that this Hon'ble Court be pleased to give an Award as per settlement between the parties.

Jabalpur.
Dated : 13th January, 1982.

Sd/- Sd/-

Representative of the Workmen. Counsel for Employer

S. R. VYAS, Presiding Officer

[No. L-27012/1/79-D.III.B]

S.O. 727.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Rajhara Iron Ore Mines of Bhilai Steel Plant and their workman Shri Ranglal, Fitter represented by Metal Mines Workers Union (INTUC), which was received by the Central Government on 3rd February, 1982.

BEFORE JUSTICE SHRI S. R. VYAS (RETD) PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(2)/1981

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Rajhara Iron Ore Mines of Bhilai Steel Plant,

AND

Their workman Shri Ranglal, Fitter Grade I represented through Metal Mines Workers Union, Rajhara Iron Ore Mines, Bhilai Steel Plant, District Durg (M.P.).

APPEARANCES :

For Union—None.
For Management—Shri D. C. Henri, Law Officer.

INDUSTRY : Iron Ore Mine. DISTRICT : Durg (M.P.)

AWARD

Dated, January, 28, 1982

Vide Notification No. L-29012(11)/80-D.III.B Government of India in the Ministry of Labour referred the following dispute to this Tribunal, for adjudication :—

"Whether the action of the management of Dalli Mechanised Mines of Bhilai Steel Plant in not offering the post of Chargeman reserved for S.T. to Shri Ranglal, Fitter, Grade I the only candidate of S.T. is justified ? If not, to what relief is he entitled ?"

2. Briefly stated the facts which are not in dispute are these :—

The workman Shri Ranglal Fitter Grade I is an employee of the management of the Dalli Mechanised Mines of the Bhilai Steel Plant, hereinafter referred to as the Management. The management invited applications for the post of Chargeman (Mech.)(P8)(P7)(P6) and Chargeman (Welding) (P6) from the employees of the management. By this circular it was indicated that 15 per cent and 7-1/2 per cent posts were reserved respectively for S.C. and S.T. candidates as per rules. The workman Shri Ranglal was one of the workmen who applied for these posts. He appeared in the test held by the management but did not qualify. Accordingly he was not selected. Subsequently when more posts were to be filled in, the workman applied and on being selected and was appointed. The workman however felt that in the first selection he was not selected even though he was the only eligible candidate for the reserved post. The Union, therefore, raised the dispute which even after conciliation proceedings was not settled. The Central Government, therefore, referred the dispute to this Tribunal for adjudication.

3. From the very beginning the workman and the Union representative remained absent and even though notice was served. Statement of claim was filed only by the management. During the subsequent proceedings also the Union representative and the workman remained absent. During the pendency of these proceedings an application was received (Ex. M/5) signed by the Union representative stating that the workman has been promoted and that in view of this promotion the Union has no intention to prosecute the adjudication proceedings any further.

In view of this attitude of the workman the management examined M.W. 1 Shri T. N. P. Rastogi, Deputy Manager (Personnel). Since the workman and his Union representative did not join any issue with the management the only question to be considered is that referred to in the order of reference.

I have examined the oral and documentary evidence given by the management. In my opinion, the reference must be answered against the workman.

4. In his statement M.W.1 Shri Rastogi stated that he is the Deputy Manager (Personnel) and is looking after Rajhara and Dalli Groups of Mines. He also says that vide Ex. M/1 applications were invited through departmental circulars by the management in response to which the workman Shri Ranglal, who was already in employment, submitted an application along with the other applicants. As per circular 15 per cent and 7-1/2 per cent posts were reserved for S.C. and S.T. candidates. For the test that was subsequently held 100 marks allotted. Only those candidates who secured 50 marks and above were only considered eligible for appointment. There was, however, no concession given for S.C. and S.T. candidates. Ex. M/2 is the Marksheet of all the candidates which shows that Shri Ranglal secured only 39 marks out of 100 marks. Consequently he did not qualify for being considered for promotion. Lastly he stated that subsequently more applications were invited vide separate circulars in response to which Shri Ranglal again applied and at the next selection he was selected. In pursuance of this selection he was appointed vide Ex. M/3 dated 25th April, 1981 and is still working on the post for which he was selected.

It is, therefore, clear that the management though had reserved certain percentage of posts for S.C./S.T. candidates yet was within its rights to specify certain percentage of marks for the test to be held to determine the suitability or otherwise of the applicants. Specification of 50 marks out of 100 cannot be said to be so high as to debar a SC/ST suitable candidate from being considered. It is also clear from the evidence given by Shri Rastogi that later on more posts were filled in and since the workman Shri Ranglal obtained qualifying marks he was selected and appointed on the higher post. It was precisely for this reason that the workman and his Union representative thought it proper not to prosecute this dispute before this Tribunal. Shri Rastogi has also proved Ex. M/5 signed by the union representative according to which a specific prayer has been made for not prosecuting this dispute further. However apart from the prayer made by the workman Shri Ranglal even on merits the grievance made by the workman cannot be said to be justified.

5. In the light of the view taken and for the reasons given above it must be held that the management was justified in not selecting Shri Ranglal against the reserved post of Chargeman (S.T.).

6. According for the reasons given above the award is that the action of the Management of the Dalli Mechanised Mines of the Bhilai Steel Plant was justified in not offering the post of Chargeman reserved for S.T. candidates to Shri Ranglal Fitter Grade I even though he was the only candidate in the category of S.T. Consequently the workman is not entitled to any relief in this case. Both the parties are directed to bear their own costs as incurred.

S. R. VYAS, Presiding Officer.

[No. L-26012/11/80-D III B]

SHASHI BHUSHAN, Under Secy.

New Delhi, the 5th February, 1982

S.O. 728.—In pursuance of section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Hyderabad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Limited, Belampalli Division I, Belampalli, Adilabad District, and their workmen, which was received by the Central Government on the 4-2-1982

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL(CENTRAL) AT HYDERABAD.

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 1 OF 1981.

BETWEEN

Workmen of Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli Division-I, Bellampalli Adilabad District.

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli Division, Bellampalli, Adilabad District.

APPEARANCES :

Sri K. Srinivasa Murthy, Hon Secretary, A. P. Federation of Chambers of Commerce and Industry, for Management. Sri B Ganga Ram, Chief Vice President Singareni Collieries Workers Union for the Workmen.

AWARD

This reference was made by the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi through No.L-21011(17)/80-D.IV(B), dated 1-1-81 and it relates to the dispute between the Management of Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli Division-I, Bellampalli, Adilabad District and its Workmen. The matter that was referred for adjudication to this Tribunal is as follows:—

> Whether the action of the Divisional Superintendent Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli Division I, Belampalli (P.O), Adilabad District (AP) in laying of the coal fillers daily rated and monthly rated workmen of Mahaveerkhani No. 1 Incline from first shift of 8-1-80 to second shift of 12-1-80 is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?

2. The workmen filed a claim statement contending as follows.—From the first shift of 8th January, 1980, the Management illegally changed the services conditions of the coal fillers, by changing the tub distribution system in vogue in that mine from the starting of that mine without issuing any notice under Section 9A of the Industrial Disputes Act. All these days, the Management used to supply each filler at the rate of one tub in the first round, and one tub in the 2nd round also. But from the 1st shift of 8th January, 1980, Management unilaterally changed the tub distribution system stating that in the first round each filler getting at the rate of one tub will be continued as before but that in the second round, each filler would be given at the rate of 1/2 tub and in the 3rd round also another 1/2 tub. Due to abrupt change in the the tub distribution system, the fillers felt it difficult to maintain the present earnings and they were afraid that wages would be adversely affected. The contention of the fillers is that due to special geological conditions of this mine, they have to push the loaded tubs upwards, whereas in the other mines, the fillers have to push the loaded tubs downwards. Due to the special and difficult conditions of this mine 5 to 6 fillers have to push one loaded tub, and due to this additional hand work, they are not able to push the second round loaded tub in the same shift, and that in the same way, the supply of 1|2 tub each in 3rd round would be impossible. Therefore, if the Management adopts this new system, each filler fills only 1-1/2 tubs daily instead of two tubs daily. The Management did not consult the fillers, nor the Union, before changing the service conditions of the fillers of this mine. After 5 days i.e. on 12th January 1980, the Management agreed to restore the old svetem of tub distribution, and in III shift of 12th January 1980 the work was resumed and the illegal lockout was removed. In these circumstances, the action of the Management in changing the service conditions of the coal fillers of MVK.1 Incline and the illegal lockout of the mine from 8th January, 1st shift to 2nd shift of 12th January 1980 is illegal. The contention of the Management that the fillers of MVK.1 Incline went on illegal strike and hence monthly rated and daily rated workers were laid off is not correct. The Management stated on the surface itself that if the fillers were willing to accept the new system of tub distribution then only they can go down the mine and in that way the Management locked out the mine illegally. Hence all the coal fillers and all the other daily rated and monthly rated workmen of Mahaveer Khani No. 1 Incline are eligible for full wages from the 1st shift of 8th January to 2nd shift of 12th January, 1980

3. The Management filed a counter contending as following. The schedule of reference itself is not based on facts. It is not the fillers that were laid-off, but the other workmen consequent on an illegal strike staged by the coal fillers. This was communicated to the Government and to the concerned authorities. In the circumstances, the fillers who staged lightning strike are not entitled for any relief. Thus the terms of reference, are bad in law.

4. The contention of the union that the Management failed to give a notice under Section 9A of the Act is not correct as there was no change of service conditions. In the month of September, 1979, the fillers staged a lightening strike alleging inadequate supply of tubs thus affecting their wages and in some cases they were not earning the guaranteed wage from 1st shift of 12-9-1979 to 3rd shift of 13-9-1979 The work load of each coal filler is 81 Cft under the Wage Board recommendation. By supplying on tub in the first instance followed up by another half tub would be meeting their minimum workload. It was though that by supplying initially one tub followed up by half tub and half tub, the tub circulation would improve and there by the earnings of the coal fillers would go up as also the guaranteed wage and equitable distribution of the tub would be assured. Hence this action has no relevance to notice under Section 9A of the Act as it does not constitute a change in the conditions of service.

5. The contention of the union that due to special geological conditions of the mine, they have to push loaded tubs upwards whereas in the other mines, the fillers have to push downwards is not correct. It is the duty of the Manager to arrange for equitable distribution of the tubs and also to arrange for improved supply. Fillers cannot refuse to give it a fair trial and come to their own conclusions on some baseless apprehensions. In fact less effort would be involved when the same number of tubs are pushed in two halves, than all in one lot. As the fillers themselves have gone on strike, the consequent lay-off was in the case of other monthly rated and daily rated workers. Hence it is not correct to state that the fillers have been locked out.

6. The Management decided to start supply of one tub each in the 1st round and half a tub each in second and third round from 8th January, 1980. A pair of coal fillers normally work together and fill jointly one tub at a time.

In this, one coal filler shovels and fills the basket and the other coal filler carries the load basket to fill the tub. Therefore, with a view to reduce the idle time to tubs in peak hours, and to make optiumum utilisation of available tubs, the fillers were proposed to be supplied with one tub each in the 1st round, half tub each in second trip and another half tub each in third trip. This procedure was adopted to improve the overall efficiency by reducing the idle time of the tubs and better the earnings of the fillers. It is not correct to state that by the new system the earnings of the fillers would be adversely affected. In fact the fillers can earn more as they get more number of tubs. Further, the minimum wages for a coal filler is guaranteed under National Coal Wage Agreement and they are paid all back wages in case they are not able to earn the minimum wage if it is not due to their fault. Since the coal fillers themselves resorted to illegal strike from 1st shift of 8th January, 1980 to second shift of 12th January, 1980 without due notice, the other workmen would not be gainfully employed, and so the question of paying any layoff wages does not arise and the claim for wages consequnt thereto is not maintainable.

7. This case relates to the workmen at Mahavir Khani No.1 Incline with regard to the tub distribution system. Coal fillers go down the mines to their allotted working places. At that place they find the filled tubs kept by the men of the previous shift. These tubs are pushed by the Fillers upto the haulage curve. The hauler hauls them up and supplies empty tubs at that curve. These empty tubs are pushed by the Fillers upto the working face. In each working face there will be 10 Fillers. They form into five groups of two fillers each. One of them fills the coal into the basket and the other carries the loaded basket and fills it up. After filling all the tubs they are pushed to the hauler curve and the process is repeated. In the first round, ten empty tubs are supplied under the old system i.e. one tub for each fillers. It is the case of the workman that this has been the practice in this mine since a very long time, and that for the first time on 8-1-1980 the Management illegally changed this distribution system and stated, that in the first round each filler would be given at the rate of one tub as was being done before, but that in the second round each filler would be given at the rate of half tub each, and that in the third round also each filler would be given half tub each. At the outset it is contended on behalf of the workmen that before introducing this change the Management did not give any notice under Section 9A of the Industrial Disputes Act and unilaterally wanted to change this system and that hence it was not accepted by the Coal Fillers as it was difficult for them to do the work, under the changed system and that their earnings also would go down on account of the new system. As far as the first contention of the workmen, namely, that this system was changed without giving notice under Section 9A of the I.D. Act is concerned, it is not possible to agree with the same, as the change in the system of tub distribution cannot be stated to be a change of service conditions. As per the contention of the Management, they wanted to introduce this new system to have an equitable distribution of the tubs, so that more number of tubs would be in circulation and that it reduces the idle time of the tubs in working places and would also enable the Fillers to get more number of tubs and thus earn more money. The contention of the workmen on th other hand is that by introducing the new system their task would be more and that they would earn less than before. W.W.1 who is a Coal Filler in that Mine says that there is difference between their mine and other mines due to the specific geographical conditions of their mine, and that in the other mines loaded tubs are pushed downward, that it can be done with one Coal Filler but that in their mine load tubs have to be pushed upward that for it five to six persons have to push each tub, that on account of it they have to spend more energy that consequently their earnings also would be effected and that as per the new tub distribution system they can fill only 1-1|2 tubs instead of tubs each. Practically to the same effect is the evidence given by the other witnesses W.W.2, W.W.3 and W.W.4 But the contention of the Management is that by the new system there would be equitable distribution of tubs and more tubs would be in circulation and that it also cuts down the idle time of the tubs thus enabling the Filler to get more number of tubs In fact this new system which was sought to be introduced by the Management could not be tried at all, as the Coal Fillers resfused to work as per the new system. The contention of the Management is that the Coal Fillers went on strike refusing to work under the new system. To that effect is the evidence given by M.W.1 who is the Colliery Manager. The contention of the workmen is that they did not go on strike, but they expressed their inability to work as per new system and hence they were not allowed to work. But the fact remains that they did not work, as they did not want to work as per the new system. They should have given a fair trial to the new system proposed by the Management, and if they had felt any difficulty they should have then represented to the Management regarding the difficulty, but they did not even attempt to do it and refused to work. In those circumstances, it can only be stated that they went on strike which was not justifiable. In fact that contention of the Management is that Coal Fillers admitted that they had gone on illlegal strike and that for the period of the strike they subsequently put in petitions requesting the Management to grant leave for the strike period and pay their wages. Exs. M2 and M3 contain the applications of the several Coal Fillers who filed such applications for grant of leave for the strike period and payment of wages to them.

8. In this reference we are not actually concerned with the Coal Fillers who were on strike during that period, but we are concerned with the others who were laid down as a consequence of the said strike.. They are Coal Cutters, Linemen, Trammers etc. The contention of the Management is that as the Fillers have gone on lightning strike there was lay-off in the case of other monthly rated and daily rated workers such as Coal Cutters, Linmeen, Trammers etc. and that lay-off of those persons is the natural consequence of the strike made by the Coal Fillers. A stated already, the action of the Coal Fillers in refusing to work as per the new system is unjustifiable. As a naturally consequence of it, the other persons were laid off, under Section 25(E)(iii) of the I.D. Act no compensation is payable to workman who has been laid off if such laying off is due to a strike or slowing down of production on the part of the workmen in another part of the establishment. Hence the daily rated and monthly rated workmen in this case such as coal cutters, linemen etc. are not entitled for any compensation.

9. The matter that was referred to this Tribunal for adjudication is whether the action of the Divisional Superintendent, Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli Division-I, Bellampalli (PO) Adilabad District (AP)

in laying of the coal fillers, daily rated and monthly rated workmen of Mahaveerkhani No.1 Incline from first shift of 8-1-1980 to second sift of 12-1-1980 is justified? There is no question of laying off the Coal Fillers as they were the persons that went on strike during that period, and infact they later applied for granting of leave for that period and payment of wages for which the Management agreed. Hence the laying off is only with regard to the other persons, namely daily rated and monthly rated such as Coal Cutter, Linemen and Trammers. As stated already they had to be laid off on account of the strike by the Coal Fillers. Hence on the issue referred to this Tribunal it has to be stated that the action of the Divisional Superintendent, Singareni Collieries Company Limited, Ballampalli in laying off the daily rated and monthly rated workmen is justified. Hence the workmen are not entitled for any relief.

An award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him an corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 12th day of January, 1982.

B. PRASADA RAO, Presiding Office
INDUSTRIAL TRIBUNAL.

APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses Examined for the Workmen:

(1) W.W.1 J. Banaiah

(2) W.W.2 B. Posham

(3) W.W.3 C. H. Narasaiah

(4) W.W.4 P. Saraiah

Witnesses Examined for the Management:

M.W.1 M. Nagabhusanam

Documents Exhibited for the Workmen :

Nil

Documents Exhibited for the Management

Ex.M1: True Copy of the Notice dt.8-1-1980 issued by the Colliery Manager, Mahaveer Khani No. 1 Incline

Ex.M2. List of Coal Fillers who applied leave for Strike period from 8-1-1980 to 11-1-1980.

Ex.M3: List of Coal Fillers who applied leave for the Strike period from 8-1-80 to 11-1-80.

B PRASADA RAO, Presiding Officer

[No. L-21011(17)/80-D.IV(B)]

S.O. 729.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Govt. Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Pathakhepa Area of Western Coalfields Limited, Post Office Pathakhepa Dist. Betul (Madhya Pradesh) and their workmen which was received by the Central Givernment on the 3-2-1982

BEFORE JUSTICE SHRI S. R. VYAS (RETD.) PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(24)/1980

PARTIES :

Employers in relation to the management of Patharkhera Area of Western Coalfields Limited, P. O. Patherkhera, District Betul (M. P.) and their workman Shri R. B. Sharma, Mining Sirdar, represented through the General Secretary, Koyala Khadan Karamchari Congress, W. C. Ltd. P. O- Patherkhera, District Betul (M. P.).

APPEARANCES :

For Union.—Shri L. N. Malthotra, Advocate.

For Management.—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mine DISTRICT : Betul (M.P.)

AWARD

Jabalpur, the 25th January, 1982

By Notification No. L-22012 (48)|79-D. IV(B) dated 16th April, 1980 Government of India in the Ministry of Labour has referred the following dispute to this Tribunal, for adjudication :—

"Whether the action of the management of Western Coalfields Limited, Patharkhera Area, District Betul, Madhya Pradesh in terminating the services of Shri R. B. Sharma, Mining Sirdar is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled ?"

2. The dispute between the parties was with regard to the termination of services of Shri R. B. Sharma, Mining Sirdar employed in the Patherkhera Area of the Western Coalfields Limited, District Betul. The workman Shri R B. Sharma was charge-sheeted on the ground of some alleged acts of some misconduct. The management held an enquiry and found the charges proved against him. His services were accordingly terminated. The workman did not fed satisfied with the punishment awarded to him and raised a dispute before the Assistant Labour Commissioner (Central) Bhopal. As the conciliation proceedings failed the matter was reported to the Government of India who referred the aforementioned dispute to this Tribunal for adjudication.

3. After adjudication proceedings continued from 26-5-1980 to 7-1-1982, the parties filed a settlement of the dispute. In accordance with this settlement the workman Shri R.B. Sharma is to be given re-employment as Mining Sirdar in the same scale of pay and at the same stage of pay which he was drawing on the date of the termination of his services i.e. on 5-8-1979 ; that the period from 5-8-1979 to the date of award will be treated as 'Dies Non'; that the workman will not be entitled to wages and other allowances for that period; that the management will consider the question of continuity of service of Shri R. B. Sharma for the purposes of gratuity after completion of six months satisfactory service and that the settlement on the aforesaid terms and conditions will fully and finally satisfy the rival claims of both the parties

4. The terms and conditions of the aforesaid settlement have been admitted by representatives of both the parties who stated that it would be in the interest of both the parties to accept the settlement.

5. I have considered the terms and conditions of the settlement and feel that it is lawful and in the interest of both the parties as also in the interest of industrial peace and harmony. Accordingly the settlement is accepted and the following award is given:—

(i) The management will reappoint Shri R. B. Sharma, Mining Sirdar, in the same scale of pay and at the same stage of the scale which he was receiving at the time of termination of service i.e. on 4-8-1979;

(ii) The period from 5-8-1979 till the date of this award will be treated as 'Dies Non' and Shri R. B. Sharma will not be entitled to any wages or any other emoluments for the said period;

(iii) The management will consider the question of continuity of service of Shri R. B. Sharma for purposes of gratuity after completion of six months' satisfactory service.

The settlement filed by the parties shall form Part of the award as Annexure 'A'. In the circumstances of the case both the parties are directed to bear their own costs of these proceedings as incurred by them.

S. R. VYAS Presiding Officer

ANNEXURE 'A'

FORM 'H'

(See Rule 58)

Form for Memorandum of Settlement

NAME OF PARTIES :

Representing Employer—1. Sri S. M. Singh, General Manager, Western Coalfields Ltd., Pathakhera Area, P.O. Pathakhera, Dist. Betul (M.P.).

2. Sri S. Y. Wakhare, Project Officer, Satpura Project Western Coalfields Limited, Pathakhera Area.

3. Sri B. L. Nandwana, Senior Personnel Officer, Western Coalfields Limited, Pathakhera Area.

Representing Workmen—1. Sri Yogendranath Singh, Secretary, K.K.K.C. Union Pathakhera.

2. Sri R. B. Sharma, Mining Sirdar, Pathakhera Mine No. 1, Pathakhera Area.

Shri R. B. Sharma, Mining Sirdar, was charge-sheeted by letter No. PK|CM-I|Dis|M|732 dated 4-4-1979. After holding a proper departmental enquiry his services were terminated on the ground of misconduct proved against him. Thereafter the matter was raised before the Assistant Labour Commissioner (Central), Bhopal. After submission of a failure report to the Labour Ministry, the Government of India was pleased to make a Reference to the Central Government Industrial Tribunal Cum Labour Court, Jabalpur.

During the pendency of the Reference before the Labour Court, Jabalpur, the parties entered into mutual discussion with a view to settle the dispute in the interest of Industrial peace. Management has taken a sympathetic attitude during the discussions in view of the repeated representations made by the Secretary, K.K.K.C. Union as well as by Sri R. B. Sharma As a result of the detailed discussion, the parties have decided to settle the dispute on the following terms :

TERMS OF SETTLEMENT

1. Sri R. B. Sharma, Mining Sirdar will be given reappointment as Mining Sirdar in the same scale of pay and at the same stage of the scale which he was receiving at the time of termination of service.

2. The period from 5-8-79 (date of termination) till date of award (dated of reinstatement) will be treated as "Dies Non" and Sharma will not be entitled to any wages or any other emoluments for the said period.

3. The Management will consider the question of continuity of service of Sri R. B. Sharma for purpose of gratuity after completion of six months satisfactory service.

4. Sri R. B. Sharma and the Secretary, K.K.K.C., Union accept the above terms and conditions in full and final settlement of all their claims against the Management with reference to the Industrial dispute pending.

5. The parties shall file copies of the settlement before the Central Government Industrial Tribunal Cum Labour Court, Jabalpur, and pray for award in terms of the settlement.

SIGNATURE OF THE PARTIES :

Sd/- Sd/-
(S.M. Singh) (Yogendranath Singh)
Sd/- Sd/-
(S. Y. Wakhare) (R. B. Sharma)
Sd/-
(B. L. Nandwana)

Witnesses : Witnesses :
Sd/- Sd/-
(W. P. Gurwe) S. R. VYAS, Presiding Officer

PART OF AWARD

[No L-22012(48)/79-DIV(B)]

New Delhi, the 6th February, 1982

S.O. 730.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhanora Colliery of Eastern Coalfields Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 4-2-1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 71/81

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bhanora Colliery of Eastern Coalfields Ltd., P.O. Charanpur, Dist. Burdwan.

AND

Their workman.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri N. C. Das, Advocate.

For the Workman—Shri B. Lal, Advocate.

INDUSTRY : Coal STATE : W. Bengal

AWARD

Dated, the 29th January, 1982

The Govt. of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/s. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 has referred the dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-19012 (39)/80-D.IV(B) dated the 27th November, 1980.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bhanora Colliery of Eastern Coalfields Limited in refusing promotion as Havildar to Shri Prabhu Singh, Security Guard with effect from 17th February, 1978 is justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?"

2. The case of the workman is that he has been serving as a Guard at Bhanora Colliery from the year 1960 and possesses all the qualifications for promotion as Havildar. It is alleged that unfortunately inspite of his being qualified he is not being considered and he has not been promoted to the above post for the simple reason that he takes keen interest in trade union activities and helps the cases of the workmen at Bhanora Colliery and is also an active member of trade union. It is further stated that he represented his case before the management that although in the examination and interview he was being found fit even then he was not promoted to the post of Havildar. According to him he was interviewed along with Tulsi Paswan who had been appointed as a Guard in the year 1975 and though the concerned workman (Prabhu Singh) was found better qualified in all respects than Tulsi Paswan but inspite of it Tulsi Paswan was promoted by superseding him.

3. The above action of the management in refusing to promote the concerned workman as Havildar with effect from 17-2-1978 is attacked as unjustified and it is submitted that the concerned workman is entitled to be promoted as Havildar with effect from 17-2-1978 with all the consequential benefits.

4. In the rejoinder it is submitted that the proceeding of the Departmental Promotion Committee (D.P.C.) was an eye wash and though he secured better marks still he was not promoted in preference to Tulsi Paswan.

5. The defence of the management is that a D.P.C. was constituted consisting of 5 members as per guideline laid down in management's Circular dated 30-8-77 issued from the headquarter of the company for consideration by the Committee for promotion to the post of Havildar for the entire Sripur Area under which the Bhanora Colliery was also included and the case of promotion of the concerned workman Prabhu Singh came up for consideration before the said Committee Accordingly the case of the concerned workman was considered by the said D.P.C. along with other eligible candidates in which the concerned workman appeared along with 88 other Security Guards. The said committee for the purpose of detremining the eligibility of each candidate followed the procedure for selection in the aforesaid circular and interviewed each candidate who also sat in the written test and in the evaluation made by the Committee the concerned workman obtained only 20 marks. It is stated that there were vacancy of 20 posts of Havildar in Sripur Area and these 20 promotions were to be given out of Security Guards appointed in different collieries under Sripur Area. The promotion was to be made in a pool and not collierywise. According 20 candidates who obtained higher marks than the concerned workman were selected and were promoted as such. The D.P.C. was held on 17-2-78 while the promotion was made on a much later date. It is also submitted that the norms approved by the headquarter was followed by the D.P.C. and the decision taken by the D.P.C. as also by the management was in accordance with the norms prescribed from the headquarter. The allegation that the concerned workman was victimised due to trade union activities has been denied and it is submitted that the candidates obtaining higher marks than that obtained by Prabhu Singh were only promoted to the 20 posts of Havildar which then existed. It is thus submitted that the action of the management is fully justified and the concerned workman is not entitled to any relief.

6. The point for consideration is as to whether the action of the management of Bhanora Colliery of Eastern Coalfields Ltd., in refusing promotion as Havildar to Prabhu Singh, Security Guard with effect from 17-2-1978 is justified. If not to what relief is the workman entitled.

7. It is not denied that there were 20 posts of Havildar which were to be filled up for which a D.P.C. was constituted. Ext. M-2 is the letter of the Managing Director, Sripur Area dated 26-7-77 which directed that according to the list of requirements of Havildars in the area the vacancies were to be filled up by constituting a D. P. C. in the Area Office

after approval of the General Manager. The list shows that there were 20 posts of Havildars. Along with this letter the norms prescribed from the headquarter was also forwarded to the Security Officer, Sripur Area which is marked Ext. M-3. It is a copy of another document Ext. M-1. By letter Exts. M-4 dated 10-2-78 a D.P.C. was constituted consisting of 5 officers as named in the aforesaid letter besides nomination of one S.A.M. and approval of General Manager was also directed to be obtained. Thus a D.P.C. was constituted for promotion to the 20 posts of Havildar in the entire Sripur Area and on the basis of this a letter Ext. M-5 was issued. The Chart prepared by the D.P.C. (Ext. M-6) would show that as many as 89 candidates were called for interview and verbal tests and marks obtained by them on different counts are mentioned in this which has been signed by all the members of the Committee Exts. M-7 & M-8 are the papers of written test of Prabhu Singh and Tulsi Paswan respectively. The Committee by letter Ext. M-9 submitted a name of 28 candidates (Ex. M-9) inorder of merit showing the marks obtained by them and on the basis of this recommendation 20 persons inorder of merit were appointed by a letter dated 19-6-79 as Havildars (Ext. M-10). These documents would show that the persons obtaining marks upto 23 were only promoted as Havildar and persons having lesser marks were left out. The name of Prabhu Singh the concerned workman stands in Sl. No. 27 in the list prepared by the D.P.C. (Ext. M-9). MW-1 is Sri S. N. Rao, Chief Security Officer who was one of the member of the D.P.C. He has given the details of the constitution of the D.P.C. as also the procedure adopted for selection. The procedure adopted for selection as mentioned above is mentioned in Ext. M-3 and it shows that besides other qualifications a person to be considered for promotion should be in service of the Eastern Coalfields Ltd., including erstwhile C.M.A. and private companies atleast ofr five years. Certain mar are also prescribed for educational qualifications, previous service in Army or Police, length of service, confidential report, interview etc. For length of service the mark prescribed was one mark for each completed year after 5 years upto maximum of 10 marks. The evaluation chart would show that both Prabhu Singh as well as Tulsi Paswan obtained 10 marks each i.e. the maximum for the length of service and therefore it cannot be said that any favour was shown to Tulsi Paswan.

8. It has been tried to be shown on behalf of the concerned workman that Tulsi Paswan was originally appointed as a general mazdoor and he was appointed as a Guard in the year 1975 only but this contention of the concerned workman is not substantiated. From the evidence of MW-1 it would appear that prior to nationalisation the Guards were called by different designations such as Chaprasi, Peon, Night Guard, Bungalow Guard etc. and after nationalisation the persons who were working as Security Guard were designated as Security Guard as such. He has further stated that he found Prabhu Singh as well as Tulsi Paswan working as Security Guard since he was in service there. This fact has been corroborated by MW-2 Sri B. Das a Senior Clerk who was previously in the private company also He has stated that Tulsi Paswan was appointed in February '63 initially as a surface mazdoor but he used to work as Guard in Rana Colliery and he was regularised as a Guard after nationalisation by letter Ext. M-11. Ext. M-11 would show that 20 persons who were working as Guards at Bhanora Colliery were regularised as Security Guard and the list is attached with this document. It includes the name of Tulsi Paswa also.

9. It was contended on behalf of the workman that the appointment of Tulsi Paswan as Guard should be considered from the date of issue of this letter i.e. 3-4-1975, but this contention is not enable. This letter simply shows that as many as 20 persons were regularised as a Guard as they were working as such thought they may have been initially appointed in different categories.

10. Thus from the above documents it will be clear that the case of Prabhu Singh was duly considered by the D.P.D. and he was given due marks on all the counts as per norms prescribed by the headquarter, but the total marks obtained by him was 20 only while persons obtaining 23 marks and above were only promoted. It is also clear from these documents that the promotion was for the entire Sripur Area and not collierywise. There is nothing on the records to show that the D.P.C. was perjudiced in any way against the concerned workman.

11 Further even if it be conceded that for Bhanora Colliery, promotion from the Guards of Bhanora Colliery only should have been given still the concerned workman did not stand any change. It will appear from the list prepared by the D.P.C. (xt, M-9) Sl. No. 23 Durga Sharma and Sl. No. 24 Surajdeo Singh also belonged to Bhanora colliery and if promotions were to be given from the Guards of Bhanora Colliery still Durga Sharma who obtained 21-1|2 marks should have been promoted and next below him was Surajdeo Singh who obtained 21 marks. Prabhu Singh the concerned workman obtained only 20 marks and therefore he did not stand any chance. It will also appear from the above chart that many others of different collieries obtained marks higher than Prabhu Singh but they were not promoted. Their marks are above 20 but below 23 became in making 20 promotions the persons obtaining 23 marks and above could only have the aforesaid promotion.

12. The only ground made on behalf of the workman is that he was an active member of the union and so he was victimised. But there is no iota of evidence to prove the said victimisation. Even the concerned workman who has been examined as WW-1 has stated in para 9 of his cross-examination that he is simply a member of the union but he was not an active member. The contention of the workman in the written statement that he was an active member of the union is thus fulfilled from his own statement made before this Court.

13. Thus on consideration of the entire evidence and facts and circumstances of the case it is clearly proved that the promotion was given by the management as per norms prescribed by the headquarter and because Prabhu Singh did not obtain the requisite marks for promotion he was not promoted. The case of malafide or victimisation has also not been proved. It is clear from the evidence that the promotion was legal and valid and there is no evidence to show the prejudice of the D.P.C.

14. Considering these I hold that the action of the management in not promoting the concerned workman as Havildar is fully justified. The concerned workman in the circumstances is not entitled to any relief.

15. I give my award accordingly.

J. N. SINGH, Presiding Officer

[No. L-19012(29)/81-D.IV(B)]

S. S. MEHTA, Desk Officer

नई दिल्ली 1 मई, 1981

का०आ० 731 —कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 36 के अनुसरण मे, कर्मचारी राज्य बीमा निगम के वित्तीय प्राक्कलन तथा निष्पादन बजट 1981–82, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्द्वारा प्रकाशित किये जाते हैं।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

1980-81 वर्ष के परिशोधित प्राक्कलन तथा 1981-82 वर्ष के बजट प्राक्कलन पर व्याख्यात्मक ज्ञापन

स्थायी समिति तथा निगम ने क्रमश 17 फरवरी, 1980 तथा 18 फरवरी, 1980 को हुई बैठक मे 1980–81 वित्तीय वर्ष के लिए कर्मचारी राज्य बीमा निगम के आय तथा व्यय के बजट प्राक्कलनो का अनुमोदन किया था। केन्द्रीय सरकार ने इनका अनुमोदन कर दिया था।

2 1980–81 वर्ष के बजट प्राक्कलनो के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रावधान आते है —

(1) विभिन्न केन्द्रो मे, जहां योजना कार्यान्वित की जा चुकी है, योजना को चलाने के लिए आवश्यक धन-व्यवस्था, तथा

(2) नए क्षेत्रो/स्थापनाओ के नये वर्गों पर योजना के विस्तार के लिए आवश्यक निधियां।

3 1980–81 वर्ष के बजट प्राक्कलन तैयार करते समय यह अनुमान लगाया गया था कि परिशिष्ट-1 मे दिए गए कार्यक्रम के अनुसार उसके कालम 3 मे प्रत्येक के सामने दी गई तारीखो मे योजना का विस्तार नए क्षेत्रो/स्थापनाओ के नये वर्गों पर किया जाएगा। लेकिन संबंधित राज्य सरकारो द्वारा पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था करने मे प्रशासकीय तथा अन्य कठिनाइयो के कारण कार्यान्वयन के कार्यक्रम मे संशोधन करना पड़ा (मूल लक्ष्य 62 00 लाख कर्मचारी, परिशोधित लक्ष्य—61 66 लाख कर्मचारी)। वास्तव मे कुछ क्षेत्रो/स्थापनाओ के नये वर्गों पर योजना का विस्तार परिशिष्ट-1 के कालम 4 मे दी गई बाद की तारीखो से हुआ। जिन क्षेत्रो/स्थापनाओ के नये वर्गों पर योजना का विस्तार करने का अनुमान पूरा नहीं हो सका, उनके संबंध मे अब अनुमान की गई संशोधित तारीख उपर्युक्त परिशिष्ट के कालम-4 मे दिखाई गई हैं।

4 परिशिष्ट–2, 31-12-1980 तक योजना के कार्यान्वयन की राज्यवार कुल व्याप्ति, 1980–81 के अंत तक तथा 1981-82 के दौरान योजना के कार्यान्वयन के लिए संभावित रोजगार के नये सैक्टरो को शामिल करते हुए अतिरिक्त क्षेत्र तथा कार्यान्वयन की संभावित तारीखो का सूचक है। इन क्षेत्रो का निर्धारण राज्य सरकारो के साथ किए गए पत्र-व्यवहार के परिणामस्वरूप किया गया है।

5. 1980–81 वित्तीय वर्ष के परिशोधित प्राक्कलन तथा 1981–82 वर्ष के बजट प्राक्कलन कार्यान्वयन के संशोधित कार्यक्रम को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

बजट विवरण

6 1 सारणीबद्ध बजट विवरण-क तथा ख मे क्रमश 1979–80 वर्ष के आय व्यय के वास्तविक आकड़े तथा 1980–81 वर्ष के परिशोधित प्राक्कलन और 1981–82 वर्ष के बजट प्राक्कलन दिए गए है।

6 2 नीचे दी गई सारणी मे एक नजर में प्राक्कलन दिखाए गए हैं।

एक नजर में बजट

लेखा शीर्ष	1979-80	1980-81 प्राक्कलन		1981-82
	वास्तविक आंकड़े	बजट परिशोधित		बजट प्राक्कलन
			(लाखों रुपयो में)	
			राजस्व आय	
अंशदान	1,59,76 04	1,62,31 00	1,78,20 00½ (क)	1,88,80 00 (क)
विविध (ख)	10,03 00	9,03 70	13,58 67 (ग)	13,61 47 (ग)
कुल राजस्व आय	1,69,79 04	1,71,34 70	1,91,78 67	2,02 41 47

(क) अंशदानो से आय मे वृद्धि के कारणो के लिये पैरा 9 2 तथा 18 1 देखें।

(ख) इसमे चिकित्सा हितलाभ की बाबत दिल्ली प्रशासन का शेयर, फालतू रोकड़, शेष निवेशों से प्राप्त ब्याज तथा राजस्व के अन्य शीर्ष शामिल हैं आंकड़ो मे (i) निर्धारित आरक्षित निधियो के निवेश पर प्राप्त ब्याज तथा (ii) 1980-81 तथा 1981-82 वर्ष के दौरान संचित क्रमश 13 07 70 लाख रुपये तथा 14,87 30 लाख रुपये का ब्याज शामिल नहीं है जो वस्तुत "पुन निवेश योजना के अंतर्गत" सावधि जमा की परिपक्वता पर अदा किया जायेगा।

(ग) भिन्नता के कारणो के लिये पैरा 9 6 तथा 18 3 देखें।

राजस्व लेखे में व्यय

1 हित लाभ				
क चिकित्सा हितलाभ	63,59 27	68 72 45	76,25 20 (घ)	79,98 88 (घ)
(घ) पैरा 11 1 तथा 20 1 देखें।				
ख नकद हितलाभ	63,55 23	63,52 47	76,32 33 (ङ)	77,60 46 (ङ)
(ङ) पैरा 11 2 तथा 21 1 देखें।				
ग अन्य हितलाभ (च)	17 32	19 44	20 33	22 14
(च) पैरा 12 देखें।				
कुल हितलाभ	1,27,31 82	1,32,44 36	1,52,77 86	1,57,81 48
2 प्रशासन व्यय	11,37.56	12,12 44	14,18 14 (छ)	15,38 99 (छ)
(छ) पैरा 13 तथा 23 देखें।				
3. अस्पताल/औषधालय (मूल्यह्रास, मरम्मत तथा अनुरक्षण)	1 86 77	2,02,35	2,53 86	2,91 90 (ज)
(ज) पैरा 24 देखें।				

लेखा शीर्ष	1979-80	1980-81		1981-82
		प्राक्कलन		
	वास्तविक आंकड़े	बजट	परिशोधित	बजट प्राक्कलन
	(लाख रुपयों में)			
4 पूर्जीगत निर्माण तथा आपात आरक्षित निधियां	18,62.64	17,93 59	18,78.91(ञ)	20,36.22
(ञ) पैरा 15 देखें।				
राजस्व लेखे में कुल व्यय	1,59,18.79	1,64,52.74	1,88,28 77	1,93,48.51
व्यय से अधिक आय की राशि	10,60.25	6,81 96	3,49.90(ञ)	5,92.83

(ञ) 1980-81 वर्ष के बजट प्राक्कलन की तुलना में कमी निगम द्वारा दिनांक 14-12-1980 को हुई बैठक में यथा-अनुमोदित स्थायी अपंगता हितलाभ तथा आश्रितजन हितलाभ की राशि में दिनांक 1-4-1980 से वृद्धि करने के कारण 4,50.00 लाख रुपये के एक मुश्त समायोजन के कारण हुई है। कृपया पैरा 17 भी देखें।

राजस्व लेखे से बाहर व्यय

पूंजीगत लेखे में व्यय	6,63.80	9,25.00	8,50.00(ट)	8,50.60(ट)

(ट) पैरा 16, 26.1 तथा 16.2 देखें।

रोकड़ शेष

आदि रोकड़ शेष	6,31.48	6,34.65	7,54 66	6,36.09(ठ)
अंत रोकड़ शेष	7,54.66	6,36 09	6,36.09	6,40.00(ठ)

(ठ) पैरा 28 देखें।

विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत कुछ महत्वपूर्ण मदों की संक्षिप्त व्याख्या नीचे पैराग्राफों में दी गई है।

7. अंशदान

अंशदान में नियोजकों तथा कर्मचारियों के शेयर कर्मचारी राज्य बीमा संशोधन अधिनियम, 1975 द्वारा यथा-संशोधित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 की अनुसूची-1 में दी गई दरों के अनुसार देय हैं।

8. चिकित्सा हितलाभ

8.1 संघ राज्य क्षेत्र, दिल्ली में योजना सीधे निगम द्वारा चलाई जाती है। अतः संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली को छोड़कर "क—चिकित्सा हितलाभ शीर्ष के अंतर्गत व्यय शुरुआत मे राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है तथा बाद मे 7:1 के निर्धारित अनुपात में निगम तथा राज्य सरकारों के बीच शेयर किया जाता है। अधिकतम शेयर योग्य राशि समय-समय पर निगम द्वारा निश्चित की गई अधिकतम सीमा के अधीन होती है। इस शीर्ष के अंतर्गत की गई धन-व्यवस्था का उद्देश्य व्यय के निगम के शेयर को पूरा करना है।

8.2 चिकित्सा हितलाभों पर व्यय की अधिकतम सीमा

प्रति कर्मचारी चिकित्सा हितलाभों पर वार्षिक शेयर योग्य व्यय की अधिकतम सीमाएं 1 अप्रैल, 1980 से निम्न प्रकार हैं:—

चिकित्सा देख-रेख का स्वरूप	प्रति कर्मचारी अधिकतम सीमा की राशि
सीमित	70 रुपये
विस्तारित	85 रुपये
पूर्ण	120 रुपये

इसके अलावा औषधियों, दवाइयों तथा पट्टियों पर अधिकतम सीमा से ऊपर व्यय की 25 रुपये से ऊपर तथा 50 रुपये तक प्रति कर्मचारी परिवार एकदा प्रति वर्ष अनुमति दी गई है। कर्मचारी राज्य बीमा निगम के स्वामित्व में आने वाले तथा कर्मचारी राज्य बीमा योजना से प्रभावित भवनों का किराया अब 1980–81 वर्ष से अधिकतम सीमा के बाहर रखा जाता है लेकिन राज्य सरकारों तथा निगम के बीच निर्धारित अनुपात मे शेयर किया जाता है।

8.3 राज्य सरकारों को अग्रायगियां

निगम वर्ष के दौरान चिकित्सा हितलाभों पर व्यय के अपने शेयर के 90 प्रतिशत तक "लेखागत" अग्रायगियां करता है। ये अग्रायगियां राज्य सरकारों से प्राप्त व्यय विवरणों के आधार पर की जाती हैं। संबंधित राज्य महालेखाकारों से लेखा परीक्षा प्रमाण-पत्र होने पर इन अग्रायगियों का समायोजन किया जाता है।

8.4 निगम द्वारा सीधे किया गया व्यय

"चिकित्सा उपचार तथा देखरेख और प्रसूति सुविधाएं—निगम द्वारा सीधे किया गया व्यय" शीर्ष के अंतर्गत की गई धनव्यवस्था में संघ राज्य क्षेत्र, दिल्ली में बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों की चिकित्सा देख-रेख के प्रशासन की अनुमानित लागत शामिल है। शेयर योग्य राशि के 1/8 की दर पर अनुमानित वसूली "निगम द्वारा शुरुआत में किए गए चिकित्सा हितलाभों में राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों का शेयर" शीर्ष के अंतर्गत 1980–81 के परिशोधित प्राक्कलनों तथा 1981–82 के बजट प्राक्कलनों में राजस्व में शामिल की गई है।

1980–81 वर्ष के परिशोधित प्राक्कलन

1—आय

9.1 चालू वर्ष (1980–81) में अब निगम का राजस्व 1,91,78.67 लाख रुपये होने का अनुमान है जब कि बजट में 1,71,34.70 लाख रुपये का अनुमान था।

अंशदान

9.2 अंशदानों से आय अब 1,78,20.00 लाख रुपये होने का अनुमान है जबकि बजट स्तर पर 1,62,31.00 लाख रुपये का अनुमान था। मूल प्राक्कलनों में 9.78 प्रतिशत की यह वृद्धि आंशिक रूप से मजदूरी में वृद्धि के कारण अंशदानों की ऊंची दरों से हुई है। (यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि 1979–80 वर्ष के दौरान बीमारी हितलाभ की औसत दैनिक दर में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। और 1980–81 वर्ष के दौरान और वृद्धि हो सकती है)। स्वाभाविक है कि बजट प्राक्कलन बनाते समय इस वृद्धि का अनुमान नहीं लगाया गया। शेष 8 क्षेत्र में अंशदान टिकटों के स्थान पर नकद रूप मे अंशदान एकत्र करने की पद्धति के विस्तार से भी राजस्व की प्राप्ति मे तेजी आई है।

9.3 31-12-1980 को स्थिति के अनुसार योजना के अंतर्गत आये कर्मचारियों की कुल संख्या 60.07 लाख थी तथा योजना के विस्तार और मौजूदा कार्यान्वित क्षेत्रों में अतिरिक्त व्याप्ति द्वारा वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक लगभग 1.59 लाख अन्य कर्मचारियों को शामिल किये जाने की संभावना है। परिशोधित प्राक्कलनों में प्रत्याशित अतिरिक्त व्याप्ति को ध्यान में रखा गया है।

9.4 31 मार्च, 1979 तक बकाया अंशदानों की राशि 31 मार्च 1980 को 28,09.78 लाख रुपये थी। निगम ने 20,24.78 लाख रुपये की बकाया राशि की वसूली के लिए कानूनी कार्रवाई की जा चुकी है। 2,63.00 लाख रुपये की राशि के लिए कानूनी कार्यवाई शुरू कर दी गई है। 2,83.00 लाख रुपये की अन्य राशि के लिये कानूनी कार्रवाई विचाराधीन है। (इसके अंतर्गत मुख्य रूप से वे मामले आते हैं जिनमें नियोजकों के उपयुक्त सरकार को छूट देने के लिये लिखा-पढ़ी की थी, जिन मामलों में उच्चतम न्यायालय के निर्णय के परिणामस्वरूप शाखा कार्यालयों/बिक्री कार्यालय की पिछली तारीख से व्याप्ति का प्रश्न उठा था तथा ऐसे मामले जिनमें वसूली की कार्रवाई शुरू करने के लिये निगम को यथामूल्य शुल्क देना है)। बाकी 2,39.00 लाख रुपये की राशि के लिए वसूली को रोकने की न्यायालय निषेधाज्ञा के कारण या कारखानों के परिसमापन के परिणामस्वरूप या नियोजकों के कानूनी न्यायालय में व्याप्ति के बारे में विवाद के कारण कानूनी कार्रवाई करना संभव नहीं है। निगम अपनी बकाया राशि की वसूली के लिए भरपूर प्रयास कर रहा है। लेकिन यह उल्लेखनीय है कि निगम को अपनी बकाया राशि की वसूली के लिए राज्य सरकारों पर निर्भर रहना पड़ता है।

चिकित्सा हितलाभों में दिल्ली प्रशासन का शेयर

9.5 दिल्ली में बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को चिकित्सा देख-रेख की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी 1 अप्रैल, 1962 से निगम द्वारा ली गई थी। अनुमोदित व्यवस्था के अनुसार चिकित्सा देख-रेख पर निगम द्वारा किए गए व्यय का 1/8 भाग तथा चिकित्सा देख-रेख पर व्यय की निर्धारित अधिकतम सीमा से अधिक व्यय दिल्ली प्रशासन से वसूल किया जाने योग्य है। "निगम द्वारा शुरू में किए गए चिकित्सा हितलाभ में राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों का शेयर" शीर्ष के अंतर्गत 79.09 लाख रुपये की व्यवस्था 1978-79 (आंशिक अदायगी 1979-80 में की गई) तथा 1979-80 वर्षों के लिए दिल्ली प्रशासन द्वारा देय राशि का सूचक है।

ब्याज तथा लाभांश

9.6 प्राक्कलनों में सामान्य रोकड़ शेष तथा भविष्य निधि के निवेश पर प्राप्त ब्याज, निगम के कर्मचारियों को दी गई पेशगियों पर प्राप्त ब्याज तथा महाराष्ट्र सरकार को अस्पताल तथा औषधालय भवनों के विस्तार के लिये 1977-78 वर्ष तक दिये गये कर्जों पर प्राप्त ब्याज शामिल है। आपात आरक्षित निधि, जो अनिर्धारित आरक्षित निधि है, पर प्राप्त ब्याज को अब इस शीर्ष के अंतर्गत क्रेडिट किया जा रहा है।

1980-81 के परिशोधित प्राक्कलनों में आय में वृद्धि आंशिक रूप से आपात आरक्षित निधि के संबंध में 1,01.72 लाख रुपये का ब्याज उसी निधि की बजाय इस शीर्ष में क्रेडिट करने के कारण है जैसा कि पहले पैराग्राफ में उल्लेख किया गया है। इसके अलावा अप्रैल, 1980 से फरवरी, 1981 तक तथा मार्च, 1981 तक की अवधि के दौरान परिपक्व होने वाली आवधिक जमा आय की अवधि में विस्तार से प्राप्त होने वाले अतिरिक्त ब्याज के कारण भी वृद्धि हुई है।

अब निवेश "पुनः निवेश योजना" के अंतर्गत आवधिक जमा में किये जाते हैं। 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलनों में दिखाई गई ब्याज की राशि में पुनः निवेश योजना के अंतर्गत अनिर्धारित आरक्षित निधियों के निवेश पर ब्याज के 13,07.70 लाख रुपये शामिल नहीं है जो संचित हो गये हैं लेकिन आवधिक जमा की परिपक्वता पर देय होंगे।

अतिपूर्ति

9.7 जहां किसी राज्य में बीमाकृत व्यक्तियों को बीमारी हितलाभ अदायगियों का व्यवभार अखिल भारतीय औसत से अधिक पाया जाता है, इस तरह की अधिक राशि कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम की धारा 58 (2) में दिए गए उपबंधों के अनुसार राज्य सरकार तथा निगम के बीच शेयर की जाती है। इसी प्रकार जहां निगम की राय में बीमाकृत व्यक्तियों में बीमारी की घटना निम्नलिखित कारणों से अधिक हों—

(1) किसी कारखाने या स्थापना में काम करने के लिए अस्वस्थ वातावरण या किसी अधिनियम के अंतर्गत कारखाने या स्थापना के स्वामी या अधिभोगी द्वारा अपेक्षित स्वास्थ्य संबंधी विनियमों के पालन करने में उसकी लापरवाही, या

(2) बीमाकृत व्यक्तियों के कब्जे में किसी कोठरी या आवास में सफाई की ठीक व्यवस्था न होना और इस तरह का अस्वस्थ वातावरण कारखाने या स्थापना के मालिक से अपेक्षित स्वास्थ्य संबंधी विनियमों का पालन करने में उसकी लापरवाही के कारण हो तो—

निगम, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 की धारा 69 में उल्लिखित उपबंधों के अनुसार बीमारी हितलाभ के कारण किए गए अतिरिक्त व्यय की वसूली कारखाने या स्थापना के स्वामी या अधिभोगियों से कर सकेगा।

1980-81 के परिशोधित प्राक्कलन में 3,19.82 लाख रुपये की व्यवस्था की गई है। इसमें 1980-81 के दौरान बिहार (7.56 लाख रुपये), मध्य प्रदेश (36.20 लाख रुपये) तथा तमिलनाडु (2,75.46 लाख रुपये) राज्य सरकारों से अधिक बीमारी हितलाभ की वसूली शामिल है। इसके अलावा 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलन में नियोजकों से क्षतिपूर्ति के 0.60 लाख रुपये वसूल किये जाने की आशा है।

9.8 निम्नलिखित के संबंध में किराये, दर तथा कर—

(1) कार्यालय भवन (स्टाफ क्वार्टरों सहित) तथा

(2) अस्पताल/औषधालय (स्टाफ क्वार्टरों सहित)।

निगम द्वारा निर्मित अस्पताल तथा औषधालय भवनों से संबंधित किराया बीमाकृत व्यक्तियों को चिकित्सा हितलाभों की व्यवस्था पर राज्य सरकारों द्वारा किए गए शेयर योग्य व्यय का एक भाग होता है। इस प्रकार यह निगम तथा राज्य सरकारों के बीच 7 : 1 के निर्धारित अनुपात में स्वतः विभाजित हो जाता है।

फीस, जुर्माने तथा जब्तियां

9.9 इनमें नियोजकों द्वारा फैक्टरी मशीनों के प्रयोग के लिए उनसे प्राप्त लाइसेंस फीस के कारण आय तथा निगम की राशियों की अदायगी न कर सकने और/या अंशदान कार्ड प्रस्तुत न करने पर नियोजकों पर लगाए गए जुर्माने भी शामिल है।

विविध आय

इनमें डुप्लीकेट पहचान पत्रों की लागत के कारण आय, अधिक अदायगियों तथा लेखा-परीक्षा में अस्वीकृत राशि की वसूलियां, छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदानों की वसूलियां, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के संबंध में कर्मचारी अंशदान, तदनुरूपी राजस्व शीर्षों में न ले जा सकने वाले गत वर्षों में किए गए सेवा व्यय की वसूलियां, न्यायालयों द्वारा बिक्री की गई राशियों सहित कानूनी मुकदमों की लागत की वसूलियां तथा नकद हितलाभों आदि की वसूलियां शामिल हैं।

10. चालू वर्ष 1980-81 में राजस्व लेखे में अब 1,88,28.77 लाख रुपये के व्यय का अनुमान है जबकि बजट में 1,64,52.74 लाख रुपये का अनुमान था।

बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को हितलाभ

क—चिकित्सा हितलाभ

11.1 इस शीर्ष के अंतर्गत कुल धन-व्यवस्था 76,25.20 लाख रुपये है। (इसमें गत वर्षों के संबंध में 12,53.51 लाख रुपये की बकाया अदायगियां शामिल हैं)। इसमें चिकित्सा देख-रेख की व्यवस्था पर राज्य सरकारों द्वारा किए गए व्यय में निगम के शेयर के रूप में

72,15.71 लाख रुपये, दिल्ली में योजना निगम द्वारा सीधे चलाई जाने के संबंध में चिकित्सा हितलाभों पर व्यय के रूप में 390.49 लाख रुपये तथा बृहन्मुंबई में महिला कर्मचारियों तथा बीमाकृत व्यक्तियों की पत्नियों को सीधे स्थानीय कार्यालयों द्वारा किए गए प्रसव-शुल्क की अदायगी के रूप में 10.00 लाख रुपये शामिल है। दिल्ली के संबंध में व्यय के 1/8 भाग की वसूली 1981-82 वर्ष के बजट प्राक्कलन की आय हिसाब में ले ली गई है। महाराष्ट्र राज्य से प्राप्त प्रसव खर्चों के 1/8 भाग का समायोजन चिकित्सा हितलाभों पर व्यय की वापसी उनके दावे की प्रतिपूर्ति करते समय किया जाएगा।

चालू वित्तीय वर्ष के दौरान निपटान के लिए संभावित पिछली देय-ताओं को पूरा करने के लिए 12,53 51 लाख रुपये की राशि की व्यवस्था की गई है जबकि 1980-81 वर्ष के बजट प्राक्कलन में इस संबंध में 12,46.56 लाख रुपयों की व्यवस्था की गई थी।

चिकित्सा हितलाभों पर व्यय में 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलन में वृद्धि मुख्य रूप से 1 अप्रैल, 1980 से चिकित्सा देख-रेख की अधिकतम सीमा के परिशोधन के कारण हुई है जिसके लिए बजट प्राक्कलनों में व्यवस्था नहीं की गई थी।

ख—नकद हितलाभ

11.2 63,52.17 लाख रुपये की मूल व्यवस्था के स्थान पर विवरण-ख में दिए गए ब्यौरे के अनुसार विभिन्न नकद हितलाभों के लिए 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलन में 76,32 33 लाख रुपयों की धन-व्यवस्था 1980-81 वित्तीय वर्ष के पहले आठ महीनों के वास्तविक आकड़ों तथा शेष महीनों की अनुमानित आवश्यकता पर आधारित है।

बीमारी हितलाभ के मामले में प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष हितलाभ दिनों की औसत संख्या में वृद्धि हुई है। प्रति कर्मचारी बीमारी हितलाभ तथा अस्थायी अपंगता हितलाभ की दैनिक दर की औसत राशि में भी वृद्धि हुई है जैसा कि नीचे दिखाया गया है—

	बीमारी हितलाभ			अस्थायी अपंगता हितलाभ		
	1977-78	1978-79	1979-80	1977-78	1978-79	1979-80
प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष हितलाभ दिनों की औसत संख्या	6.0	6.8	7 8	0.97	1.13	1.10
प्रति कर्मचारी प्रति दिन औसत हितलाभ दर	8 31 रु०	8.92 रु०	9.54 रु०	9.39 रु०	10.10 रु०	10.72 रु०

बीमारी हितलाभ के मामले में प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष हितलाभ दिनों की औसत संख्या तथा बीमारी हितलाभ और अस्थायी अपंगता हितलाभ के मामले में प्रति कर्मचारी प्रति दिन औसत हितलाभ दर में वृद्धि के कारण बीमारी हितलाभ के मामले में प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष 13.75 रु० (9.54×7.8—8.92×6.8) तथा अस्थायी अपंगता हितलाभ के मामले में प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष 0.38 रुपये (10 72×1.10—10.10×1.13) की वृद्धि हुई है। 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलनों में तथा 1981-82 के बजट प्राक्कलनों में वर्धित धन-व्यवस्था मुख्य रूप से उपर्युक्त वृद्धि के कारण हुई है।

स्थायी अपंगता हितलाभ तथा आश्रितजन हितलाभ के संबंध में 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलनों में अधिक धन-व्यवस्था में 1-4-1978 से पहले हुई अपंगता या मृत्यु के मामलों में 1 अप्रैल, 1980 से हितलाभ दरों में वृद्धि के कारण एक मुश्त समायोजन के कारण आवश्यक होने वाली अतिरिक्त व्यवस्था (4,50.00 लाख रुपये) शामिल है।

प्राक्कलनों में 1 जनवरी, 1981 से अपंगता तथा आश्रितजन हितलाभ की दरों में मानक हितलाभ दर के 125 प्रतिशत से 140 प्रतिशत तक वृद्धि भी शामिल है। आश्रितजन हितलाभ में आंशिक वृद्धि (लगभग 1,10.00 लाख रुपये) 1980-81 के दौरान आश्रितजन हितलाभ के बकाया मामलों के निपटान के कारण हुई है।

राज्य सरकारों को यह सलाह दी गई है कि वे शिथिल प्रमाण कम करें तथा आवश्यक आकड़े मंगाकर बेहतर नियंत्रण रखें। हड़तालों, कामबंदी आदि के दौरान शिथिल प्रमाणन के प्रश्न पर विचार करने के लिये एक समिति का गठन किया गया था। उस समिति की रिपोर्ट स्थायी समिति तथा निगम के समक्ष प्रस्तुत की जा रही है।

ग—अन्य हितलाभ

12. विविध मदों पर व्यय को पूरा करने के लिये ग-अन्य हितलाभ के अंतर्गत बजट प्राक्कलन में की गई 19.44 लाख रुपये की बजाये परिशोधित प्राक्कलन में 20.33 लाख रुपये की धन-व्यवस्था की गई है। इन मदों में चिकित्सा बोर्डों तथा अपील न्यायाधिकरणों को दी गई फीस, चिकित्सा बोर्डों तथा चिकित्सा निर्देशियों के समक्ष उपस्थित होने के लिये बीमाकृत व्यक्तियों द्वारा परिवहन पर सीधे किये गये व्यय की प्रतिपूर्ति के लिये उन्हें की गई अदागगियां तथा चिकित्सा बोर्डों के समक्ष उपस्थित होने के लिये बीमाकृत व्यक्तियों को मजदूरी की हानि के लिये देय व्यय और बीमाकृत व्यक्तियों की शव परीक्षा के लिये दी गई फीस तथा रोजगार चोट आदि के मामलों का निर्णय करने के लिये पुलिस रिपोर्ट तथा अन्य विवरण प्राप्त करने के संबंध में पुलिस अधिकारियों को देय खर्चे शामिल करते हुये अन्य विविध खर्चे शामिल हैं।

प्रशासन खर्चे

13 1980-81 वर्ष के दौरान प्रशासन पर कुल खर्च का बजट स्तर पर 12,12.44 लाख रुपये का अनुमान लगाया गया था जबकि अब 14,18.14 लाख रुपये का अनुमान है। धन-व्यवस्था 1980-81 के पहले आठ मास के दौरान किये गये वास्तविक व्यय (नौ मास के वेतन और भत्तों के वास्तविक आंकड़ों को शामिल करके) तथा वर्ष के बाकी चार मास के दौरान किये जाने वाले संभावित व्यय पर आधारित है। बाकी चार मास के आकड़ों में कुछ ऐसी मदों पर व्यय शामिल है जो वर्ष के अंत में वार्षिक रूप से समायोजित की जाती है जैसे आरक्षित निधियों में अन्तरित वार्षिक अनुरक्षण तथा मूल्यह्रास खर्चे, पेंशन आरक्षित निधि तथा कर्मचारी राज्य बीमा निगम अंशदायी भविष्य निधि में निगम का अंशदान तथा इस पर ब्याज।

1980-81 के परिशोधित प्राक्कलन में अधिक धन-व्यवस्था के कारण संक्षेप में निम्नलिखित हैं—

क—वेतन

(1) 1-11-1979, 1-2-1980, 1-5-1980, 1-7-1980 तथा 1-9-1980 से महंगाई भत्ते में वृद्धि (86.00 लाख रुपये)

(2) 1,600 रुपये प्रति माह तक परिलब्धियां लेने वाले कर्मचारियों को 15 दिन के वेतन की नववर्ष अदायगी (17.00 लाख रुपये)

(3) 1-6-1980 से शुरू होने वाले 2 वर्ष के अन्तराल में एक बार एक महीने की छुट्टी के नकद भुगतान की मजूरी (लगभग 32.89 लाख रुपये)। इस योजना को लागू करने के फल-स्वरूप छुट्टी रिजर्व 50 प्रतिशत कम कर दिये गये है। लेकिन फालतू छुट्टी रिजर्व के पदों को 1980-81 वर्ष के दौरान उपलब्ध होने वाली रिक्तियों पर धीरे-धीरे समायोजित किया जा सकेगा। शेष फालतू पद (41 निम्न श्रेणी लिपिक तथा 2 चपरासी) 1981-82 की प्रथम तिमाही में समायोजित किये जायेंगे।

ख—आकस्मिक व्यय

(1) डाक, तार तथा टेलीफोन खर्च डाक दरों में वृद्धि के कारण — 4.00 लाख रुपये

(2) लेखन सामग्री तथा फार्म. कागज की कीमत तथा फार्मों के मुद्रण खर्चों में अत्यधिक वृद्धि के कारण जिनकी बीमाकृत व्यक्तियों को हितलाभों की अदायगी तथा निगम के राजस्व का रिकार्ड आदि रखने के लिये भी नितांत आवश्यकता है। — 25 00 लाख रुपये

(3) किराया, दर तथा कर क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली के लिये अलग भवन किराये पर लेने के कारण — 12.73 लाख रुपये

जोड़ — 41.73 लाख रुपये

ग—अन्य खर्च

(1) निगम के कार्यालय भवनों तथा स्टाफ क्वार्टरों की मरम्मत तथा अनुरक्षण केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के परिशोधित पैटर्न के अनुसार मरम्मत तथा अनुरक्षण आरक्षित निधि में व्यवस्था की दर में वृद्धि के कारण — 7.36 लाख रुपये

(2) पेंशन आरक्षित निधि. अंशदायी भविष्य निधि अभिदाताओं को पेंशन योजना के अंतर्गत आने का विकल्प देने तथा पेंशन आरक्षित निधि में अंशदान की गणना के लिये मंहगाई वेतन को शामिल करने से देय अतिरिक्त अंशदान के कारण — 24.00 लाख रुपये

जोड़ — 31.36 लाख रुपये

उपर्युक्त वृद्धि आंशिक रूप से अंशदायी भविष्य निधि में निगम के अंशदान में कमी, कानूनी खर्चों की व्यवस्था में कमी, स्टाफ कारों आदि पर मूल्यह्रास की व्यवस्था न करके प्रतिसंतुलित की गई है जिसके परिणाम-स्वरूप निवल वृद्धि 26.64 लाख रुपये है ।

अस्पताल/औषधालय

14. इस शीर्ष के अंतर्गत धन-व्यवस्था में इस उद्देश्य के लिये निश्चित पूंजीगत लागत की प्रतिशतता के अनुसार (i) अस्पताल तथा औषधालय भवनों का मूल्यह्रास (51.89 लाख रुपये) तथा (ii) इन भवनों की मरम्मत तथा अनुरक्षण (201.97 लाख रुपये) शामिल हैं ।

पूंजीगत निर्माण तथा आपात आरक्षित निधियों में अंशदान

पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि

15.1 कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 की धारा 28 (iv) के उपबंधों के अनुसार कर्मचारी राज्य बीमा निधि का जिन कार्यों के लिये इस्तेमाल किया जायेगा, उनमें से एक "बीमाकृत व्यक्तियों के हित-लाभ के लिये तथा जहां चिकित्सा हितलाभ का विस्तार उनके परिवारों पर किया गया है, वहां उनके परिवारों के लिये भी अस्पताल, औषधालय तथा अन्य संस्थानों की स्थापना व अनुरक्षण और अन्य संबंधित सेवाओं की व्यवस्था करना" है । निगम ने अपनी 2 फरवरी, 1974 को हुई बैठक में निर्णय किया कि "नियोजकों" तथा "कर्मचारियों" के अंशदान से प्राप्त कुल राजस्व का 10 प्रतिशत क्रमशः 8.2 के अनुपात में अस्पतालों, औषधालयों तथा अन्य चिकित्सा संस्थानों तथा कार्यालय भवनों और स्टाफ क्वार्टरों के निर्माण के लिये पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि में जमा कर दिया जाये । तदनुसार 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलनों में 17,78.91 लाख रुपये की धन-व्यवस्था की गई है ? (इस राशि में अंशदान पर प्राप्त ब्याज का 10 प्रतिशत निधि में क्रेडिट करके 1976-77 से 1979-80 के दौरान की गई अधिक धन-व्यवस्था के 3 09 लाख रुपये का समायोजन किया गया है) ।

आपात आरक्षित निधि

15.2 निगम की दिनांक 17 मार्च, 1973 को हुई बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार व्यय से अधिक आय का 20 प्रतिशत आपात आरक्षित निधि में जमा किया जाता है । बशर्ते की न्यूनतम राशि एक करोड़ रुपये हो । यह राशि एक करोड़ रुपये से कम होने पर संपूर्ण राशि इस निधि में जमा की जाती है । तदनुसार 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलनों में 1,00.00 लाख रुपये की धन-व्यवस्था की गई है ।

पूंजीगत लेखे पर व्यय

16. निर्माण कार्यों के लिये पूंजीगत लेखे में व्यय के लिये प्रारंभ में की गई धन-व्यवस्था की राशि 9,25.00 लाख रुपये थी जिसमें (i) कार्यालय भवनों तथा स्टाफ क्वार्टरों सहित के निर्माण के लिये 1,25.00 लाख रुपये तथा (ii) अस्पताल तथा औषधालयों के निर्माण के लिये 8,00.00 लाख रुपये शामिल हैं ।

1980-81 के परिशोधित प्राक्कलनों में 8,50.00 लाख रुपये की धन-व्यवस्था की गई है, जो निम्न प्रकार है:—

(क) कार्यालय भवन (स्टाफ क्वार्टरों सहित)

1980-81 के बजट प्राक्कलनों में 1,25.00 लाख रुपये की धन-व्यवस्था की गई थी जिसे 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलनों में घटाकर 1,07.92 लाख रुपये कर दिया गया है । यह वास्तविक आंकड़ों के रुख पर आधारित है ।

(ख) अस्पताल तथा औषधालय भवन

इस शीर्ष के अंतर्गत की गई 8,00.00 लाख रुपये की धन-व्यवस्था को भी वास्तविक आंकड़ों तथा अनुमानित अवायगियों के रुख के आधार पर घटा कर 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलनों में 7,72.00 लाख रुपये कर दिया गया है । जिन कार्यालय, भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) तथा अस्पताल व औषधालय भवनों के लिये 1980-81 के बजट प्राक्कलन में की गई धन-व्यवस्था काफी मात्रा में इस्तेमाल नहीं की जा सकी, इस खण्ड में 1981-82 के निष्पादन बजट के अनुबंध 4 में दिखाये गये हैं । बजट व्यवस्था का इस्तेमाल न किया जाना सीमेंट तथा स्टील मिलने में कठिनाइयों के कारण राज्य सरकारों/निर्माण एजेंसियों द्वारा निर्माण कार्य रोके रखने के कारण राशि न मांगने या प्रत्याशित नई परियोजनायें चालू न किये जा सकने के कारण, है । मामले पर निर्माण एजेंसियों/राज्य सरकारों के साथ पत्र-व्यवहार किया जा रहा है ।

व्यय से अधिक आय

17. बजट स्तर पर व्यय से 6,81.96 लाख रुपये की अधिक आय का अनुमान लगाया गया था । लेकिन परिशोधित प्राक्कलनों के अनुसार व्यय से 3,49.90 लाख रुपये की अधिक आय का निर्धारण किया गया है । 3,32.06 लाख रुपये की कमी का मोटे तौर पर निम्न प्रकार विश्लेषण किया जा सकता है ।

(लाख रुपयों में)

1. निम्नलिखित पर व्यय में वृद्धि :	
(क) चिकित्सा हितलाभ	7,82 75
(ख) नकद हितलाभ	12,79.86
(ग) अन्य हितलाभ	0.89
(घ) प्रशासन खर्च	2,05.70
(ङ) अस्पताल तथा औषधालय (मूल्यह्रास, मरम्मत तथा अनुरक्षण)	51.51

(घ) पूंजीगत निर्माण तथा आपात आरक्षित निधियां	85.32
जोड़–1	23,76.03

II 23,76.03 लाख रुपये की वृद्धि आंशिक रूप से निम्नलिखित के कारण प्रतिसंतुलित हुई है:—

	(लाख रुपयों में)
(क) अंशदान आय में वृद्धि	15,89.20
(ख) राजस्व के अन्य शीर्षों के अंतर्गत आय में वृद्धि।	4,54.77
(ग) जोड़–	20,43.97
निवल कमी	3,32.06

1981-82 के बजट प्राक्कलन

I—आय

अंशदान

18.1 (क) 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलन (ख) 1981-82 के दौरान शामिल किये जाने वाले 62.49 लाख कर्मचारियों (भारित औसत) की प्रत्याशित संख्या तथा (ग) अंशदानों से लगभग 302 रुपये की अनुमानित प्रति व्यक्ति वार्षिक आय को ध्यान में रखते हुए अंशदानों (नियोजकों तथा कर्मचारियों के शेयर) से 1,88,80.00 लाख रुपये की आय का अनुमान लगाया गया है ।

18.2 नीचे तालिका में 1976-77 से प्रति व्यक्ति अंशदान से आय को दिखाया गया है :—

1976-77	1977-78	1978-79	1979-80	1980-81 (अनुमानित आंकड़े)	1981-82 (अनुमानित आंकड़े)
236 रुपये	239 रुपये	250 रुपये	271 रुपये	293 रुपये	302 रुपये

अधिशेष रोकड़ बकायों पर निवेश से प्राप्त ब्याज

18.3 1981-82 के बजट प्राक्कलन में वृद्धि नवम्बर, 1981 के बाद परिपक्व हो रहे पुनः निवेश योजना के अंतर्गत निवेशों पर ब्याज की वसूली के कारण 1981-82 के बजट प्राक्कलनों में दिखाई गई ब्याज की राशि में पुनः निवेश योजना के अंतर्गत अनिधारित आरक्षित निधियों के निवेशों पर ब्याज के 14,87.30 लाख रुपये शामिल नहीं हैं जो संचित हो गये हैं लेकिन सावधि जमा की परिपक्वता पर देय होंगे।

निगम के स्वामित्व में आने वाले अस्पताल तथा औषधालय भवनों का किराया

18.4 निगम के स्वामित्व में आने वाले अस्पताल तथा औषधालय भवनों के किराये की बाबत राज्य सरकारों से 438.00 लाख रुपये की राशि वसूल होने की संभावना है । 1981-82 के बजट प्राक्कलनों में अधिक धन-व्यवस्था अधिक संख्या में अस्पताल चालू होने के कारण है ।

II—व्यय

19. 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलनों में तत्संबंधी-व्यवस्था की तुलना में 1981-82 के बजट प्राक्कलनों में विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत अधिक धन-व्यवस्था मुख्य रूप से निम्नलिखित कारणों से है:—

(1) ऐसे क्षेत्रों तथा संस्थापनाओं में योजना को पूरे वर्ष चलाना जिनमें कार्यान्वयन 1980-81 वर्ष के दौरान किया गया है,

(2) योजना का नये क्षेत्रों/संस्थापनाओं में विस्तार,

(3) कार्यान्वित क्षेत्रों में रोजगार में संभावित वृद्धि, तथा

(4) बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों को चिकित्सा देख-रेख की टाइप में सुधार।

क—चिकित्सा हितलाभ

20.1 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलन वर्ष के दौरान अनुमानित अतिरिक्त व्याप्ति तथा बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों को चिकित्सा देख-रेख की टाइप में सुधार को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा हितलाभों के लिये पिछली देयताओं के 10,44.86 लाख रुपये की राशि को शामिल करके 1981-82 के बजट प्राक्कलनों में 79,98.88 लाख रुपये की कुल धन-व्यवस्था की गई है । 1981-82 के दौरान योजना के अंतर्गत शामिल किये जाने वाले कर्मचारियों की संख्या का 62.49 लाख (भारित औसत) होने का अनुमान है । इस धन-व्यवस्था में संघ राज्य क्षेत्र, दिल्ली में बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को चिकित्सा देख-रेख की व्यवस्था करने के लिये 1981-82 के दौरान निगम द्वारा सीधे खर्च किये जाने वाले 4.80.24 लाख रुपये तथा बृहत्तर बम्बई में महिला कर्मचारियों तथा बीमाकृत व्यक्तियों की पत्नियों को प्रसूति शुल्क की अदायगी की बाबत निगम द्वारा सीधे खर्च किये जाने वाले 10.00 लाख रुपये भी शामिल हैं ।

बजट प्राक्कलनों में यथा व्यवस्थित प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष चिकित्सा देख-रेख के निगम के शेयर की औसत अनुमानित लागत निम्नलिखित है :—

1978-79 वास्तविक आंकड़े	1979-80 वास्तविक आंकड़े	1980-81 परिशोधित प्राक्कलन	1981-82 बजट प्राक्कलन
92 रुपये	107.32 रुपये	124.70 रुपये	127 20 रुपये

20.2 1979-80 तक राज्य सरकारों द्वारा किये गये चिकित्सा खर्चे में अपने शेयर की प्रतिपूर्ति की बाबत निगम को बकाया देयता 1982.40 लाख रुपये होने का अनुमान है । इसमें से 1980-81 के दौरान 12,53.51 लाख रुपये दावों की अदायगी का अनुमान है । 1980-81 तक 13,92.47 लाख रुपये की बकाया राशि में से (गत वर्षों के संबंध में 7,28.89 लाख रुपये के बकाया तथा 1980-81 की प्रत्याशित देयता के 10 प्रतिशत के संबंध में 6,63.58 लाख रुपये) 1981-82 के दौरान लेखा परीक्षा प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर 10,44.86 लाख रुपये की राशि दिये जाने की संभावना है ।

ख—नकद हितलाभ

21.1 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलनों तथा नये क्षेत्रों तथा संस्थापनाओं में योजना के विस्तार को ध्यान में रखते हुए 1981-82 के दौरान नकद हितलाभों पर 77,60.46 लाख रुपये व्यय का अनुमान है । योजना के अंतर्गत शामिल किये जाने के लिये संभावित नये क्षेत्रों में हितलाभ अवधियां शुरू करने के लिये भी समुचित गुंजाइश रखी गई है। वर्ष के दौरान होने वाली रोजगार चोटों से उत्पन्न हुई/होने के लिये संभावित स्थायी (आंशिक तथा पूर्ण) अपंगता तथा आश्रितजन हितलाभ की कुल देयताओं के पूंजीकृत मूल्य के लिये भी व्यवस्था कर ली गई है ।

प्राक्कलनों में अपंगता तथा आश्रितजन हितलाभ की दरों में 1 जनवरी 1981 से मानक हितलाभ दर के 125 प्रतिशत से 140 प्रतिशत तक की वृद्धि को ध्यान में रखा गया है ।

21.2 ऊपर पैरा 12 में उल्लिखित अन्य हितलाभों के अंतर्गत 22.11 लाख रुपये की व्यवस्था की गई है ।

21.3 प्रति व्यक्ति खर्च

बजट प्राक्कलनों में यथा-व्यवस्थित स्थित प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष नकद हितलाभों के विभिन्न वर्गों की औसत अनुमानित लागत नीचे दी गई है।

हितलाभ	वास्तविक आंकड़े 1978-79	वास्तविक आंकड़े 1979-80	परिशोधित प्राक्कलन 1980-81	बजट प्राक्कलन 1981-82 (रुपयों में)
(1) बीमारी हितलाभ (विस्तारित बीमारी हितलाभ सहित)	66.27	74.56	84.54	86.90
(2) प्रसूति हितलाभ	3.11	3.43	3.61	3.72
(3) अस्थायी अपंगता हितलाभ	11.37	11.76	11.39	16.55
(4) स्थायी अपंगता हितलाभ (पूंजीकृत मूल्य)	11.24	11.03	12.60*	14.18
(5) आश्रितजन हितलाभ (पूंजीकृत मूल्य)	2.55	2.99	4.84*	5.33
(6) अन्त्येष्टि हितलाभ	0.17	0.17	0.18	0.18
(7) अन्य हितलाभ	0.24	0.29	0.33	0.35
(8) अशक्तता हितलाभ	—	—	—	0.16
जोड़	94.98	1,04.23	1,20.49	1,27.37

*प्रति व्यक्ति व्यय स्थायी अपंगता हितलाभ तथा आश्रितजन हितलाभ के संबंध में क्रमशः 2,90.42 लाख रुपये तथा 1,59.58 लाख रुपये के एक मुश्त समायोजन की राशि को छोड़ कर निकाला गया है।

अशक्तता हितलाभ की शुरूआत

22. रोजगार चोट के अलावा अन्य कारणों से अशक्तता की आकस्मिकता को पूरा करने के लिये निगम ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम में अशक्तता हितलाभ की योजना शुरू करने का अनुमोदन किया है। कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम में संशोधित केन्द्रीय सरकार के विचाराधीन हैं। अतः 1981-82 के बजट प्राक्कलनों में अशक्तता हितलाभ के लिये 10.00 लाख रुपये की सांकेतिक व्यवस्था कर ली गई है।

प्रशासन—व्यय

23.1 1981-82 के बजट प्राक्कलन में प्रशासन पर व्यय के लिये कुल मिलाकर 15,38.99 लाख रुपये की व्यवस्था की गई है।

1980-81 के परिशोधित प्राक्कलन में कुल वेतन तथा भत्तों के लिये 10,54.19 लाख रुपये की व्यवस्था की गई थी जबकि 1981-82 के बजट प्राक्कलन में 11,43.98 लाख रुपये की व्यवस्था की गई है। बजट प्राक्कलन में 89.79 लाख रुपये की अतिरिक्त व्यवस्था में (क) 1-11-1979, 1-2-1980, 1-5-1980, 1-7-1980 तथा 1-9-1980 से मंजूर किये गये अतिरिक्त महंगाई भत्ते की अदायगी 1980-81 के दौरान संभावित अदायगी का पूर्ण व्यय-भार (ख) सामान्य वेतन वृद्धियां तथा इसके परिणामस्वरूप भत्तों में वृद्धियां (ग) व्याप्ति में वृद्धि तथा काफी नये स्थानीय कार्यालयों के खोलने के कारण 1981-82 के दौरान सृजन किये जाने वाले अतिरिक्त पद (घ) 1980-81 में स्वीकृत अतिरिक्त पदों का 1981-82 वर्ष के दौरान पूर्ण व्यय-भार (ङ) 1980-81 के दौरान 15 दिन के वेतन की तदर्थ अदायगी के स्थान पर एक माह के वेतन पर आधारित बोनस की अदायगी का अतिरिक्त व्यय-भार शामिल है। बजट व्यवस्था में वे पद भी शामिल हैं जिनके लिये केन्द्रीय सरकार की मंजूरी मांगी गई है या मांगी जा रही है। यदि केन्द्रीय सरकार वर्ष के दौरान कुछ पदों के सृजन का अनुमोदन नहीं करती है तो इसके लिये की गई धन-व्यवस्था का अन्य व्यय के लिये प्रयोग नहीं किया जायेगा।

कर्मचारियों की संख्या।

23.2 31-3-1980 की स्थिति के अनुसार मंजूर और 31-3-1981 तथा 31-3-1982 को अनुमानित निगम के स्टाफ के ब्यौरों का सूचक विवरण परिशिष्ट 3 पर है। स्टाफ की संख्या में वृद्धि कर्मचारी राज्य बीमा योजना के क्रमिक विस्तार के कारण है और यह अनुमोदित मानकों के अनुसार है।

1980-81 वर्ष के दौरान एसिक एम्पलाईज फेडरेशन के परामर्श से संगठन एवं पद्धति प्रभाग ने स्थानीय कार्यालयों तथा ग्रेड-I क्षेत्रीय कार्यालयों के लिये परिशोधित मानक बनाये हैं और कार्यान्वित किये गये हैं। दिसम्बर, 1980 में हुए क्षेत्रीय निदेशकों के सम्मेलन की सिफारिशों के परिणामस्वरूप ग्रेड-2,3 तथा 4 क्षेत्रीय कार्यालयों के लिये परिशोधित मानक तथा स्टाफ में कुछ अन्य गुणात्मक परिवर्तन विचाराधीन है। जहां आवश्यक होगा अतिरिक्त पदों के लिये धन-व्यवस्था 1981-82 के परिशोधित प्राक्कलनों में की जायेगी।

23.3 निगम ने अपने कार्य-कलापों के शिक्षाप्रद प्रचार के लिये एक उपयुक्त माध्यम स्थापित करने का निर्णय किया है। निदेशक (प्रचार) के पद के लिये केन्द्रीय सरकार की मंजूरी प्राप्त हो गई है। बजट प्राक्कलनों में इस पद के लिये व्यवस्था की गई है। आवश्यक होने वाले अधीनस्थ कर्मचारियों के लिये 1981-82 के परिशोधित प्राक्कलन में धन-व्यवस्था की जायेगी।

23.4 "भत्ते तथा मानदेय" शीर्ष के अंतर्गत की गई धन-व्यवस्था के ब्यौरों का विवरण परिशिष्ट 4 पर है।

आकस्मिक व्यय ("क—अधीक्षण" तथा
"ख—फील्ड कार्य" —दोनों के अंतर्गत)
तथा "ग—अन्य प्रभार"

23.5 विभिन्न उप-शीर्षों के अंतर्गत की गई धन-व्यवस्था स्वतः स्पष्ट है। यह मुख्य रूप से 1980-81 वर्ष के पहले आठ मास के वास्तविक आंकड़ों तथा योजना के आगे विस्तार के लिये अनुमानित आवश्यकताओं के आधार पर की गई है। किफायत के उपायों से संबंधित अनुदेशों का समुचित ध्यान रखा गया है।

"प्रति कर्मचारी" प्रति वर्ष प्रशासन पर व्यय

23.6 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलनों तथा 1981-82 के बजट प्राक्कलनों के आधार पर "योजना के अंतर्गत" शामिल किए गए प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष प्रशासन व्यय क्रमशः 23.34 रुपये तथा 24.61 रुपये होंगे।

"योजना के अंतर्गत आये" प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष प्रशासन की लागत के तुलनात्मक आंकड़े विभिन्न उप-शीर्षों के अंतर्गत नीचे दिए गए है :—

उप-शीर्ष	वास्तविक आंकड़े 1977-78	वास्तविक आंकड़े 1978-79	वास्तविक आंकड़े 1979-80	परिशोधित प्राक्कलन 1980-81	बजट प्राक्कलन 1981-82
वेतन तथा भत्ते	12.77	13 55	14.54	17.35	18.30
आकस्मिक खर्चे	2 28	2.50	2.72	3.43	3.54
अन्य विविध खर्चे	2.25	1.46@	2 01	2.56	2.77
जोड़	17.30	17.51	19.27	23.34	24.61

@यदि पहले वर्षों में पेंशन आरक्षित निधि में अधिक धन-व्यवस्था के समायोजन के कारण इस शीर्ष में 33.67 लाख रुपये जमा न किए गए होते तो प्रति व्यक्ति व्यय 2.06 रुपये होता ।

23.7 अंशदानों से होने वाली आय तथा अदा किए गए हितलाभों आदि की तुलना में प्रशासनिक लागत की प्रतिशतता नीचे दिखाई गई है :—

तुलनात्मक अनुपात	वास्तविक आंकड़े 1977-78 प्रतिशत	वास्तविक आंकड़े 1978-79 प्रतिशत	वास्तविक आंकड़े 1979-80 प्रतिशत	परिशोधित प्राक्कलन 1980-81 प्रतिशत	बजट प्राक्कलन 1981-82 प्रतिशत
अंशदान	7.24	6.78	7.12	7.96	8.15
कुल राजस्व	6.61	6.31	6 70	7.39	7.60
हितलाभ	10.98	9.40	8.93	9.27	9.53
कुल राजस्व व्यय	8.12	7.26	7.15	7.52	7.71
हितलाभ तथा अंशदान	4.36	3.94	3.96	4.28	4.39

(क) उपरिलिखित व्यय में कमी करके 33.67 लाख रुपये के समायोजन से व्यय-भार की प्रतिशतता में मामूली गिरावट आ गई है।

अस्पताल औषधालय

24. इस शीर्ष के अंतर्गत धन-व्यवस्था में निम्नलिखित शामिल हैं :—

(1) अस्पताल तथा औषधालय भवनों का मूल्यह्रास (59.84 लाख रुपये)।

(2) इन भवनों की मरम्मत तथा अनुरक्षण (2,32.06 लाख रुपये)।

धन-व्यवस्था भवनों की पूंजीगत लागत की निर्धारित प्रतिशतताओं के अनुसार की गई है । "योजना के अंतर्गत आय" प्रति कर्मचारी लागत 1978-79, 1979-80, 1980-81 तथा 1981-82 के क्रमशः 2.50 रुपये, 3.16 रुपये, 4.18 रुपये तथा 4.67 रुपये है ।

पूंजीगत निर्माण तथा आपात आरक्षित निधियों में अंशदान

25. पूंजीगत निर्माण निधि तथा आपात आरक्षित निधि में अंशदान के लिए क्रमशः 18,88,00 लाख रुपये तथा 1,48,72 लाख रुपये की धन-व्यवस्था की गई है।

पूंजीगत लेखे पर व्यय

26.1 यह अनुमान लगाया गया है कि 1981-82 के दौरान निर्माण कार्यों तथा अस्पतालों के लिए उपस्कर की खरीद पर 8,50,00 लाख रुपये खर्च होंगे जिसका ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

	(लाख रुपयों में)
1. कार्यालय भवन तथा स्टाफ क्वार्टर	
चालू निर्माण कार्य	65.19
नये निर्माण कार्य	43.00
2. अस्पताल, औषधालय तथा स्टाफ क्वार्टर	
चालू निर्माण कार्य	3.77.85
नये निर्माण कार्य	3,13.96
3. स्वास्थ्य लाभ गृह	50.00
जोड़ 1, 2 तथा 3	8,50,00

26.2 स्टाफ कारों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि में से मौजूदा स्टाफ कारों के कंडम हो जाने पर उसके बदले में एक स्टाफ कार की खरीद के लिये 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलन में तथा 1981-82 के बजट प्राक्कलन में प्रत्येक में 0.60 लाख रुपये की धन-व्यवस्था की गई है । 1981-82 के बजट प्राक्कलन में सामान्य राजस्व से एक नई स्टाफ कार की खरीद के लिये धन-व्यवस्था की गई है ।

व्यय से अधिक आय

27. 1981-82 के बजट प्राक्कलनों में 5,92.88 लाख रुपये व्यय से अधिक आय का अनुमान लगाया गया है ।

अस्त रोकड़ शेष

28. 31 मार्च, 1981 तथा 31 मार्च, 1982 को बैंकों में तथा रोकड़ शेष का अंतशेष क्रमशः 6,36.09 लाख रुपये तथा 6,40,00 लाख रुपये का अनुमान है ।

मास के पहले तीन सप्ताह के दौरान 1 अप्रैल को वेतन का वितरण करने, प्रशासनिक खर्चे पूरा करने तथा बीमाकृत व्यक्तियों को नकद हितलाभों की अदायगी करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों, स्थानीय कार्यालयों तथा अन्य कार्यालयों द्वारा लगभग 5,00.00 लाख रुपये की राशि अपेक्षित है । लगभग 1,50.00 लाख रुपये की अन्य राशि क्षेत्रीय कार्यालयों के लेखा संख्या 1 (संग्रह लेखा) में शेष पड़ी है । यह 30 तथा 31 मार्च को प्राप्त अंशदानों की सूचक है और दिल्ली में निगम के मुख्य लेखों में 31 मार्च के बाद अंतरित की जाती है ।

साधन स्थिति

29.1 पर्याप्त रोकड़ को देखते हुए निगम की अर्थोपाय स्थिति पूरे वर्ष संतोषजनक रहेगी। सामान्य रोकड़ शेष में से पिछले वर्षों के दौरान किए गए निवेशों में से 11,69.16 लाख रुपये की राशि 1980-81 वर्ष में परिपक्व हो जाएगी और 28,15,.75 लाख रुपये की राशि 1981-82 वर्ष में परिपक्व हो जायेगी ।

29.2 अधिशेष रोकड़ बकायों के दीर्घकालीन निवेश के संबंध में नीचे दी गई स्थिति की संभावना है :—

	1980-81	1981-82
	(लाख	रुपयों में)
आदि रोकड़ शेष	7,54.66	6,36.09
व्यय से अधिक आय		
(1) राजस्व लेखा	3,49.90	5,92.88
(2) अन्य शीर्ष (ऋण, जमा पेशगियां आदि)	(—) 3,66.97	(—) 28.81
जोड़	7,37.59	12,00.16
घटाएं-बैंकों में तथा रोकड़ शेष (अस्त शेष)	6,36.09	6,40.00
सामान्य रोकड़ शेष का निवेश योग्य अधिशेष	1,01.50*	5,60.16

*इन आंकड़ों में निर्धारित आरक्षित निधियों तथा आपात आरक्षित निधि से किए गए निवेश शामिल नहीं है ।

आरक्षित निधियां

30. विभिन्न आरक्षित निधियों के बकायों के संबंध में स्थिति नीचे दिखाई गई है—

आरक्षित निधि का नाम	31-3-80 को बकाया (वास्तविक आंकड़े)	31-3-81 को बकाया (अनुमानित)	31-3-82 को बकाया (अनुमानित)
		(लाख रुपयों में)	
1. क० रा० बी० नि० भविष्य निधि	5,21.25	6,23.80	7,21.40
2. भविष्य निधि जमा से जुड़ी बीमा निधि	1.66	2.00	2 05
3 क० रा० बी० नि० ग्रुप बीमा निधि	4.39	7.61	11.42
4. पेंशन आरक्षित निधि	9,39.20	10,20.57	11,05.52
5. कार्यालय भवनों की मूल्य-ह्रास आरक्षित निधि	40.43	45.81	53.17
6. अस्पताल भवनों की मूल्य-ह्रास आरक्षित निधि	4,61.80	5,25.76	5,98 91
7. स्टाफकारों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि	6.22	5.78	5,36
8. कार्यालयों भवनों की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि	26.03	33 53	44 64
9. अस्पताल भवनों की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि	5,63.04	6,64.73	7,93.02
10. स्थायी (आंशिक तथा पूर्ण) अपंगता हितलाभ आरक्षित निधि	20,05.65	24,26.13	26,51.96
11. आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि	11,48.83	14,93.79	17,08.31
12. अनुकंपा आरक्षित निधि	0.26	0.27	0.28
13. पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि	47,26.24*	57,83.69*	69,62,94*
14. आपात आरक्षित निधि	38,91.86	39,91.86	31,40.08

*आंकड़े अनन्तिम है तथा इनमें निर्माण कार्यों के लिए राज्य सरकारों को दी गई पेशगियां शामिल नहीं हैं ।

निवेश

31.1 31 दिसम्बर, 1980 की स्थिति के अनुसार विभिन्न निधियों के अंतर्गत निगम के निवेश नीचे दिखाए गए हैं :—

निधि का नाम/बकाया	31-12-80 की स्थिति के अनुसार निवेश की गई राशि
1	2
	(लाख रुपयों में)
1. क० रा० बी० भविष्य निधि	5,21,25
2. भविष्य निधि जमा से जुड़ी बीमा निधि	1.66
3 कर्मचारी राज्य बीमा निगम ग्रुप बीमा निधि	4.39
1 पेंशन आरक्षित निधि	9,39.20
5 निगम के कार्यालय भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मूल्यह्रास आरक्षित निधि	40 43
6. अस्पताल भवनों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि	4,61,80
7. स्टाफकारों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि	6.22
8 निगम के कार्यालय भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि	26.03
9. अस्पताल भवनों की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि	5,63.04
10. स्थायी (आंशिक तथा पूर्ण) अपंगता हितलाभ आरक्षित निधि	20,05.65
11. आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि	11,48.83
12. अनुकंपा आरक्षित निधि	0.26
13. पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि	47,26.24
11 आपात आरक्षित निधि	32,91.86
15. सामान्य रोकड़ शेष का निवेश	1,56,70.05(क)
जोड़	3,00,06.91(ख)

(क) टिप्पणी :—वर्ष के दौरान जब कभी अधिशेष रोकड़ बकाया उपलब्ध होती है इसका निवेश "सामान्य रोकड़ शेष" शीर्ष के अंतर्गत किया जाता है । वित्तीय वर्ष के अंत में वर्ष के दौरान किए गए निवेशों का उस सीमा तक विभिन्न आरक्षित निधियों में विनिधान किया जाता है, जहां तक ऐसी निधियों को बनाना अपेक्षित है । अतः क्रम संख्या 15 तक के मामले में दिखाया गया बकाया 31-3-1980 की स्थिति के अनुसार है और क्रम संख्या 1 से 14 के मामले में दिखाया गया बकाया वही है जो 31-12-1980 की स्थिति के अनुसार था ।

(ख) निर्धारित निधियों का कुल बकाया 1,03,45.00
अनिर्धारित निधियों का कुल बकाया 1,96,61.91
(आपात आरक्षित निधि तथा सामान्य रोकड़ शेष)

31.2 अब निवेश "पुनः निवेश योजना" के अंतर्गत सावधिक जमा में किए जाते हैं । "पुनः निवेश योजना" के अंतर्गत निवेशों पर अन्य निवेशों पर मिलने वाले ब्याज की तुलना में अधिक ब्याज मिलता है । 13.9.1979 से निगम को 63 महीनों के लिए 1000 रुपये का निवेश करने पर 1680 रुपये मिलेंगे ।

31.3 मौजूदा गणना के आधार पर अनुमोदित मानकों के अनुसार अस्पताल, औषधालयों तथा स्टाफ क्वार्टर तथा निगम के क्षेत्रीय और स्थानीय कार्यालयों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) के भवनों के निर्माण के लिए लगभग 2,09,34.00 लाख रुपये के पूंजीगत परिव्यय की आवश्यकता होगी । 14,98.84 लाख रुपये के परिव्यय के निर्माण कार्य प्रगति पर हैं । अधिक अस्पतालों तथा औषधालयों के निर्माण के लिए कार्रवाई की जा रही है। योजना का विस्तार होने के साथ-साथ उत्तरोत्तर निगम के अधिक अस्पतालों, औषधालयों कार्यालय भवनों तथा स्टाफ क्वार्टरों के निर्माण की आवश्यकता होगी ।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम की पंचवर्षीय परिप्रेक्ष्य योजना

32.1 जैसा कि परिशिष्ट-5 पर व्याख्यात्मक ज्ञापन में बताया गया है, अगले पांच वर्षों में योजना के विस्तार की वास्तविक परिप्रेक्ष्य योजना बहुत से मामलों के निर्णयों पर निर्भर करेगी ।

32.2 परिशिष्ट 6 में दिया गया विवरण निम्नलिखित का सूचक है —

(क) अंशदानों से प्राप्त प्रति व्यक्ति आय ।

(ख) राजस्व लेखे में (पूंजीगत निधि तथा आपात आरक्षित निधियों में अन्तरित राशियों को छोड़कर) प्रति व्यक्ति व्यय तथा

(ग) 1970-71 से अंशदान आय में गुंजाइश ।

परिशिष्ट-7 में दिया गया विवरण 1980-81, 1981-82, 1982-83 तथा 1983-84 के दौरान प्रति व्यक्ति राजस्व आय तथा राजस्व व्यय में संभावित वृद्धि का सूचक है ।

यह उल्लेखनीय है कि निगम की बजट संबंधी स्थिति संतोषजनक है ।

एम० एस० सोवनी

वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

वित्तीय प्राक्कलन

विवरण "क" व "ख"

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

1980-81 वर्ष के परिशोधित—प्राक्कलन तथा 1981-82 वर्ष के बजट—प्राक्कलन

विवरण —"क" प्राप्तियां

(लाख रुपयों में)

लेखाशीर्ष	वास्तविक 1979-80	आंकड़े बजट 1980-81	परिशोधित 1980-81	बजट 1981-82
राजस्व के प्रधान शीर्ष				
(1) अंशदान नियोजकों तथा कर्मचारियों का शेयर	1,59,76.04	1,62,31.00	1,78,20.00	1,88,80 00
(2) चिकित्सा हितलाभ पर निगम द्वारा प्रारंभ में किये गये व्यय में राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों का शेयर	28.22	43.00	79.09 (क)	49.94
राजस्व के अन्य शीर्ष				
(3) ब्याज तथा लाभांश (ग)	4,83.70	3,38.85	4,73.79 (ख)	5,20.13 (ग)
(4) मुआवजे	48.42	74.19	3,19.82 (घ)	2,87.56
(5.) किराया, दर तथा कर				
(1) निगम के कार्यालय (स्टाफ क्वार्टरों सहित),	7.93	7.75	8.00	8.00
(2) अस्पताल, औषधालय (स्टाफ क्वार्टरों सहित)	3,85.19	3,99.00	4,22.80	4,38.00
(6) शुल्क, जुर्माना तथा जब्तियां	32.53	26.51	33.83	36.48
(7) विविध	17.01	14.40	21.34	21.36
कुल राजस्व आय	1,69,79.04	1,71,34.70	1,91,78 67	2.02,41.47
ऋण, आरक्षित निधियां, जमा, पशगियां तथा प्रेषण				
साधारण ऋण राज्य सरकारों द्वारा ऋण की वापिसी	25.17	25.17	25.17	23.65
जोड़—साधारण ऋण	25.17	25.17	25.17	23.65
अनिधिक ऋण				
क० रा० बी० निगम सामान्य भविष्य निधि				
(1) कर्मचारियों का अंशदान	1,25.81	1,60.00	1,67.60	1,70.00
(2) कर्मचारियों के अंशदान पर ब्याज	33.18	34.80	39.45	41.50
क. रा. बी. निगम अंशदायी भविष्य निधि				
(1) कर्मचारियों का अंशदान (—)	25.48 (क)	10.80	1.70	1.70
(2) निगम का अंशदान	0.39	2.50	0.35	0.35

(क) इसमें 1978-79 से संबंधित 29.53 लाख रुपये के बकायों की वसूली शामिल है ।

(ख) इसमें निर्धारित निधियों से संबंधित 2,59.39 लाख रुपये का कुल ब्याज शामिल नहीं है लेकिन आपात आरक्षित निधि के निवेश पर 1,01.72 लाख रुपये का ब्याज शामिल है ।

(ग) इसमें निर्धारित निधियों से संबंधित 2,86.08 लाख रुपये का कुल ब्याज शामिल नहीं है लेकिन आपात आरक्षित निधि के निवेश पर 1,12.20 लाख रुपये का ब्याज शामिल है ।

(घ) इसमें 1979-80 के दौरान अखिल भारतीय औसत से अधिक अवायगी के बिहार, मध्य-प्रदेश तथा तमिलनाडु में क्रमशः 7.56 लाख रुपये 36 20 लाख रुपये तथा 2,75 46 लाख रुपये अधिक बीमारी हितलाभ की राशि की वसूली शामिल है ।

(लाख रुपयों में)

लेखा शीर्ष	वास्तविक आंकड़े, 1979-80	बजट 1980-81	परिशोधित 1980-81	बजट 1981-82
3 निम्नलिखित पर ब्याज				
(क) कर्मचारियों का अंशदान	4.89	4.95	2.15	2.15
(ख) निगम का अंशदान	0 52	4.00	0.30	0.40
क. रा. बी. निगम ग्रुप बीमा निधि				
(1) वर्ष के दौरान वार्षिक धन-व्यवस्था	4.94	5.20	5.50	6.00
(2) निवेशों पर प्राप्त ब्याज	0.03	0 02	0 11	0 12
(3) जीवन बीमा निगम से प्राप्त बीमित राशि	0 65	—	0.50	0.50
कुल—अनिधिक ऋण	1,44.93	2,22.27	2,17.66	2,22.72

(क) इसमें पेंशन योजना का विकल्प देने वाले कर्मचारियों के संबंध में अंशदायी भविष्य निधि से सामान्य भविष्य निधि में अंतरित राशि शामिल है।

आरक्षित निधियां

निगम के कार्यालय भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) का मूल्यह्रास आरक्षित निधि लेखा				
(1) निधि में अंतरित वार्षिक मूल्यह्रास प्रभार	1.43	4 32	4 32	6 20
(2) निवेशों पर प्राप्त ब्याज	1 35	0 94	1 06 (क)	1.16
अस्पताल तथा औषधालय भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) का मूल्यह्रास आरक्षित निधि लेखा				
(1) निधि में अंतरित वार्षिक मूल्यह्रास प्रभार	47.89	51.89	51 89	59 84
(2) निवेशों पर प्राप्त ब्याज	15.13	10.51	12.07 (क)	13.31

(क) कमी "पुन. निवेश योजना" में निवेशों के कारण है जिसके अंतर्गत देय ब्याज निगम के खाते में परिपक्वता पर ही जमा किया जावेगा।

स्टाफ कारों का मूल्यह्रास आरक्षित निधि लेखा				
(1) निधि में अंतरित वार्षिक मूल्यह्रास प्रभार	0.28	0.24	—(क)	—(क)
(2) निवेशों पर प्राप्त ब्याज	0.23	0.16	0.16 (ख)	0.18
घटायें—वर्ष में वास्तविक अदायगियां	(—)0.42	(—)0.42	(—)0.60 (ग)	(—)0.60 (ग)
निगम के कार्यालय भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि लेखा				
(1) निधि में अंतरित वार्षिक मरम्मत व अनुरक्षण प्रभार	9.94	11.16	18 52	24.36
(2) निवेशों पर प्राप्त ब्याज	1.07	0.74	0.68 (ख)	0.75
(3) निर्माण एजेंसियों द्वारा पिछले वर्षों की अग्रिम राशियों में से वापिस की गई राशियां	5.42	—	—	—
घटाएं-वर्ष के दौरान निर्माण एजेंसियों को दी गई अग्रिम राशि	(—)18.50 (ख)	(—)12.00	(—)11.70	(—)14.00

(क) निधि में स्टाफ कार के क्रय मूल्य से अधिक राशि हो जाने से संबंधित लेखा परीक्षा आपत्ति के निरसन होने तक कोई धन-व्यवस्था नहीं की गई है।

(ख) कमी "पुन. निवेश योजना" में निवेशों के कारण है जिसके अंतर्गत देय ब्याज निगम के खाते में परिपक्वता पर ही जमा किया जायेगा।

(ग) यह मौजूदा कार के वास्तव में कंडम हो जाने पर बदले में नई कार खरीदने के लिये धन-व्यवस्था का सूचक है।

(घ) इसमें व्यय के लेखा परीक्षित विवरण प्राप्त होने पर निधि में से घटाये गये 7.33 लाख रुपये शामिल हैं।

अस्पताल तथा औषधालय भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) का मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि लेखा				
(1) निधि में अंतरित वार्षिक अनुरक्षण व मरम्मत प्रभार	1,38.88	1,50.46	2,01.97	2,32.06
(2) निवेशों पर प्राप्त ब्याज	20.47	14.22	14.72 (क)	16 23
(3) निर्माण एजेंसियों द्वारा पिछले वर्षों की अग्रिम राशियों में से वापिस की गई राशियां	35 85	—	—	—
घटाएं—वर्ष के दौरान निर्माण एजेंसियों को दी गई अग्रिम राशि	(-)1,71 79(ख)	(—)1,01.00	(—)1,15.00	(—)1,20.00

लेखा-शीर्ष	वास्तविक आंकड़े 1979-80	बजट 1980-81	परिशोधित 1980-81	बजट 1981-82 (लाख रुपयों में)
स्थायी आंशिक तथा पूर्ण अपंगता हितलाभ आरक्षित निधि लेखा				
(1) निधि में अंतरित वार्षिक राशि	6,50 83	7,29.00	10 56. 45(ग)	8,88. 30
(2) निवेशों पर प्राप्त ब्याज	70. 67	49. 09	52. 42(क)	57 82
घटाये—वर्ष में वास्तविक अदायगियां	(—)6,78. 70	(—) 5,96. 82	(—) 6,88. 39	(—) 7,18. 29

(क) कमी "पुन निवेश योजना" में निवेश के कारण है जिसके अंतर्गत देय ब्याज निगम के खाते मे परिपक्वता पर ही जमा किया जायेगा।

(ख) इसमें व्यय के लेखा परीक्षित विवरण प्राप्त होने पर निधि मे से घटाये गये 60 52 लाख रुपये शामिल है ।

(ग) इसमें 31-3-1978 को या इससे पहले हुई अपंगता की स्थिति में स्थायी अपंगता हितलाभ के मौजूदा मामलो की राशि में 1 4. 1980 से स्वीकृत वृद्धि के कारण एक मुश्त समायोजन के 2,90. 42 लाख रुपये शामिल है ।

आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि लेखा				
(1) निधि में अंतरित वार्षिक राशि	1.76 48	1,70. 10	4,53. 70 (क)	3,33. 26
(2) निवेशों पर उपचित और/या वसूल किया गया ब्याज	39 87	27. 70	30. 03 (ख)	33. 12
घटाएं—वर्ष में वास्तविक अदायगियां	(—) 1,18 59	(—) 1,23 82	(—) 1,38 77	(—) 1,51. 86
निगम के कर्मचारियों के लिए पेंशन आरक्षित निधि लेखा				
(1) निधि में अंतरित वार्षिक अंशदान	97 64 (ग)	60 50	90 32 (घ)	95. 87 (घ)

(क) इसमें 31-3-1978 को या इससे पहले हुई मृत्यु की स्थिति में आश्रितजन हितलाभ के मौजूदा मामलों की राशि में 1-4-1980 से स्वीकृत वृद्धि के कारण एक मुश्त समायोजन के 1,59 58 लाख रुपये शामिल हैं । आंशिक वृद्धि (1,10 00 लाख रुपये) 1980-81 के दौरान बकाया मामलो के निपटान के कारण भी है ।

(ख) कमी "पुन: निवेश योजना" में निवेश के कारण है जिसके अंतर्गत देय ब्याज निगम के खाते में परिपक्वता पर ही जमा किया जायेगा।

(ग) इसमें पेंशन योजना का विकल्प देने वाले कर्मचारियों के संबंध में अंशदायी भविष्य निधि से अंतरित 37. 42 लाख रुपये शामिल हैं ।

(घ) "निगम के कर्मचारियों के लिये पेंशन आरक्षित निधि लेखा—(1) निधि में अंतरित वार्षिक अंशदान" शीर्ष के अंतर्गत 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलन तथा 1981-82 के बजट प्राक्कलन में क्रमशः 90. 32 लाख तथा 95 87 लाख रुपये की धन-व्यवस्था में निदेशालय (चिकित्सा) दिल्ली के कर्मचारियों के संबंध में 13. 17 लाख रुपये तथा 15. 47 लाख रुपये की धन-व्यवस्था शामिल है।

(लाख रुपयों में)

लेखा शीर्ष	वास्तविक आंकड़े 1979-80	बजट 1980-81	परिशोधित 1980-81	बजट 1981-82
(2) निवेशों पर प्राप्त ब्याज	31. 48	21. 87	24. 55(क)	27. 08
घटाएं :—वर्ष में वास्तविक अदायगियां	(—) 19. 80	(—) 19. 50	(—)'33. 50	(—) 38. 00
निगम के कर्मचारियों के लिये अनुकम्पा आरक्षित निधि लेखा				
(1) निधि में अन्तरित वार्षिक अंशदान	0. 35	0. 35	0. 35	0. 35
(2) निवेशों पर प्राप्त ब्याज	0. 01	0. 01	0. 01	0. 01
घटाएं :—वर्ष में वास्तविक अदायगियां	(—) 0. 37	(—) 0. 35	(—) 0. 35	(—) 0. 35
भविष्य निधि जमा से जुड़ी बीमा निधि				
(1) निधि में अंतरित वार्षिक राशि	0. 90	0. 90	0. 90	0. 90
(2) निवेशों पर प्राप्त ब्याज	0. 04	0. 03	0. 04	0. 05
घटाएं :—वर्ष के दौरान अदायगियां	(—) 0. 37	(—) 0. 90	(—) 0. 60	(—) 0. 90

(क) कमी "पुन: निवेश योजना" में निवेश के कारण है जिसके अन्तर्गत देय ब्याज निगम के खाते में परिपक्वता पर ही जमा किया जाएगा।

पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि				
(1) निधि में अंतरित राशि	15,97. 60	16,23. 10	17,78,91	18,88. 00
(2) निवेशों पर प्राप्त ब्याज	1,38. 19	96. 00	1,23. 54"क"	1,36. 25
(3) निर्माण एजेंसियों द्वारा वापिस की गई राशियां	12. 51	7 50	5. 00	5. 00
घटाएं .—वर्ष में निर्माण एजेंसियों को दी गई अग्रिम राशि				
(क) निगम के कार्यालयों के लिए भवन	(—) 84. 78	(—) 1,25 00	(—) 1,07. 92	(—) 1,08. 19
(ख) अस्पताल तथा औषधालय भवन	(—) 5,97. 02	(—) 8,00. 00	(—) 7,42. 08	(—) 7,41. 81
आपात आरक्षित निधि				
(1) निधि में अंतरित राशि	2,65. 04	1,70. 49	1,00. 00	1,48. 22

"क" :—कमी "पुन: निवेश योजना" में निवेश के कारण है जिसके अन्तर्गत देय ब्याज निगम के खाते में परिपक्वता पर ही जमा किया जायेगा ।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक आंकड़े 1979-80	बजट 1980-81	परिशोधित 1980-81	बजट 1981-82
				(लाख रुपयों में)
(2) निवेशों पर प्राप्त ब्याज	1,32.55	92 08	—(क)	—(क)
कुल आरक्षित निधियां	19,21 76	15,11.55	21,82.70	20,72 32
जमा				
(1) जमानत जमा	6.91	4.00	5.50	5.50
(2) अन्य जमा (ख)	47.16	46.00	38.00	38 00
कुल जमा	54.07	50.00	43.50	43.50
पेंशनियां				
(क) स्थायी पेंशनियां	0.01	—	—	—
(ख) निगम के कर्मचारियों की पेंशनियां				
(1) स्थानांतरण पर वेतन पेंशनी	1.06	1.20	1.38	1.66
(2) स्थानांतरण पर यात्रा भत्ता पेंशनी	1 38	1 50	1.47	1 60
(3) मोटरवाहन के क्रय के लिए पेंशनी	4 55	4.20	5 94	6 87
(4) अन्य वाहन के क्रय के लिए पेंशनी	3.11	3.10	3.06	3.20
(5) गृह निर्माण पेंशनियां	16.45	12.00	16.50	17.00
(6) विविध पेंशनियां (त्यौहार) पेंशनी, बाढ़ पेंशनी तथा पंखा पेंशनी)	25.74	23.54	26.00	26.50

(क) यह निधि अनिर्धारित आरक्षित निधि होने के कारण प्राप्त ब्याज अब निगम के सामान्य राजस्व में क्रेडिट किया जाता है ।

(ख) इस शीर्ष में (1) अन्य पार्टियों को देय बिलों से कटौती (2) क० रा० बी० निगम भविष्य निधि में अदायी जमा तथा (3) अदायी आय (उचंत खाता) शामिल हैं ।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक आंकड़े 1979-80	बजट 1980-81	परिशोधित 1980-81	बजट 1981-82
				(लाख रुपयों में)
(ग) अन्य पेशगियां				
(1) राज्य सरकारों की ओर से अग्रिम अदायगी	0.01(क)	0.05	0.02	0.02
(2) विविध (क)	23 87	25.00	23.99	25.00

(क) इस शीर्ष में (1) लेखन सामग्री नियंत्रक, कलकत्ता को पेशगियां (2) राज्य सरकारों के मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभागों को पेशगियां (3) निगम के क्षेत्रीय कार्यालयों तथा अन्य कार्यालयों को पेशगियां (4) नगर पालिकाओं, स्थानीय निकायों आदि को पेशगियां (5) कानूनी खर्चों के लिये पेशगियां (6) निगम की विभागीय कैंटीनों को पेशगियां तथा (7) अन्यत्र वर्गीकृत न की गई अन्य पेशगियों की वसूली/समायोजन शामिल है ।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक आंकड़े 1979-80	बजट 1980-81	परिशोधित 1980-81	बजट 1981-82
				(लाख रुपयों में)
कुल पेशगियां	76.18	70.59	78.36	81.85
प्रेषण :				
(1) नकद प्रेषण (निवल) (क)	5,08.87	—	25 00	—
(2) अन्य प्रेषण (निवल) (ख)	—	—	1,22.19	1.00
कुल प्रेषण	5,08.87	—	1,47.19	1.00

(क) "नकद प्रेषण" शब्दों का अर्थ एक लेखा परिमंडल से दूसरे लेखापरिमंडल को तथा दूसरे लेखा परिमंडल से पहले लेखा परिमंडल को निधियों (नकद) का अन्तरण है । निगम का राजस्व टिकटों की बिक्री द्वारा भारतीय स्टेट बैंक तथा इसके सहकारी बैंकों के माध्यम से नकद वसूली द्वारा एकत्र किया जाता है । प्राप्त अंशदान संबन्धित क्षेत्रीय कार्यालय के लेखा संख्या 1 (वसूली लेखा) में अंतरित किये जाते हैं तथा अंतिम रूप से लेखा संख्या 1 (केन्द्र) मुख्यालय में अंतरित कर दिये जाते हैं । प्रशासनिक व्यय तथा बीमाकृत व्यक्तियों को हितलाभों की अदायगियों के लिए निधियां केन्द्रीय लेखा संख्या 1 (मुख्यालय) से अंतरित करके क्षेत्रीय कार्यालयों/स्थानीय कार्यालयों को दी जाती है । निधियों के एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में अंतरण के ऐसे सभी लेन-देन "नकद प्रेषण" कहे जाते हैं ।

(ख) "अन्य प्रेषण" शब्दों का अर्थ निगम के एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय के बीच पुस्तक समायोजन है । निगम के एक कार्यालय में शुरू होने वाले ऐसे लेन देन जिनका निगम के दूसरे कार्यालय में समायोजन किया जाता है, विनियम लेखे के माध्यम से अंतरित किए जाते हैं ।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक आंकड़े 1979-80	बजट 1980-81	परिशोधित 1980-81	बजट 1981-82
				(लाख रुपयों में)
जोड़ :—ऋण, आरक्षित निधियां, जमा पेशगियां तथा प्रेषण	27,30.98	18,79,58	26,94.58	24,45.00
कुल प्राप्तियां आदि शेष	6,31.48	6,34.65	7,54.66	6,36.09
कुल जोड़	2,03,41 50	1,96,48.93	2,26,27.91	2,33,22.60

एम०एल० सोबती

वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

विवरण—"ख" : व्यय

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1979-80	बजट 1980-81	परिशोधित 1980-81	बजट 1981-82
				(लाख रुपयों मे)
राजस्व लेखे में व्यय				
1. बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को हितलाभ :				
क. चिकित्सा हितलाभ	60,23.42	64,98 45	72,15.71(क)	75,08 64
1. चिकित्सा देखरेख, उपचार तथा प्रसूति सुविधाओं की व्यवस्था पर खर्चे में निगम के शेयर के रूप में राज्य सरकारों आदि को अदायगियां	(1305.24 लाख रुपये की बकाया अदायगियां शामिल है)	(12,46.56 लाख रु० की बकाया अदायगियां शामिल हैं)	(12,53.51 लाख रु० की बकाया अदायगियां शामिल है)	(10,44.86 लाख रु० की बकाया अदायगियां शामिल है)
2. चिकित्सा उपचार व देखरेख तथा प्रसूति सुविधाएं (निगम द्वारा सीधे किया गया व्यय)	3,35.85 (9.96 लाख रु० महाराष्ट्र क्षेत्र के विदर्भ क्षेत्र में प्रसव शुल्क की अदायगी के संबंध में शामिल है)	3,74.00 (10.00 लाख रु० महाराष्ट्र क्षेत्र के विदर्भ क्षेत्र में प्रसव शुल्क की अदायगी के संबंध में शामिल है)	4,09 49 (10.00 लाख रु० महाराष्ट्र क्षेत्र के विदर्भ क्षेत्र में प्रसव शुल्क की अदायगी के संबंध में शामिल है)	4,90.24 (10.00 लाख रु० महाराष्ट्र क्षेत्र के विदर्भ क्षेत्र में प्रसव शुल्क की अदायगी के संबंध में शामिल है)
जोड़—क—चिकित्सा हितलाभ	63,59.27	68,72.45	76,25 20	79,98.88
ख—नकद हितलाभ				
1. बीमारी हितलाभ	43,03.27	41,46.50	46,57.13(ख)	48,77.20
2. विस्तारित बीमारी हितलाभ	3,25.98	3,56.34	3,65.27	3,83.15
3. प्रसूति हितलाभ	1,94 91	1,98 22	2,14.61	2,25.10
4. अपंगता हितलाभ				
(क) अस्थायी अपंगता	6,93.68	7,41.75	8,74.40	10,34.20
(ख) स्थायी अपंगता (ग)	6,50 83	7,29.00	10,56.45	8,86.30
5. आश्रितजन हितलाभ (घ)	1,76.48	1,70.10	4,53.70	3,33 26
6. अन्त्येष्टि हितलाभ	10.08	10.56	10.77	11.25
7. अशक्तता हितलाभ	—	—	—	10.00
कुल—ख—नकद हितलाभ	63,55.23	63,52.47	76,32.33	77,60.45
ग—अन्य हितलाभ				
(क) अपंग बीमाकृत व्यक्तियों के पुनर्वास पर व्यय	0.07	0.40	--	--
(ख) चिकित्सा बोर्ड व अपील अधिकरण	4.49	5.32	4.62	5.32
(ग) सवारी खर्च तथा/या मजदूरी की हानि लेखे बीमाकृत व्यक्तियों को अदायगियां	3.58	4 12	4.07	4.67
(घ) विविध	9.18	9.60	11.64	12.15
कुल—ग—अन्य हितलाभ	17.32	19.44	20.33	22.14
शीर्ष—1—हितलाभों का जोड़	127,31.82	132,44.36	152,77.86	157,81.48

क. व्याख्यात्मक ज्ञापन का पैराग्राफ 11.1 देखिये।

ख. व्याख्यात्मक ज्ञापन का पैराग्राफ 11.2 देखिये।

ग धन व्यवस्था बीमांकन आधार पर की जाती है।

घ व्याख्यात्मक ज्ञापन का पैराग्राफ 11 2 देखिए।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1979-80	बजट 1980-81	परिशोधित 1980-81	बजट 1981-82
				(लाख रुपयों में)
2. प्रशासन क—अधीक्षण निगम स्थायी समिति क्षेत्रीय बोर्ड आदि यात्रा भत्ता	0.69	0.92	0.82	0.89
प्रधान अधिकारी का वेतन				
1. प्रधान अधिकारियों का वेतन	0.92	1.48	1.20	1.35
2. भत्ते तथा मानदेय	1.07	1.30	1.85	2.16
जोड़—प्रधान अधिकारी	1.99	2.78	3.05	3.51
अन्य अधिकारी				
(1) अन्य अधिकारियों का वेतन	35.41	37.43	41.25	46.84
(2) भत्ते तथा मानदेय	26.32	29.43	33.17	37.77
(3) बोनस	—	—	0.30	0.60
जोड़—अन्य अधिकारी	61.73	66.86	74.72	85.21
लिपिक वर्गीय स्थापना				
(1) स्थापना का वेतन	1,68.88	1,76.60	1,90.10	1,97.24
(2) भत्ते तथा मानदेय	1,68.18	1,80.90	2,21.60	2,43.29
(3) बोनस	—	—	6.90	13.00
जोड़—लिपिक वर्गीय स्थापना	3,36.26	3,57.50	4,18.60	4,53.53
ग्रुप "घ" कर्मचारी				
(1) ग्रुप "घ" कर्मचारियों का वेतन	25.25	25.70	27.77	28.79
(2) भत्ते तथा मानदेय	29.01	29.90	36.80	40.95
(3) बोनस	—	—	1.15	2.25
जोड़—ग्रुप "घ" कर्मचारी	54.26	55.60	65.72	71.99
आकस्मिक व्यय				
(क) डाक, तार व टेलीफोन व्यय	16.01	17.00	21.00	21.20
(ख) लेखन-सामग्री व फार्म	54.62	47.00	72.00	80.00
(ग) अंशदान टिकट	0.14	0.10	0.02	0.02
(घ) टाइपराइटर आशुलिपिक आदि की खरीद, मरम्मत तथा अनुरक्षण आदि	2.14	2.00	2.35	2.50
(ङ) एक्रिमा उपस्कर की खरीद, मरम्मत तथा अनुरक्षण आदि	2.43	3.00	3.00	3.00
(च) किराया, दर तथा कर	25.59	23.00	35.73	33.00
(छ) फर्नीचर	2.53	2.90	3.50	3.50
(ज) अभिलेख के लिए विशेष उपस्कर	0.46	1.09	1.09	1.10
(झ) कार्यालय प्रयोग की सामान्य वस्तुओं की खरीद मरम्मत तथा अनुरक्षण आदि	2.61	3.06	3.25	3.50
(ञ) साइकिलों की खरीद, मरम्मत व अनुरक्षण	—	0.03	0.06	0.06
(ट) वर्दियों की खरीद, मरम्मत व अनुरक्षण	2.45	2.90	3.00	3.10
(ठ) पुस्तकें, पत्रिकाएं तथा अन्य प्रकाशन	0.37	0.43	0.43	0.45
(ड) गर्म व सर्द मौसम के खर्चे	0.13	0.25	0.25	0.30
(ढ) विविध				
(1) कर्मचारी, वर्ग की सुख सुविधा	0.74	13.24	13.24	14.30
(2) विविध	9.08	—	—	—
(ण) स्टाफ कारों की मरम्मत व अनुरक्षण	1.77	2.00	2.25	2.50
जोड़—आकस्मिक व्यय	1,21.07	1,18.00	1,61.17	1,68.73
जोड़—क—अधीक्षण	5,76.00	6,01.66	7,24.08	7,83.86
ख—क्षेत्रीय कार्य अधिकारी				
(1) अधिकारियों का वेतन	11.13	11.57	13.34	15.70
(2) भत्ते तथा मानदेय	7.87	8.52	10.79	12.90
(3) बोनस	—	—	0.40	0.80
जोड़—अधिकारी	19.00	20.09	24.53	29.40
लिपिक वर्गीय स्थापना				
(1) स्थापना का वेतन	1,78.64	1,87.20	1,96.27	2,00.60
(2) भत्ते तथा मानदेय	1,54.92	1,73.80	1,98.99	2,09.85
(3) बोनस	—	—	7.05	11.90
जोड़—लिपिक वर्गीय स्थापना	3,33.56	3,61.00	4,02.31	4,25.35

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1979-80	बजट 1980-81	परिशोधित 1980-81	बजट 1981-82
		(लाख रुपयो मे)		
ग्रुप "ख" कर्मचारी				
(1) ग्रुप "घ" कर्मचरीवर्ग का वेतन	25 44	25 85	29 27	32 90
(2) भत्ते व मानदेय	25 27	27 70	33 97	38 75
(3) बोनस	—	—	1 20	2 45
जोड़—ग्रुप—ख—कर्मचारी	50 71	53 55	64 44	74 10
आकस्मिक व्यय				
(क) डाक तार व टेलीफोन खर्च	4 73	5 60	5 00	5 20
(ख) लेखन-सामग्री व फार्म	0 81	0 90	1 10	1 25
(ग) टाइपराइटर, अनुलिपिक की खरीद, मरम्मत तथा अनुरक्षण	0 52	0 76	0 50	0 55
(घ) किराया, दर तथा कर	23 61	26 61	27 50	31 00
(ङ) फर्नीचर	1 46	2 66	2 00	2 50
(च) अभिलेख के लिए विशेष उपस्कर	0 35	1 06	0 50	1 00
(छ) कार्यालय प्रयोग के लिए सामान्य-वस्तुओ की खरीद, मरम्मत व अनुरक्षण	0 45	0 80	0 80	0 90
(ज) साइकिलो की खरीद, मरम्मत व अनुरक्षण	0 03	0 06	0 06	0 06
(झ) वर्दियो की खरीद, मरम्मत व अनुरक्षण	0 23	0 45	0 64	0 70
(ञ) पुस्तके, पत्रिकाए तथा अन्य प्रकाशन	0 07	0 04	0 04	0 04
(ट) गर्म व सर्द मौसम के खर्चे	0 35	0 36	0 36	0 40
ठ—विविध				
(1) कर्मचारियों की सुख सुविधाएं	6 89	7 80	8 60	9 00
(2) विविध				
जोड़—आकस्मिक व्यय	39 50	47 10	47 10	52 60
जोड़—ख—क्षेत्रीय कार्य	4,42 78	4 81 74	5 38 39	5 81 45
ग—अन्य व्यय				
कानूनी खर्चे	4 85	5 50	5 00	5 50
बीमा न्यायालय	0 53	0 95	0 95	0 95
प्रचार व विज्ञापन	1 38	1 50	1 50	1 60
बैंक लेखे रखने का खर्च	0 99	0 25	0 60	0 70
छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदान	1 08	1 26	1 34	1 02
लेखा परीक्षा शुल्क	2 16	2 60	2 60	2 60
मरम्मत अनुरक्षण तथा मूल्य ह्रास				
(क) निगम के कार्यालय भवनो (स्टाफ क्वार्टरो सहित) का मूल्यह्रास	3 43	4 32	4 32	6 20
(ख) स्टाफ कारो का मूल्यह्रास	0 28	0.24	—(क)	—(क)
(ग) निगम के कार्यालय भवनो (स्टाफ क्वार्टरो सहित) की मरम्मत व अनुरक्षण	9 91	11 16	18 52	24 36
निवृत्ति हितलाभ				
(क) पेंशन आरक्षित निधि मे निगम का अंशदान	53 43	53 30	77 15	80.40
(ख) कर्मचारी, राज्य बीमा निगम अंशदायी भविष्य निधि मे निगम का अंशदान	0 39	2 50	0 35	0 35
कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि मे अदा किया गया ब्याज				
अंशदायी भविष्य निधि	5 40	8 95	2 45	2 55
सामान्य भविष्य निधि	33 18	34 80	39 45	41 50
निगम के कर्मचारियो के लिए अनुकम्पा आरक्षित निधि	0 35	0 35	0.35	0.35
भविष्य निधि जमा से जुड़ी बीमा योजना	0 90	0 90	0 90	0 90
विविध	0 49	0 26	0 20	4.70
जोड़—ग—अन्य खर्चे	1,18 78	1,29 04	1,55 68	1,73 68
शीर्ष-2—प्रशासन का जोड़	11,37 56	12,12 44	14,18 14	15,38.99

(क) इस लेखा परीक्षा आपत्ति का निपटान होने तक कोई व्यवस्था नही की गई कि निधि मे राशि स्टाफ कारो के क्रय मूल्य से अधिक हो गई है ।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1979–80	बजट 1980–81	परिशोधित 1980–81	बजट 1981–82
3. अस्पताल, औषधालय आदि				
अस्पतालों, औषधालयों की मरम्मत, अनुरक्षण तथा मूल्यह्रास आदि		(लाख रुपयों में)		
(क) अस्पताल/औषधालय भवनों का मूल्य ह्रास	47 89	51 89	51 89	59.84
(ख) अस्पताल/औषधालय भवनों की मरम्मत तथा अनुरक्षण	1,38 88	1,50 46	2 01 97	2,32 06
जोड़-शीर्ष-3-अस्पताल/औषधालय आदि	1,86 77	2,02 35	2,53 86	2,91,90
4 पूंजीगत निर्माण तथा आपात आरक्षित निधियों में अंशदान				
(1) पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि में वार्षिक अंशदान	15,97 60	16,23 10	17,78 91(क)	18,88 00
(2) आपात आरक्षित निधि में वार्षिक अंशदान	2,65 04	1,70 49	1,00.00	1 48 22
जोड़—शीर्ष- 4-पूंजीगत निर्माण तथा आपात आरक्षित निधियों में अंशदान	18,62 64	17,93 59	18,78 91	20 36.22
जोड़—राजस्व लेखे में व्यय	1,59,18 79	1,64 52 74	1,88,28 77	1,96,48 59
5 पूंजीगत लेखे में व्यय स्टाफ कारें				
स्टाफ कारों की खरीद	--	--	--	0 60
ऋण, आरक्षित निधियां जमा, पेंशनगियां तथा प्रेषण				
अनिधिक ऋण				
कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि अंशदानों का अदायगी				
(1) सामान्य भविष्य निधि	98 49	90 00	1,06 00	1,15.00

(क) इसमें अंशदान के भाग के रूप में माने गए अंशदान पर प्राप्त ब्याज में से 10 प्रतिशत निधि में जमा करते हुए 1976–77 से 1979–80 तक की अवधि के दौरान की गई धन व्यवस्था के कारण 3 09 लाख रुपये के समायोजन को गणना में लिया गया है।

(2) अंशदायी भविष्य निधि कर्मचारी राज्य बीमा निगम ग्रुप बीमा निधि	8 13	7 50	3 00	3 50
(1) जीवन बीमा निगम को दिया गया प्रीमियम	1 89	2 20	2 23	2 30
(2) लाभ अधिकारियों को दी गई बीमित राशि	0 10	0 01	0 65	0 50
(3) कर्मचारियों को बन्दोबस्ती लाभ	—	—	0 01	0 01
जोड़—अनिधिक ऋण	1,08 60	99 71	1,11 89	1,21 31
आरक्षित निधियां				
निगम के कार्यालय भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मूल्यह्रास आरक्षित निधि निवेश लेखा				
वर्ष में किया गया निवेश	4.78	5 26	5 38	7 36
अस्पताल भवनों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि निवेश लेखा				
वर्ष में किया गया निवेश	63 02	62 40	63 96	73 15
स्टाफ कारों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि निवेश लेखा				
वर्ष में किया गया निवेश	0 09(—)	0 02(—)	0 44(ख)(—)	0 42(ख)

(क) स्टाफ कार की खरीद पर व्यय निवेश पर प्राप्त ब्याज से अधिक है।
व्यय की पूर्ति निधि में पिछले वर्षों की एकत्र राशि से की जायेगी।

निगम के कार्यालय भवनों (स्टाफ क्वाटरों सहित) की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि निवेश लेखा				
वर्ष में किया गया निवेश	(—)2 09 (क)	(—)0 10	7 50(ख)	11 11(ख)
अस्पताल भवनों की मरम्मत तथा अनुरक्षण आरक्षित निधि निवेश लेखा				
वर्ष में किया गया निवेश	23 40	63 68	1,01 69(ख)	1,28 29(ख)

लेखा–शीर्ष	वास्तविक 1979–80	बजट 1980–81	परिशोधित 1980–81	बजट 1981–82
स्थायी (आंशिक तथा पूर्ण) अपंगता हितलाभ आरक्षित निधि निवेश लेखा		(लाख रुपयों में)		
वर्ष में किया गया निवेश	1,42.80	1,81 27	4,20.48(ग)	2 25.83

(क) मरम्मत तथा असुरक्षण कार्यों के लिए पेशगियों की राशि निधि में की गई वार्षिक व्यवस्था तथा उसके निवेश से प्राप्त ब्याज से अधिक थी। व्यय की पूर्ति निधि में पिछले वर्षों की एकत्र राशि से की गई है।

(ख) यह वृद्धि निधि में वार्षिक व्यवस्था भवनों के पूंजीगत मूल्य 2.9 प्रतिशत से बढ़ाकर 4 प्रतिशत करने तथा अधिक संख्या में भवनों के पूरे हो जाने की आशा के कारण हुई है।

(ग) वृद्धि दिनांक 31-3-1978 को या इससे पहले हुई अपंगता की स्थिति में स्थायी अपंगता हितलाभ के मौजूदा मामलों के संबंध में दिनांक 1-4-1980 से स्वीकृत वृद्धि के कारण एक मुश्त समायोजन (2,90.42 लाख रुपये) के कारण हुई है।

आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि निवेश लेखा				
वर्ष में किया गया निवेश	97.76	71 98	3,44.96(क)	2,14.52
निगम के कर्मचारियों को पेंशन आरक्षित निधि निवेश लेखा	109.32	62 87	81 37	84 95
वर्ष में किया गया निवेश				
क० रा० बी० नि० भविष्य निधि निवेश लेखा				
वर्ष में किया गया निवेश	32.70	1,19 55	1.02.55	97 60
क० रा० बी० ग्रुप बीमा निधि निवेश लेखा				
वर्ष में किया गया निवेश	3 63	3.01	3 22	3.81
पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि निवेश लेखा				
वर्ष में किया गया निवेश	10,83.36	8,01.60	10,57.45(ख)	11,79,25
निगम के कर्मचारियों के लिए अनुकम्पा आरक्षित निधि निवेश लेखा				
वर्ष में किया गया निवेश	(—)0.01	0.01	0.01	0.01
भविष्य निधि जमा से जुड़ी बीमा निधि निवेश लेखा				
वर्ष में किया गया निवेश	0.57	0.03	0.34	0.05

(क) वृद्धि दिनांक 31-3-1978 को या इससे पहले हुई मृत्यु की स्थिति में आश्रितजन हितलाभ के मौजूदा मामलों के संबंध में दिनांक 1-4-1980 से स्वीकृत वृद्धि के कारण एक मुश्त समायोजन (1 59.59 लाख रुपये) के कारण हुई है। आंशिक रूप से वृद्धि के 1980–81 के दौरान बकाया मामलों के निपटान के कारण भी हुई है।

(ख) वृद्धि अंशदान आय में वृद्धि के कारण अधिक वार्षिक जमा तथा निर्माण कार्यों में धीमी प्रगति के कारण कम अदायगियों के कारण है।

आपात आरक्षित निधि निवेश लेखा				
वर्ष में किया गया निवेश	3,97.59	2,62 57	1,00.00(क)	1,48 22
जोड़—आरक्षित निधियां	19,56.92	16,34.11	22,88.47	21,73.73
जमा				
अमानत जमा	3.87	4.00	5.00	5.00
अन्य जमा (ख)	34.56	42.00	50.00	50.00
जोड़—जमा	38 43	46.00	55 00	55 00
पेशगियां				
क. स्थायी पेशगियां	0 05	0.09	0.06	0.08
ख. निगम के कर्मचारियों को पेशगियां				
(1) स्थानान्तरण पर अग्रिम वेतन	1.51	1,24	1.44	1.81
(2) स्थानान्तरण पर यात्रा भत्ता पेशगी	1.55	1 60	1.80	1.80
(3) मोटर वाहन खरीदने के लिए पेशगी	6.54	7.00	8.00	8 00

(क) कमी राजस्व व्यय में वृद्धि के कारण निधि में कम वार्षिक जमा के कारण है।

(ख) इस शीर्ष मे (1) अन्य पार्टियों को देय बिलों से कटौती (2) क० रा० बी० निगम भविष्य निधि में अवर्गीकृत जमा तथा (3) अवर्गीकृत अदायगियां (उचंत खाता) के बारे में अदायगियां शामिल हैं।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1979-80	बजट 1980-81	परिशोधित 1980-81	बजट 1981-82
		(लाख रुपयों में)		
(4) अन्य वाहन खरीदने के लिए पेशगी	3.24	3 50	3.50	4.00
(5) गृह निर्माण पेशगी	26.39	30 50	30.50	30 50
(6) विविध पेशगियां (त्यौहार पेशगी, डाक पेशगी तथा पंखा पेशगी)	18.74(क)	27 32	13 00	14.00
ग. अन्य पेशगियां				
(1) राज्य सरकारों की ओर से अग्रिम अदायगियां	0.02	0.03	0.02	0.03
(2) विविध (ख)	30.44	45.00	38.00	38.00
जोड़—पेशगियां	88.48	1,16.28	96.32	98.21

(क) वृद्धि निगम कर्मचारियों को डाक राहत के लिए दी गई पेशगियां शामिल है।

(ख) इस शीर्ष में (1) लेखन सामग्री नियंत्रक, कलकत्ता को पेशगियां (2) राज्य सरकारों के मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभागों को पेशगियां (3) निगम के क्षेत्रीय कार्यालयों को पेशगियां (4) नगर पालिकाओं, स्थानीय निकायों आदि को पेशगियां (5) कानूनी खर्चों के लिए पेशगियां (6) निगम की विभागीय कैन्टीनों को पेशगियां तथा (7) अन्यत्र वर्गीकृत न की गई अन्य पेशगियां शामिल हैं।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1979-80	बजट 1980-81	परिशोधित 1980 81	बजट 1981-82
		(लाख रुपयों में)		
प्रेषण :				
नकद प्रेषण--(निवल) (क)	---	25.00	5,08.87	25.00
अन्य प्रेषण (निवल) (ख)	1,22.19	1.00	1.00	---
जोड़--प्रेषण	1,22.19	26.00	5,09.87	25.00
जोड़-ऋण आरक्षित निधियां				
पेशगियां	23,14.62	19,22.10	30,61.55	24,73.85
तथा प्रेषण				
जोड़--संवितरण	1,82,33.41	1,83,74.84	3,18,90.32	2,21,22 44

(क) "नकद प्रेषण" शब्दों का अर्थ एक लेखा परिमंडल से दूसरे लेखा परिमंडल को तथा दूसरे लेखा परिमंडल से पहले लेखा परिमंडल को निधियों (नकद) का अन्तरण है। निगम का राजस्व टिकटों की बिक्री/भारतीय स्टेट बैंक तथा इसके सहकारी बैंकों के माध्यम से नकद वसूली द्वारा एकत्र किया जाता है। प्राप्त अंशदान संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय के लेखा संख्या-1 (वसूली लेखा) में अन्तरित कर दिये जाते हैं तथा अन्तिम रूप से लेखा संख्या-1 (केन्द्र) मुख्यालय में अन्तरित कर दिये जाते हैं। प्रशासनिक व्यय तथा बीमाकृत व्यक्तियों को हितलाभ की अदायगियों के लिए निधियां केन्द्रीय लेखा संख्या-1 (मुख्यालय) से अंतरित करके क्षेत्रीय कार्यालयों से स्थानीय कार्यालयों को दी जाती हैं। निधियों के एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में अंतरण के ऐसे सभी लेन देन (नकद) प्रेषण कहे जाते हैं।

(ख) "अन्य प्रेषण" शब्दों का अर्थ निगम के एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय के बीच पुस्तक समायोजन है। निगम के एक कार्यालय में शुरू होने वाले ऐसे लेन-देन जिनका निगम के दूसरे कार्यालय में समायोजन किया जाना है, विनिमय लेखे के माध्यम से अंतरित किए जाते हैं।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1979-80	बजट 1980-81	परिशोधित 1980-81	बजट 1981-82
		(लाख रुपयों में)		
सामान्य रोकड़ शेष				
वर्ष के दौरान निवेश	76,95.16	22,72.11	27,23.40	28,55.20
घटाएं—आरक्षित	(--) 63,41 73	(--) 16,34.11	(—) 26,21.90	(—) 22,95.04
निधियों में अंतरण				
अंश शेष	7,54.66	6,36.09	6,36.09	6,40.00
कुल जोड़	2,03,41.50	1,96,48.93	2,26,27.91	2,33,22.60

एम० एल० सोयती,
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
कर्मचारी राज्य बीमा निगम

परिशिष्ट 1

उन स्थानों पर योजना सम्भावित विस्तार की तारीखों का सूचक विवरण जहां योजना का विस्तार 1980-81 तक किए जाने की आशा थी

राज्य/केन्द्र	कर्मचारियों की संख्या (परिशोधित)	प्रारम्भ में प्रत्याशित विस्तार की तारीख	अब प्रत्याशित विस्तार की तारीख
1	2	3	4
1. आन्ध्र प्रदेश			
कोट्टागुडम, पलोंचा तथा शुमावरम	2,900	जनवरी, 79	मार्च, 81
कोट्टाकारिपल्ली गांव (मदनपल्ली स्पिनिंग मिल लिमिटेड)	1,600	जनवरी, 79	मार्च, 81
2. असम			
सिल्चर	500	1980-81	सितम्बर, 1981
जग्गी रोड	400	1980-81	सितम्बर, 1981
लेडो	650	1980-81	कोई अनुमान नहीं लगाया गया
बोकाजन तथा बोगइगांव	1,700	1980-81	सितम्बर, 81
3. बिहार			
आदित्यपुर फेस-2, झिकपनी, झरिया, टियुडना	5,100	मार्च, 80	मार्च, 81
आरा तथा मुजफ्फरपुर के उपांत	3,150	अगस्त, 80	कोई अनुमान नहीं लगाया गया
4. चण्डीगढ़	—	—	—
5. दिल्ली			
दिल्ली परिवहन निगम	15,000	मार्च, 80	कोई अनुमान नहीं लगाया गया
6. गुजरात			
मेहसाना सिद्धपुर तथा सुरेन्द्रनगर	7,200	1980-81	मई, 1981
नवसारी	7,800	1980-81	जून, 1981
अंोच तथा सिक्का	3,500	मई, 1980	जून, 1981
धानगढ़	1,600	मई, 1980	अगस्त, 1981
बुलसर	1,600	जून, 1980	अगस्त, 1981
सिंगापुर, तुलसी डबहोली, काटार गांव तथा फूलपाडा	650	जून, 1980	कोई अनुमान नहीं लगाया गया
विक्रम गांव	2,000	जुलाई, 1980	अगस्त, 1981
बिल्लीमोरा तथा वापी	9,100	जुलाई, 1980	सितम्बर, 1981
वटवा तथा विठल उद्योग नगर	9,300	अगस्त, 1980	अक्तूबर, 1981
7. हरियाणा			
कुनदली, राय तथा धारूहेड़ा	4,000	मई, 1980	जनवरी, 1981
मुरथल तथा खरपुर (सिरसा)	1,750	जुलाई, 1980	फरवरी, 1981
हांसी	1,550	जुलाई, 1980	मार्च, 1981
भिवानी के समीपस्थ क्षेत्र	500	अगस्त, 1980	मार्च, 1981
8. हिमाचल प्रदेश	—	—	—
9. जम्मू तथा काश्मीर			
श्रीनगर, पम्पोर जम्मू तथा कठुआ	11,600	मई 1980	कोई अनुमान नहीं लगाया गया
10. कर्नाटक			
रामनगरम	800	1980-81	1980-81
तुमकुर रोड तथा माण्डया	1,700	1980-81	फरवरी, 1981
कवार	1,400	1980-81	मार्च, 1981
तालगुपा	450	जुलाई, 80	अक्तूबर, 1981
ननजागुड के उपनगर	300	अगस्त, 80	अक्तूबर, 81
अवलहल्ली	500	अगस्त, 80	नवम्बर, 1981
11. केरल तथा माहे			
एडाप्पल तथा थिएयन-गुडी	1,050	1980-81	जनवरी, 1981
कोट्टकल त्रिवेन्द्रम जिला	500	सितम्बर, 80	मई, 1981
12. मध्य प्रदेश			
औद्योगिक सम्पदा देवास	3,500	1980-81	1980-81
बिलासपुर (लाल खदान, महिन) तथा सारनी	2,900	मई, 1980	अगस्त, 1981
मघेर	600	मई, 1980	कोई अनुमान नहीं लगाया गया
कोरबा, कमोर, नीमच तथा रायपुर औद्योगिक सम्पदा	5,400	जून, 1980	कोई अनुमान नहीं लगाया गया
13. महाराष्ट्र तथा गोवा			
किर्लोसकर वाडी, बालचन्दनगर तथा औगलवाडी	8,700	1980-81	जून, 1981
सतारा उपनगर, पालघेन तथा पालघर	7,600	1980-81	जुलाई, 1981
खोपोली	5,000	1980-81	सितम्बर, 1981
चन्द्रपुर	3,000	1980-81	मार्च, 1981
अचलपुर	2,100	मई, 1980	सितम्बर, 1981
कानहन तथा कापठी	2,500	मई, 1980	1980-81
देवलाली छावनी तथा सांगली तथा मिराज के आस पास के क्षेत्र	900	जुलाई 1980	अक्तूबर, 1981
14. मेघालय	—	—	—
15. नागालैण्ड			
टिज़ी	1,000	अगस्त, 1980	मई 1981
16. उड़ीसा			
भगतपुर तथा नजवर	3,000	1980-81	1980-81
पारा दीप	2,000	जून, 80	मई, 81
बारागढ़ (टोरा)	2,000	जून, 80	जुलाई, 81
बोलपाहर तथा कलुग	7,500	अगस्त, 80	अगस्त, 81
लटकटा तथा मुनोबवा	5,800	अगस्त, 80	सितम्बर, 81
17. पांडीचेरी	—	—	—

1	2	3	4
18. पंजाब			
बरनाला, मण्डी गोबिन्दगढ़	1,900	1980-81	मार्च, 81
गिद्दरबाहा तरन तार	30	1980-81	मार्च, 81
होशियारपुर	1,200	जुलाई, 80	मार्च, 81
19. राजस्थान			
सिरमी	150	अगस्त, 80	कोई अनुमान नहीं लगाया गया
20. तमिलनाडु			
कुमरयलायम, सालेम उपनगर, तुवाकुडी तथा तिरुवेरमलूर	11,200	1980-81	जनवरी, 1981
अराकुगानेवी	1,400	1980-81	फरवरी, 1981
कन्याकुमारी उपनगर, बीराबनाल्लूर	800	1980-81	फरवरी, 1981
नानगुनेरी तथा नसरथ	1,900	अगस्त, 80	फरवरी, 1981
श्री विल्लइपुथुर कुड्डालूर, पट्टीवीरम-पट्टी, शिवकाशी उप-नगर, तथा राज्य-पलायम उप नगर	4,000	नवम्बर, 80	मार्च, 1981
21. त्रिपुरा			
बादरघाट	800	1980-81	कोई अनुमान नहीं लगाया गया
22. उत्तर प्रदेश			
डाल्ला	1,500	30-9-80	अगस्त, 81
सोहवाल सहित फैजाबाद	3,150	31-12-80	अगस्त, 81
बुलन्दशहर तथा आजमगढ़	1,650	31-12-80	सितम्बर, 81
23. पश्चिमी बंगाल			
आसनसोल तथा रानीगंज	2,300	मार्च, 80	मार्च, 81
कासिम बाजार, बहरामपुर, मौजा सगुमा	2,600	अगस्त, 80	सितम्बर, 81
अशोकनगर तथा रूप-नारायणपुर	7,000	सितम्बर, 80	जून, 81

परिशिष्ट 2

31 मार्च, 1982 तक योजना के अंतर्गत आने वाले तथा 31-12-1980 तक योजना के अंतर्गत आये कर्मचारियों की संख्या:—

क्षेत्र	31-12-80 तक योजना के अन्तर्गत आये कर्मचारियों की संख्या	योजना के अन्तर्गत लाये जाने वाले कर्मचारी	व्याप्ति नियोजित तारीख 1980-81	1981-82
1. आन्ध्र प्रदेश				
1. कार्यान्वित क्षेत्र	2,40 000			
2. गैर कार्यान्वित क्षेत्र कोट्टागुडम पालोंचा तथा रामावरम कोथावरी पल्लीगांव (मदनपल्ली स्पिनिंग मिल लिमिटेड)		4,500	1980-81	
निजामाबाद तथा इद्दा जीडिमेटला		1,500		सितम्बर, 81
2. असम				
1. कार्यान्वित क्षेत्र	32,000			
2. गैर कार्यान्वित क्षेत्र सिल्चर, जगीरोड,		900		सितम्बर, 81
बोंकाजन तथा बोनगईगांव		1,700		दिसम्बर, 81
3. बिहार				
1. कार्यान्वित क्षेत्र	1,40,000			
2. गैर कार्यान्वित क्षेत्र फतुहा, डुमरांओ, तथा बोकारो (हजारीबाग)		3,500	1980-81	
आदित्यपुर फेस—2 सिकपानी आनी टिपुडाना		5,100	मार्च, 1981	
बोकारो इस्पात नगर (धनबाद) तथा मुजफ्फरपुर का बाहरी क्षेत्र		1,200	मार्च, 1981	
4. चण्डीगढ़				
1. कार्यान्वित क्षेत्र	14,300			
5. दिल्ली				
1. कार्यान्वित क्षेत्र	2,65,000			
6. गुजरात				
1. कार्यान्वित क्षेत्र	5,50,000			

क्षेत्र	31-12-80 तक योजना के अन्तर्गत आये कर्मचारियों की संख्या	योजना के अन्तर्गत लाये जाने वाले कर्मचारी	व्याप्ति की नियोजित तारीख	
			1980-81	1981-82
2. गैर-कार्यान्वित क्षेत्र मेहमाना, सीधापुर तथा सुरेन्द्र नगर		7,200	मई, 1981	
नवसारी, ब्रोच तथा सिक्का		11,300	जून, 1981	
थानागढ़, बलसार तथा वीरमगाव		5,200	अगस्त, 1981	
बिल्लीमोरे तथा वापी		9,100	सितम्बर, 1981	
घटधा तथा अंकलेश्वर उद्योग नगर		9,300	अक्तूबर, 1981	
7. हरियाणा				
1. कार्यान्वित क्षेत्र	1,94,000			
2. गैर-कार्यान्वित क्षेत्र				
कुण्डली, राईस धारूहेड़ा		4,000	जनवरी, 1981	
मुरथल, खैरपुर (सिरसा)		1,750	फरवरी, 1981	
हान्सी तथा भिवानी के समीपस्थ क्षेत्र		2,050	मार्च, 1981	
कैथल तथा जिंद		1,650		सितम्बर, 1981
बहलगढ़ रोड तथा जमालपुर		550		अक्तूबर, 1981
8. हिमाचल प्रदेश				
1. कार्यान्वित क्षेत्र	12,00			
2. गैर-कार्यान्वित क्षेत्र परवाणू, मेहटपुर		1,600	जनवरी, 1981	
9. जम्मू और काश्मीर	—	—	—	
10. कर्नाटक				
1. कार्यान्वित क्षेत्र	3,01,300			
2. गैर-कार्यान्वित क्षेत्र रामानगरम		800	1980-81	
तुमकुर रोड तथा माण्डया		1,700	फरवरी, 1981	
कारवर		1,400	मार्च, 1981	
तालागुप्पा तथा नजनगढ़ के उपनगर		750		अक्तूबर, 1981
अबालाहल्ली		500		नवम्बर 1981
रोजगार के नये सैक्टर		22,150		1981-82
11. केरल और माहे				
1 कार्यान्वित क्षेत्र	3,00,000			
2. गैर-कार्यान्वित क्षेत्र कोट्टाकक्कल (मालापुरम तथा एडप्पल)		1,500	जनवरी, 1981	
तिरूअनगाडी		50	जनवरी, 1981	
तिरुवल्ला		200	मार्च, 1981	
कोट्टाकक्कल (त्रिवेन्द्रम जिला)		500		मई, 1981
अठोली		250		जून, 1981
3. रोजगार के नये सैक्टर	4,700			
12. मध्य प्रदेश				
1. कार्यान्वित क्षेत्र	1,60,500			
2. गैर-कार्यान्वित क्षेत्र देवास तथा औद्योगिक सम्पदा		3,500	1980-81	
लाल खदान (बिलासपुर) सहित सारनी		2,900		अगस्त, 1981
13. महाराष्ट्र और गोवा				
1. कार्यान्वित क्षेत्र	14,90,300			
2. गैर-कार्यान्वित क्षेत्र चन्द्रपुर कानहन तथा काम्पटी		5,500	1980-81	
किर्लोस्करवाडी, वालचन्दनगर तथा मोगलवाडी		8,700		जून, 1981
सतार उपनगर, पनवेल तथा पालघर		7,600		जुलाई, 1981
खोपोली तथा अचलपुर		7,100		सितम्बर, 1981
दिवलाली छावनी तथा सांगली तथा मिराज के निकटवर्ती क्षेत्र		900		अक्तूबर 1981
14. मेघालय				
1. कार्यान्वित क्षेत्र	1,000	—	—	—
15. नागालैण्ड				
1. गैर कार्यान्वित क्षेत्र		1,000		दिसम्बर, 1981

क्षेत्र	31-12-80 तक योजना के अन्तर्गत आये कर्मचारियों की संख्या	योजना के अन्तर्गत लाये जाने वाले कर्मचारी	व्याप्ति की नियोजित तारीख 1980-81	1981-82
16. उड़ीसा				
1. कार्यान्वित क्षेत्र	1,09,000			
2 गैर-कार्यान्वित क्षेत्र भगतपुर तथा मलचर		3,000	1980-81	.
पारादीप, भुवनेश्वर के समीपस्थ क्षेत्र		3,000		मई, 81
बारगढ़ (टोरा)		2,000		जुलाई, 81
बेलफर तथा कसुग		7,500		अगस्त, 81
लठकय तथा सुनाबेड़ा		5,800		सितम्बर, 81
17. पांडिचेरी				
1. कार्यान्वित क्षेत्र	15,000			
18. पंजाब				
1. कार्यान्वित क्षेत्र	1,67,000			
2. गैर कार्यान्वित क्षेत्र मलारकोटला की विस्तारित नगरपालिका सीमाएं		800	दिसम्बर, 80	
अमृतसर समीपस्थ क्षेत्र तथा बाकेरपुर		1,500	मार्च, 81	
होशियारपुर, बरनाला, मंडी गोबिन्दगढ़, सिद्दरबाहा तथा तरनतारन		3 400	मार्च, 81	
19. राजस्थान				
1. कार्यान्वित क्षेत्र	1,32,000			
2 गैर-कार्यान्वित क्षेत्र गांधेलनगर, नारायण तथा विजय नगर		1,900		जून, 81
चित्तौड़ गढ़		600		दिसम्बर, 81
20. तमिलनाडु				
1. कार्यान्वित क्षेत्र	4,50,300			
2. गैर-कार्यान्वित क्षेत्र				
कमारापलायम, सलेम उपनगर, आराकुगानेरी, शुत्राकुडी तथा चिदरमपुर		12,600	जनवरी, 81	
कन्याकुमारी उपनगर, वाराववनाल्लूर नान-गुनेरी तथा नसारथ		2,700	फरवरी, 81	
श्री विल्लीपुत्तुर कुड्डालोर, पट्टीवरमपट्टी, शिवाकाशी उपनगर तथा राजापालायम उपनगर		4,000	मार्च, 81	
रोजगार के नये क्षेत्र		30,000		दिसम्बर, 81
21. त्रिपुरा		—	—	—
22. उत्तर प्रदेश				
1. कार्यान्वित क्षेत्र	4,45,900			
2 गैर-कार्यान्वित क्षेत्र मनीपुर, हल्द्वानी तथा काठगोदाम,		1,700	1980-81	
हरदुआगंज		3,000	जनवरी 81	
खमरिया तथा कबरा		3,700	मार्च, 81	
जल्ला तथा मोहनवाल सहित फैजाबाद		3 150		अगस्त, 1981
बुलंदशहर तथा आजमगढ़		1,650		सितम्बर, 1981
23. पश्चिमी बंगाल				
1. कार्यान्वित क्षेत्र	9,85,000			
2. गैर-कार्यान्वित क्षेत्र				
आसनसोल तथा रानीगंज		23,000	मार्च 1981	
कुठ तथा दुर्गापुर		61,500	मार्च, 1981	
जेकेनगर तथा रूपनारायणपुर, कोमि मबाजार, बरहामपुर		7,000		जून, 1981
मौजाकुलिया तथा मौजा सागुना		2,500		सितम्बर, 1981
जोड़	60,07,100	3,25,200(क)		

(क) दिनांक 1-1-1981 से 31-3-1981 तक की अवधि के दौरान योजना के अंतर्गत लाये जाने संभावित 1,58,600 अतिरिक्त कर्मचारी शामिल हैं।

परिशिष्ट-III

31-3-80 व 31-3-1981 की स्थिति के अनुसार तथा 31-3-1982 को संभावित स्थिति के अनुसार कर्मचारी राज्य बीमा निगम के स्टाफ की स्थिति का सूचक विवरण :

क्रम सं०	पद नाम	कर्मचारियों की संख्या		
		31-3-80 की स्थिति के अनुसार	31-3-81 की स्थिति के अनुसार	31-3-82 की स्थिति के अनुसार
1	2	3	4	5
1.	महानिदेशक	1	1	1
2.	बीमा आयुक्त	1	1	1
3.	वित्तीय सलाहकार तथा मुख्य लेखा अधिकारी	1	1	1
4.	चिकित्सा आयुक्त	1	1	1
5.	बीमाकक	1	1	1
6.	निदेशक (प्रशासन)	1	1	1
7	संयुक्त बीमा आयुक्त/ क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड-1	7	7	8
8.	निदेशक (सं० एवं प०/ क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड-2/ निदेशक (प्रशिक्षण)/सत-र्कता/उप वित्तीय सलाहकार	8	10	13
9.	(क) क्षेत्रीय उप चिकित्सा आयुक्त/ उप चिकित्सा आयुक्त	6	6	6
	(ख) चि० निर्देशक/वरिष्ठ चिकि-त्सा अधिकारी	42	42	98
10.	प्रशासन अधिकारी/उप बीमा आयुक्त/क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड-3/उप मुख्य लेखा अधिकारी/संयुक्त क्षेत्रीय निदेशक/सतर्कता अधिकारी/सहायक बीमाकक	24	24	125
11.	क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड-4/ उप प्रशासन अधिकारी/ सहायक बीमा आयुक्त/ उप क्षेत्रीय निदेशक/ सहायक निदेशक/लेखा अधिकारी	97	99	35
12.	सहायक क्षेत्रीय निदेशक/ प्रबन्धक ग्रेड-1/उप लेखा अधिकारी/अनुभाग अधिकारी/हिंदी अधि-कारी	211	224	258
13.	बीमा निरीक्षक/लेखा-परीक्षा निरीक्षक/उप प्रबंधक ग्रेड-2 (सं० व० प०)	796	809	827
14.	महानिदेशक के निजी सचिव	1	1	1
15.	प्रबंधक ग्रेड-3/सहायक/ प्रधान लिपिक/प्रधान लिपिक खजांची	873	886	990
16	वैयक्तिक सहायक	31	32	33
17.	तकनीकी सहायक	1	1	1
18.	कलाकार	1	1	1
19.	रखवाल	1	1	1
20.	पुस्तकालय अध्यक्ष	1	1	1
21.	स्वागती	1	1	1
22.	उच्च श्रेणी लिपिक/उ० श्रे० लि० खजांची/प्रभारी उ० श्रे० लिपिक	2906	3195	3285
23.	आशुलिपिक	102	106	139
24.	संगणक	1	4	4
25.	निम्न श्रेणी लिपिक/ एडीमा आपरेटर/टैलि-फोन आपरेटर टेलेक्स आपरेटर	3133	3060	3164
26.	गस्टेटनर आपरेटर	7	7	7
27.	स्टाफ कार ड्राइवर	20	20	20
28.	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचर	1	1	1
29.	जमादार	1	1	1
30.	रिकार्ड सीटर/दफ्तरी सलैक्शन ग्रेड दफ्तरी	970	1062	1092
31.	चपरासी	927	916	1003
32.	चौकीदारी	42	43	43
33.	फराश	49	49	50
34.	सफाई कर्मचारी	53	53	54
35.	माली	6	6	6
36.	लिफ्टमैन	3	3	3
37.	सहायक इंजीनियर	3	3	3
38.	कनिष्ठ इंजीनियर	4	4	4
	जोड़	10337	10684	11194
	(1) चिकित्सा कार्मिक	48	48	104
	(2) अन्य कार्मिक	10289	10636	11090

परिशिष्ट 4

1981-82 के बजट प्राक्कलनों में "भत्ते तथा मानदेय" शीर्ष के अन्तर्गत धन-व्यवस्था की गई राशि के ब्यौरे

भत्ते/मानदेय का स्वरूप	प्रधान अधिकारी	अन्य अधिकारी	लिपिक वर्गीय स्थापना	ग्रुप "घ" स्टाफ
				(लाख रुपयों में)
क—प्रशीक्षण				
1 यात्रा व्यय	1.41	4.72	9.50	0.65
2 महंगाई भत्ता	0.24	21.02	1,62.33	25.20
3. मकान किराया भत्ता	0.42	5.50	37.35	6.96
4. नगर प्रतिकर भत्ता	0.40	1.83	9.68	1.77
5. प्रैक्टिस धंदी भत्ता	0.05	1.80	—	—
6. चिकित्सा खर्चों की प्रतिपूर्ति	—	0.65	16 35	4.65
7. अन्य मदें	—	2.25	8.08	1.72
जोड़—भत्ते तथा मानदेय	2.16	37.77	2,43.29	40.95
ख—फील्ड कार्य				
1. यात्रा भत्ता	—	0.60	0.85	0.45
2. महंगाई भत्ता	—	8.60	1,52.10	29.09
3. मकान किराया भत्ता	—	1.98	33.20	4.65
4. नगर प्रतिकर भत्ता	—	0.62	6.72	1.05
5. चिकित्सा खर्चों की प्रतिपूर्ति	—	0.45	10.00	2.15
6. अन्य मदें	—	0.65	6.90	1.36
जोड़—भत्ते तथा मानदेय	—	12.90	2,09.85	38.75

परिशिष्ट 5

क० रा० बी० योजना के विस्तार के लिये परिप्रेक्ष्य योजना

क० रा० बी० अधिनियम, 1948 विद्युत शक्ति का प्रयोग करने वाले उन गैर मौसमी कारखानों के कामगारों पर लागू होता है जिनमें 20 या इससे अधिक व्यक्ति कार्य करते हैं तथा 1,000 रुपये मासिक तक पारिश्रमिक लेने वाले कर्मचारी इसके अन्तर्गत आते हैं। 1972 में गठित निगम की परिप्रेक्ष्य योजना समिति की सिफारिशों के अनुसरण में योजना का स्थापनाओं के नये वर्गों, यानी 10 से 19 व्यक्तियों वाले विद्युत शक्ति का प्रयोग कर छोटे कारखानों, 20 या अधिक व्यक्तियों वाले विद्युत शक्ति का प्रयोग न कर रहे कारखानों 20 या अधिक व्यक्तियों वाली दुकानों तथा सिनेमाओं और पूर्वदर्शन थियेटरों, होटलों तथा रेस्तराओं, सड़क मोटर परिवहन तथा समाचार पत्र स्थापनाओं पर भी विस्तार करने की कार्रवाई की जा रही है। परिप्रेक्ष्य योजना समिति ने योजना का विस्तार तीन चरणों में करने की सिफारिश की थी यानी (1) पहले चरण में कारखाना अधिनियम के अधीन संगठित सैक्टरों में सभी कारखाने तथा दुकानें, वाणिज्यिक तथा संबद्ध स्थापनाएं जिनमें 20 या अधिक व्यक्ति काम करते है (2) दूसरे चरण में संगठित खानें तथा चाय, काफी और रबर बागान, और (3) तीसरे चरण में रोजगार के असंगठित तथा अर्ध-संगठित सैक्टर जिनके बारे में सही सांख्यिकीय आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

2. लेकिन वास्तविक तथा वित्तीय साधनों की उपलब्धि के संबंध में राज्य सरकारों की कठिनाईयों के कारण गैर कार्यान्वित क्षेत्रों के कारखानों तथा पहले चरण में शामिल की गई स्थापनाओं के उपरिलिखित नये वर्गों पर योजना के विस्तार में परिप्रेक्ष्य योजना समिति द्वारा सिफारिश किए गए चरणबद्ध कार्यक्रम के अनुसार प्रगति नहीं हुई है। राज्य सरकारें चिकित्सा व्यवस्था करने में असमर्थ होने के कारण निगम द्वारा तैयार किये गए वार्षिक चरणबद्ध कार्यक्रम के अनुसार योजना को कार्यान्वित भी नहीं कर पाई हैं। परिप्रेक्ष्य योजना समिति द्वारा उस समय योजना के अन्तर्गत लाये जाने के लिए अनुमानित गैर कार्यान्वित क्षेत्रों के कारखाना सैक्टर के लगभग 7 लाख कर्मचारियों तथा छोटे कारखानों तथा नये सैक्टरों के लगभग 13 लाख कर्मचारियों में से अभी तक कारखाना सैक्टर के लगभग 3 लाख कर्मचारी तथा नये सैक्टरों के लगभग 7 लाख कर्मचारी योजना के अन्तर्गत लाये गए हैं:

नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कारखाना सैक्टर के लगभग 8.58 लाख कर्मचारियों तथा नये सैक्टरों, यानी छोटे कारखानों, दुकानों तथा अन्य संबद्ध वाणिज्यिक स्थापनाओं के लगभग 6 लाख कर्मचारियों को अभी योजना के अन्तर्गत लाया जाना है। यह उल्लेखनीय है कि गैर कार्यान्वित क्षेत्रों के कारखाना सैक्टर में योजना के अन्तर्गत न लाये गये कर्मचारियों में से अधिकांश तेल शोधक कारखानों, भारी इंजीनियरी निगम, इस्पात संयंत्र, टिस्को तथा इस्को, उर्वरक संयंत्र, भारत हैवी इलैक्ट्रीकल्स आदि जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों के कर्मचारी हैं जिनके बारे में श्रमिकों द्वारा योजना के विस्तार का विरोध किए जाने के कारण उनपर योजना के विस्तार की बहुत कम संभावना दिखाई देती है क्योंकि बिना किसी अंशदान के वे पहले ही काफी अच्छे स्तर के चिकित्सा तथा अन्य हितलाभ प्राप्त कर रहे बताए जाते है।

खानों पर योजना के विस्तार के लिये क० रा० बी० अधिनियम में संशोधन करना आवश्यक है। खान तथा बागान के कर्मचारियों को नियोजकों से निःशुल्क काफी अच्छे स्तर की चिकित्सा देखरेख उपलब्ध होने के कारण परिप्रेक्ष्य योजना समिति की सिफारिश के अनुसार केवल नकद हितलाभ देने की दृष्टि से इन पर भी योजना के विस्तार के लिए मौजूदा योजना में संशोधन करना आवश्यक है।

3. क० रा० बी० अधिनियम में संशोधनों पर विचार करने के लिए गठित उच्चाधिकार उप-समिति ने भी 1978 वर्ष में चीनी तथा अन्य मौसमी उद्योगों पर योजना का विस्तार करने तथा मौसमी व कृषि कामगारों के उपयुक्त हितलाभ तथा अंशदानों की उचित योजना तैयार करने, चीनी तथा अन्य मौसमी उद्योगों में स्थायी कर्मचारियों पर योजना का विस्तार करने तथा व्याप्ति के लिए मजदूरी की मौजूदा 1000/- रुपये की अधिकतम सीमा को बढ़ाकर 1600/- रुपये मासिक करने के संबंध में सिफारिशें की थी। अधिनियम में आवश्यक संशोधन करने के लिए रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार के विचाराधीन है। इस दौरान श्रम मंत्रालय ने उन महानगरों में जहां क० रा० बी० योजना लागू है, भवन निर्माण श्रमिकों पर (जो अर्ध संगठित/असंगठित सैक्टरों के अन्तर आते हैं)। योजना का विस्तार करने के प्रस्ताव को सिद्धांत रूप से मान लिया है। अधिनियम के अन्तर्गत इन कामगारों पर योजना का विस्तार करने के लिए "समुचित सरकारें" होने के नाते राज्य सरकारों से इन कामगारों पर योजना का यथासीघ्र विस्तार करने के संबंध में विचार करने का निवेदन किया गया है। लेकिन वास्तविक विस्तार राज्य सरकारों के निर्णयों पर निर्भर करता है।

4. जहां तक कृषि कामगारों पर सामाजिक सुरक्षा के विस्तार का संबंध है, मौजूदा क० रा० बी० योजना इन कामगारों के लिये उपयुक्त नहीं है तथा कृषि जनसंख्या की सामाजिक आर्थिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तथा उनकी स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप ग्रामीण कामगारों के लिये उपयुक्त योजना तैयार करनी होगी। इस प्रयोजन के लिये भारत सरकार के श्रम मंत्रालय ने ग्रामीण असंगठित श्रमिकों की सामाजिक आर्थिक स्थिति सुधारने के लिये विभिन्न प्रशासनिक तथा कानूनी उपायों पर सलाह के लिये कामगार तथा नियोजक संगठनों, केन्द्रीय मंत्रालयों तथा विभागों, राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों और देश में कृषि कामगारों के कल्याण कार्यों में लगी तथा उनसे संबद्ध संस्थाओं /संगठनों के प्रतिनिधियों तथा सामाजिक कामगारों आदि की एक केन्द्रीय स्थायी समिति गठित की है। समिति विशेष रूप से रोजगार की सुरक्षा, कार्य के घंटे, मजदूरी की अदायगी, सामाजिक सुरक्षा योजना आदि के संबंध में और ग्रामीण कामगारों पर सामाजिक सुरक्षा कानून सहित मौजूदा श्रम कानूनों के उपबन्धों का विस्तार करने के उद्देश्य से उनमें संशोधन तथा परिवर्धनों का भी

सुझाव देने के संबंध में अन्य बातों के अलावा ग्रामीण कामगारों, खासतौर पर कृषि कामगारों के हितों की रक्षा के लिए प्रस्तावित केन्द्रीय कानून में संबंधित मामलों पर सलाह देगी । इस समिति की सिफारिशों की प्रतीक्षा है ।

5 इस प्रकार उपरिलिखित मामलों पर निर्णय हो जाने के बाद ही वास्तविक पंचवर्षीय परिप्रेक्ष्य योजना बनाई जा सकती है । यह भी आवश्यक है कि राज्य सरकारें स्थापनाओं के नये वर्गों/कामगारों पर योजना का विस्तार करने के लिये सिद्धान्त रूप में सहमत हों । अतः फिलहाल नए क्षेत्रों तथा नए सैक्टरों पर योजना के विस्तार के लिये वार्षिक योजनाएं संबंधित राज्य सरकारों के परामर्श से एक समय में दो वर्षों यानी चालू वित्तीय वर्ष तथा अगले वित्तीय वर्ष के लिए तैयार की जा रही हैं । यह उल्लेखनीय है कि छठी पंचवर्षीय योजना के दौरान निगम का उद्देश्य 10 लाख अतिरिक्त कामगारों पर योजना का विस्तार करना है ।

परिशिष्ट 6

प्रति व्यक्ति आय व्यय का सूचक विवरण
प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी राशि

वर्ष	अंशदान आय	राजस्व लेखे में व्यय (पूंजीगत निर्माण तथा आपात आरक्षित निधियों में अन्तरित राशियों को छोड़कर)	अन्तर
1	2	3	4
	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)
1970-71	123	117	6
1971-72	131	118	13
1972-73	145	101	41
1973-74	153	121	32
1974-75	146	125	21
1975-76	162	141	21
1976-77	236	151	85
1977-78	239	177	62(क)
1978-79	258	207	51
1979-80	271	234	37
1980-81	293	273	20(ख)
1981-82 (प्राक्कलन)	302 (प्राक्कलन)	284	18

(क) 31-3-1974 की स्थिति के अनुसार मूल्यांकन में बताए गए स्थाई अपंगता हितलाभ और आश्रितजन हितलाभ की बाबत अधिशेष राशि 1977-78 वर्ष के व्यय (पूंजीकृत मूल्य) में समायोजित की गई है । यदि अधिशेष राशि का समायोजन किए बिना 1977-78 वर्ष के वास्तविक पूंजीकृत मूल्य को लिया जाए तो प्रति व्यक्ति व्यय में लगभग 5 रुपये की वृद्धि हो जाएगी जिससे प्रति व्यक्ति अन्तर 62 रुपये से घटकर 57 रुपये रह जाएगा ।

(ख) दिनांक 1-4-1980 से हुई अपंगता या मृत्यु की स्थिति में स्थायी अपंगता हितलाभ तथा आश्रितलाभ के मामलों के संबंध में मंजूर की गई वृद्धि से संबंधित 4,50 00 लाख रुपये के एक मुश्त समायोजन का व्यय भार शामिल नहीं है ।

परिशिष्ट-7क

1980-81, 1981-82, 1982-83 तथा 1983-84 वर्षों के दौरान प्रत्याशित अनुमानित प्रति व्यक्ति राजस्व आय

	1979-80 (वास्तविक आंकड़े)	1980-81	1981-82	1982-83	1983-84
प्रति व्यक्ति आय (रुपयों में)					
1 अंशदानों से आय	271	293	302	311	320
	(मजदूरी में वृद्धि के परिणामस्वरूप 1981-82, 1982-83 तथा 1983-84 के दौरान 3 प्रतिशत वृद्धि दर)				
2 गैर-निर्धारित आरक्षित निधियों (आपात आरक्षित निधि तथा सामान्य रोकड़ शेष का निवेश) पर ब्याज से आय इसमें पुनर्निवेश योजना के अन्तर्गत निवेशों पर संचित ब्याज शामिल है जो वास्तव में जमा की परिपक्वता पर अदा किया जायेगा ।	37	30	31	38	42
3 राज्य सरकारों से वसूलियां					
(क) चिकित्सा देखरेख पर व्यय में दिल्ली प्रशासन का शेयर तथा उन राज्य सरकारों से मुआवजा जहां बीमारी हितलाभ का व्यय भार अखिल भारतीय औसत से अधिक है ।	2	6	6	6	6
(ख) क० रा० बी० अस्पताल तथा औषधालय भवनों का किराया प्रति व्यक्ति कुल आय	306	335	349	362	376

परिशिष्ट-7

1980-81, 1981-82, 1982-83 तथा 1983-84 वर्षों के दौरान प्रत्याशित अनुमानित प्रति व्यक्ति राजस्व व्यय

प्रति व्यक्ति व्यय (रुपयों में)	1979-80 (वास्तविक आंकड़े)	1980-81	1981-82	1982-83	1983-84
1. पूंजीगत निर्माण तथा आपात आरक्षित निधियों में अंतरित राशि को छोड़कर राजस्व लेखे में व्यय	234	273	284	298	314
2. अंशदान आय पर 10 प्रतिशत की दर से पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि में अंतरित राशि	27	29	30	31	32
3 आपात आरक्षित निधि में अंतरित राशि	5	2	3	3	3
4 निम्नलिखित मदों पर अतिरिक्त व्यय					
(क) कर्मचारी अंशदान की अदायगी के लिये छूट सीमा को 2/-रु० दैनिक मजदूरी ग्रुप से बढ़ाकर 6 रु० से कम दैनिक मजदूरी ग्रुप करना					
(ख) अशक्तता हितलाभ					
(ग) अन्त्येष्टि व्यय की प्रतिपूर्ति	—	—	7	12	15
योजना में प्रति व्यक्ति कुल राजस्व व्यय	266	304	326	347	367

कर्मचारी राज्य बीमा निगम का 1981-82 वर्ष का निष्पादन बजट

भूमिका

कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 ही भारत के सामाजिक बीमा कानून का ऐसा अंग है जो औद्योगिक कामगारों के कुछ वर्गों को बीमारी, प्रसूति तथा रोजगार चोट की आकस्मिकताओं में हितलाभों की व्यवस्था करता है।

व्याप्ति

2 कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 उन सभी बेमौसमी कारखानों पर लागू होता है जिनमें विद्युत शक्ति का प्रयोग होता है तथा 20 या अधिक व्यक्ति मजदूरी पर काम करते हैं। यह योजना चरणबद्ध रीति से क्षेत्रवार कार्यान्वित की जा रही है। योजना को स्थापनाओं के नए वर्गों यानी विद्युत शक्ति का प्रयोग करने वाले कारखाने जिनमें 10 से 19 व्यक्ति काम करते हैं तथा विद्युत शक्ति का प्रयोग न करने वाले कारखाने, दुकानें पूर्वदर्शन थियेटर सहित सिनेमा, होटल, रेस्तरां, सड़क मोटर परिवहन उपक्रम तथा समाचार पत्र संस्थापनाएं जिनमें 20 या अधिक व्यक्ति काम करते है, पर भी विस्तार किया जा रहा है।

उपरलिखित कारखानों तथा संस्थापनाओं में नियुक्त ऐसे कर्मचारी अधिनियम के अंतर्गत आते है जिनकी मजदूरी 1,000 रुपये मासिक से अधिक नहीं है।

योजना के मुख्य उद्देश्य

3. निगम बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को निम्नलिखित हितलाभों की व्यवस्था करता है:

(1) **चिकित्सा हितलाभ**—

चिकित्सा देख-रेख की व्यवस्था कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल तथा औषधालयों के माध्यम से की जाती है।

(2) **नकद हितलाभ**

1. जब कोई बीमाकृत व्यक्ति बीमार होता है तो बिमारी हितलाभ।
2. बीमाकृत महिला कामगारों के लिए सूति हितलाभ।
3. रोजगार के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो जाने वाले बीमाकृत व्यक्तियों को अस्थायी/स्थायी अपंगता हितलाभ।
4. रोजगार चोट के कारण मृत्यु हो जाने वाले बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों को आश्रितजन हितलाभ।
5. मृत बीमाकृत कामगार के परिवार के सदस्यों या नजदीकी सम्बंधी को उसका अंतिम संस्कार करने के लिए अन्त्येष्टि हितलाभ।

हितलाभों की मात्रा नीचे पैरा 12.2 में दी गई है।

जहां कहीं कर्मचारी राज्य बीमा योजना कार्यान्वित की गई है, नियोजक कर्मकार मुआवजा अधिनियम, 1923 और प्रसूति अधिनियम, 1961 के अंतर्गत अपने दायित्व से मुक्त हो जाते है।

प्रशासन

4. कर्मचारी राज्य बीमा योजना कर्मचारी राज्य बीमा निगम नामक निगमित निकाय द्वारा चलाई जाती है जिसमें नियोजकों, कर्मचारियों केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों, चिकित्सा व्यवसाय तथा संसद का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य होते है। निगम के सदस्यों में से गठित एक स्थायी-समिति योजना के प्रशासन में कार्यकारी निकाय के रूप में काम करती है। चिकित्सा हितलाभों की व्यवस्था में संबंधित मामलों में निगम को सलाह देने के लिए एक चिकित्सा हितलाभ बोर्ड भी है।

दिल्ली को छोड़कर अन्य राज्यों में कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत चिकित्सा देख-रेख की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है। दिल्ली में निगम स्वयं चिकित्सा देख-रेख की व्यवस्था करता है।

वित्त

5. कर्मचारी राज्य बीमा योजना के लिए नियोजकों तथा कर्मचारियों के अंशदानों द्वारा धन की व्यवस्था की जाती है। कर्मचारियों द्वारा दिए जाने वाले अंशदान की दर 40 पैसे से 3 रु० 75 पैसे तक अलग-अलग है जो उनके संबंधित मजदूरी ग्रुप पर निर्भर करती है। 2 रुपये से कम दैनिक मजदूरी लेने वालों को कोई अंशदान देने की आवश्यकता नहीं है।

नियोजकों का अंशदान मजदूरी का लगभग 4.35 प्रतिशत होता है कर्मचारियों का अंशदान मजदूरी का 2.17 प्रतिशत है। चिकित्सा देख-रेख पर होने वाला व्यय कर्मचारी राज्य बीमा निगम तथा राज्य सरकारों के बीच 7:1 के नये किए गए अनुपात में शेयर किया जाता है। निगम को केन्द्रीय सरकार से कोई वित्तीय सहायता नहीं मिलती।

1980-81 के दौरान योजना का विस्तार :

6. 31 मार्च, 1980 की स्थिति के अनुसार योजना के विस्तार से संबंधित राज्य-वार स्थिति अनुबंध I में दी गई है। 1 अप्रैल, 1980 से 31 दिसम्बर, 1980 तक की अवधि के दौरान 0.24 लाख और कर्मचारियों पर योजना का विस्तार किया गया है। 0.27 लाख और परिवार (बीमाकृत व्यक्ति) इकाइयों के लिए चिकित्सा देख-रेख का भी विस्तार किया गया है। 31 दिसम्बर, 1980 को योजना के अंतर्गत आए कर्मचारियों की कुल संख्या 60.07 लाख थी। चिकित्सा हित लाभ के लिए लाभाधिकारियों की कुल संख्या 2,67 35 लाख है जिसमें बीमाकृत व्यक्ति और उनके परिवार के सदस्य भी शामिल है।

1981-82 के बजट प्राक्कलनों के परिशिष्ट 5 (इस खंड में) से स्पष्ट होगा कि छठी पंचवर्षीय योजना के दौरान अधिक सैक्टरों पर योजना के आगे विस्तार पर ध्यान दिया जा रहा है राज्य सरकारों से उपयुक्त कदम उठाने का निवेदन किया गया है ताकि निकट भविष्य में सभी पात्र कर्मचारियों को शामिल किया जा सके।

7. नीचे तालिका में निष्पादन और किए गए कार्य के सांख्यिकी आंकड़े दिए गए है —

सूचना का स्वरूप	1979-80 (वास्तविक आंकड़े)	1980-81 (परिशोधित प्राक्कलन)	1981-82 (बजट प्राक्कलन)
1. केन्द्रों की संख्या	395	418	448
2 योजना के अंतर्गत आए कर्मचारियों की संख्या	59 83 लाख	61.66 लाख	63.32 लाख
3. चिकित्सा देख-रेख के हकदार बीमाकृत व्यक्तियों की संख्या	68 50 लाख	70 73 लाख	72 54 लाख
4 परिवार के सदस्यों की संख्या जिनके लिए चिकित्सा देखरेख का विस्तार किया गया है			
(क) बीमाकृत व्यक्तियों को छोड़कर	1,97, 28 लाख	2,03 70 लाख	2,08 95 लाख
(ख) बीमाकृत व्यक्तियों को मिलाकर	2,65 78 लाख	2,74 43 लाख	2,81 49 लाख
5. निर्माण किए गए अस्पताल तथा औषधालयों की संख्या	101	117	126
6. (क) बिस्तरों की संख्या (सरकारी तथा अन्य मान्यता प्राप्त अस्पतालों में आरक्षित बिस्तरों सहित)	19,537	21,287(*)	22,941
(ख) निर्माणाधीन बिस्तरों की संख्या	3,502	3,120 (30 सितम्बर, 1980 को)	4,359
7. (क) औषधालयों की संख्या	1,030	1,080	1,130
(ख) पैनल क्लीनिकों की संख्या	4,734	अनुमान नहीं लगाया गया	
(ग) विशेषज्ञ केन्द्रों की संख्या	236	अनुमान नहीं लगाया गया	
8. इलाज किए गए रोगियों की संख्या			
अस्पताल में दाखिल किए गए मामलों की संख्या	3.15 लाख	3 64 लाख	4 05 लाख
औषधालयों में उपस्थिति (बीमाकृत व्यक्ति और परिवार सदस्य दोनों)			
(1) नए मामले	2,90 86 लाख	3,17.00 लाख	3,32 00 लाख
(2) पुराने मामले	5,79 72 लाख	6,28 00 लाख	6,55.00 लाख
9. नकद भत्ता प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की संख्या (यानी रोजगार क्षति हितलाभ के पात्र कर्मचारियों की संख्या)	59.83 लाख	61 66 लाख	63.32 लाख
10. पेंशन प्राप्त करने वाले आश्रितजनों की संख्या (यानी आश्रितजन हितलाभ के लाभाधिकारियों की संख्या)	17,102	18,050	19,650
11. कर्मचारीवृन्द (राज्यों में योजना के लिए नियुक्त कर्मचारियों सहित)			
चिकित्सा कार्मिक	22,602	23,729	24,969
अन्य कार्मिक	30,165	31,505	33,002
12 वार्षिक आय	1,69,79.04 लाख रु०	1,91,78.67 लाख रु०	2,02,41.47 लाख रु०
13. वार्षिक राजस्व व्यय	1,59,18 79 लाख रु०	1,88,28.77 लाख रु०	1,96,48.59 लाख रु०
14. भूमि अर्जन तथा कार्यालय/औषधालय/अस्पताल भवनों के निर्माण पर पूंजीगत व्यय			
वर्ष के दौरान	6,63.80 लाख रु०	8,50.00 लाख रु०	8,50.00 लाख रु०
प्रगामी व्यय	72,80.11 लाख रु०	81,30.11 लाख रु०	89,80.11 लाख रु०

(*) इसमें क० रा० बी० अस्पतालों में 15,462 बिस्तर शामिल हैं।

8. 1979-80 वर्ष के परिशोधित प्राक्कलन व वास्तविक आंकड़ों तथा 1980-81 के बजट प्राक्कलन व परिशोधित प्राक्कलन का तुलनात्मक विश्लेषण निम्नलिखित है :—

क्रम सं०	सूचना का स्वरूप	परिशोधित प्राक्कलन 1979-80	वास्तविक आंकड़े 1979-80	अन्तर
1	केन्द्रों की संख्या	403	395(—)	8
2	क योजना के अन्तर्गत आए कर्मचारियों की संख्या	59.50 लाख	59.83 लाख (+)	0.33 लाख
	ख बीमाकृत व्यक्तियों की संख्या	67.47 लाख	68.50 लाख (+)	1.03 लाख
3	परिवार सदस्यों की सं० जिनपर चिकित्सा देखरेख का विस्तार किया गया है	1,94.20 लाख	1,97.28 लाख (+)	3.08 लाख
4	निर्माण किए गए अस्पतालों तथा अनैक्सियों की सं०	105	101(—)	4
5.	अस्पताल बिस्तरों की संख्या	21,874	19,537(—)	2,337
6	औषधालय की संख्या	1,040,	1,030 (—)	10
7	राजस्व आय	1,65,13.19 लाख लाख रु० (ख)	1,69,79.04(+) लाख रु०	465.85(*) लाख रु०
8	राजस्व व्यय	1,59,08.36© लाख रु०	1,59,18.79(+) लाख रु०	10.43 (+) लाख रु०
9.	पूंजीगत व्यय	7,50.00 लाख रु०	6,63.80(—) लाख रु०	86.20 लाख रु०

*वृद्धि आंशिक रूप से अंशदानों की बेहतर अदायगी तथा आंशिक रूप से मजदूरी में वृद्धि से अंशदानों की ऊंची दरों के कारण हुई है।

©वर्ष के लिए अंतिम आबन्टन का सूचक है।

(+) अन्तिम आबन्टना से अधिक राशि 1,52,37.00 लाख रु० की प्रत्याशित अंशदान आय की बजाय अधिक अंशदान आय (1,59,76.04 लाख रुपए) के कारण पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि में किए जाने के लिए अपेक्षित अतिरिक्त धन व्यवस्था के कारण थी

क्रम सं०	सूचना का स्वरूप	बजट प्राक्कलन 1980-81	परिशोधित प्राक्कलन 1980-81	अन्तर
1	केन्द्रों की संख्या	452	418(—)	34 लाख रु०
2.	(क) योजना के अन्तर्गत आए कर्मचारियों की संख्या	62.00 लाख	61.66 लाख (—)	0.34 लाख
	(ख) बीमाकृत व्यक्तियों की सं०	70.10 लाख	79.73 लाख (+)	0.63 लाख
3.	परिवार सदस्यों की सं० जिनपर चिकित्सा देख-रेख का विस्तार किया गया है	2,01.90 लाख	2,03.70 लाख (+)	1.80 लाख
4.	निर्माण किए गए अस्पतालों और अनैक्सियों की सं०	116	117 (+)	3
5.	अस्पताल बिस्तरों की सं०	23,261	21,287(—)	1,974
6.	औषधालयों की सं०	1,090	1,080(—)	10
7.	वार्षिक राजस्व आय	1,71,31.70 लाख रु०	1,91,78.67(+) (क) लाख रु०	20,43.97 लाख रु०
8	वार्षिक राजस्व व्यय	1,64,52.74 लाख रु०	1,88,28.77(ख)(+) लाख रु०	23,76.03 लाख रु०
9.	पूंजीगत व्यय	9,25.00 लाख रु०	8,50.00(—) लाख रु०	75.00 लाख रु०

क वृद्धि मजदूरी में वृद्धि के कारण अंशदान की ऊंची दरों तथा अंशदानों की बेहतर अदायगी के कारण है।

ख. 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलनों में अधिक धन व्यवस्था मुख्य रूप से निम्नलिखित कारणों से है:—

(1) चिकित्सा हितलाभः वृद्धि अप्रैल, 1980 से चिकित्सा देख-रेख पर व्यय की अधिकतम सीमा के परिशोधन के कारण है जिसके लिए बजट प्राक्कलनों में धन व्यवस्था नहीं की गई थी।

(2) हितलाभ अधिक धन-व्यवस्था निम्नलिखित के कारण आवश्यक हो गई है:—

क. बीमारी हितलाभ के मामले में प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी हितलाभ दिन की औसत संख्या तथा बीमारी हितलाभ और अस्थायी अपंगता हितलाभ के मामले में प्रति दिन प्रति कर्मचारी औसत हितलाभ दर में वृद्धि।

ख. दिनांक 1-4-78 से पहले हुए अपंगता या मृत्यु के मामले में दिनांक 1-4-80 से स्थायी अपंगता हितलाभ तथा आश्रितजन हितलाभ की दरों में वृद्धि के कारण आवश्यक होने वाला 4,50.00 लाख रुपये का एकमुश्त समायोजन।

ग. प्रयंगता तथा आश्रितजन हितलाभ की दर में मानक हित लाभ दर के 125 प्रतिशत से 140 प्रतिशत वृद्धि।

(iii) प्रशासनिक खर्चे

क. अतिरिक्त व्यय महगाई भत्ते में वृद्धियों के कारण है।

ख. 1600/- रुपये प्रति मास तक परिलब्धियों लेने वाले कर्मचारियों को 15 दिन की मजदूरी की तदर्थ अदायगी।

ग. दिनांक 1-6-80 से प्रारंभ होने वाले दो वर्ष के ब्लाक मे एक बार एक महीने की छुट्टी का नकद भुगतान।

घ कीमतों में सामान्य वृद्धि के कारण आकस्मिक व्यय तथा अन्य खर्चों पर व्यय में वृद्धि, क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली के लिए एक अलग भवन किराये पर लेना, मरम्मत तथा अनुरक्षण आरक्षित निधि के लिए धन व्यवस्था की दर मे वृद्धि और पेंशन की गणना के प्रयोजनों के लिए मंहगाई वेतन की गणना के कारण पेंशन आरक्षित निधि में अंशदायी पेंशन योजना में आने के लिए विकल्प देने वाले अंशदायी भविष्य निधि योजना के अधिक सदस्य।

कर्मचारी राज्य बीमा योजना के कार्यान्वयन का कार्य मुख्यतया राज्य सरकारों पर निर्भर है। योजना के अन्तर्गत आए कर्मचारियों की संख्या में कमी नए केन्द्रों पर योजना के विस्तार में कमी के परिणाम स्वरूप हुई है।

पूंजीगत व्यय कमी सीमेन्ट इस्पात की कमी के परिणामस्वरूप निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति के कारण है।

अन्य सूचना निम्नलिखित पैरों में दी जा रही है।

9.1 1980-81 के चालू वित्तीय वर्ष तथा 1981-82 के वित्तीय वर्ष के लिए निगम की वित्तीय आवश्यकताएं नीचे दी गई है :—

	1979-80 वास्तविक आकड़े	1980-81 परिशोधित प्राक्कलन	1981-82 बजट प्राक्कलन
क. कार्यक्रम/कार्यकलाप-वार वर्गीकरण			
चिकित्सा हितलाभ	63,59.27	76,25 20	79,98.88
नकद हितलाभ	63,55 23	76,32.33	77,60.46
अन्य हितलाभ	17 32	20.33	22.14
निदेशन, अधीक्षण और फील्ड कार्य	11,37.56	14,18.14	15,38 99
अस्पताल और औषधालय भवनों का मूल्यह्रास, मरम्मत व अनुरक्षण	1,86.77	2,53 86	2,91.90
पूंजीगत निर्माण और आपात आरक्षित निधियों में गैर कार्यकलाप व्यय विनिधान	18,62.64	18,78.91	20,36.22
कुल राजस्व व्यय	1,59,18.79	1,88,28.77	1,96,48.59
भूमि के अर्जन तथा कार्यालय/औषधालय/अस्पताल भवनों के निर्माण पर पूंजीगत व्यय	6,63.80	8,50 00	8,50.00
अन्य पूंजीगत व्यय	—	—	0.60
ख० उद्देश्य-वार वर्गीकरण			
लाभाधिकारियों को चिकित्सा देख-रेख की व्यवस्था पर व्यय	63,59.27	76,25.20	79,80.85
नकद हितलाभों की अदायगी	63,55.23	76,32.33	77,60.46
अन्य हितलाभ	17 32	20.33	22.14
वेतन तथा अन्य प्रशासनिक व्यय			
वेतन	33.40	10,36.45	11,24.91
यात्रा व्यय	24.80	17.74	19.07
लेखन सामग्री तथा फार्म	55.43	73.10	81.25
अंशदान टिकटें	0.14	0.02	0.02
किराए, दर और कर	49.20	63.23	64.00
बीमा न्यायालय तथा कानूनी प्रभार	5 38	5.95	6.45
स्टाफकारों का अनुरक्षण	1 77	2 25	2.50
टाइपराइटर, गणक-मशीन, एड्रिम मशीन, कार्यालय फर्नीचर तथा अन्य उपस्कर की खरीद	9.89	12.94	14.15
प्रचार तथा विज्ञापन	1.38	1.50	1.60
बैंक लेखे रखने के प्रभार	0.99	0.60	0.70
अन्य कार्यालय व्यय	47.87	60.87	67.73
स्टाफ क्वार्टरों सहित कार्यालय भवनो का मूल्यह्रास मरम्मत व अनुरक्षण तथा स्टाफ कारो का मूल्यह्रास	13.65	22.84	30 56
सेवा निवृत्ति लाभ (भविष्य निधियों सहित)	93.65	1,20.65	1,26.05
स्टाफ क्वार्टरों सहित अस्पताल तथा औषधालय भवनों का मूल्यह्रास, मरम्मत और अनुरक्षण	1,86.77	2,53.86	2,91.90
पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि मे विनिधान	15,97.60	17,78.91	18,88.00
आपात आरक्षित निधि में विनिधान	2,65.04	1,00,00	1,48.22
कुल राजस्व व्यय	1,59,18.79	1,88,28.77	1,96,48.59

ख. उद्देश्यवार वर्गीकरण	1979-80 वास्तविक आंकड़े	1980-81 परिशोधित प्राक्कलन (लाख रुपयों में)	1981-82 बजट प्राक्कलन
पूंजीगत निर्माण कार्य			
कार्यालय भवन (स्टाफ क्वार्टरों सहित)	84.78	1,07.92	1,08.19
अस्पताल तथा औषधालय भवन	5,79.02	7,42.08	7,41.81
जोड़—पूंजीगत निर्माण कार्य	6,63.80	8,50.00	8,50.00
अन्य पूंजीगत व्यय			0.60
ग. वित्त का साधन			
राजस्व आय			
नियोजकों तथा कर्मचारियों का अंशदान	1,59,76.04	1,78,20.20	1,88,80.00
भवनों का किराया	3,93.12	1,30.80	1,16.00
निवेशों कर्जों तथा पेशगियों पर ब्याज	1,83.70	4,73.79	5,20.13
अन्य राजस्व आय	1,26.18	1,53.88	3,95.34
जोड़	1,69,79.04	1,91,78.67	2,02,41.47
पूंजीगत व्यय :			
पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि	15,97.60	17,78.91	18,85.00

9.2 निधि अनुलग्नक 11 में मुख्य व्यय शीर्षों के अन्तर्गत अभिव्यक्ति व्यय भार दिखाया गया है।

वित्तीय आवश्यकताओं की व्याख्या.

10. निगम की वित्तीय आवश्यकताओं का मोटे तौर पर निम्नलिखित शीर्षों में वर्गीकृत किया जा सकता है :—

1 चिकित्सा हितलाभ

2 नकद हितलाभ तथा अन्य हितलाभ

3 निदेशन, अधीक्षण तथा फील्ड कार्य।

4. अस्पतालों तथा औषधालयों का मूल्यह्रास, मरम्मत तथा रख-रखाव

5 पूंजीगत निर्माण कार्य

इनके विस्तृत ब्यौरे निम्नलिखित पैरों में दिए गए हैं :—

निश्चित मानकों, मानदण्ड, अधिकतम सीमा तथा सांविधिक दरें हैं जिनके द्वारा निगम का व्यय नियमित किया जाता है।

फरवरी 1980 में हुई बजट तथा लेखा उप समिति तथा स्थायी समिति की बैठकों में विभिन्न सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि क० रा० बी० योजना स्वयं वित्त पोषित सेवा संगठन होने के कारण निगम को यथासम्भव अधिकतम सीमा तक चिकित्सा तथा नकद दोनों हितलाभों में सुधार चाहिए तथा निगम द्वारा प्रशासनिक सेवा में सुधार की ओर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। 1980-81 वर्ष के दौरान निगम ने लाभाधिकारियों को सेवा की क्वालिटि तथा कार्य कुशलता सुधारने की ओर काफी महत्वपूर्ण प्रगति की है। सेवा की कार्य कुशलता में वृद्धि तथा हितलाभों में सुधार निरन्तर प्रक्रिया है।

11.1 चिकित्सा हितलाभ

1 चिकित्सा हितलाभों पर व्यय नीचे दिखाया गया है :—

1979-80 वास्तविक आंकड़े	1980-81 परिशोधित प्राक्कलन (लाख रुपयों में)	1981-82 बजट प्राक्कलन
63,59.27 (इसमें 13,05.24 लाख रुपयों की बकाया अदायगी शामिल है।)	76,25,20 (इसमें 12,53.51 लाख रुपयों की बकाया अदायगी शामिल है।)	79,98.88 (इसमें 10,41.86 लाख रुपयों की बकाया अदायगी शामिल है।)

11.2 दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र के अलावा इस कार्यकलाप पर होने वाला व्यय शुरूआत में राज्य-सरकारों द्वारा किया जाता है जो चिकित्सा योजना का प्रशासनिक नियंत्रण करती है। निगम राज्य-सरकारों से व्यय विवरण प्राप्त होने पर तिमाही आधार पर अपने शेयर की अदायगी करता है। प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निगम ने चिकित्सा देख-रेख के विभिन्न वर्गों के अधीन चिकित्सा व्यय की अधिकतम सीमाएं निश्चित कर दी है तथा राज्य सरकारों द्वारा प्रयोग के लिए 500 से अधिक दवाइयों, इंजक्शनों तथा औषधियों के संबंध में औषध निर्माताओं से दर ठेके किए हैं। अधिकतम सीमाओं से होने वाला व्यय केवल राज्य-सरकारों द्वारा वहन किया जाता है और यह अधिक व्यय निगम के बजट में नहीं दिखाया जाता है।

11.3 1 अप्रैल, 1980 से चिकित्सा देख-रेख पर व्यय की अधिकतम सीमाओं को बढ़ाकर निम्नलिखित रूप में परिशोधित किया गया है :—

चिकित्सा देख-रेख की किस्म	किस्म के अन्तर्गत देख-रेख की रेंज	प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति अधिकतम सीमाएं
सीमित चिकित्सा देख-रेख	बीमाकृत व्यक्तियों को पूर्ण चिकित्सा देख-रेख प्रदान की जाती है लेकिन, उनके परिवारों के लिए औषधियों की पूर्ति तथा मरहम पट्टी सहित केवल बहिरंग उपचार की व्यवस्था की जाती है।	71.75 (कोई परिवर्तन नहीं)
वर्धित चिकित्सा देख-रेख	बीमाकृत व्यक्तियों को पूर्ण चिकित्सा देख-रेख प्रदान की जाती है लेकिन उनके परिवारों के लिए विशेषज्ञों से परामर्श (प्रयोगशाला में विशेष परीक्षण और एक्सरे परीक्षा की सुविधाओं	85 रु० (कोई परिवर्तन नहीं)

1	2	3
	सहित) और बहिरंग देख-रेख के साथ-साथ उनके द्वारा लिखी गई विशेष दवाईयों और औषधियों की पूर्ति की सुविधा की व्यवस्था की जाती है।	
पूर्ण चिकित्सा देख-रेख	इसमें बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को बहिरंग तथा अंत-रंग दोनों तरह के उपचार की व्यवस्था की जाती है।	115 रुपयों से 120 रु०

औषधियों तथा दवाइयों पर अधिकतम सीमा से ऊपर 25 रुपये से 50 रुपये तक प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष व्यय की अनुमति दी जाती है।

क०रा०बी० निगम के स्वामित्व में आने वाले तथा क० रा०बीमा योजना से प्रभारित क० रा० बी० चिकित्सा संस्थाओं का किराया भी 1-4-1980 से अधिकतम सीमा के बाहर रखा जाएगा लेकिन राज्य सरकारों तथा निगम के बीच निर्धारित अनुपात में शेयर किया जाता रहेगा।

11.4 कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में प्रारम्भिक उपस्कर की व्यवस्था पर व्यय की सीमाएं निम्न प्रकार है :—

150 बिस्तर तक	8,000 रु० प्रति बिस्तर
151 बिस्तर से 300 बिस्तर तक	6,500 रु० प्रति बिस्तर
301 बिस्तर और अधिक	5,500 रु० प्रति बिस्तर

औषधालयों से लगी अनैक्सियों/डिटेंशन वार्डों तथा साधारण वार्डों में प्रारम्भिक उपस्कर के लिए 3,500 रुपये तक प्रति बिस्तर की व्यवस्था की जाती है। चालू किए गए अस्पतालों में अतिरिक्त उपस्कर की व्यवस्था पर व्यय की सीमा 4 लाख रुपये है।

11.5 दिनांक 14-12-80 को हुई निगम की बैठकों में यह निर्णय किया गया है कि नये क०रा०बी० अस्पताल के पुस्तकालय में चिकित्सा पुस्तकों तथा पत्रिकाओं के लिए प्रारम्भ में 15,000 रुपयों की राशि की व्यवस्था की जाए और बाद में प्रत्येक वर्ष पुस्तकों तथा पत्रिकाओं के लिए निधियों का आबंटन निम्न प्रकार किया जाए :—

1. 50 बिस्तर वाले अस्पताल — 2,000 रुपये
2. 150 से 200 बिस्तर वाले अस्पताल — 4,000 रुपये
3. 300 तथा अधिक बिस्तर वाले अस्पताल — 10,000 रुपये

11.6 बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवार के सदस्यों के लिए क०रा०बी० योजना के अन्तर्गत चिकित्सा देख-रेख के भाग के रूप में कृत्रिम अंग, श्रवण साधन, कृत्रिम दांत, चश्मे तथा साइकल सपोर्ट, सर्जिकल वाकिंग कलिपर, पहियों वाली कुर्सी, बैसाखी तथा कारडियक पेसमेकर जैसे कृत्रिम उपकरण की व्यवस्था की जाती है।

योजना के अन्तर्गत लाभाधिकारी डायलेसिस, गुर्दा-बदलवाना तथा हार्ट सर्जरी की सुविधाओं के भी हकदार हैं। यह सुविधा देश के किसी भी भाग में लाभाधिकारी के सामान्य निवास स्थान के निकटतम सरकारी (केन्द्र/राज्य), स्वायत्त या निजी संस्थानों में मामले भेज कर उपलब्ध कराई जाती है।

11.7 पहले बीमाकृत व्यक्तियों के परिवार बीमाकृत व्यक्ति के स्वयं हकदार होने की तारीख से 13 सप्ताह बाद चिकित्सा हितलाभ के हकदार थे लेकिन अब वे बीमाकृत व्यक्ति के स्वयं हकदार होने की तारीख से चिकित्सा हितलाभ के हकदार हैं।

इलाज की अवधि के दौरान योजना से अलग हो जाने वाले बीमाकृत व्यक्तियों के मामले में अब चिकित्सा उपचार बीमारी की अवधि खत्म होने या दीर्घ कालिक रोगों की स्थिति में बीमाकृत व्यक्तियों को (परिवार सदस्यों को छोड़कर) सक्रिय उपचार की आवश्यकता रहने तक बन्द नहीं किया जाता है।

निम्नलिखित परिस्थितियों में बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों के लिए चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया गया है :—

1. जहां बीमाकृत व्यक्ति किसी एक स्थान पर काम करता है तथा रहता है तथा उसका परिवार दूसरे स्थान पर रहता है और दोनों स्थान कार्यान्वित केन्द्र हैं राज्य में स्थित है।

2. जहां परिवार के सदस्य बीमाकृत व्यक्ति के साथ उसके कार्य के स्थान से छुट्टी पर या अस्थायी स्थानांतरण पर किसी ऐसे अन्य स्थान पर जाते हैं जो उसी राज्य में या किसी अन्य राज्य में एक कार्यान्वित केन्द्र है।

11.8 निगम ने क०रा०बी० अस्पतालों में अंतरंग रोगियों के लिए खुराक की व्यवस्था के मानदण्ड निर्धारित किये हैं। खुराक कैलोरी मूल्य पर निर्धारित की गई है तथा इसके लिए कोई आर्थिक सीमाएं निर्धारित नहीं की गई है।

11.9 निगम ने औषधि/इंजैक्शन के प्रतिकूल प्रभाव के कारण बीमाकृत व्यक्ति या बीमाकृत व्यक्ति के परिवार के सदस्य की मृत्यु, अंकित अपंगता, अंग भाग या अंग के किसी भाग की हानि के मामलों में 5000 रुपये तक अनुग्रही अदायगी करने का निर्णय किया है।

11.10 बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों को उपलब्ध चिकित्सा देख-रेख की किस्म में सुधार के लिए निरन्तर प्रयत्न किए जाते हैं। दिनांक 31-12-1979 तथा 31-10-80 को चिकित्सा देख-रेख की विभिन्न किस्मों में शामिल किए गए कर्मचारी परिवार एककों की संख्या निम्न-प्रकार थी :—

	31-12-1979 को	30-10-1980 को
सीमित चिकित्सा देख-रेख	80,350	23,800
वर्धित चिकित्सा देख-रेख	9,80,560	10,53,800
पूर्ण चिकित्सा देख-रेख	47,94,300	49,17,600
जोड़	58,55,210	59,95,200

11.11 क०रा०बी० लाभाधिकारियों को बेहतर तथा उन्नत चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था करने की दृष्टि से 1980-81 वर्ष के दौरान विभिन्न प्रकार के अस्पतालों/अनैक्सियों, विशेषज्ञ केन्द्रों तथा औषधालयों में स्टाफ तथा उपस्कर की व्यवस्था के लिए मानकों तथा मानदण्डों में आगे सुधार किए गए हैं।

लगभग 500 बीमाकृत व्यक्ति परिवार एककों के लिए एक लघु क० रा० बी० औषधालय की स्थापना की जा सकती है किसी भी कार्यान्वित केन्द्र में एक डाक्टर वाले औषधालय में एक अतिरिक्त डाक्टर की व्यवस्था करने का निर्णय किया गया है ताकि किसी एक चिकित्सा अधिकारी की अनुपस्थिति की अवधि के दौरान लाभाधिकारियों को निरन्तर देखरेख उपलब्ध हो सके।

11.12 चिकित्सा हितलाभ परिषद् की सिफारिशों के अनुसरण में निगम ने व्यावसायिक स्वास्थ्य तथा जोखिम, सरसीमेंजनिस, आंख की चोट तथा रसायनिक चोटें आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए रोचक क्षेत्रों का पता लगाने में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् से सहयोग के लिए सम्पर्क किया है।

11.13 अस्पतालों तथा औषधालयों के माध्यम से व्यवस्था की जाने वाली रोगनाशक सेवाओं के अलावा निगम अस्पतालों, विशेषज्ञ केन्द्रों तथा औषधालयों के माध्यम से निम्नलिखित सेवाओं को भी व्यवस्था कर रहा है :—

(1) परिवार कल्याण कार्यक्रम की सुविधाएं

परिवार नियोजन के लिए शिक्षा अभिप्रेरणा तथा सेवाओं की व्यवस्था के संबंध में क०रा०बी० योजना का विस्तार करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा प्रायोजित तथा यू०एन०एफ०पी०ए० द्वारा वित्त पोषित एक परिवार कल्याण परियोजना वर्ष 1978 से चालू की गई थी। आरम्भ में परियोजना 31-12-1978 तक के लिए मंजूर की गई थी। कार्य का पुनरीक्षण करने तथा इसमें प्रगति को ध्यान में रखते हुए इसके कार्यकलापों का विस्तार 31-12-1979 तक के लिए कर दिया गया था। इसके बाद परियोजना का आगे 31-3-1980 तक के लिए विस्तार कर दिया गया था। अन्तर्राष्ट्रीय/श्रम संगठन/यू०एन०एफ०पी०ए० की सहायता से चलने वाली एक नई परियोजना तैयार की गई है तथा भारत सरकार के विचाराधीन है।

31-3-1980 के बाद यू०एन०एफ०पी०ए० अपनी निधियों में से परिवार नियोजन परियोजना के मौजूदा कार्यकलापों को जारी रखने के लिए सहमत नहीं था। अत: निगम ने परियोजना में निर्दिष्ट कार्यकलापों को 1-4-1980 से आगे की अवधि के दौरान चिकित्सा देख-रेख के भाग के रूप में जारी रखने का निर्णय किया।

राज्यों में योजना पर व्यय चिकित्सा देख-रेख पर व्यय के शेयर योग्य पूल से किया जाता है। केन्द्रीय कक्ष पर व्यय क०रा०बी० निगम द्वारा किया जाता है।

परिवार कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत उपलब्धियां निम्न प्रकार है :—

	31-12-1979 की स्थिति के अनुसार	31-8-1980 की स्थिति के अनुसार
1 नली बन्दी विस्तरों की संख्या	200	200
2 परिवार कल्याण केन्द्रों की संख्या	180	180

	31-12-1979 की स्थिति के अनुसार	31-8-1980 की स्थिति के अनुसार
3 की गई नसबन्दी	86,604	90,719
4 की गई नली बन्दी	59,945	77,579
5 कुल बन्ध्यकरण	1,46,549	1,68,298
6 आई० यू० सी० डी०	16,574	20,868
7 एम० टी० पी०	12,706	16,988
8 निरोध	41,27,010	53,04,526
9 खाने की गोलियां	2,58,302	3,39,177
10 समान बन्ध्यकरण	1,56,537	1,84,390

(2) बच्चों को संक्रमण रोगों से बचाव के विशेष कार्यक्रम सहित प्रतिरक्षण की सुविधाएं.—प्रतिरक्षण कार्यक्रम उन सभी राज्यों में निरन्तर प्रगति कर रहा है जहां क०रा०बी० योजना कार्यान्वित की जा चुकी है।

11.14 अस्पतालों में सक्रिय चिकित्सा उपचार की आवश्यकता न होने वाले तथा साधारण चिकित्सा व्यवस्था और नर्सिंग देख-रेख आदि द्वारा आवश्यकताएं पूरी की जा सकने वाले रोगियों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए निगम ने दस स्वास्थ्य लाभ गृह क्रमशः महाराष्ट्र, पश्चिमी बंगाल, उत्तर प्रदेश, तमिल नाडू, केरल, कर्नाटक, गुजरात, हरियाणा, पंजाब तथा बिहार प्रत्येक में एक के निर्माण का निर्णय किया है।

11.15 क०रा०बी० निगम ने निर्धारित किया है कि क०रा०बी० योजना के अन्तर्गत एलोपैथी से भिन्न अन्य पद्धतियों के अन्तर्गत भी निम्नलिखित परिस्थितियों में चिकित्सा देख-रेख की व्यवस्था की जाए :—

1 जहां उस पद्धति के लिए काफी संख्या में कामगारों की मांग हो; तथा

2 जहां राज्य सरकार ने उस पद्धति के योग्यताओं को मान्यता दे दी हो विभिन्न पद्धतियों को एक दूसरे के साथ मिलाने की अनुमति नहीं होगी।

11.16 क०रा०बी० योजना के अन्तर्गत आयुर्वैदिक पद्धति की सुविधाओं का विवरण निम्नलिखित है :—

राज्य का नाम	औषधालयों की संख्या	बीमा चिकित्सा अधिकारियों/बीमा चिकित्सा व्यवसायों की संख्या	विशेषज्ञों की संख्या	बिस्तरों की संख्या
दिल्ली	2	2	—	—
गुजरात	53	54	2	20
कर्नाटक	2	2	—	—
केरल	4	4	—	—
बम्बई	—	1,115 (बी० चि० व्यव)	2	30
नागपुर	1	1	—	—
पूना	—	11 (बी० चि० व्यव)	1	20
उत्तर प्रदेश	1	1	—	—

केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना की आयुर्वैदिक फार्मूलरी कर्मचारी राज्य बीमा संस्थाओं में प्रयोग के लिए स्वीकार कर ली गई है।

11.17 जुलाई, 1980 में संपन्न मंत्री सम्मेलन में चिकित्सा की समीक्षा की गई और सुधार की दृष्टि से सम्मेलन में निम्नलिखित सिफारिशें की गई :—

1. विभिन्न राज्यों के लिए क०रा०बी० योजना में चिकित्सा अधिकारियों का अलग संवर्ग बनाना।

2. क०रा०बी० निगम द्वारा निर्धारित रूप में स्टाफ तथा उपस्कर की व्यवस्था से संबंधित मानक लागू करना।

3 क०रा०बी० अस्पतालों में लाभाधिकारियों के लिए क०रा०बी० द्वारा निर्धारित खुराक की मात्रा की व्यवस्था करना।

4 राज्यों में क०रा०बी० संस्थाओं का समय-समय पर निरीक्षण सुनिश्चित करना।

11.18 चिकित्सा हितलाभ परिषद् की सिफारिशों पर अक्तूबर 1980 में राज्य सरकारों को निम्नलिखित सुझाव भी दिए गए है :—

1. विभिन्न क०रा०बी० संस्थाओं में रिक्त पदों को भरा जाए।

2 क०रा०बी० निगम द्वारा अनुमोदित मानकों के अनुसार स्टाफ की व्यवस्था कीजिए।

3. क०रा०बी० लाभाधिकारियों के लिए निर्धारित मानदण्ड के अनुसार अन्तरंग रोगियों को खुराक की व्यवस्था की जाए।

4. राज्यों में क०रा०बी० संस्थाओं का समय-समय पर निरीक्षण सामयिक किया जायेगा।

11.19 निगम ने सामान्य प्रयोजन उप समिति के कार्यकलाप को सक्रिय बनाने का निर्णय किया है। पहले इस वर्ष में औसतन एक दौरा करना होता था लेकिन इसके विपरीत अब वर्ष में 4 राज्यों का दौरा करना होता है। चालू वर्ष के दौरान समिति बिहार तथा तमिल नाडु का दौरा कर चुकी है तथा फरवरी, 1981 में पंजाब-हरियाणा और चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्रों का दौरा करने वाली है।

11.20 क०रा०बी० निगम में स्थापित उप समिति ने बीमा चिकित्सा व्यवसायियों के कार्य तथा उनकी शिकायतों का गहराई से अध्ययन किया है और पेनल क्षेत्रों में चिकित्सा सेवाओं के सुधार के लिए अनेक सिफारिशें की हैं।

11.21 क०रा०बी० योजना के लाभाधिकारियों के लिए मानक तथा पर्याप्त औषधियों की नियमित पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निगम ने ख्याति प्राप्त औषधि निर्माताओं के साथ 500 में से अधिक औषधियों के लिए दर ठेका किया है। ये औषधियां पूरे देश में एक समान निश्चित दरों पर क०रा०बी० योजना के राज्य प्राधिकारियों द्वारा ये औषधियां खरीदी जाती हैं।

11.22 कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों/औषधालयों में उपलब्ध न होने वाले उपचार दवाइयों की लागत की प्रति पूर्ति के लिए बीमाकृत व्यक्तियों के दावों के मामलों में जल्दी निर्णय सुनिश्चित की दृष्टि से राज्य सरकारों को चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए प्रत्येक मामले में 1000 रु० तक की शक्ति प्रदान की गई है।

11.23 निम्नलिखित आकड़े बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को चिकित्सा देखरेख सुलभ करने में हुई प्रगति के संबंध में ऊपर पेराग्राफ 7 में दी गई सूचना के पूरक हैं :—

सूचना का स्वरूप	1979-80 (वास्तविक आकड़े)	1980-81 (परिशोधित प्राक्कलन)	1981-82 बजट प्राक्कलन)
1	2	3	4
1. क. अस्पतालों की संख्या			
सामान्य	60	68	74
क्षय रोग	7	8	9
1. ख. अनैक्सियों की संख्या			
सामान्य	20	27	28
क्षय रोग	14	14	15
2. 31-3-80 की स्थिति के अनुसार कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों तथा अनैक्सियों में चालू किए गए बिस्तरों की संख्या :			
क. अस्पतालों में सामान्य :			
सामान्य	11,300	11,865	12,458
क्षय रोग	1,777	1,865	1,958
ख. अनैक्सियों में			
सामान्य	126	147	470
क्षय रोग	244	296	310
3. सरकारी तथा अन्य मान्यता प्राप्त अस्पतालों में आरक्षित बिस्तरों की संख्या	4765	5015	5255
4. प्रति वर्ष कर्मचारी चिकित्सा देखरेख पर व्यय	107.32 रु०	124.70 रु०	127.20 रु०

अनुबंध 5 में दिया गया विवरण 1970-71 से आगे चिकित्सा देखरेख पर व्यय में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के शेयर का सूचक है नकद 2 हितलाभ तथा अन्य हितलाभ।

12.1 नकद हितलाभों पर व्यय नीचे दिया गया है :—

1979-80 (वास्तविक आकड़े)	1980-81 (परिशोधित प्राक्कलन)	1981-82 (बजट प्राक्कलन)
(लाख रुपयों में)		
6355.23	7632.33	7761.46

12.2 बीमारी जैसे हितलाभों के अलावा विभिन्न वर्गों के नकद हितलाभों के लिए पात्र कर्मचारियों द्वारा दिए गए अंशदान की संख्या तथा उनकी मजदूरी की दर पर निर्भर है। मोटे तौर पर बीमारी के कारण नकद हितलाभ मजदूरी का 50 प्रतिशत होता है। अपंगता तथा आश्रितजन हितलाभ की स्थिति में यह मजदूरी का 62.50 प्रतिशत (1-1-81 से 70 प्रतिशत) होता है तथा बीमाकृत महिला कर्मचारी को प्रसूति हितलाभ की स्थिति में मोटे तौर पर पूरी मजदूरी दी जाती है। अन्त्येष्टि खर्चे बीमाकृत व्यक्ति की मृत्यु की स्थिति में 100 रु० की राशि तक दिए जाते हैं।

12.3 इन हितलाभों की अदायगी लगभग सभी औद्योगिक केन्द्रों में जहां योजना कार्यान्वित की गई है, स्थित अपने स्थानीय/भुगतान कार्यालयों की मार्फत निगम द्वारा सीधे बीमाकृत व्यक्तियों या उनके लाभाधिकारियों को दी जाती है। 31 मार्च, 1980 को इस तरह के कार्यालयों की संख्या 694 थी जबकि एक वर्ष पहले यह संख्या 684 थी। नकद हितलाभों पर व्यय का भार अनेक तथ्यों, यानी स्वास्थ्य की स्थिति, औद्योगिक शान्ति और कामगरों की हितलाभों आदि की अपनी हकदारी के बारे में जानकारी पर निर्भर करता है। अतः कोई वास्तविक लक्ष्य निश्चित करना संभव नहीं है। कुल मिला कर 1979-80 वर्ष के दौरान कुल-मिलाकर 85.47 लाख अदायगियां (इनमें स्थायी अपंगता हितलाभ दावों के रूपान्तरण के लिए अनुरोध के संबंध में एक मुश्त अदायगी से संबंधित 10,477 दावे शामिल हैं) की गई हैं। ये पिछले वर्ष के मुकाबले 6.00 लाख अधिक थी। औसतन 7.12 अदायगियां प्रति मास की गई जबकि 1978-79 वर्ष में 6.22 लाख अदायगियां प्रति मास की गई थीं। 1976-77 के 1.17 के मुकाबले प्रति कर्मचारी अदायगियों की संख्या बढ़कर 1977-78 में 1.33, 1978-79 में 1.43 और 1979-80 में 1.15 हो गई है।

12.4 नकद हितलाभों के विभिन्न वर्गों के अन्तर्गत व्यय का ब्यौरा नीचे दी गई सारणी में दिया गया है :—

	1979-80 वास्तविक आंकड़े		1980-81 परिशोधित प्राक्कलन		1981-82 बजट प्राक्कलन	
	कर्मचारियों की संख्या का भारित औसत आंकड़े (आंकड़े लाखों में)	राशि (लाख रु० में)	कर्मचारियों की संख्या का भारित औसत आंकड़े (आंकड़े लाखों में)	राशि (लाख रु० में)	कर्मचारियों की संख्या का भारित औसत (आंकड़े लाखों में)	राशि (लाख रु० में)
बीमारी हितलाभ	56.77	43,03.27	59.41	46,57.13	60.53	18,73.20
विस्तारित बीमारी हितलाभ	56.77	3,25.98	59.41	3,65.27	60.53	3,83.15
प्रसूति हितलाभ	56.77	194.91	59.11	2,14.61	60.53	2,25.10
अस्थायी अपंगता हितलाभ	58.99	6,93.68	60.75	8,74.40	62.49	10,34.20
स्थायी अपंगता हितलाभ	58.99	6,50.83	60.75	10,56.45	62.19	8,86.30
आश्रितजन हितलाभ	58.99	1,76.48	60.75	4,53.70	62.49	3,33.26
अन्त्येष्टि हितलाभ	58.99	10.08	60.75	10.77	62.49	11.25
शवलता हितलाभ	—	—	—	—	62.49	10.00
कुल नकद हितलाभ		63,55.23		76,32.33		77,60.46

12.5 नकद हितलाभों में निम्नप्रकार सुधार किया गया है :

31-3-1975 को या इससे पहले अपंग या मृत हो गये (1) स्थायी रूप से अपंग बीमाकृत व्यक्तियों के आश्रितों को क्रमश स्थायी अपंगता हितलाभ तथा आश्रितजन हितलाभ अदायगियों में 1-10-1977 से वृद्धि करके 10 प्रतिशत से 20 प्रतिशत कर दिया गया था ताकि निर्वाह व्यय में वृद्धि के लिए उनकी प्रतिपूर्ति की जा सके। इसके बाद 31-3-1978 को या इससे पहले अपंग मृत हो गए सभी मामलों के लिए 1-4-1980 से ऐसे मामलों में आगे वृद्धि की गई है जो निम्न प्रकार है —

क. ऐसे मामले जिनमें अपंगता या मृत्यु 31-3-1975 या पहले हुई है। — मूल राशि का 20 प्रतिशत (जिसमें इससे 1-10-77 से मंजूर की जा चुकी वृद्धि को छोड़ कर)

ख ऐसे मामले जिनमें अपंगता या मूल राशि का 15 प्रतिशत मृत्यु 1-1-1975 तथा 31-3-78 के बीच हुई हो।

2. 1968 में दैनिक मानक हितलाभ दर के ऊपर 25 प्रतिशत बढ़ाई गई रोजगार चोट हितलाभ की दर में 1-1-1981 से दैनिक मानक हितलाभ दर के ऊपर 40 प्रतिशत वृद्धि की गई है।

3 1-1-1981 से बीमारी हितलाभ दर पर (यानी औसत दैनिक मजदूरी का) लगभग 50 प्रतिशत पुनर्वास भत्ता आरम्भकिया गया है जो अपंग बीमाकृत व्यक्तियों को रहने की अवधि के लिए दिया जाता है। कृत्रिम अंग लगवाने, मरम्मत कराने या बदलवाने आदि के लिए कृत्रिम अंग केन्द्र में दाखिल।

4 गैर रोजगार चोट के मामलों के कारण अशक्तता के मामलों में नकद हितलाभ की अदायगी के लिए अशक्तता हितलाभ की योजना का निगम द्वारा अनुमोदन किया जा चुका है तथा क०रा० बी० अधिनियम के संशोधन की प्रतीक्षा की जा रही है।

5. रोजगार चोट हितलाभ देने के लिए क०रा० बी० अधिनियम, 1948 की तीसरी अनुसूची में उल्लिखित व्यावसायिक रोगों की सूची में 12 अतिरिक्त रोग जोड़े गए हैं।

6. नसबन्दी/नली बन्दी आपरेशन कराने वाले बीमाकृत व्यक्तियों के परिवार कल्याण योजना के लिए प्रोत्साहन के रूप में स्वीकार्य साधारण बीमारी हितलाभ के 91 दिनों के अलावा नसबन्दी/नलीबन्दी आपरेशन कराने के लिए वर्धित बीमारी हितलाभ स्थायी आधार पर दिया जाता रहेगा।

7. अन्य नकद हितलाभों के मामले की तरह मनी आर्डर द्वारा प्रेषण की सुविधा का विस्तार अन्त्येष्टि खर्चों पर भी कर दिया गया है।

8. क०रा०बी० (साधारण) विनियम, 1950 के अन्तर्गत स्थायी अपंगता हितलाभ के रूपांतरण की एक मूल्य राशि निर्धारित करने की तालिका धातृ मृत्यु दर तथा हित के अनुभव के आधार पर परिशोधित की गई थी।

9. चिकित्सा बोर्ड के समक्ष उपस्थित होने वाले बीमाकृत व्यक्तियों के लिए वाहन खर्चों की दर सामान्य बस या रेल खर्चों की सीमा के अधीन 25 पैसे प्रति मील से बढ़ाकर 0.30 पैसे प्रतिकिलो मीटर कर दी गई। बीमाकृत व्यक्ति के बस या वाहन के अन्य साधारण साधनों द्वारा यात्रा करने में समर्थ न होने या परिचर की आवश्यकता होने पर दोनों ओर की यात्रा के लिए प्रति किलो मीटर या उसके भाग के लिए एक रुपये की दर तक उसके द्वारा किए गए वास्तविक खर्चों की अनुमति दी जाती है।

12.6 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलन में विभिन्न नकद हितलाभों के लिए की गई 76,32.33 लाख रु० की व्यवस्था 1980-81 वित्तीय वर्ष के पहले 8 माह के वास्तविक आंकड़ों की प्रगति तथा शेष महीनों के लिए प्रत्याशित आवश्यकता पर आधारित है।

बीमारी हितलाभ के मामले में प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी हितलाभ दिनों की औसत संख्या में वृद्धि का रुख रहा है। प्रति कर्मचारी बीमारी तथा अस्थायी अपंगता हितलाभ की दैनिक दर की राशि में भी वृद्धि का रुख रहा है जैसा कि नीचे दिया गया है :—

	बीमारी हितलाभ			अस्थायी अपंगता हितलाभ		
	1977-78	1978-79	1979-80	1977-78	1978-79	1979
प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी हितलाभ दिनों की औसत संख्या	6.0	6.8	7.8	0.97	1.13	1.10
प्रति कर्मचारी दैनिक औसत हितलाभ दर	8.31	8.92	9.54	9.39	10.10	10.72

1980-81 के परिशोधित प्राक्कलनों में वर्धित व्यवस्था बीमारी हितलाभ तथा अस्थायी अपंगता हितलाभ के मामले में मुख्य रूप से प्रति वर्ष कर्मचारी हितलाभ दिनों की औसत संख्या में वृद्धि के कारण है।

इसके अलावा 1-4-1978 से पहले हुई अपंगता या मृत्यु के मामलों में 1 अप्रैल, 1980 से स्थायी अपंगता हितलाभ तथा आश्रितजन हितलाभ की दरों में वृद्धि के कारण भी अधिक धन व्यवस्था आवश्यक हो गई है।

1980-81 के परिशोधित प्राक्कलनों में वृद्धि के कारण एक मुश्त समायोजन के रूप में 4,50.00 लाख रुपये की व्यवस्था है। प्राक्कलनों में 1-1-81 से अपंगता तथा आश्रितजन हितलाभ की दरों में मानक हित लाभ दर की 125 प्रतिशत से 140 प्रतिशत तक वृद्धि को भी ध्यान में रखा गया है।

महानिदेशक विभिन्न केन्द्रों पर बीमारी हितलाभ दावों पर लगातार निगरानी रखे हुए हैं। मुख्यालय में प्रतिमास प्राप्त संगत आकड़ों का समय-समय पर विश्लेषण किया जाता है और यदि किसी केन्द्र पर असामान्य अन्तर पाया जाता है तो क्षेत्रीय निदेशकों तथा प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारियों से पूछताछ की जाती है ताकि जहां कहीं आवश्यक और संभव हो वे उपयुक्त तथा तत्काल सुधार के उपाय कर सकें।

राज्य सरकारों को यह भी सलाह दी गई है कि वे शिथिल प्रमाण न कम करें तथा आवश्यक आंकड़े मंगाकर नियंत्रण रखें। हड़ताल, काम बन्दी आदि के दौरान के प्रश्न पर विचार करने के लिए एक समिति का गठन किया गया था। उस समिति की रिपोर्ट निगम की स्थायी समिति के समक्ष रखी जा रही है।

बीमारी हितलाभ दावों तथा अस्थायी अपंगता हितलाभ दावों के व्यय-भार तथा अवधि के संबंध में विभिन्न राज्यों में परस्पर काफी अन्तर देखा गया है। विभिन्न राज्यों में नकद हितलाभों में अन्तर के विश्लेषण से संबंधित मामले पर ध्यान दिया जा रहा है।

12.7. नकद संवितरण कार्यालयों की स्थापना प्रभार लागत का व्यय भार नीचे दिया गया है—

	1978-79 (वास्तविक आंकड़े)	1979-80 (वास्तविक आंकड़े)	1980-81 (परिशोधित प्राक्कलन	1981-82 बजट प्राक्कलन)
नकद संवितरण कार्यालयों के स्थापना प्रभार	3,97.13	4,22.78	5,38.38	5,81.45
संवितरित नकद हितलाभों की कुल राशि के साथ स्थापना प्रभारों की प्रतिशतता	7.52 प्रतिशत	6.97 प्रतिशत	7.05 प्रतिशत	7.49 प्रतिशत
प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष व्यय	6.99 रु०	7 50 रु०	8.86 रु०	0.30 रु०

13.1 अन्य हितलाभों पर व्यय निम्न प्रकार है : —

1979-80 (वास्तविक आंकड़े)	1980-81 (परिशोधित प्राक्कलन)	1981-82 (बजट प्राक्कलन)
		(लाख रुपयों में)
17.32	20.33	22.14

13.2 इस कार्यकलाप में चिकित्सा-बोर्ड तथा अपीली चिकित्सा अधिकरण के सदस्यों को फीस की अदायगी, बीमाकृत कामगारों को चिकित्सा निर्देशों, चिकित्सा बोर्ड या अपीली चिकित्सा अधिकरण के समक्ष उपस्थित होने के लिए भेजे जाने की स्थिति में सवारी खर्च तथा मजदूरी की हानि के लिए मुआवजे की अदायगी आती है। बीमाकृत कामगारों के प्रत्यक्ष हितलाभ के लिए निगम द्वारा किए गए अन्य विधि व्यय भी इस कार्यकलाप के अन्तर्गत आते हैं।

3—निवेशन, अधीक्षण तथा फील्ड कार्य

14.1 बजट व्यवस्था निगम मुख्यालय, इसके विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों तथा स्थानीय कार्यालयों में तैनात अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन आदि के संबंध में है। इसमें संगठन एवं पद्धति शाखा तथा अधिकारियों और कर्मचारियों की विचार गोष्ठियों आदि तथा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का प्रबंध करने के लिए स्थापित किए गए विभिन्न केन्द्रों का व्यय भी शामिल है।

14.2 कार्मिक सारांश निम्न प्रकार है :—

	31-3-1980 की वास्तविक संख्या	31-3-1981 को अनुमानित संख्या	31-3-1982 को अनुमानित संख्या
अधिकारी	401	418	549
अन्य कार्मिक	9936	10,266	10,645

14.3 17-2-1980 को हुई बजट तथा लेखा उप समिति की बैठक में व्यय में शिकायत के प्रश्न पर विस्तार से चर्चा की गई थी। यह स्पष्ट किया गया कि कर्मचारियों की व्यवस्था के लिए मानक निर्धारित हैं और किसी भी यार्डस्टिक द्वारा निगम का प्रशासनिक व्यय अधिक नहीं है। इसके अलावा निगम ने यथासंभव लागू होने पर शिकायत के संबंध में भारत सरकार के सभी अनुदेशों को अपनाया है। इस विषय पर एक ब्यौरेवार टिप्पणी दिनांक 21 सितम्बर, 1979 को हुई निगम की स्थायी समिति की बैठक में भी प्रस्तुत की गई थी।

4—अस्पताल तथा औषधालय भवनों का मूल्यह्रास, मरम्मत तथा अनुरक्षण

15 (निगम के अस्पताल तथा औषधालय भवनों के मूल्यह्रास सहित) मरम्मत तथा अनुरक्षण पर व्यय नीचे दिखाया गया है।

	1979-80 (वास्तविक आंकड़े)	1980-81 (परिशोधित प्राक्कलन)	1981-82 (बजट प्राक्कलन)
			(लाख रुपयों में)
अस्पताल/औषधालय/अनेक्सियां	186.77	253.86	291.90

ये आंकड़े इस उद्देश्य के लिए निर्धारित प्रतिशतता के अनुसार संबंधित आरक्षित निधियों में अंतरित/अंतरण योग्य राशियों के सूचक हैं। व्यय वास्तव में आरक्षित-निधियों में से किया गया है।

5—पूंजीगत निर्माण कार्य

16.1 पूंजीगत निर्माण कार्यों के लिए नीचे दी गई धन-व्यवस्था आवश्यक होगी।

	1979-80 (वास्तविक आंकड़े)	1980-81 (परिशोधित प्राक्कलन)	1981-82 (बजट प्राक्कलन)
			(लाख रुपयों में)
कार्यालय भवन (स्टाफ क्वार्टरों सहित)	84.78	1,07.92	1,08.19
अस्पताल/औषधालयों (स्टाफ क्वार्टरों सहित)	5,79.02	7,42.08	7,41.81
जोड़	6,63.80	8,50 00	8,50.00

अनुबन्ध 4 में विवरण उन निर्माण परियोजनाओं का सूचक है जिनके लिए 1980-81 के बजट प्राक्कलनों में की गई धन-व्यवस्था का इस्तेमाल नहीं किया गया।

16.2 कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत चिकित्सा योजना को चलाना राज्य-सरकारों की सांविधिक जिम्मेदारी है। अतः कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों तथा औषधालयों के लिए आवश्यक भवनों की व्यवस्था करना उनका कार्य है* शुरूआत में, निगम के पास व्यय से अधिक आय का काफी अतिशेष था जबकि राज्य सरकारों के पास आवश्यक भवनों के निर्माण के लिए पर्याप्त साधन नहीं थे। इसके फलस्वरूप योजना को अधिक प्रगति नहीं हो रही थी। अतः निगम ने अपने कार्यालयों तथा कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों तथा औषधालयों के लिए भवन निर्माण में व्यय से अधिक अपनी आय के उपलब्ध अधिशेषों का निवेश करने का निर्णय किया।

16.3 निगम ने 2 फरवरी तथा 3 दिसम्बर, 1974 को हुई अपनी बैठकों में विभिन्न राज्यों में कर्मचारी राज्य बीमा परियोजना के पूंजीगत निर्माण कार्यक्रम का पुनरीक्षण किया तथा निम्नलिखित रूप में अनुमोदन किया :—

(1) अंशदानों से प्राप्त कुल राजस्व का 10 प्रतिशत पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि में जमा किया जाए तथा अस्पतालों, औषधालयों तथा अन्य चिकित्सा संस्थानों और कार्यालय भवनों तथा स्टाफ क्वार्टरों के निर्माण पर होने वाला व्यय 8.2 के अनुपात में किया जाये।

(2) अतिरिक्त अस्पतालों/अनैक्सियों के लिए प्लान तथा प्राक्कलन मंजूर किए जाए ताकि नई परियोजनाएं मंजूर करते समय यथा-अनुमोदित प्रति 1000 कर्मचारी 5 बिस्तर तक व्यवस्था की जा सके। आमतौर पर पहले निश्चित की गई प्रति 1000 कर्मचारी 4 बिस्तर की सीमा से अधिक व्यवस्था नहीं की जाएगी और केवल आपवादिक मामलों में यह सुनिश्चित करने के बाद अतिरिक्त बिस्तर मंजूर किए जाएंगे कि उस क्षेत्र में मौजूदा कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में बिस्तरों के अधिभोग पर आधारित अस्पताल सुविधाओं की आवश्यकता होने वाली बीमारियों के भार के आधार पर अतिरिक्त बिस्तरों की अत्यधिक आवश्यकता है। अस्पताल बिस्तरों पर व्यय 200 रुपये प्रति "योजना में आए" कर्मचारी सीमा की शर्त के अधीन है।

(3) भूमि प्राप्त करने के उद्देश्य से स्वीकार्य बिस्तरों की संख्या का हिसाब लगाने के लिए प्रस्ताव की मंजूरी की तारीख को अगले 2 वर्षों में योजना के अन्तर्गत आने के लिए संभावित अतिरिक्त कर्मचारियों की भी गणना की जाए। लेकिन कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम की धारा 1(5) के अन्तर्गत राज्य-सरकार द्वारा अधिसूचना जारी किए जाने के ही अतिरिक्त बिस्तरों के निर्माण के लिए प्लान तथा प्राक्कलन मंजूर किए जाएं।

(4) औषधालय, विशेषज्ञ केन्द्र, प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा भण्डार आदि के लिए कार्यालय जैसे अन्य भवनों के निर्माण के लिए प्लान तथा प्राक्कलन प्रति व्यक्ति आधार की किसी सीमा के बिना प्रत्येक मामले के गुण-दोष के आधार पर मंजूर किए जा सकते हैं क्योंकि ऐसे निर्माण कार्यों पर बहुत कम व्यय होता है।

16.4 मंजूर की गई निधियों, निर्माण एजेंसियों के लिए निर्धारित निधियों और आवश्यक होने वाली अनुमानित राशि के संबंध में सूचना सहित अस्पताल बिस्तरों, औषधालयों तथा कार्यालय भवनों के लिए पूंजीगत निर्माण कार्यक्रम की स्थिति नीचे दी गई है।

(क) अस्पताल बिस्तर

	संख्या
मानकों के अनुसार स्वीकार्य बिस्तरों की संख्या (31-3-80 को कर्मचारियों की संख्या के आधार पर	23,972
पहले निर्मित बिस्तरों की संख्या सितम्बर, 1980 (68 अस्पताल तथा 31 अनैक्सियों)	15,446
निर्माणाधीन बिस्तरों की संख्या सितम्बर 1980 (21 अस्पताल तथा 9 अनैक्सियां)	3,420
पहले स्वीकृत बिस्तरों की संख्या (49 अस्पताल तथा एक अनैक्सी)	4,137
अभी अपेक्षित बिस्तरों की संख्या	829

(ख) औषधालय

इस समय निर्माण योग्य औषधालयों की संख्या	850
पैनल प्रणाली बदले जाने की स्थिति में	499
पैनल क्षेत्रों में आवश्यक होने वाले	(अनुमानित)
औषधालयों की संख्या	
औषधालयों की कुल संख्या	1,349
निर्मित औषधालयों की संख्या (30-9-80 की स्थिति के अनुसार)	206
निर्माणाधीन औषधालयों की संख्या (30-9-80 की स्थिति के अनुसार)	56
अभी निर्माण किए जाने वाले औषधालयों की संख्या	1,087

(ग) उपर्युक्त "क" तथा "ख" के मामले में वित्तीय परिव्यय

सितम्बर 1980 तक मंजूर की गई राशि	91,75.22	लाख
सितम्बर 1980 तक मुक्त की गई राशि	76,76.38	लाख
शेष देयता	14,98.84	लाख

निर्माण की जाने वाली परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त देयता

(1) अस्पताल बिस्तर 5,066 बिस्तर* 1.00 रु० लाख बिस्तर की लागत	50 66 00	(लाख)
(2) 1087 औषधालय* 10.00 लाख रुपये प्रत्येक औषधालय की लागत	1,08,70.00	लाख
(3) स्वास्थ्य लाभ गृह	5,00.00	लाख
कार्यालय भवनों तथा स्टाफ क्वार्टरों के लिए परिव्यय	30,00.00	लाख
कुल देयताएं	2,09,31 84	लाख

राज्य सरकारों तथा क्षेत्रीय निदेशकों से निवेदन किया गया है कि वे निर्माण कार्य का सघन कार्यक्रम चलाएं। इस संबंध में निर्माणाधीन परियोजनाओं के मामले में की गई प्रगति तथा निर्मित अस्पतालों को चालू करने के संबंध में भी अत्यधिक पुनरीक्षण किया जाता है।

पहले जब महाराष्ट्र सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों का अपनी सम्पत्ति के रूप में निर्माण कर रही थी तो 3,62,14 लाख रुपये की राशि उक्त सरकार को कर्जे के रूप में चुकाई गई थी। इसके अलावा 1,00 00 लाख रुपये की राशि महात्मा गांधी मेमोरियल अस्पताल, बम्बई को सहायता अनुदान के रूप में दी गई थी।

निर्माण कार्यों का कार्यक्रम (चल रहे निर्माण कार्यों सहित) अनुबंध III में दिया गया है। लगभग 2497 बिस्तर वाले 33 अस्पताल तथा 2 अनैक्सी और 31 औषधालय भवनों का निर्माण 1981-82 में शुरू किये जाने की संभावना है जबकि कुछ अधिक अस्पताल, अनैक्सियां, औषधालय मंजूर किये जा सकते हैं।

16.5 30 सितम्बर, 1980 तक स्टाफ क्वार्टरों सहित औषधालय तथा अस्पतालो के लिए भूमि के अर्जन तथा भवन के निर्माण पर 76.76 लाख रुपये (जिसमें अस्पतालों आदि के निर्माण के लिए महाराष्ट्र राज्यो को मंजूर किए गए 3,62.14 लाख रुपये के कर्जे शामिल है) पूंजीगत व्यय हुआ ।

तुलन-पत्र

17.1 31 मार्च 1980 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र का सारांश नीचे दिया गया है :—

	देयताएं (लाख रुपयों में)
व्यय से अधिक आय	1,67,56.74
आरक्षित निधियां	1,92,25.44
चालू देयताएं	28.27
(प्रतिभूतियों की जमा राशि, भविष्यनिधि में अंशदायी जमा, विविध जमा आदि)	
जोड़	3,60,10.45

	परिसम्पत्तियां (लाख रुपयो में)
स्थिर परिसम्पत्तियां	54,90.80
भूमि तथा भवन	
निर्माण कार्य के लिये पेशगियां	17,76.80
स्टाफ कार	5.65
चालू परिसम्पत्तियां	
(कर्मचारियों को पेशगियां तथा भवनों की मरम्मत व अनुरक्षण के लिए पेशगियां आदि)	7,84.26
मार्गस्थ रोकड़	(—) 3,86.68
आरक्षित निधियों का निवेश	1,43,36.86
रोकड़ शेष तथा सामान्य रोकड़ शेष का निवेश	1,40,02.76
जोड़	3,60,10.45

17.2 कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 की धारा 37 के अनुसार निगम को 5 वर्ष के अन्तराल पर केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से नियुक्त मूल्यांकन द्वारा अपनी परिसम्पत्तियों और देयताओं का मूल्यांकन कराना होगा । 31 मार्च, 1979 को समाप्त पंचवार्षिक अवधि का मूल्यांकन इस उद्देश्य के लिए नियुक्त मूल्यांकक द्वारा शुरू किया गया है ।

अन्य रोचक मामले

18.1 1980-81 वर्ष के दौरान संगठन एवं पद्धति प्रभाग ने

(क) अंशदानो की नकद वसूली की कार्य विधि

(ख) जिन क्षेत्रो में कर्मचारियो की संख्या कम है तथा उसके अनुपात मे नियोजकों की संख्या बहुत अधिक है उनमें कुछ उच्च श्रेणी लिपिको/निम्न श्रेणी लिपिकों की व्यवस्था के सीमित फार्मूला ।

(ग) कुछ स्थानीय कार्यालयों में मनीआर्डर द्वारा अंशदायिया आरम्भ करने के फलस्वरूप कार्यभार

(घ) बड़े हितलाभ अदायगी खातों से छोटे हितलाभ खातो में हस्तान्तरण के सम्बन्ध में अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई । मानक तथा मानदण्ड तैयार किये । इसके अलावा 5 उपविषयों का भी अध्ययन किया गया । 1981-82 के लिये नौ अन्य परियोजनाओं का चयन किया गया जिनमें (क) अंशदान कार्ड समाप्त करने (ख) ग्रेड 2, 3, 4 क्षेत्रीय कार्यालयो मे विभिन्न कर्मचारियों के लिये मानक तथा मानदण्ड तैयार करने और

(ग) क्षेत्रीय कार्यालयो में राजस्व वसूली शाखाओं का अध्ययन शामिल हैं ।

18.2 निर्णय कार्यविधि को गतिशील बनाने तथा शक्तियों का अधिक विकेन्द्रीकरण किए जाने की विचारधारा को अपनाते हुए भी निगम के अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियो के प्रत्यायोजन का पुनरीक्षण किया जाता रहा है तथा उल्लिखित सीमा तक मौजूदा शक्तियों को उदार बनाते हुए आगे प्रत्यायोजन किया गया ।

18.3 निगम की वेतन समिति की सिफारिशों पर केन्द्रीय सरकार ने 1-6-1980 से निगम के कर्मचारियों द्वारा दो कलैण्डर वर्षों के ब्लाक में एक महीने की छुट्टी की नकद भुगतान की सुविधा प्रदान करने का अनुमोदन किया ।

18.4 1980-81 वर्ष के दौरान केन्द्रीय सरकार ने निगम के कर्मचारियों के लिए उत्पादकता से जुड़े बोनस की अदायगी की योजना प्रारम्भ करने का निर्णय किया । लेकिन ऐसी योजना तैयार किए जाने तक सरकार ने निगम के 1600 रुपये मासिक तक वेतन प्राप्त करने वाले (प्रतिपूरक भत्तों को छोड़कर) तथा 29-2-1980 को निगम की सेवा में होने वाले कर्मचारियों के लिए 1979-80 वर्ष के संबंध में 15 दिन के वेतन के बराबर तदर्थ अदायगी मंजूर की ।

18.5 मुख्य रूप से (क) अभिलेख रखने, खासतौर पर राजस्व वसूली के पहलुओं से संबंधित रिकार्ड रखने में सुधार (ख) राजस्व वसूली कार्रवाई को कुल मिलाकर स्वचालित बनाने के लिए प्रवेशन तथा कार्य-प्रक्रिया में सुधार के लिए प्रबंधोपाय के सुझाव देने के लिए एक कार्यचालन ग्रुप स्थापित किया गया था कार्यचालन ग्रुप की रिपोर्ट सभी क्षेत्रो निदेशको के विचार प्राप्त करने के लिए परिचालित की गई थी तथा दिसम्बर, 1980 में संपन्न क्षेत्रीय निदेशकों के सम्मेलन में भी विचार विमर्श किया गया था । निष्कर्षों पर कार्रवाई की जा रही है ।

18.6 निगम के कार्यालयो में इस्तेमाल मे आने वाले विभिन्न फार्मों के युक्तिकरण तथा मानकीकरण के लिए निगम मुख्यालय मे एक फार्म पुनरीक्षण तथा नियंत्रण एकक स्थापित किया गया था । इस प्रयोजन के लिए गठित अधिकारियों की समिति ने 172 संहिताबद्ध फार्मों का पुनरीक्षण किया तथा अपनी सिफारिशें की ।

सिफारिशो के कार्यान्वयन की कार्रवाई की जा रही है ।

18.7 सामान्य कार्यालय कार्यविधि नियम पुस्तक का मसौदा तैयार किया गया है तथा शीघ्र प्रकाशित किया जायेगा ।

18.8 भारतीय स्टेट बैंक की अनुमोदित शाखाओं तथा राष्ट्रीयकृत बैंको द्वारा टिकटो की बिक्री के माध्यम की बजाय अंशदानों की नकद वसूली 1975 मे सबसे पहले दिल्ली में प्रयोग के रूप में प्रारम्भ की गई थी । इसके बाद कुछ अन्य क्षेत्रो मे इसका विस्तार चरणो मे किया गया । संगठन एवं पद्धति प्रभाग द्वारा राजस्थान, कर्नाटक तथा आन्ध्र प्रदेश क्षेत्रों मे प्रणाली का मूल्यांकन अध्ययन किया गया और इसे संतोषजनक पाया गया । तदनुसार सभी क्षेत्रों में इस प्रणाली का विस्तार करने का निर्णय किया गया । निगम के सभी क्षेत्रो ने अब अंशदानो की नकद वसूली शुरू कर दी है ।

18.9 योजना मे शामिल कर्मचारियो का वार्षिक निर्धारण क० रा० की योजना के कार्यचालन के अनुरूप है । निर्धारण की प्रक्रिया में सुधार के लिए कदम उठाए गए है/उठाए जा रहे है ।

18.10 कुछेक क्षेत्रो मे (1) कारखानों/स्थापनाओं के सर्वेक्षण, निरीक्षण (2) व्याप्ति या अंतिम व्याप्ति के संबंध में निर्णय (3) अंशदानो की देर से अदायगी के लिए डिक हर्जानों की उगाही से संबंधित कार्य का बकाया है इन बकायो का निपटान करने के प्रयास किए जा रहे है ।

18 11 19 तथा 20 जुलाई, 1980 को हुए श्रम मंत्री सम्मेलन मे विचार विमर्श के दौरान अंशदान बकायो का प्रश्न उठाया गया। सम्मेलन की सिफारिशो को दृष्टिगत रखते हुए कुछ मदो पर कार्रवाई की जा चुकी है शेष मदो पर राज्य सरकारो के साथ कार्रवाई की जा रही है। मामले पर दिसम्बर, 1980 मे सम्पन्न क्षेत्रीय निदेशको के सम्मेलन मे भी विचार किया गया था तथा की गई कुछ सिफारिशो पर कार्रवाई की जा रही है।

18 12 निगम मे आन्तरिक लेखा-परीक्षा प्रणाली को अधिक मजबूत बनाया गया है ताकि इसे एक उद्देश्य पूर्ण प्रबन्ध यंत्र बनाया जा सके।

18 13 दिसम्बर, 1980 मे सपन्न क्षेत्रीय निदेशको के सम्मेलन मे बकाया लेखा-परीक्षा आपत्तियो के शीघ्र निपटान से सबधित मामले पर विचार किया गया। इस बात पर जोर दिया गया कि अनुदेशो के अनुसार छह महीने की अवधि के अन्दर बकाया लेखा-परीक्षा आपत्तियो के निपटान के लिए तुरन्त कदम उठाये जाए।

18 14 केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान तथा इसके चार जोनल प्रशिक्षण केन्द्रो ने अप्रैल-दिसम्बर, 1980 के दौरान 53 प्रशिक्षण पाठ्यक्रमो का आयोजन किया जिनमे विभिन्न स्तर के 1021 भाग लेने वालो को प्रशिक्षण दिया गया। जनवरी-मार्च, 1981 के दौरान अन्य 17 पाठ्यक्रमो के आयोजन की योजना है जिनमे 445 भाग लेने वालो को प्रशिक्षित किए जाने का प्रस्ताव है।

अक्टूबर-नवम्बर, 1980 के दौरान मलेशिया सरकार के सामाजिक सुरक्षा संगठन के छह अधिकारियो ने मुख्यालय तथा निगम के कुछ क्षेत्रीय कार्यालयो मे कर्मचारी राज्य बीमा योजना मे प्रशिक्षण प्राप्त किया।

श्रम मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव, स्थायी समिति मे नियोजको के एक प्रतिनिधि तथा कर्मचारियो के एक प्रतिनिधि को शामिल करते हुए गठित की गई समिति ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल्यांकन किया। अन्य बातो के अलावा समिति ने निम्नलिखित सिफारिशे की है।

1 प्रत्येक 3-4 वर्षों के बाद पुनश्चर्या का पाठ्यक्रमों का आयोजन किया जाए ताकि प्रशिक्षार्थियो को नवीनतम गतिविधियो की जानकारी रह सके।

2 व्याख्यानो के अलावा सामूहिक चर्चा तथा समस्या समाधान सत्रो का आयोजन किया जाए ताकि प्रशिक्षार्थियो के बीच भाग लेने की अधिक भावना तथा प्राप्त प्रशिक्षित अधिक प्रशसा की भावना बनी रहे।

3 केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान को समय समय पर सामाजिक सुरक्षा पर राष्ट्रीय गोष्ठियो का आयोजन करना चाहिए तथा इनमे निगम के सदस्यो तथा अधिकारियो और अन्तर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संगठन के प्रतिनिधियो को भी आमंत्रित करना चाहिए। संस्थान के विकास का उद्देश्य होना चाहिए ताकि यह सामाजिक सुरक्षा मे प्रशिक्षण के लिए निकटवर्ती क्षेत्रो मे अन्य देशो की आवश्यकताए भी पूरी कर सके।

18 15 सामाजिक सुरक्षा के अन्तर्गत व्यावसायिक जोखिमो के प्रश्न का अध्ययन करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संगठन के सदस्यो को एक कार्यचालन ग्रुप का 7 से 10 जुलाई, 1981 तक भारत मे आने की सम्भावना है। निगम उनके आतिथ्य के लिए सहमत हो गया है।

18 16 क० रा० बी० निगम के कार्यचालन के विभिन्न पहलुओं पर विचार करने के उद्देश्य से 20 दिसम्बर से 23 दिसम्बर, 1980 तक क्षेत्रीय निदेशको की एक बैठक हुई थी। केन्द्रीय श्रम तथा योजना मंत्री ने अध्यक्षता की तथा समारोह का उद्घाटन किया और व्याप्ति राज्य सरकारो के साथ सम्पर्क सतर्कता तथा सेवा संगठन के रूप मे क० रा० बी० निगम के महत्वपूर्ण विषयो पर क्षेत्रीय निदेशको को सम्बोधित किया। महानिदेशक ने अपने प्रारम्भिक भाषण मे प्रशासन, बीमा, चिकित्सा तथा लेखा से सबधित विषयो पर व्यापक रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने वचन-बद्ध रूप से सामूहिक कार्य की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक के दौरान क० रा० बी० निगम को अधिक प्रभावशाली सेवा संगठन बनाने के लिए कार्य प्रक्रिया को शक्तिशाली बनाने तथा व्यवहार मे सुधार लाने, राजस्व शाली करने के [illegible] रिकार्ड रखने लेखा परीक्षा प्रबन्ध [illegible] सभी प्रक्रिया के [illegible] महत्वपूर्ण विषयो पर अर्थपूर्ण विचार-विमर्श किया गया।

अनुबंध 1

31-3-1980 की स्थिति के अनुसार कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अधीन (1) योजना के अन्तर्गत आये कर्मचारियो (2) बीमाकृत व्यक्तियो (3) परिवार (बी० व्य०) एककों की संख्या की राज्यवार व्याप्ति की स्थिति का सूचक विवरण

[केवल धारा 2 (12)]

क० स०	राज्य (केन्द्रो की संख्या सहित)	1 योजना के अन्तर्गत आये कर्मचारियो 2 बीमाकृत व्यक्तियो 3. परिवार (बी० व्य०) एककों की संख्या		बीमाकृत महिलाओं की संख्या	लाभाधिकारियों की कुल संख्या	योजना के अन्तर्गत आने वाले कर्मचारियो की संख्या
1	2	3		4	5	6
1	आन्ध्र प्रदेश (44)	(1)	2,40,000	33 150	10,63,100	16,200
		(2)	2,74,000			
		(3)	2,74,000			
2	असम (13)	(1)	32,000	2 000	1 33 700	10 500
		(2)	36,000			
		(3)	36,000			
3	बिहार (29)	(1)	1,40,000	18,150	6,63,500	2 00,000
		(2)	1,71,000			
		(3)	1,71,000			

1	2		3	4	5	6
4.	चण्डीगढ़ (1)	(1)	14,300	850	67,900	—
		(2)	17,500			
		(3)	17,500			
5.	दिल्ली (1)	(1)	2,65,000	22,450	12,80,400	—
		(2)	3,30,000			
		(3)	3,30,000			
6.	गुजरात (15)	(1)	5,50,000	33,150	22,97,000	1,00,000
		(2)	5,92,000			
		(3)	5,92,000			
7.	हरियाणा (18)	(1)	1,94,000	18,650	9,40,990	15,000
		(2)	2,42,500			
		(3)	2,42,500			
8.	हिमाचल प्रदेश (1)	(1)	1,200	50	5,000	4,100
		(2)	1,300			
		(3)	1,300			
9.	जम्मू व काश्मीर	(1)	—	—	—	11,600
		(2)	—			
		(3)	—			
10.	कर्नाटक (18)	(1)	3,00,000	32,800	12,72,600	28,000
		(2)	3,28,000			
		(3)	3,28,000			
11	केरल व माहे (33)	(1)	3,08,000	1,17,250	12,99,800	2,600
		(2)	3,35,000			
		(3)	3,35,000			
12.	मध्य प्रदेश (22)	(1)	1,60,000	15,200	7,76,000	75,000
		(2)	2,00,000			
		(3)	2,00,000			
13.	महाराष्ट्र					
	1. बम्बई क्षेत्र (1)	(1)	11,46,000	81,750	47,33,600	14,000
		(2)	12,20,000			
		(3)	12,20,000			
	2 गोआ (7)	(1)	19,500	1,400	80,300	—
		(2)	20,700			
		(3)	20,700			
	3. नागपुर क्षेत्र (10)	(1)	75,000	2,050	3,18,100	22,000
		(2)	82,000			
		(3)	82,000			
	4. पूना क्षेत्र (15)	(1)	2,43,000	10,400	10,08,800	37,500
		(2)	2,60,000			
		(3)	2,60,000			
14.	उड़ीसा (22)	(1)	1,09,000	11,600	4,50,100	82,000
		(2)	1,16,000			
		(3)	1,16,000			
15.	पाण्डीचेरी (1)	(1)	15,000	1,800	62,100	—
		(2)	16,000			
		(3)	16,000			

1	2		3	4	5	6
16.	पंजाब (27)	(1)	1,65,000	10,100	7,99,300	13,000
		(2)	2,06,000			
		(3)	2,06,000			
17.	राजस्थान (19)	(1)	1,24,000	13,950	6,01,400	11,500
		(2)	1,55,000			
		(3)	1,55,000			
18.	तमिलनाडु (44)	(1)	4,50,000	60,600	20,44,800	32,000
		(2)	5,27,000			
		(3)	5,27,000			
19.	उत्तर प्रदेश (47)	(1)	4,45,000	5,900	19,01,200	34,000
		(2)	4,90,000			
		(3)	4,90,000			
20.	पश्चिमी बंगाल (7)	(1)	9,85,000	45,500	47,72,400	1,48,000
		(2)	12,30,000			
		([illegible])	12,30,000			
21.	समस्त भारत (395)	(1)	59,83,000	5, 8,750	2,65,78,000	8,58,000
		(2)	68,50,000			
		(3)	68,50,000			

अनुबंध–2

कर्मचारी राज्य बीमा योजना

विभिन्न शीर्षों के अन्तर्गत प्रतिव्यक्ति व्यय

	वास्तविक 1978-79 रुपये	वास्तविक 1979-80 रुपये	परिशोधित 1980-81 रुपये	बजट 1981-82 रुपये
1	2	3	4	5
1. नकद हितलाभ :				
बीमारी हितलाभ (विस्तारित बीमारी हितलाभ सहित)	66.27	74.56	84.54	86.90
अस्थायी अपंगता हितलाभ	11.37	11.76	14.39	16.55
स्थायी अपंगता हितलाभ	11.24	11.03	12.60 (क)	14.18
आश्रितजन हितलाभ	2.55	2.99	4.84 (ख)	5.33
प्रसूति हितलाभ	3.14	[illegible].43	3.61	[illegible].72
अन्त्येष्टि हितलाभ	0.17	0.17	0.18	0.18
अन्य हितलाभ	0.24	0.29	0.[illegible]3	0.[illegible]5
अशक्तता हितलाभ	—	—	—	0.16
कुल--नकद हितलाभ	94.98	104 23	120 49	127.37
2. चिकित्सा देखरेख पर व्यय				
(निगम का शेयर)	92.48	107.32	124.70	127.20
3. प्रशासनिक खर्च	17.51	19.27	23.34	24.61
4. अस्पताल, औषधालय (मरम्मत, अनुरक्षण व मूल्य ह्रास)	2.50	3.16	4.18	4.67
5. प्रतिव्यक्ति कुल व्यय	207.47	233.98	272.71	283.85

(क) इस में 1-4-78 से पहले के मामलों के संबंध में 1-4-80 से स्वीकृत वृद्धि के कारण एक मुश्त समायोजन की राशि (2,90.42 लाख रुपये) शामिल नहीं है।

(ख) इस में 1-4-78 से पहले के मामलों के संबंध में 1-4-80 से स्वीकृत वृद्धि के कारण एक-मुश्त समायोजन की राशि (1,59.58 लाख रुपये) शामिल नहीं है।

टिप्पणी : इस विवरण में जो क्षतिग्रस्त कर्मचारियों की वास्तविक संख्या के आधार पर घटनाओं की संख्या निकाली गई है।

अनुबंध—

निर्माणाधीन कर्मचारी राज्य बीमा निगम

क्र० सं०	कार्य का नाम/स्थान	स्वीकृत धनराशि (लाख रुपयों में)	1980-81 के प्रारंभ में प्रत्याशित लक्ष्य	1980-81 के दौरान प्राप्य संभावित उपलब्धियां	1981-82 के लिये लक्ष्य
1	2	3	4	5	6
	अस्पताल				
1.	50 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल गौहाटी, (असम)	56 05	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है
2.	50 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, फुलवारी शरीफ पटना, (बिहार)	25.69	100%	100%	—वही—
3.	50 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, आदित्यपुर, (बिहार)	49.33	100%	100%	—वही—
4.	200 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, बड़ौदा, (गुजरात)	1,37.04	100%	100% (केवल अस्पताल के लिये)	100% (केवल अस्पताल के लिये)
5.	150 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, सूरत, (गुजरात)	90 75	100%	—वही—	—वही—
6.	50 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, कलोल (गुजरात)	36 87	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है।
7.	50 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, राजकोट, (गुजरात)	38.89	100%	90%	100%
8	100 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, मैसूर, (कर्नाटक)	66.62	100%	90%	100%
9	300 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, इन्द्रानगर, बंगलौर (कर्नाटक)	183.00	70%	60%	100%
10.	632 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, थाना, (महाराष्ट्र)	480.77	100%	85%	100%
11.	50 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, वेलूर, (तमिलनाडु)	14 54	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है
12	100 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, नैनी, इलाहाबाद (उ० प्र०)	133 40	100%	100%	—वही—
13	100 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, गाजियाबाद, (उ० प्र०)	117.08	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है।
14.	100 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, आगरा, (उत्तर प्रदेश)	117.93	100%	100%	—वही—
15.	100 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, लखनऊ, (उत्तर प्रदेश)	110.63	100%	100%	—वही—
16.	150 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, (क्षयरोग), आसनसोल, (प० बंगाल)	67.58	100%	100%	—वही—
17.	250 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, (क्षयरोग), (बंबेल) (प०बंगाल)	179 62	100%	100%	—वही—
18	50 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, महाराजपुर, (उ० प्रदेश)	27 69	25%	25%	100%
19.	120 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, शोलापुर, (महाराष्ट्र)	95.44	—	10%	80%
20	60 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, कोटा, (राजस्थान)	81.02	—	—	50%
21.	मौजूदा क० रा० बी० अस्पताल मंगलौर (कर्नाटक), में अतिरिक्त 40 बिस्तर	17.20	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है
22	मौजूदा क० रा०बी० अस्पताल, पाकुनगर कानपुर में अतिरिक्त 100 बिस्तर	31.89	50%	30%	100%
22.	50 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, तथा 4 डा० वाला औरजालर राजा मुंद्री, (आंध्र प्रदेश)	43 58	40%	40%	100%
24	दूसरा क० रा० बी० अस्पताल, हैदराबाद, (आंध्र प्रदेश)	—	—	—	—
25.	क० रा० बी० अस्पताल, गौहाटी, (असम)	56.05	100%	100%	—
26	क० रा० बी० अस्पताल, राची, (बिहार)	20.20	—	—	—
27	क० रा० बी० अस्पताल, शिलमिल, दिल्ली	2.07	—	—	—
28	क० रा० बी० अस्पताल, बसईदारापुर, (दिल्ली)	—	—	—	—
29	क० रा० बी० अस्पताल, भावनगर, (गुजरात)	4.25	—	—	—
30	फरीदाबाद (हरियाणा) अस्पताल, में अतिरिक्त स्टाफ क्वार्टर्स	30.66	—	—	—
31.	100 बिस्तर वाला क० रा० बी० अस्पताल, बल्लभ गढ़, (हरियाणा)	0 01	—	—	—
32	राजाजी नगर (कर्नाटक), अस्पताल में अतिरिक्त स्टाफ क्वार्टर्स	24 77	—	—	—

3

कार्यों की प्रगति का सूचक विवरण

1979-80 तक किया गया व्यय	1980-81 के लिए मूल वित्तीय लक्ष्य लाख रुपयों में	1980-81 के लिये परिशोधित वित्तीय लक्ष्य	1981-82 के लिये वित्तीय लक्ष्य	वित्तीय लक्ष्य कार्य शुरू होने की तारीख	वित्तीय लक्ष्य पूर्ण होने का प्रत्याशित वर्ष	
7	8	9	10	11	12	
	(लाख रुपयों में)					
50.00	6.00	6.00	—	अगस्त 77	1980-81	
25.62	—	—	—	2-10-77	1980-81	
49.33	—	—	—	1-10-78	1980-81	
96.21	—	25.00	15.83	20-12-76		
70.85	19.90	10 00	9 90	25-8-77	1981-82	
24.40	7.00	12 47	—	15-3-78	1980-81	
26.27	6.66	7.62	5.00	11-3-78	1981-82	
55 00	—	5.00	6.62	16-8-76	1981-82	
60.00	75.00	50.80	73.00	1-5-78	1982-83	
285 00	195.00	50.00	60.00	7-1-77	1981-82	पहला चरण
					1983-84	दूसरा चरण
14.13	—	0.41	—	28-9-77	1980-81	
81.41	30.27	43.57	8.42	5-11-76	1980-81	अस्पताल
					1981-82	क्वार्टर
86.10	18.45	30.98	—	जनवरी, 78	1980—81	
112.17	22 93	5.76	—	सितम्बर, 76	1980—81	
85.00	18.40	25.63	—	28-1-78	1980—81	
65.03	—	2.55	—	नवम्बर 75	1980—81	
122.08	44.45	57.54	—	अगस्त 76	1980—81	
7.00	7.00	7.00	13 69	1980	1981—82	
4.00	8 00	8.00	50.00	1979	1982—83	
—	5 00	5.00	40.00	1980	1982—83	
10.00	7.20	7.20	—	1979	1980—81	
8.00	8.00	8.00	15.89	1980	1981—82	
10.00	10.00	15 00	18.58	1980	1981—82	
—	—	10.00	5.00	शुरू नहीं किया गया	—	
50.00	6.05	6.05	—	अगस्त, 77	1980—81	
0.40	10 00	10.00	8.00	अभी शुरु नहीं किया गया	1982—83	
2.07	—	5.00	10.00	—	1983—84	
—	4.00	4.00	4.00	अभी शुरु नहीं किया गया	—	
4.25	5.00	5.00	15.00	-वही-	—	
24.24	5.00	5.00	2.00	24-11-78	1981—82	
9.08	2.00	2 00	5.00	अभी शुरू नहीं किया गया	—	
13.20	11.57	8.00	3.57	24-4-79	1981—82	

क्रम सं०	कार्य का नाम/स्थान	स्वीकृत धनराशि (लाख रुपयों में)	1980-81 के प्रारंभ में प्रत्याशित लक्ष्य	1980-81 के दौरान प्राप्य संभावित उपलब्धियां	1981-82 के लिये लक्ष्य
1	2	3	4	5	6
33.	क० रा० बी० अस्पताल, दावनगेरे, (कर्नाटक)	5.18	—	—	—
34.	क० रा० बी० अस्पताल, हुबली, (कर्नाटक)	1.68	—	—	—
35.	क० रा० बी० अस्पताल, चूंगम फिरोक, (केरल)	3.49	—	—	—
36.	50 बिस्तर वाला अस्पताल, ब्रजराजनगर, (उड़ीसा)	21.39	—	—	—
37.	क० रा० बी० अस्पताल, दक्षिण मद्रास, (तमिलनाडु)	2,05.83	—	—	—
38.	25 बिस्तर वाला अस्पताल तथा 4 डा० वाला औषधालय, जेकैपुर, (उड़ीसा)	39.59	100%	100%	—
39.	50 बिस्तर वाला अस्पताल, अलीगढ़, (उत्तर प्रदेश)	—	—	—	—
40.	50 बिस्तर वाला अस्पताल, वाराणसी, (उत्तर प्रदेश)	22.73	—	—	—
41.	100 बिस्तर वाला अस्पताल, शास्त्री नगर, कानपुर, (उ० प्रदेश)	14.12	—	—	—
42.	100 बिस्तर वाला अस्पताल, किदवईनगर, (उत्तर प्रदेश)	13.54	—	—	—
43.	क० रा० बी० अस्पताल, मानिकटोला, (पश्चिमी बंगाल)	2,23.85	—	—	—
44.	क० रा० बी० अस्पताल, उलूबेरिया, (पश्चिमी बंगाल)	52.74	—	—	—
45.	क० रा० बी० अस्पताल, बज बज, (पश्चिमी बंगाल)	1,16.33	—	—	—
46.	क० रा० बी० अस्पताल ठाकुरपुकुर, (पश्चिमी बंगाल)	1,52.06	—	—	—
क. रा. बीमा अनैक्सियां					
1.	20 बिस्तर वाली क० रा० बी० अनैक्सी तिनसुकिया (असम)	22.85	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है
2.	32 बिस्तर वाली क० रा० बी० अनैक्सी, राबर्ट मोनपट (के जी एफ), (कर्नाटक)	2.66	100%	100%	-वही-
3.	20 बिस्तर वाली क० रा० बी० अनैक्सी, कोलरेर, (बिहार)	2.91	—	—	—
क.० रा० बी० औषधालय					
1.	5 डा० वाला औषधालय, मालेपल्ली, हैदराबाद, (आंध्र प्रदेश)	11.54	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है
2.	3 डा० वाला औषधालय, विजयानगरम, (आंध्र प्रदेश)	9.25	100%	100%	-वही-
3.	2 डा० वाला औषधालय, पेडाकाकनी, (आंध्र प्रदेश)	4.29	100%	100%	-वही-
4.	4 डा० वाला औषधालय (क० रा० बी० अनैक्सी सहित) तिनसुकिया (असम) अनैक्सी के अधीन व्यवस्था की गई		100%	100%	-वही-
5.	2 डा० वाला औषधालय, मुंगेर, (बिहार)	5.30	100%	70%	100%
		(निर्माण एजेंसी के विरुद्ध ठेकेदार के न्यायालय में जाने से कार्य रुका पड़ा है)।			
6.	6 डा० वाला औषधालय, कटिहार, (बिहार)	4.95	100%	100%	-वही-
7.	5 डा० वाला औषधालय, लालदरवाजा सूरत, (गुजरात)	14.16	100%	100%	-वही-
		(ठेकेदार और गुजरात आवास बोर्ड के बीच विवाद के कारण निर्माण कार्य रुका पड़ा है और ठेकेदार ने रोकने के आदेश ले लिये हैं)			
8.	2 डा० वाला औषधालय (भूखण्ड सं० 12 तथा 13) सैक्टर 27 बी० फरीदाबाद, हरियाणा	13 11	100%	80%	100%
9.	5 डा० वाला औषधालय, चेलापुरम, (केरल)	4.75	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है
10.	5 डा० वाला औषधालय, अलगपा नगर, (केरल).	8.57	100%	50%	100%
11.	3 डा० वाला औषधालय, हीराकुंड, (उड़ीसा)	14.96	100%	100%	1980-81 तक पूर्ण होने की आशा है।
12.	2 डा० वाला औषधालय, राजपुरा, (पंजाब)	6.71	100%	80%	100%
13.	3 डा० वाला औषधालय, खरड़, (पंजाब)	5.63	100%	100%	1980-81 तक पूर्ण होने की आशा है
14.	5 डा० वाला औषधालय, कोटा, (राजस्थान)	9.41	100%	100%	-वही-
15.	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक व क्षे० प्र० चि० अ० के कार्यालय, मदुरई, (तमिलनाडु)	7.56	100%	80%	100%
16.	5 डा० वाला क० रा० बी० औषधालय, जूही कानपुर, (उ० प्र०)	7.99	100%	60%	100%
17.	2 डा० वाला औषधालय, चकई, (केरल)	3.58	100%	60%	100%
18.	3 डा० वाला औषधालय, पैरमबूर, (केरल)	5.38	100%	60%	100%

1979-80 तक किया गया व्यय	1980-81 के लिए मूल वित्तीय लक्ष्य	1980-81 के लिए परिशोधित वित्तीय लक्ष्य	1981-82 के लिए वित्तीय लक्ष्य	वित्तीय लक्ष्य: कार्य शुरू होने की तारीख	वित्तीय लक्ष्य: पूर्ण होने का प्रत्याशित वर्ष
7	8	9	10	11	12
		(लाख रुपयों में)			
2.62	2.56	10.18	15.00	--	--
1.63	2.04	2.04	3.00	अभी तक शुरू नहीं किया गया	—
3.49	—	5.00	15.00	-वही-	--
9.09	3.00	3.00	9.30	1-1-71	1981-82
196.72	4.00	4.00	5.11	4-12-75	1981-82
					(आंशिक रूप से चालू किया गया)
37.00	2.59	2.59	—	27-9-76	1-8-79 को चालू किया गया
—	2.00	2.00	10.00	अभी शुरू नहीं किया गया	—
—	5.76	10.00	5.00	-वही-	1982-83
—	12.77	14.12	5.00	-वही-	—
—	12.25	13.54	5.00	-वही-	—
209.89	10.00	10.24	3.72	जुलाई,73	1-3-79 से चालू किया गया
47.05	1.54	5.69	—	14-5-62	चालू किया जा चुका है।
104.66	6.15	6.15	5.52	22-3-66	चालू किया जा चुका है।
4.94	10.00	10.00	10.00	—	—
क० रा० बी० अनैक्सियों					
18.00	—	4.85	—	25-8-77	1980-81
2.00	0.66	0.66	—	मार्च, 76	1980-81
—	1 00	1.60	1 91	शुरू नहीं किया गया	1981-82
क० रा० बी० औषधालय					
6 00	5 54	5 54	—	1977	1980-81
6.00	3.25	3.25	—	18-1-78	1980-81
2.00	2.29	2.29	—	1978	1980-81
कार्य अनैक्सी के अन्तर्गत शुरू किया गया।			—	25-8-77	1980-81
2.87	—	1 00	1 43	अनवरी,70	1981-82
4.95	—	—	—	1978	1980-81
9.22	4 94	4.94	—	25-10-74	1980-81
8.00	4.11	3.00	2.11	1978	1981-82
3.44	2 75	1.31	—	1978	1980-81
2.02	4.55	2.00	4.55	1978	1981-82
14.78	—	0.18	—	1.10.77	1980-81
4.00	2 71	1 00	1.71	1978	1981-82
4 00	2 63	1.63	—	1978	1980-81
9.41	—	—	—	10.3.78	1980-81
4.00	2.00	2 00	1 56	1978	1981-82
4.00	2 59	1.00	2.99	1978	1981-82
1.00	1.58	1.00	1.58	1978	1981-82
1.18	1.27	2.00	2.20	28.9.77	1981-82

क्र० सं०	कार्य का नाम/स्थान	स्वीकृत धनराशि (लाख रुपयों में)	1980-81 के प्रारंभ में प्रत्याशित लक्ष्य	1980-81 के दौरान प्राप्य संभावित उपलब्धियां	1981-82 के लिए लक्ष्य
19.	दो 4 डा० वाले क० रा० बी० औषधालय, कोटॅनमेंट (कर्नाटक)	9.50	100%	55%	100%
20.	4 डा० वाला औषधालय, जयनगर 4 ब्लाक (कर्नाटक)	6.25	100%	100%	100%
21.	4 डा० वाला औषधालय, इन्द्रानगर 2 राज्य, इन्द्रानगर, बंगलौर (कर्नाटक)	9.27	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है।
22.	4 डा० वाला औषधालय, विवेक नगर (कर्नाटक)	9.27	100%	50%	100%
23.	4 डा० वाला औषधालय, जयराजन कालोनी (कर्नाटक)	9.27	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है।
24.	4 डा० वाला औषधालय, मैसूर रोड (कर्नाटक)	9.42	100%	100%	-वही-
25.	4 डा० वाला औषधालय, विलियम टाउन (कर्नाटक)	9.40	100%	100%	-वही-
26.	4 डा० वाला औषधालय, आडुगोडी (कर्नाटक)	9.35	100%	60%	100%
27.	4 डा० वाला औषधालय, श्री रामपुरम (कर्नाटक)	9.50	100%	60%	100%
28.	4 डा० वाला औषधालय, यशवंतपुरम (कर्नाटक)	10.40	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है।
29.	दो 4 डा० वाले क० रा० बी० औषधालय, अजनेय स्वामी मंदिर (कर्नाटक)	9.65	100%	100%	-वही-
30.	4 डा० वाला औषधालय, ब्लाक जयनगर (कर्नाटक)	9.35	100%	60%	100%
31.	दो 4 डा० वाला औषधालय, हेंस रोड (कर्नाटक)	9.39	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है।
32.	4 डा० वाला औषधालय, फ्रेजर टाउन (कर्नाटक)	9.95	100%	100%	-वही-
33.	4 डा० वाला क० रा० बी० औषधालय एवं 5 फरीदाबाद (हरियाणा)	12.50	100%	100%	-वही-
34.	5 डा० वाला क० रा० बी० औषधालय, अम्बावड़ी जयपुर (राजस्थान)	7.28	100%	50%	100%
35.	3 डा० वाला औषधालय, सतपुर नासिक (महाराष्ट्र)	5.09	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है।
36.	प्र० चि० अ० कार्यालय, जयपुर (राजस्थान)	5.65	100%	100%	वही-
37.	2 डा० वाला औषधालय, अजमेर (राजस्थान)	4.60	100%	40%	100%
38.	2 डा० वाला औषधालय, खन्ना (पंजाब)	5.69	100%	15%	100%
39.	3 डा० वाला औषधालय, गुड़गांव (हरियाणा)	5.95	40%	100%	100%
40.	5 डा० वाला औषधालय, प्रतापनगर (गुजरात)	9.20	40%	40%	100%
41.	3 डा० वाला औषधालय, डाबरीकला लुधियाना (पंजाब)	4.61	20%	20%	100%
42.	4 डा० वाला औषधालय, भरतपुर (राजस्थान)	7.18	15%	15%	100%
43.	औषधालय, जोगीगोपा (असम)	8.20	--	—	—
44.	औषधालय, मंगोलपुरी (दिल्ली)	1.30	.	..	—
45.	औषधालय, पिंजौर (हरियाणा)	14.84	--	-	—
46.	औषधालय, 2 एलपार्क एन आई टी फरीदाबाद (हरियाणा)	0.42	-.	- .	—
47.	औषधालय, दयावसंधरा बंगलौर (कर्नाटक)	0.56		--	—
48.	औषधालय, तुंगभद्रा डैम (कर्नाटक)	9.18		-	..
49.	औषधालय, देवास मध्यप्रदेश	3.43	—	—	—
50.	औषधालय, राऊरकेला (उड़ीसा)	10.83	100%	100%	—
51.	औषधालय, राजपुरा (पंजाब)	6.71	100%	70%	100%
52.	औषधालय, मंडी गोबिन्दगढ़ (पंजाब)	0.22	—	—	—
53.	औषधालय, मुदलियारपेट पांडीचेरी (तमिलनाडु)	22.32	—	—	-
54.	2 डा० वाला औषधालय, गांधी नगर (राजस्थान)	2.60		.	.
55.	औषधालय, उसलामपटी (तमिलनाडु)	7.07	100%	5-9-79 को चालू किया गया	—
56.	औषधालय, ताम्बरम (तमिलनाडु)	11.27	100%	100%	—
57.	औषधालय, पेराम्बूर-III (तमिलनाडु)	25.41	100%	100%	—
58.	औषधालय, कादमबक्कम (तमिलनाडु)	19.72	—	—	—
59.	औषधालय, कद्दूर (तमिलनाडु)	6.19	—	—	—
60.	औषधालय, टुडियालूर (तमिलनाडु)	6.38	—	—	—

वित्तीय लक्ष्य					
1979-80 तक किया गया व्यय	1980-81 के लिए मूल वित्तीय लक्ष्य	1980-81 के लिए परिशोधित वित्तीय लक्ष्य (लाख रुपयों में)	1981-82 के लिए वित्तीय लक्ष्य	कार्य शुरू होने की तारीख	प्रत्याशित वर्ष पूर्ण होने का
3.00	3.50	2.00	4.50	1978	1981-82
5.85	1.25	0.40	—	1-6-79	1980-81
3.00	4.27	6.27	—	1978	1980-81
3.00	4.27	3.00	3.27	1-6-79	1981-82
3.00	4.27	6.27	—	1-8-79	1981-82
5.00	4.42	4.42	—	1-8-79	1980-81
5.00	2.40	4.40	—	1-5-79	1980-81
3.00	4.35	3.00	3.35	19-5-79	1981-82
3.00	4.50	3.00	3.50	1978	1981-82
9.00	0.40	1.40	—	1-5-79	1980-81
6.00	3.65	3 65	—	18-5-79	1980-81
3.00	3.35	3.00	3.35	18-5-79	1981-82
6.00	4.39	3.39	—	4-6-79	1980-81
3.00	4.95	6.95	—	4-6-79	1980-81
11.30	2.45	1 28	—	12-7-79	1980-81
2.00	3.28	2.00	3.28	1979	1981-82
2.00	3.09	3.09	—	17-12-79	1980-81
5.65	—	—	—	1977	1980-81
1.00	1.00	1.00	2.60	1980	1981-82
1.00	4.69	4.69	—	1980	1981-82
—	—	2.00	3.95	1980	1981-82
—	4.00	4.00	5.20	1980	1981-82
—	1.00	1.00	3.61	1980	1981-82
—	1.00	1.00	6.18	1980	1981-82
6.50	1.70	1.70	—	1-12-76	1980-81
0.13	1.00	2.00	2.00	शुरू नहीं किया गया	— —
—	5.00	5.00	9.84	29-10-80	1981-82
—	0.42	0.42	1.00	—	—
0.56	1.00	1.00	1.00	—	—
0.18	3.00	3.00	3.00	—	—
3.43	—	1.00	3.00	—	
10.17	0.66	0.66	—		जून, 77 23-8-80 को चालू किया गया।
4.00	1.00	1.00	1.71	23-6-1978	1981-82
—	1.22	1.22	3.00	—	
0.25	5.00	5.00	7.51	—	1982-83
—	3.60	3.60	3.00	19-1-77	5-9-79 को चालू किया गया।
6.00	1.07	1.07	—	19-1-77	-वही-
9.00	2.27	2.27	—	12-7-78	29-4-80 को चालू किया गया।
24.11	1.30	1.30	—	22-7-76	12-4-80 को चालू किया गया।
5.40	2.00	2.00	8.32	शुरू नहीं किया गया।	1982-83
—	2.00	2.00	4.19	-वही-	1981-82
—	2.00	2.00	6.38	-वही-	1981-82

क्र०सं०	कार्य का नाम/स्थान	स्वीकृत धनराशि (लाख रुपयों में)	1980-81 के प्रारंभ में प्रत्याशित लक्ष्य	1980-81 के दौरान प्राप्य संभावित उपलब्धियां	1981-82 के लिए लक्ष्य
61.	औषधालय, दिसीगुल (तमिलनाडु)	8.48	100%	100%	—
62.	औषधालय, विरुधुनगर (तमिलनाडु)	—	—	—	—
63.	औषधालय, हापुड़ (उ० प्र०)	2.00	—	—	—
64.	औषधालय, शास्त्रीनगर, कानपुर (उत्तर प्रदेश)	1.96	—	—	—
65.	औषधालय, बैगमवर, कानपुर (उत्तर प्रदेश)	0.59	—	—	—
66.	औषधालय, शिकोहाबाद (उत्तर प्रदेश)	1.23	—	—	—
67.	विविध (पूरे किए गए भवनों आदि में चालू किए गए कार्यों, परिवर्धन/परिवर्तन के प्राक्कलनों के परिशोधन के लिए व्यवस्था)	—	—	—	—
68.	10 स्वास्थ्य लाभ गृह	—	—	—	
जोड़ : अस्पताल/औषधालय भवन					
कार्यालय भवन व स्टाफ क्वार्टर्स					
1.	क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा)	17.96	100%	50%	100%
2.	स्थानीय कार्यालय, नागदा (म०प्र०) के लिए स्टाफ क्वार्टर्स	1.84	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है।
3.	नेहरू नगर इन्दौर (म०प्र०) में क्षेत्रीय कार्यालय के लिये स्टाफ क्वार्टर्स	26.70	100%	90%	100%
4.	स्थानीय कार्यालय रतलाम (म०प्र०) के लिए स्टाफ क्वार्टर्स	1.84	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है।
5.	स्थानीय कार्यालय, बरहानपुर (मध्य प्रदेश)	2.74	100%	80%	100%
6.	स्थानीय कार्यालय, सतना (मध्य प्रदेश)	2.66	100%	80%	100%
7.	स्थानीय कार्यालय, बुधवारेया, उज्जैन (मध्य प्रदेश)	1.27	100%	100%	100%
8.	क्षेत्रीय कार्यालय, पटना (बिहार)	26.62	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है।
9.	क्षेत्रीय कार्यालय, विल्सी फील्ड, बंगलौर (कर्नाटक)	57.38	100%	70%	100%
10.	अतिरिक्त स्टाफ क्वार्टर्स (चण्डीगढ़)	6.51	100%	70%	100%
11.	स्थानीय कार्यालय कबाड़ी बाजार, कानपुर (उत्तर प्रदेश)	1.89	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है।
12.	स्टाफ क्वार्टर्स, साल्ट लेक, कलकत्ता (प० बंगाल)	30.69	100%	85%	100%
13.	क्षेत्रीय कार्यालय, मद्रास (तमिलनाडु) बहुमंजिले भवन के लिए अनापत्ति-पत्र प्राप्त करने में कठिनाई	64.21	100%	80%	100%
14.	स्थानीय कार्यालय पेनगेट बड़ौदा (गुजरात) के लिये स्टाफ क्वार्टर्स	3.91	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है।
15.	स्थानीय कार्यालय, गुण्डी मद्रास (तमिलनाडु)	1.96	100%	100%	—वही—
16.	स्थानीय कार्यालय, बजराजनगर (उड़ीसा)	1.16	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है।
17.	क्षेत्रीय कार्यालय, अनैक्सी हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)	3.37	100%	100%	—वही—
18.	अतिरिक्त स्टाफ क्वार्टर्स, अंधेरी, बम्बई (महाराष्ट्र)	20.58	100%	50%	100%
19.	लघुस्थानीय तथा स्टाफ क्वार्टर्स, हीराकुड, उड़ीसा	3.09	100%	100%	1980-81 में पूर्ण होने की आशा है।
20.	स्थानीय कार्यालय, चौदवार (उड़ीसा)	4.31	100%	100%	—वही—
21.	स्थानीय कार्यालय, सानथनगर (आन्ध्र प्रदेश)	2.43	40%	40%	100%
22.	क्षेत्रीय कार्यालय, गौहाटी (असम)	20.04	100%	100%	—
23.	स्थानीय कार्यालय, आदित्यपुर (बिहार)	1.37	—	—	—
24.	लघुस्थानीय कार्यालय सिकपारा, बीकानेर (गुजरात)	0.58	—	—	—
25.	स्थानीय कार्यालय, गोकाक (कर्नाटक)	0.18	—	—	—
26.	स्थानीय कार्यालय, दावगेर (कर्नाटक)	2.99	—	—	—
27.	स्थानीय कार्यालय, फीरोक (केरल)	1.00	—	—	—
28.	स्थानीय कार्यालय, चेलापुरम (केरल)	1.27	—	—	—
29.	स्थानीय कार्यालय, देसाईनगर, उज्जैन, (मध्य प्रदेश)	1.27	100%	100%	—
30.	स्थानीय कार्यालय, नासिक (महाराष्ट्र)	2.26	—	—	—
31.	लघु कार्यालय, राउरकेला (उड़ीसा)	—	—	—	—
32.	क्षेत्रीय कार्यालय अनैक्सी, जयपुर (राजस्थान)	5.72	—	—	—
33.	स्थानीय कार्यालय, कोटा (राजस्थान)	1.89	—	—	—

वित्तीय लक्ष्य					
1979-80 तक किया गया व्यय	1980-81 के लिए मूल वित्तीय लक्ष्य	1980-81 के लिए परिशोधित वित्तीय लक्ष्य	1981-82 के लिए वित्तीय लक्ष्य (लाख रुपयों में)	कार्य शुरू होने की तारीख	पूर्ण होने का प्रत्याशित वर्ष
7.75	0.75	0.75		1-7-77	6-5-79 को चालू किया गया
·	2.00	2.00	5.00	—	—
1.98	0.02	0.02	3.00	1.7-77	—
··	1.96	1.96	2.00	-वही-	—
·	0.59	0.59	2.00	-वही-	—
1.23		1.00	2.00	-वही-	—
·		26.97	99.88	—	—
—	—	—	50.00	—	—
		742.08	741.81	—	—
7.00	11.96	5.00	8.96	1978	1981-82
1.00	—	0.84	—	1978	1980-81
12.00	10.00	10.00	4.70	1979	1981-82
1.50	1.34	1.34	—	1979	1980-81
1.00	1.00	1.00	0.74	1978	1981-82
1.00	1.00	1.00	0.66	अगस्त 1980	1981-82
0.50	0.27	0.77	—	1979	1980-81
22.00	8.60	4.62	—	22-4-78	1980-81
20.00	25.80	20.00	17.38	15-11-78	1981-82
3.50	1.17	1.00	2.01	1978	1981-82
1.89	—	—	—	1978	1980-81
15.67	10.03	10.00	5.02	4-4-77	1981-82
29.50	25.37	20.00	14.71	1975	1981-82
के कारण कार्य रुका रहा					
3.00	—	0.91	—	1978	1980-81
1.00	—	0.96	—	1978	1980-81
0.75	—	0.41	—	1979	1980-81
	—	1.37	—	1979	1980-81
2.00					
6.00	10.58	6.00	9.58	1979	1981-82
3.00	—	—	—	1979	1980-81
2.00	—	2.31	—	1979	1980-81
—	1.00	1.00	1.43	1980	1981-82
18.28	2.04	1.76	—	22-7-75	1-8-80 को चालू किया गया
—	0.50	0.50	0.87	चालू नहीं किया गया	1981-82
—	0.58	0.58	—	-वही-	1981-82
—	0.18	0.18	2.00	—	—
—	1.00	1.00	1.99	अभी शुरू नहीं किया गया	1981-82
—	0.50	0.50	0.50	-वही-	1981-82
—	0.50	0.50	0.77	-वही-	1981-82
0.40	0.87	0.87	—	13-11-78	1-4-80 को चालू किया गया
—	1.00	1.00	1.26	4-12-80	1981-82
—	0.50	0.50	0.50	शुरू नहीं किया गया	1981-82
—	1.80	2.00	3.72	25-7-80	1981-82
—	0.50	0.50	1.38	शुरू नहीं किया गया	1981-82

क्र. सं०	कार्य का नाम/स्थान	स्वीकृत धनराशि (लाख रुपयों में)	1980-81 के प्रारंभ में प्रत्याशित लक्ष्य	1980-81 के दौरान प्राप्य संभावित उपलब्धियां	1981-82 के लिये लक्ष्य
34.	स्थानीय कार्यालय जीतपुर (तमिलनाडु)	1.32	100%	100%	—
35.	स्थानीय कार्यालय पेरम्बूर (तमिलनाडु)	2.22	100%	100%	—
36.	अतिरिक्त स्टाफ क्वार्टर्स कानपुर (उत्तर प्रदेश)	10 61	—	—	—
37	विविध (पूरे किए गए भवनों आदि में चालू कार्य परिवर्धन/परिवर्तन के प्राक्कलनों के परिशोधन की व्यवस्था)	—	—	—	—
	जोड़—कार्यालय भवन				

अनुबंध 4

ऐसे निर्माण परियोजनाओं का सूचक विवरण जिनके लिए 1980-81 के बजट प्राक्कलन में की गई धन व्यवस्था का उपयोग नहीं किया गया ।

क्रम संख्या	परियोजना का नाम
1	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, रांची (बिहार)
2	कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, मुक्तापुर (बिहार)
3	कर्मचारी राज्य बीमा अनैक्सी, कोइलवेर (बिहार)
4	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, सिलमिल (दिल्ली)
5	कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, मंगोलपुरी (दिल्ली)
6	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, भावनगर (गुजरात)
7	कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, सैक्टर 16, फरीदाबाद (हरियाणा)
8	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, बल्लभगढ़ (हरियाणा)
9	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, पालघाट (केरल)
10	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, फीरोक (केरल)
11	कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, मक्कर (केरल)
12	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, दावनगेर (कर्नाटक)
13	कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल, औरंगाबाद (महाराष्ट्र)
14	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, चिंचवाड, पूना (महाराष्ट्र)
15	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, नासिक (महाराष्ट्र)
16	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, बीबेवाडी, पूना (महाराष्ट्र)
17	कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, बागदगंज, नागपुर (महाराष्ट्र)
18	कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, मंडी गोविन्दगढ (पंजाब)
19	कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, झारसुगुडा (उड़ीसा)
20	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, मंडी गोविन्दगढ़ (पंजाब)
21	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, भरतपुर (राजस्थान)
22	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, सलेम (तमिलनाडु)
23	कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, कडलूर (तमिलनाडु)
24	कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, विरुधुनगर, (तमिलनाडु)
25	कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, थूडियालूर (तमिलनाडु)
26	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)
27	कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, बरेली (उत्तर प्रदेश)
28	कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, ऐशबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
29	कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश)
30	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, पीपरी, मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)
31	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, ठाकुरपूकुर (पश्चिमी बंगाल)
33	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, श्यामनगर (पश्चिमी बंगाल)
33	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, गार्डन रीच (पश्चिमी बंगाल)
	कार्यालय भवन तथा स्टाफ क्वार्टर
1	स्टाफ क्वार्टर, भुवनेश्वर (उड़ीसा)
2	स्थानीय कार्यालय, जेकेपुर (उड़ीसा)
3	स्थानीय कार्यालय, दावनगेर (कर्नाटक)
4	स्थानीय कार्यालय, फीरोक (केरल)
5	स्थानीय कार्यालय, चेलापुरम (केरल)
6	स्थानीय कार्यालय, कोटा (राजस्थान)
7	स्थानीय कार्यालय, जुही कानपुर (उत्तर प्रदेश)

वित्तीय लक्ष्य

1979-80 तक किया गया व्यय	1980-81 के लिये मूल वित्तीय लक्ष्य	1980-81 के लिये परिशोधित वित्तीय लक्ष्य	1981-82 के लिये वित्तीय लक्ष्य	कार्य शुरू होने की तारीख	पूर्ण होने का प्रत्याशित वर्ष
		(लाखों रुपयों में)			
1.32	—	0.16	—	29-7-77	3-12-79 को चालू किया गया
1.60	0.46	0.62	—	25-9-77	12-2-79 को चालू किया गया
10.08	0.53	0.53	—	31-5-78	1980-81
—	—	8.19	30.01		—
—	—	1,07,92	1,08.19	—	

अनुबन्ध 5

1970-71 से आगे चिकित्सा देख-रेख पर व्यय में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के योगदान का तुलनात्मक विवरण

वर्ष	कुल व्यय (लाख रुपयों में)	प्रतिवर्ष प्रति कर्मचारी व्यय
1970-71	14,43.71	31
1971-72	17,03.47	41
1972-73	20,18.13	51
1973-74	24,70.36	58
1974-75	26,49.93	61
1975-76	32,75.12	70
1976-77	36,42.36	68
1977-78	47,10.73	85
1978-79	52,87.31	92
1979-80	63,59.27	107
1980-81 (अनुमानित)	76,25.20	125
1981-82 (अनुमानित)	79,98.88	127

[सं० जी०-20017/1/81-एस० आई०]

नवीन चावला, उप सचिव

New Delhi, the 1st May, 1981

S. O. 731.—In pursuance of section 36 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Financial Estimates and Performance Budget of the Employees' State Insurance Corporation for the year 1981-82, as finally adopted by the said Corporation, are hereby published for general information.

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
EXPLANATORY MEMORANDUM ON THE REVISED ESTIMATES FOR THE YEAR 1980-81 & BUDGET ESTIMATES FOR THE YEAR 1981-82

The Budget Estimates of the Receipts and Expenditure of the Employees' State Insurance Corporation for the financial year 1980-81 were approved by the Standing Committee and the Corporation at the meetings held on the 17th February, 1980 and 18th February, 1980, respectively. These were approved by the Central Government.

2. The Budget Estimates 1980-81 covered—

(i) provisions needed for the running of the Scheme in various Centres where it has already been implemented, and

(ii) funds needed for the extension of the Scheme to new areas/new classes of establishments.

3. At the time of preparing the Budget Estimates for 1980-81, it was anticipated that the Scheme would be extended to new areas and new classes of establishments as per programme detailed in Appendix I from the dates shown against each in column 3 thereof. However, due to administrative and other difficulties in making adequate medical arrangements by the State Governments concerned, the programme of implementation had to be modified (Original target—62.00 lakh employees, Revised target—61.66 lakh employees). The Scheme was actually extended to some of the areas/new classes of establishments from the later dates as shown in column 4 of Appendix I. As regards the areas/and new classes of establishments where the expectation to extend the Scheme could not materialise, the revised dates, as now anticipated, have been indicated in column 4 of the above referred Appendix.

4. Appendix II shows State-wise total coverage where the Scheme has already been implemented upto 31-12-1980, additional areas including new Sectors of employment, along with the dates, where the Scheme is expected to be implemented by the end of 1980-81 and during 1981-82. These areas have been determined as a result of further correspondence with the State Governments.

5. The Revised Estimates for the financial year 1980-81 and Budget Estimates for the year 1981-82 have been prepared in the light of the revised programme of implementation.

BUDGET STATEMENTS

6.1 The tabulated Budget Statements A and B contain actuals of receipts and expenditure, respectively, for the year 1979-80, Revised Estimates for 1980-81 and Budget Estimates for 1981-82.

6.2 The table below shows the estimates at a glance

BUDGET AT A GLANCE

Head of Account	1979-80 Actuals	1980-81 Estimates		1981-82 Budget Estimates
		Budget	Revised	
		(Rupees in lakhs)		
		REVENUE RECEIPTS		
Contributions	1,59,76 04	1,62,31 00	1,78,20 00(a)	1,88,80 00(a)
Miscellaneous (b)	10,03 00	9,03 70	13,53 67(c)	13,61.477(c)
Total Revenue Receipts	1,69,79 04	1,71,34.70	1,91,78.67	2,02,41 47

(a) For the reasons of increase in receipts from contributions see paragraphs 9.2 and 18.1.

(b) This covers share of Delhi Administration towards medical benefits, interest from investments of surplus cash balance and other heads of revenue. The figures do not include (i) the interest realised on investment of earmarked reserve Funds and (ii) the interest of Rs. 13,07.70 lakhs and Rs. 14,87.30 lakhs accrued during the year 1980-81 and 1981-82 respectively, which will actual be paid on maturity of Fixed Deposits made under the "Re-investment Plan".

(c) For the reasons of variations see paragraphs 9.6 and 18.3.

Head of Account	1979-80	1980-81 Estimates		1981-82
	Actuals	Budget	Revised	Budget Estimates
		(Rupees in lakhs)		
		EXPENDITURE ON REVENUE ACCOUNT		
1. Benefits:				
A. Medical Benefits	63,59.27	68,72.45	76,25 20(b)	79,98 88(d)
	(d) See paragraphs 11.1 & 20.1.			
B. Cash Benefits	63,55.23	63,52.47	76,32 33(d)	77,60 46(e)
	(e) See paragraphs 11.2 & 21.1			
C. Other Benefits (f)	17.32	19.44	21 33	22.11
	(f) See paragraph 12			
Total Benefits	1,27,31.82	1,32,44.36	1,52,77 86	1,57,81.48
2. Administration expenses	11,37.56	12,12.44	14,18 14(g)	15,38.99(g)
	(g) See paragraphs 13 & 23.			
3. Hospitals/Dispensaries (Depreciation, Repairs & Maintenance)	1,86.77	2,02 35	2,53.86	2,91 90(h)
	(h) See paragraph 24			
4. Capital Construction & Emergency Reserve Funds	18,62.64	17,93 59	18,78.91(i)	20,36.22
	(i) See paragraph 15			
Total Expenditure on Revenue Account	1,59,18.79	1,64,52.74	1,88,28.77	1,96,48.59
Excess of income over expenditure	10,60.25	6,81.96	3,49 90(j)	5,92.88

(j) The decrease compared to Budget Estimates for 1980-81 is due to one-time adjustment of Rs. 4,50 00 lakhs on account of increase granted with effect from 1-4-1980 in the amount of Permanent Disablement Benefit and Dependants, Benefit as approved by the Corporation in its meeting held on 14-12-1980. Please see para. 17 also.

Head of Account	1979-80	1980-81 Estimates		1981-82
	Actuals	Budget	Revised	Budget Estimates
		(Rupees in lakhs)		
		EXPENDITURE OUTSIDE THE REVENUE ACCOUNT		
Expenditure on Capital Account	6,63.80	9,25 00	8,50 00(k)	8,50.60(k)
	(k) See paragraphs 16,26.1 & 26.2			
		CASH BALANCE		
Opening Cash Balance	6,31.48	6,34.65	7,54.66	6,36 09(l)
Closing Cash Balance	7,54.66	6,36 09	6,36 09	6,40 00(l)
	(l) See paragraph 28			

Brief explanations for some of the important items under the various heads are furnished in the following paragraphs.

7. Contributions

Employer's and Employee's shares of contribution are payable by the employer as per rates in Schedule I of the Employees State Insurance Act, 1948 as modified by the Employees' State Insurance Amendment Act, 1975.

8.1 Medical Benefits:

The expenditure under the head "A-Medical Benefits", except for the Union Territory of Delhi where the Scheme is directly administered by the Corporation, is initially incurred by the State Governments and is later shared between the Corporation and the State Governments in the prescribed ratio of 7:1. The maximum shareable amount is subject to the ceilings fixed by the Corporation from time to time. The provision made under this head is intended to cover the Corporation's share of the expenditure.

8.2 Ceiling on Expenditure on Medical Benefits

The ceilings of yearly shareable expenditure on medical benefits per employee are as follows from 1st April, 1980.

Type of Medical Care	Amount of ceiling per employee
Restricted	Rs. 70
Expanded	Rs. 85
Full	Rs. 120

Further expenditure on drugs, medicines and dressing exceeding Rs. 25 but not exceeding Rs. 50 per employee family unit per annum is allowed over and above the rates of ceiling.

The rent of buildings owned by the Employees' State Insurance Corporation and charged to the E.S.I. Scheme, is now kept outside the ceiling from the year 1980-81 but is shared between the State Governments and the Corporation in the usual ratio.

8.3 Payments to State Governments

The Corporation makes during the year 'On Account' payments upto 90% of its share of expenditure on medical benefits, on the basis of expenditure statements received from the State Governments, subject to adjustments on receipt of audit certificates from the concerned State Accountant General.

8.4 Expenses incurred directly by the Corporation

The provision made under the head "Medical treatment and care and maternity facilities—expenses incurred directly by the Corporation" includes the estimated cost of administration of the Medical care to the Insured Persons and their families in the Union Territory of Delhi. The anticipated recovery at the rate of 1/8th of shareable amount has been taken into account in the Revised Estimates 1980-81 and Budget Estimates 1981-82 on the Revenue side under the head "State Governments/ Union Territories' share towards medical benefits initially incurred by the Corporation".

REVISED ESTIMATES FOR THE YEAR 1980-81

I--RECEIPTS

9.1 The Revenue of the Corporation for the current year (1980-81) is now estimated at Rs. 1,91,78.67 lakhs as against Rs. 1,71,34.70 lakhs assumed in the Budget.

CONTRIBUTIONS

9.2 The income from contribution is now anticipated at Rs. 1,78,20.00 lakhs against Rs. 1,62,31.00 lakhs at the budget stage. The increase which is 9.78% of the original estimates may be attributed partly to higher rates of contributions on account of increase in wages. (This is apparent from the fact that during the year 1979-80, the average daily rate of Sickness Benefit increased by about 7% and there may have been a further increase during 1980-81). In the nature of things, this increase could not be anticipated at the time of framing the budget estimates. The extension of the system of collection of contributions through cash in place of contribution stamps in the remaining 8 Regions has also quickened the inflow of revenue.

9.3 The total number of 'covered' employees as on 31-12-1980 was 60.07 lakhs and about 1.59 lakh more employees are likely to be added by the end of the financial year by way of extension of the Scheme and additional coverage in the existing implemented areas. The Revised Estimates take into account the anticipated additional coverage.

9.4 The contributions in arrears for the period upto 31st March, 1979, as on 31st March, 1980, amounted to Rs. 28,09.78 lakhs. The Corporation has already taken legal action for recovery of outstanding arrears of Rs. 20,24.78 lakhs. Legal action has been initiated in respect of Rs. 2,63.00 lakhs. Legal action for another amount of Rs. 2,83.00 lakhs is under consideration (this covers mainly those cases where the employers had approached the appropriate Government for exemption, cases where the question of retrospective coverage of branch offices/sales offices arose as a result of Supreme Court decision and cases where the Corporation is to pay Ad-valorem fee for initiating recovery action). For the remaining amount of Rs. 2,39.00 lakhs, it is not possible to proceed with legal action, due to either court injunctions restraining recovery of as a result of the factories going into liquidation, or the employers disputing coverage in the Court of law. Concerted efforts are being made by the Corporation for recovery of arrears. It may, however, be stated that the Corporation has to depend on State Governments for recovery of arears.

SHARE OF DELHI ADMINISTRATION TOWARDS MEDICAL BENEFITS

9.5 The responsibility for provision of medical care to the insured persons and their families in Delhi was taken over by the Corporation with effect from the 1st April, 1962. In accordance with the approved arrangements, 1/8th of expenditure incurred by the Corporation together with such expenditure as may be in excess of the prescribed ceiling on medical care is recoverable from the Delhi Administration. Provision of Rs. 79.09 lakhs, under the head "State Governments/Union Territories share towards medical benefits initially incurred by the Corporation" represents the amount payable by the Delhi Administration for the year 1978-79 (Part payment was made in 1979-80) and 1979-80

Interest and Dividends

9.6 The estimates cover interest received on investment of General Cash Balance and Provident Fund, interest received on advances to the employees of the Corporation and interest on loans to Maharashtra Government paid upto the year 1977-78 for expansion of hospital & dispensary buildings. The interest received on investments of Emergency Reserve Fund, which is a non-earmarked reserve fund, is also now being credited under this head.

The increase in the receipts in the Revised Estimates 1980-81 is partly due to the crediting of the interest of Rs. 1, 01.72 lakhs in respect of Emergency Reserve Fund to this head instead of that fund itself, as has been stated in the preceding paragraph. Besides, the increase is also due to additional interest that will be realised on account of an extension in the term of the Fixed Deposit Receipts maturing during the period from April, 1980 to February, 1981, to March, 1981.

The investments are now made in fixed deposits under 'Re-investment Plan". The amount of interest shown in the revised estimates 1980-81 does not include Rs. 13, 07.70 lakhs towards interest on investments of non-earmarked reserve funds under the Re-investment Plan, which has accrued but will be payable on maturity of the fixed deposits.

Compensations

9.7 Where the incidence of Sickness Benefit payments to insured persons in any State is found to exceed the all India average, the amount of such excess is shared between the State Government and the Corporation in accordance with the provisions contained in Section 58 (2) of the ESI Act. Similarly, where the Corporation considers that the incidence of sickness among insured persons is excessive by reasons of –

(i) Insanitary working conditions in factory or establishment or the neglect of the owner or occupier of the factory or establishment to observe any health regulation enjoined on him by or under any enactment, or

(ii) insanitary conditions of any tenements or lodgings occupied by insured persons and such insanitary conditions are attributable to the neglect of the owner of the factory or the establishments to observe any health regulations enjoined on him.

the Corporation may, in accordance with the provisions contained in Section 69 of the E.S.I. Act, 1948, recover the extra expenditure incurred on account of sickness benefit from the owner or occupiers of the factory or establishment.

The provision made in the Revised Estimates 1980-81, is Rs. 3,19.82 lakhs. This includes recovery towards excessive sickness benefit from the State Governments of Bihar (Rs. 7.56 lakhs), Madhya Pradesh (Rs. 36.20 lakhs) and Tamil Nadu (Rs. 2,75.46 lakhs) during 1980-81. Besides, Rs. 0.60 lakh are expected to be realised towards compensation from employers in the Revised Estimates 1980-81.

9.8 Rents, Rates and Taxes in respect of—

(i) Office Buildings (including staff quarters), and

(ii) Hospitals/Dispensaries (including staff quarters)

The rent in respect of hospitals and dispensaries buildings constructed by the Corporation forms a part of the shareable expenditure incurred by the State Governments on the provision of medical banefits to the insured persons. It, thus, gets automatically apportioned between the Corporation and the State Governments in the prescribed ratio of 7:1.

Fees, Fines & Forfeiture

9.9 These include receipts on account of licence fee from the employers for use of Franking Machines by them and also damages levied on the employers for failure to pay dues of the Corporation and/or non-submission of contribution cards in time.

Miscellaneous Receipts

These include receipts on account of cost of duplicate identity cards, recoveries of over payments and disallowances in Audit, recoveries of leave salary and pension contributions, employees contribution towards C.G.H.S., recoveries of service expenditure incurred in previous years which cannot be taken to the corresponding revenue heads, recoveries of cost of law suits including amounts decreed by courts and recoveries of Cash Benefits etc.

II—EXPENDITURE

10. The expenditure on Revenue Account in the current year (1980-81) is now estimated to be Rs. 1,88,28.77 lakhs against Rs. 1, 64, 52.74 lakhs anticipated in the Budget.

BENEFIT TO INSURED PERSONS & THEIR FAMILIES

A—MEDICAL BENEFITS

11.1 The total provision under this head is Rs. 76,25.20 lakhs (includes arrear payments of Rs. 12,53.51 lakhs for earlier years) which comprises Rs. 72, 15.71 lakhs as Corporation's share of expenditure incurred by the State Governments on providing medical care, Rs. 3,90.49 lakhs as expenditure on Medical Benefits in Delhi where the Scheme is directly administered by the Corporation and Rs. 10.00 lakhs towards the payment of confinement fees made directly by Local Offices in Greater Bombay to the women employees and wives of insured persons. In respect of Delhi, the recovery of 1/8th expenditure has been taken into account on the receipt side of the Budget Estimates 1981-82. The 1/8th share of confinement charges d. from Maharashtra State be adjusted while reimbursing its claim for expediture on medical benefits.

An amount of Rs. 12,53.51 lakhs has been provided to meet the past liabilities expected to be settled during the current financial year against the provision of Rs. 12,46.56 lakhs in the budget estimates 1980-81.

The increase in the Revised Estimates 1980-81 in the expenditure on Medical Benefits is mainly due to revision of the ceiling on medical care with effect from 1st April, 1980 provision for which was not made in the Budget Estimates.

B—CASH BENEFITS

11.2 Provision of Rs. 76, 32.33 lakhs in the Revised Estimates 1980-81 made for the various Cash Benefits, vide details in the Statement 'B', against the original provision of Rs. 63,52.47 lakhs, is based on the progress of actuals for the first eight months of the financial year 1980-81 and the anticipated requirement for the remaining months.

There has been in the case of Sickness Benefit a trend towards an increase in the average number of benefit days per annum per employee. The average amount of daily rate of Sickness Benefit and Temporary Disablement Benefit per employee has also shown a trend towards increase as shown below.

	Sickness Benefit			Temporary Disablement Benefit		
	1977-78	1978-79	1979-80	1977-78	1978-79	1979-80
Average number of benefit days per annum per employee	6.0	6.8	7.8	0.97	1.13	1.10
Average benefit rate per day per employee	Rs. 8.31	Rs. 8.92	Rs. 9.54	Rs. 9.39	Rs. 10.10	Rs. 10.72

The increase in the average number of benefit days per annum per employee in the case of Sickness Benefit and the average benefit rate per day per employee in the case of Sickness Benefit and Temporary Disablement Benefit have resulted in increase of Rs. 13. 75. (9.54 × 7.8—8.92 × 6.8) per employee per annum in the case of Sickness Benefit and Rs. 0.38 (10.72 × 1.10 — 10.10 × 1.13) per employee per annum in the case of Temporary Disablement Benefit. The increased provisions in the Revised Estimates 1980-81 and Budget Estimates 1981-82 are mainly attributable to the above increases.

The increased provisions in the Revised Estimates 1980-81 in respect of Permanent Disablement Benefit and Dependants Benefit take into account the additional provision (Rs. 4, 50.00 lakhs) necessary by way of one time adjustment on account of enhancement of the rates of benefits with effect form 1st April, 1980, in cases where disablement or death occurred prior to 1-4-1978.

The estimates also take into account the increase in rates of disablement and dependant's 'benefit from 125% to 140% of the standard benefit rate with effect from 1st January, 1981. A part of the increase (Rs. 1, 10.00 lakhs approximately) in the Dependants' Benefit is attributable to the clearance of pending cases of Dependants' Benefit during 1980-81.

The State Governments have been advised to curb lax certification and exercise better control by monitoring the requisite date. A committee was set up to look into the question of lax certification during strikes, lay off etc,. The report of that Committee is being placed before the Standing Committee and the Corporation.

'C'—OTHER BENEFITS

12. A provision of Rs. 20.33 lakhs has been made in the Revised Estimates against the Budget Estimates of Rs. 19.44 lakhs under C—Other Benefits to cover expenses on miscellaneous items e.g. fees paid to Medical Boards and Appeal Tribunals, the payments made to Insured Persons in reimbursement of the expenditure incurred direct by them on transport for appearing before Medical Boards and Medical Referees and also expenditure on the loss of wages payable to the Insured Persons for appearing before the Medical Boards, another miscellaneous expenses including fee paid for post mortem examination of Insured Persons and charges payable to Police authorities for obtaining police reports and other statements for deciding cases of employment injury etc.

ADMINISTRATION EXPENSES

13. The total expenditure on administration during the year 1980-81 is now anticipated at Rs. 14, 18.14 lakhs as against Rs. 12, 12.44 lakhs anticipated at the budget stage. The provision is based on the actual expenditure incurred during the first eight months of 1980-81 (including actuals of pay & allowances for nine months) and the expenditure likely to be incurred during the remaining four months of the year. The latter includes expenditure on certain items which are adjusted annually at the close of the year, viz. annual maintenance and depreciation charges transferred to Reserve Funds, Corporation's Contribution to Pension Reserve Fund and the Employees' State Insurance Corporation Contributory Provident Fund and interest thereon.

The reasons for increased provision in Revised Estimate 1980-81 are briefly as under:

A—SALARY

(i) Increase in dearness allowance with effect form 1.11. 1979, 1. 2. 1980, 1.5. 1980, 1. 7. 1980 and 1.9. 1980 (Rs. 86.00 lakhs).

(ii) Ad hoc payment of 15 days wages to the employees drawing emoluments upto Rs. 1, 600/- P. M. (Rs. 17.00 lakhs).

(iii) Grant of encashement of a month's leave once in a block of two years commencing from 1. 6. 1980 (Rs. 32.89 lakhs approximately). Consequent on the introduction of the Scheme, the leave reserves have been reduced by 50%. The surplus leave reserve posts could, however, be adjusted gradually against the available vacancies during the course of the year 1980-81. The remaining surplus posts (41 LDCs and 2 Peons) will be adjusted in the first quarter of 1981-82.

B—CONTINGENCIES

	Rs.
(i) Postage, Telegram and Telephone charges: Due to increase in postal rates	4.00 lakhs
(ii) Stationery and Forms: Due to marked increase in the cost of paper and printing charges of forms which are inescapably required for disbursement of benefits to insured persons, and also for record-keeping etc. of the revenues of the Corporation	25.00 lakhs
(iii) Rents, Rates and Taxes: Due to hiring of a separate building for the Regional Office, Delhi	12.73 lakhs
Total	41 73 lakhs

C—OTHER CHARGES

(i) Repairs and maintenance of buildings for the offices of the Corporation including staff quarters: Due to increase in the rate of provision to Repairs and Maintenance Reserve Fund, in accordance with the revised pattern of the Central Public Works Department.	7.36 lakhs
(ii) Pension Reserve Fund: Due to additional contribution payable on account of more subscribers of Contributory Provident Fund opting to come over to Pension Scheme and counting of Dearness Pay for calculation of contrubution to Pension Reserve Fund	24.00 lakhs
Total	31.36 lakhs

The above increases have partly been offset by reduction in the Corporations contribution to the Contributory Provident Fund, reduction in the provision for legal charges, non provision of depreciation on staff cars etc. resulting is a net increase of 26.64 lakhs.

HOSPITALS/DISPENSARIES

14. The provision under this head comprises (i) depreciation of hospital & dispensary buildings (Rs. 51.89 lakhs) and (ii) repair and maintenance of these buildings (Rs. 2, 01.97 lakhs) as per the percentage of capital cost fixed for the purpose.

CONTRIBUTIONS TO CAPITAL CONSTRUCTION AND EMERGENCY RESERVE FUNDS

CAPITAL CONSTRUCTION RESERVE FUNDS

15.1 In accordance with the provisions of Section 28 (iv) of the Employees State Insurance Act, 1948, one of the purposes for which the Employees' State Insurance Fund shall be expended is "establishment and maintenance of hospitals, dispensaries and other institutions and the provision of medical and other ancillary services for the benefit of insured persons and, where the medical benefit is extended to their families". In its meeting held on the 2nd February, 1974, the Corporation decided that 10% of the total revenue derived from 'Employers' and 'Employees' contribution may be credited to the Capital Construction Reserve Fund for construction of hospitals, dispensaries and for other Medical institutions, and office buildings and staff quarters in the ratio of 8:2, respectively. Accordingly, provision of Rs. 17, 78.91 lakhs has been made in the Revised Estimates 1980-81 (This amount takes into account the adjustment of Rs. 3.09 lakhs, on account of excess provision made during 1976-77 to 1979-80, by crediting to the Fund 10% of the interest received contribution).

EMERGENCY RESERVE FUND

15.2 As decided by the Corporation in its meeting held on 17th March, 1973, 20% of the excess of income over expenditure subject to a minimum of Rs. one crore (whole of the excess when it is less than Rupees one crore) is to be credited to the Emergency Reserve Fund. Accordingly, provision of Rs. 1,00.00 lakhs has been made in the Revised Estimates 1980-81.

EXPENDITURE ON CAPITAL ACCOUNT

16. The amount originally provided for expenditure on Capital account for construction work was Rs. 9,25.00 lakhs comprising (i) Rs. 1,25.00 lakhs for construction of office buildings including staff quarters & (ii) Rs. 8,00.00 lakhs for construction of hospitals and dispensaries.

The provision for Rs. 8,50.00 lakhs has been made in the Revised Estimates 1980-81 as follows—

(a) OFFICE BUILDINGS (INCLUDING STAFF QUARTERS)

The provision of Rs. 1,25.00 lakhs made in the Budget Estimates 1980-81 has been reduced to Rs. 1,07.92 lakhs in the Revised Estimates 1980-81 on the basis of trend of actuals.

(b) BUILDINGS OF HOSPITALS AND DISPENSARIES

The provision of Rs. 8,00.00 lakhs under this head has also been reduced to Rs. 7, 42.08 lakhs in the Revised Estimates 1980-81 on the basis of trend of actuals and anticipated payments. The office buildings (including staff quarters) and buildings of hospitals and dispensaries for which the provision made in the budget estimates 1980-81 has remained unutilised substantially, are shown in Annexure IV to Performance Budget 1981-82 in this Volume. Non-utilisation of the budget provison has been due to either the State Governments/construction agencies not asking for fnunds as the pace of construction could not be kept up on account of difficulties in procuring cement and steel or the new projects could not be taken in hand as anticipated. The matter is being pursued with the construction agencies/State Governments.

EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE

17. At the Budget stage the excess of income of Rs. 6,81.96 lakhs over expenditure was estimated. However, as per Revised Estimates the excess of income over expenditure has been assessed as Rs. 3,49.90 lakhs. The decrease which works out to Rs. 3,32.06 lakhs can be broadly analysed as under—

Increase in expenditure on:	(Rupees in lakhs)
I. (a) Medical Benefits	7.52.75
(b) Cash benefits	12,79.86
(c) Other Benefits	0.89
(d) Administration Expenses	2,05.70
(e) Hospitals & Dispensaries (Depreciation, Repairs & Maintenance)	51.51
(f) Capital Construction & Emergency Reserve Funds	85.32
Total—I	23,76.03
II. The increase of Rs. 23,76.03 lakhs is partly off set by the following –	(Rupees in lakhs)
(a) Increase in Contributions Income	15,89.20
(b) Increase in income under other heads of revenue	4,54,77
(c) Total-II	20,43.97
Net decrease	3,32.06

BUDGET ESTIMATES FOR THE YEAR 1981-82

I—RECEIPTS

CONTRIBUTIONS

18.1 Income on account of contributions (Employers' and Employees' Shares) has been estimated at Rs. 1,88,80.00 lakhs bearing in mind (a) Resvised Estimates 1980-81, (b) expected number of 62.49 lakhs 'covered' employees (weighted average) during 1981-82 and (c) anticipated per capita annual income of Rs. 302 from contributions.

18.2 The table below shows the per capita income from contribution from 1976-77 onwards.

1976-77	1977-78	1978-79	1979-80	1980-81 (Estimates)	1981-82 (Estimates)
Rs. 236	Rs. 239	Rs. 250	Rs. 271	Rs. 293	Rs. 302

INTEREST FROM INVESTMENTS OF SURPLUS CASH BALANCES

18.3 The increase in the Budget Estimates 1981-82 is attributable to the realisation of interest on the investments under the Re-investment Plan maturing from November, 1981 onwards. The amount of interest shown in the Budget Estimates 1981-82, does not include Rs. 14,87.30 lakhs towards interest on investments of non-earmarked reserve funds under the Re-investment Plan, which has accrued but will be payable on maturity of the fixed deposits.

RENT OF HOSPITAL AND DISPENSARY BUILDINGS OWNED BY THE CORPORATION

18.4 A sum of Rs. 4,38.00 lakhs is expected to be recovered from the State Governments on account of rent of the hospital and dispensary buildings owned by the Corporation. The increased provision in the Budget Estimates 1981-82 is due to the commissioning of more number of hospitals.

II—EXPENDITURE

19. The increased provision under the various heads in the Budget Estimates 1981-82 as compared to the corresponding provision in the Revised Estimates 1980-81, is mainly due to—

(i) operation of the Scheme for full year in areas, including establishments, where the implementation has been brought during the year 1980-81;

(ii) extension of the Scheme to new areas/establishments;

(iii) expected increase in employment in the implemented areas; and

(iv) the improvement in the type of medical care to the families of Insured Persons.

A—MEDICAL BENEFITS

20.1 A total provision of Rs. 79,98.88 lakhs, including an amount of Rs. 10,44.86 lakhs for past liabilities, has been made in the Budget Estimates 1981-82 for medical benefits in the light of Revised Estimates 1980-81, anticipated additional coverage during the year and improvement in the type of medical care to the families of insured persons. The number of covered employees during 1981-82 has been estimated at 62.49 lakhs (weighted average). The provision includes Rs. 4,80.24 lakhs to be incurred directly by the Corporation during 1981-82 for providing medical care to the Insured Persons and their families in the Union Territory of Delhi and also Rs. 10.00 lakhs to be spent directly by the Corporation towards payment of confinement fees to the women employees and wives of insured persons in Greater Bombay.

The average approximate cost of Corporation's share of medical care per 'employee' per annum as provided in the Budget Estimates is as under—

1978-79 Actuals	1979-80 Actuals	1980-81 Revised Estimates	1981-82 Budget Estimates
Rs. 92.00	Rs. 107.32	Rs. 124.70	Rs. 127.20

20.2 The Corporation's outstanding liability towards reimbursement of its share of the medical cost incurred by the State Government, upto 1979-80, is anticipated to the extent of Rs. 19,82.40 lakhs. Out of this claims for Rs. 12,53.51 lakhs are expected to be paid during 1980-81.

Out of the outstanding balance of Rs. 13,92,47 upto 1980-81 (Balance of Rs. 7,28.89 lakhs in respect of earlier year and Rs. 6,63.58 lakhs in respect of the 10% of the anticipated liability for 1980-81), an amount of Rs. 10,44.86 lakhs is expected to be paid during 1981-82 on receipt of the audit certificates.

B—CASH BENEFITS

21.1 Expenditure on Cash Benefits during 1981-82 is estimated at Rs. 77,60.46 lakhs keeping in view the Revised Estimates 1980-81 and the extension of the Scheme to new areas and establishments. Due allowance has been made for commencement of benefit periods in the new areas expected to be covered under the Scheme. The capitalised value of total liabilities on account of Permanent (Partial and Total) Disablement and Dependants' Benefits already arisen/ expected to arise out of employment injuries occurring in the course of the year, has also been provided for.

The estimates taken into account the increase in the rates of disablement and dependants' benefit from 125% to 140% of the standard rate of benefit with effect from 1st January, 1981.

21.2 A provision of Rs. 22.14 lakhs has been made under other Benefits referred to in paragraph 12 above.

21.3 Expenses per Employee.

The average approximate cost of various categories of Cash Benefits per employee per annum as provided in the Budget Estimates is as under—

Benefits	1978-79 Actuals	1979-80 Actuals	1980-81 Revised Estimates	1981-82 Budget Estimates
			(In Rupees)	
(i) Sickness Benefit (including 'Extended Sickness Benefit)	66.27	74.56	84.54	86.90
(ii) Maternity Benefit	3.14	3.43	3.61	3.72
(iii) Temporary Disablement Benefit	11.37	11.76	14.39	16.55
(iv) Permanent Disablement Benefit (Capitalised value)	11.24	11.01	12.60**	14.18
(v) Dependants' Benefit (Capitalised value)	2.55	2.99	4.84**	5.33
(vi) Funeral Benefit	0.17	0.17	0.18	0.18
(vii) Other Benefits	0.24	0.29	0.33	0.35
(viii) Invalidity Benefit	—	—	—	0.16
TOTAL	94.98	1,04.31,	120.49	1,27.37

**Per capita has been worked out after excluding the amount of one-time adjustment Rs. 2,90.42 lakhs and Rs. 1,59.58 lakhs in respect of Permanent Disablement Benefit and Dependants' Benefit, respectively.

INTRODUCTION OF INVALIDITY BENEFIT

22. The Corporation has approved the Scheme of Invalidity Benefit to be introduced in the Employees' State Insurance Act, to cover the contingency of invalidity due to causes other than employment injury. Amendment of the Employees' State Insurance Act is under consideration of the Central Government. A token provision of Rs. 10.00 lakhs has therefore, been made for Invalidity Benefit in the Budget Estimates 1981-82.

ADMINISTRATION EXPENSES

23.1 A total provision of Rs. 15,38.99 lakhs has been made for expenses on Administration in the Budget Estimates 1981-82.

The Budget Estimates 1981-82, provide for Rs. 11,43.98 lakhs towards total pay and allowances against Rs. 10,54.19 lakhs in the revised estimates 1980-81. The additional provision of Rs. 89.79 lakhs in the Budget Estimates is attributable to (a) full impact of additional dearness allowance sanctioned from 1-11-1979, 1-2-1980, 1-5-1980, 1-7-1980 and 1-9-1980 and paid/likely to be paid during 1980-81 (b) normal increments of pay and consequential increases in allowance (c) additional posts likely to be created during 1981-82 on account of increase in coverage and setting up of a number of new Local Offices (d) full effect during the year 1981-82 of the additional posts sanctioned in 1980-81 and (e) additional effect of payment of bonus based on one months wages as against ad hoc payment of fifteen days' wages during 1980-81. The budget provision includes posts for which sanction of the Central Government has been asked for or is being asked for. In case the Central Government does not communicate approval

for the creation of some of the posts during the year, the provision made therefor will not be utilised for other expenditure.

STAFF STRENGTH

23.2 A statement showing the details of the staff of the Corporation as it stood sanctioned on 31-3-1980 and that it is expected to be on 31-3-1981 and 31-3-1982 is at Appendix III. The increase in staff strength, which is due to progressive expansion of the Employees' State Insurance Scheme, is as per approved norms.

Revised norms for Local Offices and Regional Offices Grade-I have been formulated by the O&M Division in consultation with the ESIC Employees' Federation and implemented during the year 1980-81. Revised norms for Regional Offices Grade II, III and IV, and certain other qualitative changes in staff consequent upon the recommendations emerging from the Regional Directors' Conference held in December, 1980, are under consideration. Provision for additional posts, where necessary, will be made in the Revised Estimates 1981-82.

23.3 The Corporation has decided to set up an appropriate media for educative publicity of its activities. Sanction of the Central Government for the post of Director (Publicity) has been received. Provision for this post has been made in the Budget Estimates. Provision for the supporting staff, as may be necessary, will be made in the Revised Estimates 1981-82.

23.4 A statement showing details of provision made under the head 'Allowances & Honoraria' is at Appendix IV.

CONTINGENCIES (BOTH UNDER 'A –SUPERINTENDENCE' AND 'B—FIELD WORK' AND 'C-OTHER CHARGES')

23.5 The provision under the various sub-heads which are self-explanatory has been made mainly on the basis of actuals for the first 8 months of the year 1980-81 and anticipated requirements for further extension of the Scheme. The instructions in regard to measures of economy have been duly kept in view.

EXPENSES ON ADMINISTRATION PER 'EMPLOYEE' PER ANNUM

23.6 The administration expenses per 'covered' employee per annum on the basis of Revised Estimates 1980-81 and Budget Estimates 1981-82 will be Rs. 23.34 and Rs. 24.61 respectively.

The comparative figures of cost of administration under the various sub-heads per 'covered' employee per annum are given below :

Sub-head	1977-78 Actuals	1978-79 Actuals	1979-80 Actuals	1980-81 Revised Estimates	1981-82 Budget Estimates
Pay and Allowances	12.77	13.55	14.54	17.35	18.30
Contingencies	2.28	2.50	2.72	3.43	3.54
Other Miscellaneous charges	2.25	1.46(a)	2.01	2.56	2.77
TOTAL	17.30	17.51	19.27	23.34	24.61

(a) But for the credit of Rs. 33.67 lakhs to this head on account of adjustment of excess provision of Pension Reserve Fund in earlier years, the per capita expenditure would have been Rs. 2.06.

23.7 The percentage of Administrative cost compared with the receipts from Contributions, Benefits paid etc. are shown below :—

Ratio in Comparison to	1977-78 Actuals	1978-79 Actuals (a)	1979-80 Actuals	1980-81 Revised Estimates	1981-82 Budget Estimates
	%	%	%	%	%
Contributions	7.24	6.78	7.12	7.96	8.15
Total Revenue	6.61	6.31	6.70	7.39	7.60
Benefits	10.98	9.40	8.93	9.27	9.53
Total Revenue Expenditure	8.12	7.26	7.15	7.52	7.71
Contribution Plus benefits	4.36	3.94	3.96	4.28	4.39

(a) The adjustment of Rs. 33.67 lakhs in reduction of expenditure referred to above has lowered slightly the percentage of incidence.

HOSPITALS/DISPENSARIES

24 The provision under the head comprises—

(i) Depreciation of Hospital & Dispensary buildings (Rs. 59.84 lakhs).

(ii) Repair & maintenance of these buildings (Rs. 2,32.06 lakhs).

The provision has been made as per the prescribed percentages of capital cost of the buildings. The incidence per 'covered' employee is Rs. 2.50 in 1978-79, Rs. 3.16 in 1979-80, Rs. 4.18 in 1980-81 and Rs. 4.67 in 1981-82.

CONTRIBUTIONS TO CAPITAL CONSTRUCTION AND EMERGENCY RESERVE FUNDS

25. A provision of Rs. 18,88.00 lakhs and Rs. 1,48.22 lakhs has been made for contribution to Capital Construction Fund and Emergency Reserve Fund, respectively.

EXPENDITURE ON CAPITAL ACCOUNT

26.1 It has been estimated that during 1981-82 the expenditure on construction works and purchase of equipment for hospitals would amount to Rs. 8,50.00 lakhs, vide details below : –

	(Rupees in lakhs)
I Office buildings and staff quarters	
Continuing Works	65.19
New Works	43.00
II Hospitals, Dispensaries & Staff Quarters	
Continuing Work	3,77.85
New Works	3,13 96
III Convalescent Homes	50,00.00
Total I, II & III	8,50 00

26.2 A provision of Rs. 0.60 lakh each has been made in the Revised Estimates 1980-81 and Budget Estimates 1981-82 for purchase of one staff car in replacement of existing cars on their condemnation out of the Depreciation Reserve Fund of Staff Cars. Budget Estimates 1981-82 provide for purchase of a new Staff car from the general revenues.

EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE

27 An excess of income over expenditure amounting to Rs. 5,92.88 lakhs has been anticipated in the Budget Estimates 1981-82.

CLOSING CASH BALANCES

28. The closing balance with the Banks and Cash in Hand are anticipated at Rs. 6,36.09 lakhs and Rs. 6,40.00 lakhs on 31st March, 1981, and 31st March, 1982, respectively.

A sum of about Rs. 5,00.00 lakhs is required by the Regional Offices, Local Offices and other Offices for disbursing salary on 1st April, Meeting administrative expenses and payment of cash benefits to Insured Persons during the first 3 weeks of month. Another amount of about Rs. 150.00 lakhs 1);- in Account No. 1 of Regional Offices (Collection Account) This represents contributions received on 30th & 31st March and is transmitted to the Corporation's main account in Delhi after 31st March.¶

RESOURCE POSITION

29.1 In the light of adequate cash flow, the ways and means position of the Corporation will be satisfactory throug-out the year. Out of the investments made during the prevous years from the General Cash Balance, a sum of Rs. 11,69.16 lakhs will mature during the year 1980-81 and a sum of Rs 28,45.75 lakhs will mature during the year 1981-82.

29.2 The position in regard to long term investment of surplus general cash balance is likely to be as under—

	1980-81	1981-82
	(Rupees in lakhs)	
Opening Cash Balance	7,54.66	6,36.09
Excess of income over expenditure		
(i) Revenue Account	3,49.90	5,92.88
(ii) Other heads (Debt, Deposits, Advances etc.)	(—)3,66.97	(—)28.81
TOTAL	7,37.59	12,00.16
Less Cash in Hand and with Banks (Closing Balance)	6,36.09	6,40.00
Investible surplus of general cash balance	1,01.50**	5,60.16

**The figures are exclusive of the investments made from the earmarked reserve funds and the Emergency Reserve Fund.

RESERVE FUNDS

30. The position in regard to balances of the various Reserve Funds is shown under :—

Name of Reserve Fund	Balance as on 31-3-80 (Actuals)	Balance as on 31-3-81 (Estimated)	Balance as on 31-3-82 Estimated)
1	2	3	4
	(Rupees in lakhs)		
1. ESIC Provident Fund	5,21.25	6,23.80	7,21.40
2. Provident Fund Deposit linked Insurance Fund	1.66	2.00	2.05
3. ESIC Group Insurance Fund	4.39	7.61	11.42
4. Pension Reserve Fund	9,39.20	10,20.57	11,05.52
5. Depreciation Reserve Fund of Office Buildings	40.43	45.81	53.17
6. Depreciation Reserve Fund of Hospitals buildings	4,61.80	5,25.76	5,98.91
7. Depreciation Reserve Fund of Staff Cars	6.22	5.78	5.36
8. Repair & Maintenance Reserve Fund of Office Buildings	26.03	33.53	44.64
9. Repair & Maintenace Reserve Fund of Hospital Buildings	5,63.04	6,64.73	7,93.02
10. Permanent (Partial and Total) Disablement Benefit Reserve Fund	20,05.65	24,26.13	26,51.96
11. Dependants' Benefit Reserve Fund	11,48.83	14,93.79	17,08.31
12. Compassionate Reserve Fund	0.26	0.27	0.28
13. Capital Construction Reserve Fund	47,26.24*	57,83.69*	69,62.94*
14. Emergency Reserve Fund	38,91.86	39,91.86	41,40.08

*The figures are provisional and exclude advances made to State Governments for construction works.

INVESTMENTS

31.1 The investments of the Corporation under different Funds as on 31st December, 1980, are shown below—

Name of Fund/Balance	Amount invested as on 31-12-1980
	(Rupees in lakhs)
1. ESI Provident Fund	5,21.25
2. Provident Fund Deposit linked Insurance Fund	1.66
3. ESIC Group Insurance Fund	4.39
4. pension Reserve Fund	9,39.20
5. Depreciation Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including staff quarters)	40.43
6. Depreciation Reserve Fund of Hospital Buildings	4,61.80
7. Depreciation Reserve Fund of Staff Cars	6.22
8. Repair & Maintenance Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including staff quarters)	26.03
9. Repair & Maintenance Reserve Fund of Hospital Buildings	5,63.04
10. Permanent (Partial & Total) Disablement Benefit Reserve Fund	20,05.65
11. Dependants' Benefit Reserve Fund	11,48.83
12. Compassionate Reserve Fund	0.26
13. Capital Construction Reserve Fund	47,26.24
14. Emergency Reserve Fund	39,91.86
15. Investment of General Cash Balance	1,56,70.05(a)
TOTAL :	3,00,06.91(b)

(a) See next page

(b) Total balance of earmarked funds 1,03,45.00 Lakhs
Total balance of non-earmarked funds (Emergency Reserve Fund and General Cash Balance) 1,96,61.91 Lakhs

(a) Notes : During the course of the year as and when surplus cash balance is available it is invested under the head 'General Cash Balance'. On the close

of the financial year, the investments already made during the year are allocated to various Reserve Funds to the extent such Funds are required to be built up. Therefore, while in the case of Serial No. 15 the balance shown is as on 31-12-1980, in the case of S. Nos. 1 to 14 the balance shown is the same as on 31-3-1980.

31.2 The investments are now made in fixed deposits under "Re-investment Plan". The investment under "Re-investment Plan" bring interest greater than what is available on other investments. With effect from 13-9-1979, the Corporation will get Rs. 1,680 for an investment of Rs. 1,000 for 63 months.

31.3 On the present reckoning, a capital outlay of about Rs. 2,09,34.00 lakhs would be required for Construction of hospitals, dispensaries and staff quarters as per approved norms, and also buildings for Regional and Local Offices (including staff quarters) of the Corporation. Construction works with an outlay of Rs. 14,98.84 lakhs are in progress. The construction of more hospitals, dispensaries is being pursued. As the Scheme grows, more and more hospitals, dispensaries, office buildings of the Corporation and staff quarters will require to be constructed.

Five Year Perspective Plan of the Employees' State Insurance Corporation

32.1 As explained in the explanatory memorandum at Appendix V, a realistic Perspective Plan for extension of the Scheme during the next five years will depend upon the decisions to be taken on a number of matters.

32.2 The statement in Appendix VI shows

(a) Per capita income from Contributions,

(b) Per capita expenditure on revenue account (excluding the amounts transferred to Capital Construction and Emergency Reserve Funds), and

(c) the margin in Contribution income since 1970-71.

The statement in Appendix VII shows the likely increase in Per Capita revenue income and revenue expenditure during 1980-81, 1981-82, 1982-83 & 1983-84, on the basis of present commitments.

It may be stated that the budgetary position of the Corporation is satisfactory.

M.L. SOBTI
Financial Adviser
Chief Accounts Officer
Employees' State Insurance Corporation

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

REVISED ESTIMATES FOR THE YEAR 1980-81 & BUDGET ESTIMATES FOR THE YEAR 1981-82

STATEMENT A—RECEIPTS

Head of Account	Actuals 1979-80	Budget 1980-81	Revised 1980-81	Budget 1981-82
				(Rupees in Lakhs)
PRINCIPAL HEADS OF REVENUE				
I. CONTRIBUTIONS				
Employer's & Employees' shares	1,59,76.04	1,62,31.00	1,78,30 00	1,83,80 00
II. State Governments/Union Territories shares towards medical benefits initially incurred by the Corporation	28.22	43 00	79.09(a)	49 94
OTHER HEADS OF REVENUE				
III. Interest and Dividends (c)	4,83.70	3,38.85	4,73.79(b)	5,20.13(c)
IV. Compensation	48.42	74.19	3,19.82(d)	2,87.56

(a) Includes realisation of Rs. 29.53 lakhs on account of arrears pertaining to 1978-79.

(b) Excludes interest totalling Rs. 2,59.39 lakhs in respect of earmarked funds but includes interest of Rs. 1,01.72 lakhs, on investment of the Emergency Reserve Fund.

(c) Excludes interest totalling Rs. 2,86,08. lakhs in respect of earmarked reserve funds but includes intrest of Rs. 1,12 20 lakhs on investment of the Emergency Reserve Fund.

(d) Includes recovery of amount towards excessive Sickness Benefit paid above the all India average in Bihar (Rs. 7.56 lakhs), Madhya Pradesh (Rs. 36.20 lakhs) and Tamil Nadu (Rs. 2,75.46 lakhs) during 1979-80.

Head of Accounts	Actuals 1979-80	Budget 1980-81	Revised 1980-81	Budget 1981-82
				(Rupees in Lakhs)
V. Rents, Rates and Taxes				
(i) Offices of the Corporation (including staff quarters)	7.93	7.75	8 00	8.00
(ii) Hospitals, Dispensaries (including staff quarters)	3,85.19	3,99 00	4,22.80	3,38 00
VI. Fees, Fines & Forfeitures	32.53	26.51	33.83	36.48
VII. Miscellaneous	17.01	14.40	21.34	21.36
TOTAL-REVENUE RECEIPTS	1,69.79,04	1,71,34.70	1,91,78.67	2,02,41.4

Head of Account	Actuals 1979-80	Budget 1980-81	Revised 1980-81	Budget 1981-82
DEBT, RESERVE FUNDS, DEPOSITS, ADVANCES AND REMITTANCES				(Rupees in Lakhs)
ORDINARY DEBT				
Loans refunded by State Governments	25.17	25.17	25.17	23.65
TOTAL—ORDINARY DEBT	25.17	25.17	25 17	23 65
UNFUNDED DEBTS				
ESIC GENERAL PROVIDENT FUND				
(i) Employees' Subscription	1,25.81	1,60 00	1,67.60	1,70 00
(ii) Interest on Employees' subscription	33.18	34.80	39.45	41.50
ESIC CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND				
(i) Employees' subscription	(–)25.48(a)	10.80	1.70	1.70
(ii) Corporation's-contribution	0.39	2.50	0 35	0.35
(iii) Interest on—				
(a) Employees' subscription	4.89	4 95	2 15	2.15
(b) Corporation's contribution	0.52	4 00	0.30	0.40
ESIC GROUP INSURANCE FUND				
(i) Annual Provision during the year	4.94	5.20	5.50	6.00
(ii) Interest realised on Investments	0.03	0.02	0.11	0.12
(iii) Assured sum received from L.I.C.	0.65	—	0.50,	0.50
TOTAL—UNFUNDED DEBTS	1,44.93	2,22.27	2,17.65	2,22.72

(a) Takes into account the amount transferred from Contributory Provident Fund to General Provident Fund in respect of the employees opting for Pension Scheme.

Head of Account	Actuals 1979-80	Budget 1980-81	Revised 1980-81	Budget 1981-82
RESERVE FUNDS				(Rupees in Lakhs)
DEPRECIATION RESERVE FUND ACCOUNT OF BUILDINGS FOR THE OFFICES OF THE CORPORATION (INCLUDING STAFF QUARTERS)				
(i) Annual Depreciation charges transferred to Fund	3.43	4.32	4.32	6.20
(ii) Interest realised on investments	1.35	0.94	1 06(a)	1.16
DEPRECIATION RESERVE FUND ACCOUNT OF HOSPITAL AND DISPENSARY BUILDINGS (INCLUDING STAFF QUARTERS)				
(i) Annual Depreciation charges transferred to Fund	47.89	51.89	51.89	59.84
(ii) Interest realised on investments	15.13	10.51	12.07(a)	13.31

(a) The decrease is on account of investments in the "Reinvestment Plan" under which interest falling due will be credited to the Corporations account on maturity.

Head of Account	Actuals 1979-80	Budget 1980-81	Revised 1980-81	Budget 1981-82
DEPRECIATION RESERVE FUND ACCOUNT OF STAFF CARS				(Rupees in Lakhs)
(i) Annual Depreciation charges transferred to Fund	0.28	0.24	—(a)	—(a)
(ii) Interest realised on investments	0.23	0.16	0.16(b)	0.18
Deduct—Actual payment during the year	(—)0.42	(—)0.42	(—)0.60(c)	(—)0.60(c)
REPAIRS & MAINTENANCE RESERVE FUND ACCOUNT OF BUILDINGS FOR THE OFFICES OF THE CORPORATION (INCLUDING STAFF QUARTERS)				
(i) Annual Repair and maintenance charges transferred to Fund	9.94	11.16	18 52	24.36
(ii) Interest realised on investments	1.07	0.74	0.68(b)	0.75
(iii) Refunds from construction agencies out of advances of earlier years.	5.42	—	—	—
Deduct— Advances to construction agencies during the year	(—)18.50(d)	(—)12.00	(—)11.70	(–)14.00

(a) No provision has been made pending settlement of audit objection that the amount in the Fund has exceeded the purchase price of cars.

(b) The decrease in on account of investments in the "Reinvestment Plan" under which interest falling due will be credited to the Corporation's account on maturity.

(c) Represents provision for purchase of new car in replacement of an existing car on actual condemnation.

(d) Includes Rs. 7.33 lakhs reduced from the fund on receipt of audited statement of expenditure.

Head of Account	Actuals 1979-80	Budget 1980-81	Revised 1980-81	Budget 1981-82
				(Rupees in Lakhs)
REPAIRS & MAINTENANCE RESERVE FUND ACCOUNT OF HOSPITAL AND DISPENSARY BUILDINGS (INCLUDING STAFF QUARTERS)				
(i) Annual Repairs & Maintenance charges transferred to Fund	1,38.88	1,50.46	2,01.97	2,32.06
(ii) Interest realised on investments	20.47	14.22	14.72(a)	16.23
(iii) Refund from construction agencies out of Advances of earlier year	35.85	—	—	—
Deduct— Advances to construction agencies during the year	(—)1,71.79(b)	(—)1,01.00	(—)1,15.00	(—)1,20.00
PERMANENT (PARTIAL AND TOTAL) DISABLEMENT BENEFIT RESERVE FUND ACCOUNT				
(i) Annual amount transferred to the Fund	6,50.83	7,29.00	(—)10,56.45(c)	8,86.30
(ii) Interest realised on investments	70.67	49.09	52.42(a)	57.82
Deduct— Actual payments during the year	(—)5,78.70	(—)5,96.82	(—)6,88.39	(—)7,18.29

(a) The decrease is on account of investment in the "Reinvestment Plan" under which interest falling due will be credited to the Corporation's account on maturity.

(b) Includes Rs. 60.52 lakhs reduced from Fund on receipt of audited statements of expenditure.

(c) Includes Rs. 2,90.42 lakhs towards on-time adjustment on account of increase granted with effect from 1-4-1980, in the amount of existing cases of Permanent Disablement Benefit where disablement occurred on or before 31-3-1978.

Head of Account	Actuals 1979-80	Budget 1980-81	Revised 1980-81	Budget 1981-82
				(Rupees in Lakhs)
DEPENDANTS' BENEFIT RESERVE FUND ACCOUNT				
(i) Annual amount transferred to the Fund	1,76.48	1,70.10	4,53.70(a)	3,33.26
(ii) Interest accured and/or realised on investments	39.87	27.70	30.03(b)	33.12
Deduct— Actuals payments during the year	(—)1,18.59	(—)1,25.82	(—)1,38.77	(—)1,51.86
PENSION RESERVE FUND ACCOUNT FOR EMPLOYEES OF THE CORPORATION				
(i) Annual Contribution transferred to Fund	97.64(c)	60.50	90.32	95.87

(a) Includes Rs.1,59.58 lakhs towards one-time adjustment on account of increase granted with effect from 1-4-1980, in the amount of existing cases of Dependants' Benefit where death occurred on or before 31-3-1978. A part of the increase (Rs. 1,10.00 lakhs) is also attributable to the clearance of pending cases, during 1980-81.

(b) The decrease is on account of investment in the "Reinvestment Plan" under which interest falling due will be credited to the Corporation's account on maturity.

(c) Include Rs. 37.42 lakhs transferred from Contributory Provident Fund in respect of employees opting for Pension Scheme.

The Provisions of Rs. 90.32 lakhs and Rs. 95.87 lakhs under the head "Pension Reserve Fund Account for Employees of the Corporation, (i) Annual Contribution Transferred to Fund" in Revised Estimates 1980-81 and Budget Estimates 1981-82 include provision of Rs. 13.17 lakhs and 15.47 lakhs respectively, in respect of the employees of the Directorate (Medical), Delhi.

Head of Accounts	Actuals 1979-80	Budget 1980-81	Revised 1980-81	Budget 1981-82
				(Rupees in lakhs)
(ii) Interest realised on investments	31.48	21.87	24.55(a)	27.08
Deduct— Actual payments during the year	(—)19.80	(—)19.50	(—)33.50	(—)38.00
COMPASSIONATE RESERVE FUND ACCOUNT FOR THE EMPLOYEES OF THE CORPORATION				
(i) Annual Contribution transferred to Fund	0.35	0.35	0.35	0.35
(ii) Interest realised on investments	0.01	0.01	0.01	0.01
Deduct— Actual payments during the year	(—)0.37	(—)0.35	(—)0.35	(—)0.35
PROVIDENT FUND DEPOSIT LINKED INSURANCE FUND				
(i) Annual amount transferred to the Fund	0.90	0.90	0.90	0.90
(ii) Interest realised on investments	0.04	0.03	0.04	0.05
Deduct— Actual payments during the year	(—)0.37	(—)0.90	(—)0.60	(—)0.90

(a) The decrease is on account of investments in the "Reinvestment Plan" under which interest falling due will be credited to the Corporation's account on maturity.

Head of Account	Actuals 1979-80	Budget 1980-81	Revised 1980-81	Budget 1981-82
				(Rupees in lakhs)
CAPITAL CONSTRUCTION RESERVE FUND				
(i) Amount transferred to the Fund	15,97.60	16,23.10	17,78.91	18,88.00
(ii) Interest realised on investments	1,38.19	96.00	1,23.54(a)	1,36.25
(iii) Refunds from construction agencies	12.51	7.50	5.00	5.00
Deduct— Advances to construction agencies during the year for—				
(a) Buildings of the offices of the Corporation	(—)84.78	(—)1,25.00	(—)1,07.92	(—)1,08.19
(b) Hospital and Dispensary buildings	(—)5,79.02	(—)8,00.00	(—)7,42.08	(—)7,41.81
EMERGENCY RESERVE FUND				
(i) Amount transferred to the Fund	2,65.04	1,70.49	1,00.00	1,48.22

(a) The decrease is on account of investments under the "Reinvestment Plan" under which interest falling due will be credited to the Corporation's account on maturity.

Head of Account	Actuals 1979-80	Budget 1980-81	Revised 1980-81	Budget 1981-82
				(Rupees in Lakhs)
(ii) Interest realised on investments	1,32.55	92.08	(—)b	—(b)
TOTAL—RESERVE FUNDS	19,21.76	15,11.55	21,82.70	20,72.32
DEPOSITS				
(i) Deposits of Securities	6.91	4.00	5.50	5.50
(ii) Other Deposits (c)	47.16	46.00	38.00	38.00
TOTAL—DEPOSITS	54.07	50.00	43.50	43.50
ADVANCES				
(a) Permanent Advances	0.01	—	—	—
(b) Advances to the employees of the Corporation—				
(i) Advance of pay on transfer	1.06	1.20	1.38	1.66

(a) The interest received is now credited to the General Revenues of the Corporation, as this fund is a non-earmarked Reserve Fund.
(b) This head includes (i) Deductions from bills payable to other parties, (ii) Unclaimed Deposits in Employees' State Insurance Corporation Provident Fund, and (iii) Unclaimed Receipts (Suspense Account).

Head of Account	Actuals 1979-80	Budget 1980-81	Revised 1980-81	Budget 1981-82
				(Rupees in Lakhs)
(ii) Advance of T.A. on transfer	1.38	1.50	1.47	1.60
(iii) Advance for the purchase of Motor Conveyance	4.55	4.20	5.94	6.87
(iv) Advance for the purchase of other conveyance	3.11	3.10	3.06	3.20
(v) House Building Advance	16.45	12.00	16.50	17.00
(vi) Miscellaneous Advances (Festival Advance, Flood Advance and Fan Advance)	25.74	23.54	26.00	26.50
(c) Other Advances				
(i) Advance payment on behalf of the State Governments	0.0(a)	0.05	0.02	0.02
(ii) Miscellaneous (a)	23.87	25.00	23.99	25.00

(a) This head includes recovery/adjustment of (i) Advances to Controller of Stationery, Calcutta, (ii) Advances to Printing and Stationery Departments of State Governments, (iii) Advances to Regional Offices and other offices of the Corporation, (iv) Advances to Municipal Committees, Local Bodies etc., (v) Advances for legal charges, (vi) Advances to the Corporation's departmental canteens and (vii) Other advances which are not classified elsewhere.

Head of Account	Actuals 1979-80	Budget 1980-81	Revised 1980-81	Budget 1981-82
1	2	3	4	5
				(Rupees in lakhs)
TOTAL—ADVANCES	76.18	70.59	78.36	81.85
REMITTANCES				
(i) Cash Remittances (Net) (a)	5,08.87	—	25.00	—
(ii) Other Remittances (Net) (b)	—	—	1,22.19	1.00
TOTAL—REMITTANCES	5,08.87	—	1,47.19	1.00

(a) The term 'Cash Remittances' denotes transfer of funds (cash) from one Account circle to another and vice-versa. The revenue of the Corporation is collected by sale of stamps/cash realisation through the State Bank of India and its Associate Banks. The contribution received are transferred to the accounts of the respective Regional Office Account No. 1 (Collection Account) and

finally transferred to Account No. 1 (Central) of the Headquarters Office. Funds for administrative expenditure and benefit payments to insured persons are provided to Regional Office/Local Offices from Central Account No. 1 (Headquarters Office) by making transfers. All such transactions in transferring funds from one office to another are known as 'Cash Remittances'.

(b) The term 'Other Remittances' denotes book adjustments between one office of the Corporation and the other and vice-versa. Transactions originating in one office of the Corporation adjustable in the books of another office of the Corporation are transferred through Exchange Account.

Head of Account	Actuals (1979-80)	Budget 1980-81	Revised 1980-81	Budget 1981-82
				(Rupees in Lakhs)
TOTAL—DEBT, RESERVE FUNDS, DEPOSITS, ADVANCES AND REMITTANCES	27,30.98	18,79.58	26,94.58	24,45.04
TOTAL—RECEIPTS				
Opening Balance	6,31.48	6,34,65	7,54.66	6,36.09
GRAND TOTAL	2,03,41.50	1,96,48.93	2,26,27.91	2,33,22.60

M. L. SOBTI,
Financial Adviser & Chief Accounts Officer
Employees' State Insurance Corporation.

STATEMENT B—EXPENDITURE

Head of Account	Actuals 1979-80	Budget 1980-81	Revised 1980-81	Budget 1981-82
				(Rupees in lakhs)
EXPENDITURE ON REVENUE ACCOUNT				
1 BENEFITS TO INSURED PERSONS AND THEIR FAMILIES				
A-MEDICAL BENEFITS				
(i) Payments to State Governments etc. as Corporation's share of their expenses on providing medical care, treatment and Maternity facilities.	60,23.42 (Includes arrear payments amounting to Rs. 1305.24 lakhs)	64,98.45 (Includes arrear payments amounting to Rs. 12,46.56 lakhs)	72,15.71 (a) (Includes arrear payments amounting to Rs. 12,53.51 lakhs)	75,08.64 (Includes arrear payments amounting to Rs. 10,44.86 lakhs)
(ii) Medical treatment and care and Maternity facilities (expenses directly incurred by the Corporation)	3,35.85 (Includes Rs. 9.96 lakhs towards payment of confinement fees in Vidarbha area in Maharashtra)	3,74.00 (Includes Rs. 10 lakhs towards payment of confinement fees in Vidarbha area in Maharashtra)	4,09.49 (Includes Rs. 10 lakhs towards payment of confinement fees in Vidarbha area in Maharashtra)	4,90.24 (Includes Rs. 10 lakhs towards payment of confinement fees in Vidarbha area in Maharashtra)
TOTAL—A-MEDICAL BENEFITS	63,59.27	68,72.45	76,25.20	79,98.88
B-CASH BENEFITS				
(i) Sickness Benefit	43,03.27	41,46.50	46,57.13 (b)	48,77.20
(a) See paragraph 11.1 of Explanatory Memorandum.				
(b) See paragraph 11.2 of Explanatory Memorandum.				
(ii) Extended Sickness Benefit	3,25.98	3,56.34	3,65.27	3,83.15
(iii) Maternity Benefit	1,94.91	1,98.22	2,14.61	2,25.10
(iv) Disablement Benefit				
(a) Temporary Disablement	6,93.68	7,41.75	8,74.40	10,34.20
(b) Permanent Disablement((a)	6,50.83	7,29.00	10,56.45	8,86.30
(v) Dependants' Benefit (b)	1,76.48	1,70.10	4,53.70	3,33.26
(vi) Funeral Benefit	10.08	10.56	10.77	11.25
(vii) Invalidity Benefit	..	..	..	10.00
TOTAL—B-CASH BENEFITS	63,55.23	63,52.47	76,32.33	77,60.46

(a) Provision is made on actuarial basis.
(b) See paragraph 11.2 of the Explanatory Memorandum

Head of Account	Actuals 1979-80	Budget 1980-81	Revised 1980-81	Budget 1981-82
		(Rupees in lakhs)		
C.—Other Benefits				
(a) Expenditure on rehabilitation of disabled Insured persons	0.07	0.40	..	..
(b) Medical Boards & Appeal Tribunals	4.49	5.32	4.62	5.32
(c) Payments to Insured Persons on account of Conveyance charges and/or loss of wages	3.58	4.12	4.07	4.67
(d) Miscellaneous	9.18	9.60	11.64	12.15
TOTAL-C-OTHER BENEFITS	17.32	19.44	20.33	22.14
TOTAL OF HEAD-I-BENEFITS	1,27,31.82	1,32,44.36	1,52,77.86	1,57,81.48
2. ADMINISTRATION				
A-SUPERINTENDENCE				
Corporation, Standing Committee, Regional Boards etc.				
T.A.	0.69	0.92	0.82	0.89
PRINCIPAL OFFICERS				
(i) Pay of Principal Officers	0.92	1.48	1.20	1.35
(ii) Allowances and Honoraria	1.07	1.30	1.85	2.16
TOTAL—PRINCIPAL OFFICERS	1.99	2.78	3.05	3.51
OTHER OFFICERS				
(i) Pay of other Officers	35.41	37.43	41.25	46.84
(ii) Allowances and Honoraria	26.32	29.43	33.17	37.77
(iii) Bonus	..	..	0.30	0.60
TOTAL—OTHER OFFICERS	61.73	66.86	74.72	85.21
MINISTERIAL ESTABLISHMENT				
(i) Pay of Establishment	1,68.08	1,76.60	1,90.10	1,97.24
(ii) Allowances & Honora	1,68.18	1,80.90	2,21.60	2,43.29
(iii) Bonus	..	..	6.90	13.00
TOTAL—MINISTERIAL ESTABLISHMENT	3,36.26	3,57.50	4,18.60	4,53.53
GROUP 'D' STAFF				
(i) Pay of Group 'D' Staff	25.25	25.70	27.77	28.79
(ii) Allowances & Honoraria	29.01	29.90	36.80	40.95
(iii) Bonus	..	..	1.15	2.25
TOTAL—GROUP 'D' STAFF CONTINGENCIES	54.26	55.60	65.72	71.99
(a) Postage, Telegram and Telephone charges	16.01	17.00	21.00	21.20
(b) Stationery & Forms	54.62	47.00	72.00	80.00
(c) Contribution Stamps	0.14	0.10	0.02	0.02
(d) Purchase, Repair & Maintenance of typewriters, duplicators etc.	2.14	2.00	2 35	2.50
(e) Purchase, Repair & Maintenance etc. of Adrema equipment	2.43	3.00	3.00	3.00
(f) Rents, Rates & Taxes	25.59	23.00	35.73	33.00
(g) Furniture	2.53	2.90	3.50	3.50
(h) Special Equipment for records	0.46	1.09	1.09	1.10
(i) Purchase, Repair & Maintenance of general articles of office use	2.61	3.06	3.25	3.50
(j) Purchase, Repair & Maintenance of Cycles	..	0.03	0.06	0.06
(k) Purchase, Repair & Maintenance of Liveries	2.45	2.90	3.00	3.10
(l) Books, Periodicals and other publications	0.37	0.43	0.42	0.45
(m) Hot and Cold Weather charges	0.13	0.25	0.25	0.30
(n) MISCELLANEOUS				
(i) Amenities to Staff	0.74	13.24	13.24	14.50
(ii) Miscellaneous	9.08	..	..	..
(o) Repair & Maintenance of Staff Cars	1.77	2.00	2.25	2.50
TOTAL—CONTINGENCIES	1,21.07	1,18.00	1,61.17	1,68.73
TOTAL—A-SUPERINTENDENCE	5,76.00	6,01.66	7,24.08	7,83.86
B. FIELD WORK OFFICERS				
(i) Pay of officers	11.13	11.57	13.34	15.70
(ii) Allowances & Honoraria	7.87	8.52	10.79	12.90
(iii) Bonus	.	.	0.40	0.80
TOTAL—OFFICERS	19.00	20.09	24.53	29.40

Head of Account	Actuals 1979-80	Budget 1980-81	Revised 1980-81	Budget 1981-82
		(Rupees in lakhs)		
MINISTERIAL ESTABLISHMENT				
(i) Pay of establishment	1,78.64	1,87.20	1,96.27	2,00.60
(ii) Allowances & Honoraria	1,54.92	1,73.80	1,98.99	2,09.85
(iii) Bonus	.	..	7.05	14.90
TOTAL—MINISTERIAL ESTABLISHMENT	3,33.56	3,61.00	4,02.31	4, 25.35
GROUP 'D' STAFF				
(i) Pay of Group 'D' Staff	25.44	25.85	29.27	32.90
(ii) Allowances & Honoraria	25.27	27.70	33.97	38.75
(iii) Bonus	..	..	1.20	2.45
TOTAL—GROUP 'D' STAFF	50.71	53.55	64.44	74.10
CONTINGENCIES				
(a) Postage, Telegrams and Telephone Charges	4.73	5.60	5.00	5.20
(b) Stationery and Forms	0.81	0.90	1.10	1.25
(c) Purchase, Repair & Maintenance of typewriters, duplicators etc.	0.52	0.76	0.50	0.55
(d) Rents, Rates and Taxes	23.61	26.61	27.50	31.00
(e) Furniture	1.46	2.66	2.00	2.50
(f) Special equipment for records	0.35	1.06	0.50	1.00
(g) Purchase, Repair & Maintenance of general articles of office use	0.45	0.80	0.80	0.90
(h) Purchase, Repair & Maintenance of Cycles	0.03	0.06	0.06	0.06
(i) Purchase, Repair & Maintenance of liveries	0.23	0.45	0.64	0.70
(j) Books, Periodicals and Other Publications	0.07	0.04	0.04	0.04
(k) Hot and Cold weather charges	0.35	0.36	0.36	0.40
(l) Miscellaneous				
(i) Amenities to Staff (ii) Miscellaneous	6.89	7.80	8.60	9.00
TOTAL—CONTINGENCIES	39.50	47.10	47.10	52.60
TOTAL—B-FIELD WORK	4,42.78	4,81.74	5,38.38	5,81.45
C—OTHER CHARGES				
Legal charges	4.85	5.50	5.00	5.50
Insurance Courts	0.53	0.95	0.95	0.95
Publicity & Advertisement	1.38	1.50	1.50	1.60
Charges for maintaining Banking Accounts	0.99	0.25	0.60	0.70
Leave Salary and Pension Contributions	1.08	1.26	1.34	1.02
Audit Fees	2.16	2.60	2.60	2.60
REPAIR, MAINTENANCE AND DEPRECIATION				
(a) Depreciation of buildings for the Offices of the Corporation (Including Staff quarters)	3.43	4.32	4.32	6.20
(b) Depreciation of Staff Cars	0.28	0.24	—(a)	—(a)
(c) Repair & Maintenance of buildings for the Offices of the Corporation (Including Staff Quarters)	9.94	11.16	18.52	24.36
RETIREMENT BENEFITS				
(a) Corporation's Contribution towards Pension Reserve Fund	53.43	53.50	77.15	80.40
(b) Corporation's Contribution to ESIC Contributory Provident Fund	0.39	2.50	0.35	0.35
INTEREST PAID TO ESIC PROVIDENT FUND				
Contributory Provident Fund	5.40	8.95	2.45	2.55
General Provident Fund	33.18	34.80	39.45	41.50
Compassionate Reserve Fund for the employees of the Corporation	0.35	0.35	0.35	0.35
Provident Fund Deposit-linked Insurance Scheme	0.90	0.90	0.90	0.90
Miscellaneous	0.49	0.26	0.20	4.70
TOTAL-C-OTHER CHARGES	1,18.78	1,29.04	1,55.68	1,73.68
TOTAL OF HEAD-2 ADMINISTRATION	11,37.56	12,12.44	14,18.14	15,38.99

(a) No provision has been made pending settlement of audit objection that the amount in the Fund has exceeded the purchase price of Staff Cars.

Head of Account	Accounts 1979-80	Budget 1980-81	Revised 1980-81	Budget 1981-82
		(Rupees in lakhs)		
3. HOSPITALS, DISPENSARIES ETC.				
Repair, Maintenance, Depreciation etc. Hospitals and Dispensaries				
(a) Depreciation of Hospital/Dispensary Buildings.	47.89	51.89	51.89	59.84
(b) Repair & Maintenance of Hospitals, Dispensary Buildings.	1,38.88	1,50.46	2,01.97	2,32.06
TOTAL HEAD—3-HOSPITALS, DISPENSARIES ETC	1,86.77	2,02.35	2,53.86	2,91.90
4. CONTRIBUTIONS TO CAPITAL CONSTRUCTION AND EMERGENCY RESERVE FUNDS				
(i) Annual Contribution to Capital Construction Reserve Fund	15,97.60	16,23.10	17,78 91 (a)	18,88.00
(ii) Annual Contribution to Emergency Reserve Fund	2,65.04	1,70.49	1,00.00	1,48.22
TOTAL—HEAD-4-CONTRIBUTION TO CAPITAL CONSTRUCTION AND EMERGENCY RESERVE FUNDS	18,62.64	17,93.59	18,78.91	20,36.22
TOTAL—EXPENDITURE ON REVENUE ACCOUNT	1,59,18.79	1,64,52.74	1,88,28.77	1,96,48.59
5. EXPENDITURE ON CAPITAL ACCOUNT				
STAFF CARS				
Purchase of Staff Cars	..	..	..	0.60
DEBT—RESERVE FUNDS, DEPOSITS, ADVANCES AND REMITTANCES UNFUNDED DEBTS				
ESIC PROVIDENT FUND				
PAYMENTS TO SUBSCRIBERS				
(i) General Provident Fund	98.48	90.00	1,06.00	1,15.00
(ii) Contributory Provident Fund.	8.13	7.50	3,00	3.50
ESIC GROUP INSURANCE FUND				
(i) Premium Paid to L I.C.	1.89	2.20	2 23	2.30
(ii) Assured sum paid to Beneficiaries . . .	0.10	0.01	0.65	0.50
(iii) Endowment Benefit to employees	..	..	0.01	0.01
TOTAL—UNFUNDED DEBTS	1 08.60	99.71	1 11.89	1 21.31
RESERVE FUNDS				
DEPRECIATION RESERVE FUND OF BUILDINGS FOR THE OFFICES OF THE CORPORATION (INCLUDING STAFF QUARTERS) INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	4.78	5.26	5.38	7.36
DEPRECIATION RESERVE FUND OF HOSPITAL BUILDINGS INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	63.02	62.40	63.96	73.15
DEPRECIATION RESERVE FUND OF STAFF CARS INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	0.09	(—)0.02	(—)0.44(a)	(—)0.42(a)
REPAIRS & MAINTENANCE RESERVE FUND OF BUILDINGS FOR THE OFFICES OF THE CORPORATION (INCLUDING STAFF QUARTERS) INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	(—)2.09(a)	(—)0.10	7 50(b)	11.11(b)
REPAIRS & MAINTENANCE RESERVE FUND OF HOSPITAL BUILDINGS INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	23.40	63.68	1 01.69(b)	1,28.29(b)

(a) Takes into account the adjustment of Rs. 3.09 lakhs, on account of excess provision made during the period 1976-77 to 1979-80, by crediting to the Fund 10% of the interest received on Contribution, which had been treated as part of Contribution.

(b) The expenditure on purchase of staff car is more than the interest received on investment. The expenditure will be met from accumulation of earlier years in the Fund.

Head of Account	Actuals 1979-80	Budget 1980-81	Revised 1980-81	Budget 1981-82
		(Rupees in lakhs)		
PERMANENT (PARTIAL & TOTAL) DISABLEMENT BENEFIT RESERVE FUND INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	1,42.80	1,81 27	4,20.48(c)	2,25.83

(a) Advances for repairs and maintenance works were more than the annual provision to the Fund and interest received on investment. Expenditure has been met from accumulation of earlier years in the Fund.

(b) The increase is due to increase in annual provision to the Fund from 2.9% to 4% of the capital cost of buildings and on account of anticipated completion of more number of buildings.

(c) The increase is due to one-time adjustment (Rs. 2,90,42 lakhs) on account of increase granted with effect from 1-4-1980, in respect of existing cases of Permanent Disablement Benefit where disablement occurred on or before 31-3-1978.

DEPENDENTS' BENEFIT RESERVE FUND INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	97.76	71.98	3,44.96(a)	2,14.52
PENSION RESERVE FUND FOR THE EMPLOYEES OF THE CORPORATION INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	1,09 32	62.87	81.37	84.95
ESIC PROVIDENT FUND INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	32.70	1,19.55	1,02 55	97.60
ESIC GROUP INSURANCE FUND INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	3.63	3.01	3.22	3.81
CAPITAL CONSTRUCTION RESERVE FUND INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	10.83.36	8,01,60	10,57.45(b)	11,79 25
COMPASSIONATE RESERVE FUND FOR THE EMPLOYEES OF THE CORPORATION INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	(—)0.01	0.01	0.01	0.01
PROVIDENT FUND DEPOSIT LINKED INSURANCE FUND INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	0.57	0.03	0.34	0.05

(a) The increase is due to one-time adjustment (Rs. 1,59.58 lakhs) on account of increase granted with effect from 1-4-1980, in respect of existing cases of Dependents' Benefits where death occurred on or before 31-3-1978. A part of the increase is also attributable to the clearance of pending cases during 1980-81.

(b) The increase is due to higher annual accretion on account of increase in contribution income and less payments on account to slow progress of construction works.

EMERGENCY RESERVE FUND INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	3,97.59	2,62.57	1,00.00(a)	1,48 22
TOTAL—RESERVE FUNDS	19,56.92	16,34.11	22,88.47	21,73.73
DEPOSITS				
(i) Deposits of Securities	3.87	4.00	5.00	5.00
(ii) Other Deposits (b)	34.46	42.00	50.00	50.00
TOTAL—DEPOSITS	38.43	46.00	55.00	55.00
ADVANCES				
(a) Permanent Advances	0.05	0.09	0 06	0 08
(b) Advances to the employees of the Corporation				
(i) Advance of pay on Transfer	1.51	1.24	1.44	1.81
(ii) Advance of T.A. on Transfer	1.55	1.60	1.80	1.80
(iii) Advance for the purchase of Motor Conveyance	6.54	7.00	8.00	8.00
(iv) Advance for the purchase of other conveyance	3.24	3.50	3 50	4.00
(v) House Buildings Advance	26.39	30.50	30.50	30 50
(vi) Miscellaneous Advances (Festival Advance, Flood Advance and Fan Advance)	18.74(a)	27.32	13.00	14.00

(a) The decrease is due to less annual accretion to the Fund on account of increase in revenue expenditure.

(b) This head includes payments in respect of (i) Deductions from bills payable to other parties, (ii) Unclassified Deposits of ESIC Provident Fund and (iii) Unclassified Payments (Suspense Account).

Head of Account	Actuals 1979-80	Budget 1980-81	Revised 1980-81	Budget 1981-82
		(Rupees in Lakhs)		
(c) Other Advances				
(i) Advance payments on behalf of State Governments.	0.02	0.03	0.02	0.02
(ii) Miscellaneous (b)	30.44	45.00	38.00	38.00
TOTAL—ADVANCES	88.48	1,16.28	96.32	98.21

(a) Includes advances paid to the employees of the Corporation for Flood Relief.

(b) This head includes (i) Advances to Controller of Stationery, Calcutta, (ii) Advances to Printing and Stationery Department of State Governments, (iii) Advances to Regional and other offices of the Corporation, (iv) Advances to Municipal Committees, Local Bodies etc., (v) Advances for legal charges (vi) Advances to Corporation's departmental canteens and (vii) Other Advances which are not classified elsewhere.

REMITTANCES				
Cash Remittances (Net) (a)		25.00	5,08.87	25.00
Other Remittances (Net (b)	1,22.19	1.00	1.00	—
TOTAL—REMITTANCES	1,22.19	26.00	5,09.87	25.00
TOTAL—DEBTS, RESERVE FUNDS DEPOSITS, ADVANCES & REMITTANCES	23, 14.62	19,22.10	30,16.55	24,73.85
TOTAL—DISBURSEMENTS	1,82,33.41	1,83,74.84	2,18,90.32	2,21,22.44

(a) The term 'Cash Remittances' denotes transfer of funds (cash) from one account circle to another and vice versa. The revenue of the Corporation is collected by sale of stamps/cash realisation through the State Bank of India and its Associate Banks. The contributions received are transferred to the accounts of the respective Regional Office Account No. 1 (Collection Account) and finally transferred to Account No. 1 (Central) of the Headquarters Office. Funds for administrative expenditure and benefit payments to insured persons are provided to Regional Offices/Local Offices from Central Account No. 1 (Headquarters Office) by making transfers. All such transactions in transferring funds from one office to another are known as 'Cash Remittances'.

(b) The term 'Other Remittances' denotes book adjustments between one office of the Corporation and the other and vice versa. Transactions originating in one office of the Corporation adjustable in the books of another office of the Corporation are transferred through Exchange Account.

General Cash Balance				
Investment during the year	76,95.16	22,72.11	27,23.40	28,55.20
Deduct—Transfer to Reserve Fund	(—)63,41.73	(—)16,34.11	(—)26,21.90	(—)22,95.04
Closing Balance	7,54.66	6,36.09	6,36.09	6,40.00
GRAND TOTAL	2,03,41.50	1,96,48.93	2,26,27.91	2,33,22.60

M. L. SOBTI,
Financial Adviser & Chief Accounts Officer
Employees' State Insurance Corportaion

FINANCIAL ESTIMATES

APPENDIX—I

Statement showing the dates of anticipated extension of Scheme in respect of places where it was anticipated to be extended upto 1980-81

State/Centre	No. of employees (Revised)	Date of extension originally anticipated	Date of extension now anticipated
1. ANDHRA PRADESH			
Kothagudem, Paloncha and Ramavaram	2,900	January 79	March 81
Kothavaripally village (Madanapally Spinning Mills Ltd.)	1,600	January 79	March 81
2. ASSAM			
Silchar	500	1980-81	Sept. 81
Jagi Road	400	1980-81	Sept. 81
Ledo	650	1980-81	Not anticipated
Bokajan & Bongaigaon	1,700	1980-81	Dec. 81
3. BIHAR			
Adityapur Phase II Jhinkpani, Jharia, Tipudana	5,100	March 80	March 81
Jhajha & Outskirts of Muzaffarpur	3,150	Aug. 80	Not Anticipated
4. CHANDIGARH			
5. DELHI			
Delhi Transport Corporation	15,000	March 80	Not Anticipated

	State/Centre	No of employees (Revised)	Date of extension originally anticipated	Date of extension now anticipated
6	GUJARAT			
	Mehsana, Sidhpur & Surendranagar	7,200	1980-81	May, 1981
	Navsari	7,800	1980-81	June, 81
	Broach & Sikka	3,500	May, 80	June, 81
	Thangarh	1,600	May, 80	Aug , 81
	Bulsar	1,600	June, 80	Aug , 81
	Singapur, Tulki Dabholi, Katargam & Phulpada	650	June, 80	Not Anticipated
	Viramgam	2,000	July, 80	Aug , 81
	Billimora & Vapi	9,100	July, 80	Sept , 81
	Vatva & Vithal Udyognagar	9,300	Aug 80	Oct , 81
7	HARYANA			
	Kundli, Rai and Dharuheda	4,000	May, 80	Jan , 81
	Murthal & Khairpur (Sirsa)	1,750	July, 80	Feb , 81
	Hansi	1,550	July, 80	March, 81
	Contiguous areas of Bhiwani	500	Aug 80	March, 81
8	HIMACHAL PRADESH			
9	JAMMU AND KASHMIR			
	Srinagar, Pampore, Jammu & Kathua	11,600	May, 80	Not anticipated
10	KARNATAKA			
	Ramanagaram	800	1980-81	1980-81
	Tumkur Road & Mandya	1,700	1980-81	Feb , 81
	Kaiwar	1,400	1980-81	March, 81
	Talagupaa	450	July, 80	Oct , 81
	Suburbs of Nanjangud	300	Aug 80	Oct , 81
	Avalahalli	500	Aug 80	Nov , 81
11	KERALA & MAHE			
	Edappal & Thirurangudi	1,050	1980-81	Jan 81
	Kottakal (Trivandrum Distt)	500	Sept 80	May 81
12	MADHYA PRADESH			
	Industrial Estate Dewas	3,500	1980-81	1980-81
	Bilaspur (includes Lal Khadan) & Sarni	2,900	May, 80	Aug 81
	Megher	600	May, 80	Not anticipated
	Korba, Kynore, Neemuch & Raipur Industrial Estate	5,400	June, 80	Not anticipated
13	MAHARASHTRA & GOA			
	Kirloskarwadi, Walchandnagar, & Ogelwadi	8,700	1980-81	June, 81
	Satara Suburbs, Panve and Palghar	7,600	1980-81	July, 81
	Khopoli	5,000	1980-81	Sept 81
	Chandrapur	3,000	1980-81	Mrach 81
	Achalpur	2,100	May, 80	Sept 81
	Kanha & Kamptee .	2,500	May, 80	1980-81
	Deolali Cantonment & Surroundings areas of Sangli & Miraj	900	July, 80	Oct 81
14	MEGHALAYA			
15	NAGALAND			
	Tili	1,000	Aug 80	May 81
16	ORISSA			
	Bhagatpur & Talchar	3,000	1980-81	1980-81
	Paradeep .	2,000	June, 80	May, 81
	Baragarh (Tora)	2,000	June, 80	July, 81
	Bolpahar & Kalunga	7,500	Aug 80	Aug 81
	Latkata & Sunabeda	5,800	Aug 80	Sept 81
17	PONDICHERRY			
18	PUNJAB			
	Barnala, Mandi Govindgarh & Gidderbha	1,900	1980-81	March 81
	Taran Taran	300	1980-81	March 81
	Hoshiarpur	1,200	July, 80	March 81

State/Centre	No. of employees (Revised)	Date of extension Originally anticipated	Date of extension now anticipated
19. RAJASTHAN			
Sirsi	150	Aug. 80	Not anticipated
20. TAMIL NADU			
Kumarapalayam, Salem Suburbs, Thuvakudi & Thiruverambur	11,200	1980-81	Jan. 81
Arakuganeri	1,400	1980-81	Feb. 81
Kanyakumari Suburbs Veeravanallur	800	1980-81	Feb. 81
Nanguneri & Nasareth	1,900	Aug. 80	Feb. 81
Srivillaiputhur Cuddalore, Pattiveerampatti, Sivakashi Suburbs & Rajapalayam Suburbs	4,000	Nov. 80	March 81
21. TRIPURA			
Badarghat	800	1980-81	Not anticipated
22. UTTAR PRADESH			
Dalla	1,500	30-9-80	Aug. 81
Faizabad includes Sohawal	3,150	31-12-80	Aug. 81
Bulandshahar & Azamgarh	1,650	31-12-80	Sept. 81
23. WEST BENGAL			
Asansole and Raniganj	2,300	March 80	March 81
Cossimbazar, Berhampur, Mauza Saguna	2,600	Aug. 80	Sept. 81
Jayakaynagar & Rupnarainpur	7000	Sept. 80	June 81

APPENDIX II

Number of employees covered upto 31-12-1980 and Planned to be covered under the Scheme upto 31st March, 1982.

Areas	Number of covered upto 31-12-80	Employees to to be covered.	Planned date of	Coverage
			1980-81	1981-82
1. ANDHRA PRADESH				
(i) Implemented Areas	2,40,000			
(ii) Non-Implemented Areas				
Kothagudem, Paloncha and Ramavaram Kothavariapally village (Madamapally) Spinning Mills Ltd		4,500	1980-81	
Nizamabad & Idda Jeedimetla		1,500		Sept., 81
2. ASSAM				
(i) Implemented Areas	32,000			
(ii) Non-Implemented Areas				
Silchar, Jagi Road,		900		Sept. 81
Bokajan & Bongaigaon		1,700		Dec. 81
3. BIHAR				
(i) Implemented Areas	1,40,000			
(ii) Non-Implemented Areas				
Fathuha, Dumrao & Bojaro (Hazaribagh)		3,500	1980-81	
Adityapur Phase-II Jhinkpani Jhani Tipudana		5,100	March, 81	
Bakaro Steel City (Dhanbad) & Out skirts of Muzaffarpur		1,200	March, 81	
4. CHANDIGARH				
(i) Implemented Areas	14,300			
5. DELHI				
(i) Implemented Areas	2,65,000			
6. GUJARAT				
(i) Implemented Areas	5,50,000			
(ii) Non-Implemented Areas				
Mehsana, Sidhapur and Surendranagar		7,200		May, 81
Navsari, Broach & Sikka		11,300		June, 81
Thangadh, Bulsar & Viramgam		5,200		Aug., 81
Billimore & Vapi		9,100		Sept., 81
Vatva & Vithal Udyognagar		9,300		Oct., 81

Areas	Number of covered upto 31-12-80	Employees to be covered	Planned date of coverage 1980-81	1981-82
7. HARYANA				
(i) Implemented Areas	1,94,000			
(ii) Non-Implemented Areas				
Kundhi, Rai & Dharuheda		4,000	Jan., 81	
Murthal, Khairpur (Sirsa)		1,750	Feb., 81	
Hansi & Contiguous areas of Bhiwani		2,050	Mar., 81	
Khaithal & Jind		1,650		Sept. 81.
Bahalgarh Road and Jamalpur		550		Oct. 81
8. HIMACHAL PRADESH				
(i) Implemented Areas	1,200			
(ii) Non-Implemented Areas Parwanoo, Mahetpur		1,600	Jan., 81	
9. JAMMU & KASHMIR		..	..	..
10 KARNATAKA				
(i) Implemented Areas	3,01,300			
(ii) Non-Implemented Areas Ramanagaram		800	1980-81	
Tumkur Road & Mandya		1,700	Feb. 81	
Karwar		1,400	March., 81	
Talaguppa & Suburbs of Nanjangud		750		Oct., 81
Avalahalli		500		Nov., 81
New Sectors of Employment		22,150		1981-82
11. KERALA AND MAHE				
(i) Implemented Areas	3,00,000			
(ii) Non-Implemented Areas				
Kottakkal (Malapuram and Eddeppel)		1,500	Jan., 81	
Thiruangudi		50	Jan., 81	
Thiruvalla		200	Mar., 81	
Kottakal (Trivandrum Distt.)		500		May, 81
Atholi		250		June, 81
(iii) New Sectors of employment	4,700			
12. MADHYA PRADESH				
(i) Implemented Areas	1,60,500			
(ii) Non-Implemented Areas				
Industrial Estate and Dewas		3,500	1980-81	
Lal Khadan (including Bilaspur) Sarni		2,900		Aug. 81
13. MAHARASHTRA & GOA				
(i) Implemented Areas	14,90,300			
(ii) Non-Implemented Areas				
Chandrapur, Kanhan & Kamptee		5,500	1980-81	
Kirloskarwadi, Walchandnagar & Ogelwadi		8,700		June, 81
Satar Suburbs, Panvel and Palghar		7,600		July, 1981
Khopoli & Achalpur		7,100		Sept., 81
Deolali Cantonment & Surrounding areas of Sangli and Miraj		900		Oct., 81
14. MEGHALAYA				
(i) Implemented Areas	1,000	..	..	..
15. NAGALAND				
(i) Non-Implemented Areas		1,000	-	Dec 81
16. ORISSA				
(i) Implemented Areas	1,09,000			
(ii) Non-Implemented Areas				
Bhagatpur & Talchar		3,000	1980-81	
Paradeep, contiguous areas of Bhubaneswar		3,000		May, 81
Baragarh (Tora)		2,000		July, 81
Belphar & Kalunga		7,500		Aug., 81
Latkata & Sunabeda		5,800		Sept., 81
17. PONDICHERRY				
(i) Implemented Areas	15,000			

Area	Number of Covered upto 31-12-80	Employees to be covered	Planned date of Coverage 1980-81	1981-82
18. PUNJAB				
(i) Implemented Areas	1,67,000			
(ii) Non-Implemented Areas				
Extended Municipal limits of Malarkotla		800	Dec., 80	
Amritsar (contiguous areas and Bankerpur)		1,500	Mar., 81	
Hoshiarpur, Barnala Mandi Govindgarh, Gidderbha- & Taran Taran. *		3,400	Mar., 81	
19. RAJASTHAN				
(i) Implemented Areas	1,32,000			
(ii) Non-Implemented Areas				
Giblenagar, Naraina & Vijay Nagar		1,900		June, 81
Chittaigarh		600		Dec., 81
20. TAMIL NADU				
(i) Implemented Areas	4,50,300			
(ii) Non-Implemented Areas				
Kamarapalayam, Salem Suburbs, Arakuganeri Thuva kudi and Thiruverampur		12,600	Jan., 81	
Kanyakumari Suburbs, Varvanallur, Nanguneri and Nasarath		2,700	Feb., 81	
Srivilliputhur Cuddallore, Pattivecrampatti Sivakashi Suburbs and Rajapalayam Suburbs		4,000	Mar., 81	
New Sectors of employment		30,000		Dec., 81
21. TRIPURA	..	..	.	..
22. UTTAR PRADESH				
(i) Implemented Areas	4,45,900			
(ii) Non-Implemented Areas				
Manipur, Haldwani and Kath-godam		1,700	1980-81	
Harduaganj		3,000	Jan., 81	
Khamaria & Dbra		3,700	March, 81	
Della & Faizabad includes Sohanwal		3,150		Aug., 81
Bulandshahar & Azamgarh		1,650		September, 81
23. WEST BENGAL				
(i) Implemented Areas	9,85, 000			
(ii) Non-Implemented Areas		23,000	March, 81	
Asansole and Raniganj		61,500	March, 81	
Kuth and Durgapur Jayakaynagar & Rupnarainpur, Cossimbazar, Berhampur		7,000		June, 81
Mauzakulia and Mauza Saguna		2,500		Sept, 81
TOTAL	60,07,400	325,200(a)		

(a) Includes 1,58, 600 additional employees expected to be covered duing 1-1-1981 to 31-3-1981

APPENDIX-III

STATEMENT SHOWING THE STAFF STRENGTH OF THE EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION AS ON 31-3-1980, 31-3-1981 AND LIKELY TO BE AS ON 31-3-1982.

Sl. No.	Designation	Strength as on 31-3-80	31-3-81	31-3-
1.	Director General	1	1	1
2.	Insurance Commissioner	1	1	1
3.	Financial Adviser and chief Accounts officer	1	1	1
4.	Medical' Commissioner	1	1	1
5.	Actuary	1	1	1
6.	Director (Administration)	1	1	1
7.	Joint Insurance Commissioner Regional Director Grade I	7	7	8

Sl.No.	Designation	Strength as on 31-3-80	31-3-81	31-3-82
8.	Director (O & M)/Regional Director Grade II/Director (Trg.)/Vigilance/Dy. Financial Adviser	8	10	13
9. (a)	Regional Dy. Medical Commissioner/Dy. Med. Commissioner	6	6	6
(b)	Medical Referees/Senior Medical Officer	42	42	98
10.	Administrative Officer/Dy. Insurance Commissioner/Regional Director Grade III/Deputy Cheif Accounts Officer/Joint Regional Director/Vigilance Officer/Asstt. Actuary	24	24	35
11.	Regional Director Gr. IV/97 Dy. Administrative Officer/ Asstt. Ins. Commissioner/Deputy Regional Director/Asstt. Director/Accounts Officer	97	99	125
12.	Asstt. Regional Director/Manager Gr. I/Dy. Accounts Officer/Section Officer/Hindi Officer	211	224	258
13.	Ins. Inspector/Audit Inspector/Dy. Manager Gr. II (O & M)	795	809	827
14.	P.S. to Director General	1	1	1
15.	Manager Gr. III/Asstt./Head Clerk/Head Clerk Cashier.	873	886	900
16.	Personal Assistants	31	32	33
17.	Technical Assistant	1	1	1
18.	Artist	1	1	1
19.	Care Taker	1	1	1
20.	Librarian	1	1	1
21.	Receptionist	1	1	1
22	UDCs/UDC Cashier/UDC Incharge	2906	3195	3285
23.	Stenos	102	106	139
24.	Computors	4	4	4
25.	LDCs/Adrema operators/Telephone operators/Telex operators	3133	3060	3164
26.	Gestetner Operators	7	7	7
27.	Staff Car Drivers	20	20	20
28.	Junior Lab. Attendants	1	1	1
29.	Jamadar	1	1	1
30.	Record Sorter/Daftry/Selection Grade Daftry	970	1062	1092
31.	Peons	927	916	1003
32.	Chowkidars	42	43	43
33.	Farashes	49	49	50
34.	Sweepers	53	53	54
35.	Malies	6	6	6
36.	Lift man	3	3	3
37.	Assistant Engineer	3	3	3
38.	Junior Engineer	4	4	4
	TOTAL	10337	10684	11194
	(i) Medical Personnel	48	48	104
	(ii) Other Personnel	10289	10636	11090

APPENDIX-IV

DETAILS OF AMOUNTS PROVIDED UNDER HEAD "ALLOWANCES AND HONORARIA" IN THE BUDGET ESTIMATES 1981-82

Nature of Allowance/Honoraria	Principal officers	Other officers	Ministerial establishment	Group 'D' staff
		(Rupees in Lakhs)		
A. SUPERINTENDENCE				
1. Travelling Expenses	1.41	4.72	9.50	0.65
2. Dearness Allowance	0.24	21.02	1,62.33	25.20
3. House Rent Allowance	0.42	5.50	37.35	6.96
4. City Compensatory Allowance	0.04	1.83	9.68	1.77
5. Non Practising Allowance	0.05	1.80	..	..
6. Re-inbursement of Medical Charges	..	0.65	16.35	4.65
7. Other Items	..	2.25	8.08	1.72
TOTAL—ALLOWANCES & HONORARIA	2.16	37.77	2,43.29	40.95
B. FIELD WORK				
1. Travelling Allowance	..	0.60	0.85	0.45
2. Dearness Allowance	..	8.60	1,52.10	29.00
3. House Rent Allowance	..	1.98	33.20	4.65
4. City Compensatroy Allowance	..	0.62	6.72	1 05
5. Re-imbursement of Medical Charges	..	0.45	10.08	2.15
6. Other items	..	0.65	6.90	1.35
TOTAL—ALLOWANCES & HONORARIA	..	12.90	2,09.85	38.75

APPENDIX V

PERSPECTIVE PLAN FOR EXTENSION OF THE E.S.I. SCHEME

The ESI Act, 1948 applies to workers in non-seasonal power-using factories employing 20 or more persons and covers employees in receipt of monthly remuneration not exceeding Rs. 1,000. In pursuance of the recommendations of the Perspective Planning Committee of the Corporation made in 1972, the Scheme is also in the process of extension to new classes of establishments, namely, smaller power using factories employing 10 to 19 persons, non-power using factories employing 20 or more persons, shops and cinemas and preview theatres, hotels and restaurants, road motor transport and newspaper establishments employing 20 or more persons. The Perspective Planning Committee had recommended extension of the Scheme in three phases, namely, (i) all factories under the Factories Act as well as the shops, commercial and allied establishments with 20 or more employees in the organised sectors in the first phase, (ii) organised mines and tea, coffee and rubber plantations in the second phase, and (iii) un-organised and semi-organised sectors of employment about which accurate statistical data was not available, in the third phase

2. The extension of the Scheme to factories in the non-implemented areas as well as to the above mentioned new classes of establishments included in the first phase, has however, not progressed according to the phased programme recommended by the Perspective Planning Committee because of difficulties of the State Governments in regard to the availability of physical and financial resources. It has also not been possible for the State Governments to implement the Scheme in accordance with the annual phased programmes drawn up by the Corporation, due to their inability to make medical arrangements. Out of about 7 lakhs employees in the factory sector in the non-implemented areas, and 13 lakhs employees in smaller factories and new sectors, as estimated by the Perspective Planning Committee to be coverable at that time, about 3 lakhs employees in the factory sector and about 7 lakhs employees in the new sectors have been covered so far. According to the latest available figures, about 8.58 lakhs employees in the factory sector, and about 6 lakhs employees in the new sectors, namely, smaller factories, shops and other allied commercial establishments are yet to be covered. It is relevant to state that a large number of the employees still left to be covered in the factory sector in the non-implemented areas, are those in public sector undertaking like Oil Refineries, Heavy Engineering Corporation, Steel Plants, TISCO and IISCO, Fertiliser Plants, Bharat Heavy Electrical etc. in regard to which there seems to be a little possibility of extension of the Scheme because of the opposition from the workers to such extension as they are stated to be already getting medical and other benefits of fairly high standard without any contribution.

The extension to mines requires amendment of the ESI Act. The extension to mines and plantations also requires modification of the existing scheme, in order to grant only cash benefits as recommended by the Perspective Planning Committee, since medical care of a fair standard is already available to them free of cost from their employers.

3. The High Powered Sub-committee which had been constituted to consider the amendmens to the ESI Act has made recommendations in 1978 in regard to the extension of the Scheme to sugar and other seasonal industries and formulation of suitable scheme of benefits and contibutions to suit the seasonal as well as agricultural workers extension to permanent employees in sugar and other seasonal industries and enhancement in the wage ceiling for coverage from Rs 1,000 at present to Rs. 1,600 p.m. The Report has been under consideration by the Central Government for making necessary amendments to the Act. Meanwhile, the Ministry of Labour have agreed, in principle, to the extension of the Scheme to building construction workers (who fall within the semi-organised/un-organised sectors) in metropolitan towns where the ESI Scheme is already in force. The State Governments who are the "appropriate Governments" for extension of the Scheme to these workers under the Act, have been requested to consider extension of the Scheme to these workers at the earliest. The actual extension, however, depends on the decicions to be taken by the State Governments

4. As regards the extension of social security to agricultural workers, the existing ESI Scheme is not suitable for these workers and suitable scheme for rural workers will have to be formulated taking into consideration the socio-economic needs of the agricultural population, and to suit their local conditions. For this purpose, the Government of India, Ministry of Labour has already set up a Central Standing Committee comprising of the representatives from workers' and employers' organisations, Central Ministries and departments, State Governments institutions/organisations and individual social workers engaged in and associated with the welfare of agricultural workers in the country to advice on various administrative and legislative measures for bettering the socio-economic conditions of the rural un-organised labour. The Committee is, in particular, to advise on matters related, inter alia, to the proposed Central legislation for safeguarding the interests of rural workers, particularly the agricultural workers, with regard to security of employment, working hours, payment of wages, social security scheme etc. and also in regard to the amendments and additions to the existing labour laws including the social security legislation in order to extend their provisions to the rural workers. The recommendations of this Committee are awaited

5. A realistic 5-year Perspective Plan can thus be formulated after the matters referred to above have been decided. It is also necessary for the State Governments to agree in principle, to the extension of the Scheme to new classes of establishments/workers. Presently, therefore, annual plans for extension of the Scheme to new areas and new sectors are being drawn up for the two years at a time, i.e., for the current financial year and the next financial year, in consultation with the State Governments concerned. It may be stated that the Corporation envisages to bring about 10 lakhs additional workers under the purview of the Scheme during the Sixth Five-year Plan.

APPENDIX-VI

STATEMENT SHOWING PER CAPITA INCOME AND EXPENDITURE

Amount per annum per employee

Year	Contributions income	Expenditure on Revenue Account (excluding the amounts transferred to Capital Construction and Emergency Reserve Funds)	Margin
	Rs.	Rs.	Rs.
1970-71	123	117	6
1971-72	131	118	13
1972-73	145	104	41
1973-74	153	121	32
1974-75	146	125	21
1975-76	162	141	21
1976-77	236	151	85
1977 78	239	177	62(a)
1978-79	258	207	51
1979-80	271	234	37
1980-81 (Estimates)	293	273	20(b)
1981-82 (Estimates)	302	284	18

(a) The surplus in respect of Permanent Disablement Benefit and Dependants' Benefit disclosed in the valuation as on 31-3-74, has been adjusted in the expenditure (Capitalised value) for 1977-78. If the actual capitalised value for 1977-78 without adjusting the surplus is taken into account, the per capita expenditure would increase by about Rs. 5 and thus bring down the per capita margin from Rs. 62 to Rs. 57.

(b) Excludes the incidence of one-time adjustment of Rs. 4,500.00 lakhs in respect of increase granted in respect of cases of Permanent, Disablement Benefit and Dependants' Benefit where disablement or Death occurred prior to 1-4-1980.

APPENDIX VII-A

APPROXIMATE PER CAPITA REVENUE INCOME ANTICIPATED DURING THE YEAR 1980-81, 1981-82 1982-83, AND 1983-84.

	1979-80 (Actuals)	1980-81	1981-82	1982-83	1983-84
Per Capita Income in Rupees :					
1. Income from Contributions	271	293	302	311	320
	(Growth rate of 3% during 1981-82, 1982-83 and 1983-84 consequent on increase in wages)				
2. Income from interest on non earmarked reserve funds (Emergency Reserve Fund & investment of General Cash Balance). Includes interest accrued on investments under Re-investment Plan which will be paid actually on maturity of Fixed Deposits.	27	30	34	38	42
3. Recoveries from State Governments. :					
(a) Share of Delhi Administration in the expenditure on medical care & compensation by those State Govts where the incidence of sickness benefit exceeds the all-India average.	2	6	6	6	6
(b) Rent for ESI Hospital and Dispensary Buildings	6	6	7	7	8
Total income per capita	306	335	349	362	376

APPENDIX VII-B

APPROXIMATE PER CAPITA REVENUE EXPENDITURE ANTICIPETED DURING THE YEAR 1980-81, 1981-82, 1982-83 AND 1983-84

Per Capita Expenditure in Rupees	1979-80 (Actuals)	1980-81	1981-82	1982-83	1983-84
1. Expenditure on Revenue Account excluding the amount transferred to Capital Construction and Emergency Reserve Funds.	234	273	284	298	314
2. Amount transferred to Capital Construction Reserve Fund @ 10% on Contribution income.	27	29	30	31	32
3. Amount transferred to Emergency Reserve Fund	5	2	3	3	4
4. Additional Expenditure on account of—					
(a) Enhancement of the exemption limit for payment of Employees' Contribution from wage group of Rs. 2 per day to the wage group below Rs. 6 per day.	-	-	2	3	3
(b) Invalidity Benefit	-	-	7	12	15
(c) Reimbursement of Funeral Expenses					
Total per capita Revenue Expenditure on the Scheme	266	304	326	347	367

PERFORMANCE BUDGET OF THE EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION FOR THE YEAR 1981-82

INTRODUCTORY :

The Employees' State Insurance Act, 1948, is the only piece of social insurance legislation in India which provides for benefits in contengencies of sickness, maternity and employment injury to certain categories of industrial workers.

COVERAGE :

2. The Employees' State Insurance Act, 1948, applies to all non-seasonal factories using power wherein 20 or more persons are employed for wages. The Scheme is being implemented in a phased manner area-wise. The Scheme is being further extended to new classes of establishments, namely, power using factories employing 10-19 persons and non-power using factories, shops, cinemas including preview theatres, hotels, restaurants, road motor transport undertakings and newspaper establishments employing 20 or more persons.

The employees employed in factories and establishments, as mentioned above, and in receipt of wages not exceeding Rs. 1,000 per month, are covered under the Act.

PRINCIPAL OBJECTS OF THE SCHEME :

3. The Corporation provides the following benefits to the Insured Persons and their families.

1. Medical Benefit.

Medical care is provided through the ESI hospitals and dispensaries.

2. Cash Benefits.

(i) Sickness benefit when an insured person falls sick.

(ii) Maternity benefit to female insured workers

(iii) Temporary/Permanent Disablement benefits to insured persons who meet with accidents during the course of employment.

(iv) Dependants' benefits to the families of insured persons who die as a result of employment injury.

(v) Funeral expenses to the family members or the nearest relation of the deceased insured worker to perform his funeral rites.

The quantum of the benefit is given in paragraph 12.2 below.

Wherever the Employees' State Insurance Scheme has been implemented, the employers are absolved of their liability under the Workmen's Compensation Act, 1923, and the Maternity Act, 1961.

ADMINISTRATION :

4. The Employees' State Insurance Scheme is administered by a corporate body called the Employees' State Insurance Corporation, which has members representing employers, employees, Medical profession, the Central and State Governments and Parliament. A Standing Committee constituted from among the members of the Corporation, acts as the Executive Body for the administration of the Scheme. There is also a Medical Benefit Council to advice the Corporation regarding matters connected with the provisions of medical benefits.

The provision of medical care under the Employees' State Insurance Scheme is the responsibility of the State Governments except in Delhi where the Corporation itself arranges medical care.

FINANCE :

5. The Employees' State Insurance Scheme is financed by the employers' and employees' contributions. The rates of weekly contribution by employees vary from 40 Paise to Rs 3.75 depending on the wage group to which they belong. Those earning less than Rs. 2 per day are not required to pay any contribution.

The Employers' contribution works out to about 4.35% of the wages. The employees' contribution is 2.17% of the wages. The expenditure on medical care is shared between the Employees' State Insurance Corporation and the State Governments in the agreed ratio of 7 : 1. The Corporation does not receive any financial assistance from the Central Government.

EXTENSION OF THE SCHEME :

6 The State-wise position regarding coverage of the Scheme as on 31st March, 1980, is given in Annexure 1. During the period 1st April, 1980 to 31st December, 1980, the Scheme has been extended to cover 0.24 lakh more employees. Medical care has also been extended to 0.27 lakh more family (insured persons) units. The total coverage of employees under the Scheme as on 31st December, 1980, stood at 60.07 lakhs. The total number of beneficiaries for medical benefit is 2,67.35 lakhs inclusive of insured persons and their family members.

It will be seen from Appendix V to the Budget Estimates 1981-82 (in this Volume), that further extension of the Scheme during the Sixth Five Year Plan to more sectors is receiving attention. The State Governments have been requested to take appropriate steps so as to cover all the eligible employees in the near future.

7. The following table gives the statistical data relating to performance and work handled:-

Sl. No	Nature of information	1979-80 (Actuals)	1980-81 (Revised Estimates)	1981-82 (Budget Estimates)
1.	Number of Centres	395	418	448
2	Number of employees covered	59.83 lakhs	61.66 lakhs	63.32 lakhs
3	Number of Insured Persons entitled for Medical Care	68.50 lakhs	70.73 lakhs	72.54 lakhs
4.	Number of family members to whom Medical Care has been extended .			
	(a) Excluding the Insured Persons	1,97.28 lakhs	2,03.70 lakhs	2,08.95 lakhs
	(b) Including the Insured Persons	2,65.78 lakhs	2,74.43 lakhs	2,81.49 lakhs
5.	Number of Hospitals and Annexes Constructed	101	117	126
6.	(a) Number of beds (including beds reserved in Govt & other recognised hospitals)	19,537	21,287(*)	22,941
	(b) Number of beds under construction	3,502	3,420 (as on 30-9-1980)	4,359

(*) Includes 15,462 beds in ESI Hospitals.

Sl. No.	Nature of information	1979-80 (Actuals)	1980-81 (Revised Estimates)	1981-82 (Budget Estimates)
7.	(a) Number of Dispensaries	1,030	1,080	1,130
	(b) Number of Panel Clinics	4,734	Not Estimated	
	(c) Number of Specialist Centres	236	Not Estimated	
8.	Number of patients treated :			
	Number of cases admitted in Hospitals	3.15 lakhs	3.64 lakhs	4.05 lakhs
	Attendance at dispensaries (both Insured Persons and Family members) :			
	(i) New Cases	2,90.86 lakhs	3,17.00 lakhs	3,32.00 lakhs
	(ii) Old Cases	5,79.72 lakhs	6,28.00 lakhs	6,55.00 lakhs
9.	Number of persons in receipt of cash allowance (i.e., Number of employees eligible for employment injury benefits)	59.83 lakhs	61.66 lakhs	63.32 lakhs
10.	Number of dependats in receipt of pension (i.e., number of beneficiaries for dependant's benefit)	17,102	18,050	19,650
11.	Staff strength (including staff employed on the scheme in the States)			
	Medical Personnel	22,602	23,729	24,969
	Other Personnel	30,165	31,505	33,002
12.	Annual Receipts	1,69,79.04 lakhs	1,91,78.67 lakhs	2,02,41.47 lakhs
13.	Annual Revenue Expenditure	1,59,18.79 lakhs	1,88.28.77 lakhs	1,96,48.59 lakhs
14.	Capital Expenditure on acquisition of sites and construction of buildings for offices, dispensaries and hospitals :			
	During the year	6,63.80 lakhs	8,50.00 lakhs	8,50.00 lakhs
	Progressive Expenditure	72,80.11 lakhs	81,30.11 lakhs	89,80.11 lakhs

8. Comparative analysis of the Revised Estimates and Actuals for 1979-80 and Budget Estimates and Revised Estimates 1980-81, is as follows :-

Sl. No.	Nature of information	Revised Estimates 1979-80	Actuals 1979-80	Variation
		Rs.	Rs.	Rs.
1.	No. of Centres	403	395	(-) 8
2.	(a) No. of Employees Covered	59.50 lakhs	59.83 lakhs	(+) 0.33 lakhs
	(b) No. of Insured Persons	67.47 lakhs	68.50 lakhs	(+) 1.03 lakhs
3.	No. of family members to whom medical care has been extended	1,94.20 lakhs	1,97.28 lakhs	(+) 3.08 lakhs
4.	No. of hospitals and Annexes constructed	105	101	(—) 4
5.	No. of Hospital Beds	21,874	19.537	(-) 2,337
6.	No. of Dispensaries	1,040	1,030	(-) 10
7.	Revenue Receipts	1,65,13.19 lakhs	1,69,79.04 lakhs	(+) 4,65.85 lakhs(*)
8.	Revenue Expenditure	1,59,08.36 (@) lakhs	1,59,18.79 lakhs	(+) 10.43 lakhs(x)
9.	Capital Expenditure	7,50.00 lakhs	6,63.80 lakhs	(-) 86.20 lakhs

(*) The increase is partly due to better compliance in payment of contributions and partly due to higher rates of contribution on account of increase in wages.

(@) Represents final allotment for the year.

(x) The excess over the final allotmen, was on account of additional provision that was required to be made for Capital Construction Reserve Fund on account of higher contribution income (Rs. 1,59,76.04 lakhs) against the anticipated contribution income of Rs. 1,52,37.00 lakhs.

Sl. No.	Nature of information	Budget Estimates 1980-81	Revised Estimates 1980-81	Variation
1.	No. of Centres	452	418	(—) 34
2.	(a) No. of employees covered	62.00 lakhs	61.66 lakhs	(—) 0.34 lakh
	(b) No. of Insured Persons	70.10 lakhs	70.73 lakhs	(+) 0.63 lakhs
3.	No. of family members to whom medical care has been extended.	2,01.90 lakhs	2,03.70 lakhs	(+) 1.80 lakhs
4	No. of Hospitals and Annexes constructed	116	117	(+) 1
5.	No. of Hospital beds	23,261	21,287	(—) 1,974
6.	No. of dispensaries	1,090	1,080	(—) 10
7.	Annual Revenue Receipts	Rs. 1,71,34.70 lakhs	Rs. 1,91,78.67(a) lakhs	(+) Rs. 20,43.97 lakhs
8.	Annual Revenue Expenditure	Rs. 1,64,52.74 lakhs	Rs. 1,88,28.77(b) lakhs	(+) Rs. 23,76.03 lakhs
9.	Capital Expenditure	Rs. 9,25.00 lakhs.	Rs. 8,50.00 lakhs	(-) Rs. 75.00 laksh

(a) The increase is due to higher rates of contribution on account of increase in wages and better compliance in payment of contributions.

(b) The increased provision in the Revised Estimates 1980-81 is mainly on account of the following reasons :

(i) Medical Benefits : The increase is on account of revision of the ceilings on medical care with effect from 1st April 1980, provision for which was not made in the Budget Estimates.

(ii) Cash Benefits : The increased provision has become necessary on account of—

(a) increase in the average number of benefit days per annum per employee in the case of Sickness Benefit & average benefit rate per day per employee in the case of sickness Benefit & Temporary Disablement Benefit.

(b) One time adjustment of Rs. 4,50.00 lakhs necessitated due to enhancement of the rates of Permanent Disablement Benefit and Dependants' Benefit with effect from 1-4-1980 in cases where disablement or death occurred prior to 1-4-1978.

(c) increase in rate of Disablement and Dependants' Benefits from 125% to 140% of the standard Benefit rate.

(iii) Administrative Expenses :

(a) The additional expenditure is attributable to increases in Dearness Allowance.

(b) Ad hoc payment of 15 days wages to employees drawing emoluments upto Rs. 1,600/- p.m.

(c) Grant of encashment of a month's leave once in a block of two years commencing from 1-6-1980.

(d) Increases in expenditure on contingencies and other charges due to general increase in prices, hiring of a separate building for Regional Office, Delhi, increase in the rate of provision for Repairs and Maintenance Reserve Fund and additional contribution to Pension Reserve Fund due to counting of Dearness Pay for the purposes of calculation of pension and more members of Contributory Provident Fund Scheme opting to come over to Pension Scheme.

The programme of implementation of the Employees' State Insurance Scheme is mainly dependent on the State Governments. The shortfall in the number of employees covered was consequential to shortfall in extension of the Scheme to new Centres.

The shortfall in capital expenditure was due to slow progress of construction works on account of shortages of cement and steel.

Further information is furnished in the following paragraphs.

9.1 The financial requirements of the Corporation for the current financial year 1980-81, and the next financial year 1981-82, are given below :—

A. Programme/Activity-wise Classification	1979-80 (Actuals)	1980-81 (Revised Estimates)	1981-82 (Budget Estimates)
1	2	3	4
			(Rupees in Lakhs)
Medical Benefit	63,59.27	76,25.20	79,98.88
Cash Benefits	63,55.23	76,32.33	77,60.46
Other Benefits	17 32	20 33	22 14
Direction, Superintendence and Field Work	11,37.56	14,18.14	15,38.99
Depreciation, Repairs and Maintenance of Hospitals and Dispensary Buildings.	1,86.77	2,53 86	2,91.90
Non-activity expenditure Allocation to Capital Construction and Emergency Reserve Funds	18,62.64	18,78.91	20,36.22
TOTAL REVENUE EXPENDITURE	1,59,18.79	1,88,28.77	1,96,48 59
Capital Expenditure on acquisition of sites and construction of buildings for Offices, Dispensaries/Hospitals.	6,63 80	8,50 00	8,50.00
Other Capital Expenditure			0.60
B. OBJECT-WISE CLASSIFICATION:			
Expenditure on providing medical care to beneficiaries	63,59.27	76,25.20	79,80.85
Payment of Cash Benefits	63,55 23	76,32 33	77,60.46
Other Benefits	17 32	20 33	22.14
Salaries and other Administrative Expenditure			
Salaries	8,33.40	10,36 45	11,24.91
Travel Expenses	24 80	17.74	19 07
Stationery & Forms	55 44	73.10	81 25
Contribution Stamps	0 14	0 02	0.02
Rents, Rates and Taxes	49 20	63.23	64 00

1	2	3	4
B OBJECT-WISE CLASSIFICATION			
Insurance Courts and Legal charges	5 38	5 95	6 15
Maintenance of staff cars	1 77	2 25	2 50
Purchase of typewriters, calculating machines, Addema machines office furniture and other equipment	9 89	12 94	14 15
Publicity and Advertisement	1 38	1 50	1 60
Charges for maintaining Banking Accounts	0 99	0 60	0 70
Other Office expenses	47 87	60 87	67 73
Depreciation repairs & maintenance of office buildings including staff quarters and depreciation of staff cars	13 65	22 94	30 56
Retirement Benefits (including Provident Funds)	93 65	1 20 65	1,26 05
Depreciation repairs and maintenance of Hospitals and Dispensary Buildings, including staff quarters	1 86 77	2 53 86	2,91 90
Allocation to Capital Construction Reserve Fund	15 97 60	17 78 91	18 88 00
B OBJECTWISE CLASSIFICATION			
Allocation to Emergency Reserve Fund	2 65 04	1 00 00	1,48 22
TOTAL REVENUE EXPENDITURE	1 59,18 79	1,98 28 77	1 96 48 59
Capital Construction Works			
Office Buildings (Including staff quarters)	84 78	1 07 92	1,08 19
Hospital & Dispensary Buildings	5 79 02	7,42 08	7,41 81
Total Capital Construction works	6,63 80	8 50 00	8,50 00
Other Capital Expenditure			0 60
C SOURCE OF FINANCE			
Revenue Receipts			
Employers' Employees' Contribution	1 59,76 04	1 78 20 20	1,88,80 00
Rent of Buildings	3,93 12	4 30 80	4 46 00
Interest on Investments, Loans & Advances	4 83 70	4,73 79	5,20 13
Other Revenue Receipts	1 26 18	4 53 88	3 95 34
TOTAL	1 69,79 04	1,91,78 67	2 02,41 47
Capital Expenditure			
Capital Construction Reserve Fund	15,97 60	17 78 91	18,88 00

9 2 The Statement in Annexure II shows the incidence of expenditure per capita under main heads of expenditure

EXPLANATION OF FINANCIAL REQUIREMENTS

10 The financial requirements of the Corporation may be classified broadly under the following heads

I Medical Benefit

II Cash Benefits and Other Benefits

III Direction, Superintendence and Field Work.

IV Depreciation, Repairs and Maintenance of Hospitals and Dispensaries

V Capital Construction Works.

These are further detailed in the following paragraphs

There are in-built norms, yardsticks, ceilings and statutory rates by which the expenditure of the Corporation is regulated

At the meetings of the Budget and Accounts Sub-Committee and Standing Committee held in February, 1980, various members stressed that the ESI Scheme being a self-financing service organisation, the Corporation should improve the benefits, both medical and cash, to the maximum extent possible, and also strive towards an improvement in administrative service by the Corporation During the year 1980-81, the Corporation has made further strides of considerable significance towards improving the quality and efficiency of service to the beneficiaries Increasing the efficiency of the service and improving the benefits, is a continuous process

I Medical Benefits

11 1 The expenditure on Medical Benefits is shown below –

1979-80 (Actuals)	1980-81 (Revised Estimates)	1981-82 (Budget Estimates)
Rs 63,59 27 lakhs (includes arrear payment of Rs 13,05 24 lakhs)	Rs 76,25 20 lakhs (includes arrear payment of Rs 12,53 51 lakhs)	Rs 79,98 88 lakhs (includes arrear payment of Rs 10,44 86 lakhs)

11 2 The expenditure on this activity is initially incurred by the State Governments, who are in administrative control of the Medical care except in the Union Territory of Delhi The Corporation pays its share on quarterly basis on receipt of expenditure statements from the State Governments In order to ensure effective control, the Corporation has fixed ceiling on expenditure for different categories of medical care and has entered into rate contracts with manufacturers of drugs in respect of more than 500 medicines, injections and drugs for operation by the State Governments Any expenditure incurred by the State Governments over the above the ceilings is borne exclusively by them and such excess expenditure is not reflected in the Corporation's budget

11 3 The ceilings for expenditure on medical care were revised upward with effect from 1st April, 1980, as follows –

Type of Medical Care	Range of Care under the type	Ceiling per annum per employee.
Restricted Medical Care	While full medical care is given to the Insured Persons, their families are given outdoor treatment only with full supply of drugs and dressings.	Rs. 70 (No Change)
Expanded Medical Care	While full medical care is given to the Insured Persons, their families are provided with the facility of consultation with the specialists (including facilities for special laboratory tests and X-ray examinations) and supply of special medicines and drugs as may be prescribed by them in addition to the out-patient care.	Rs. 85 (No Change)
Full Medical Care	It provides both out-door and in-door treatment to the Insured Persons and their families.	From Rs. 115 to Rs. 120

The expenditure on drugs and medicines exceeding Rs. 25 but not exceeding Rs. 50 per annum per employee is allowed over and above the ceiling.

The rent of ESI Medical Institutions owned by the Employees' State Insurance Corporation, charged from the ESI Scheme would also be kept outside the ceiling with effect from 1-4-1980 but will continue to be shared between the State Government and the Corporation in the usual ratio.

11.4 The limits on expenditure on provision of initial equipments in the E. S. I. Hospitals are as under:—

Upto 150 beds	Rs. 8,000 per bed
From 151 to 300 beds	Rs. 6,500 per bed
From 301 beds and above	Rs. 5,500 per bed

Initial equipment in annexes, detention wards and ordinary wards attached to the dispensaries are provided upto Rs. 3,500 per bed. The limit of expenditure on provision of additional equipment in the commissioned hospitals is Rs. 4 lakhs.

11.5 It has been decided in the meeting of the Corporation held on 14-12-1980 to provide initially a sum of Rs. 15,000/-for medical books and journals for the library of a new ESI hospital. Subsequently, the allotment of funds for books and journals every year may be as under: –

1. 50 bed hospitals	Rs. 2,000
2. 100-250 bed hospitals	Rs. 4,000
3. 300 and above bed hospitals.	Rs. 10,000

11.6 The Insured Persons and members of their family are provided artificial limbs, hearing aids, artificial dentures, spectacles and artificial appliances like spinal supports, cervical collar, walking callipers, crutches, wheel chairs and cardiac pace makers as a part of medical care under the ESI Scheme.

The beneficiaries under the Scheme are also entitled to the facilities of dialysis, kidney transplant and heart surgery. This facility is made available by referring the cases to Government (Central/State) autonomous or private institutions nearest to the normal place of residence of the beneficiary, anywhere in the country.

11.7. The families of insured persons who were previously entitled to medical benefit 13 weeks after the date on which the insured person himself became entitled to it, are now entitled to medical benefit from the same day as the insured person himself.

The medical treatment in cases of insured persons, who go out of the coverage of the Scheme during the period of treatment, is not now discontinued till the spell of sickness ends or in the case of long term ailments, so long as the insured persons (excluding members of their families) require active treatment.

The medical facilities extend to the families of the insured persons in the following circumstances:

(i) Where the Insured Person works and resides at one station and his family resides at another station and both the places are implemented centres and located in the same State.

(ii) Where the members of the family move along-with the Insured Person from his place of duty either on leave or on temporary transfer to any other station which is an implemented centre in the same State or in a different State.

11.8 The Corporation has laid down norms for provision of diet to in-patients in ESI Hospitals. The diet is based on calorie value and no monetary limits for the same have been prescribed.

11.9 The Corporation has decided to make ex-gratia payment upto Rs. 5,000 in cases of death, marked disability, loss of limb or part of limb of an insured person or a family member of insured person due to adverse reaction of drug/injection. This benefit was formerly allowed to insured persons only and that too in the event of death.

11.10 Constant efforts are made to improve the type of medical care available to the families of insured persons. The number of employees family units covered by various types of medical care on 31-12-1979 and 31-10-1980 was as under:—

	As on 31-12-1979	As on 30-10-1980
Restricted Medical Care	80,350	23,800
Expanded Medical Care	9,80,560	10,53,800
Full Medical Care	47,94,300	49,17,600
Total:	58,55,210	59,95,200

11.11 Further improvements in the norms and standards of staffing and equipping different sizes of Hospitals/Annexes, specialist centres and Dispensaries have been made during the year 1980-81 with a view to provide better and improved medical facilities to ESI beneficiaries.

A mini-ESI Dispensary may be set-up for about 500 insured persons family units. Wherein there is one-Dr. dispensary in an implemented Centre, it has been decided to provide an additional doctor so that continuous care to the beneficiaries is available during the period of absence of one of the Medical Officers.

11.12 In pursuance of the recommendation of Medical Benefit Council, the Corporation has approached I.C.M.R for collaboration to identify the areas of interest for conducting research in various spheres including occupational health and hazards, cercimezenes, eye injuries, and chemical injuries etc.

11.13 Apart from curative services provided through hospitals and dispensaries, the Corporation is also providing the following services through hospitals, specialist centres and dispensaries:

(i) Facilities for family welfare programme.

A Family Welfare Project sponsored by the ILO and funded by UNFPA for augmentation of the E.S.I. Scheme for education, motivation and provision of services for Family Planning

was commissioned in the year 1976. The project was sanctioned initially upto 31-12-1978. On review of its performance and keeping in view the progress made by it, its activities were extended upto 31-12-1979. The project was further extended upto 31-3-1980. A new project to run with the assistance of ILO/UNFPA has been prepared and is under consideration of the Government of India.

The UNFPA was not agreeable to continue the present activities of family planning project from their funds after 31-3-1980. The Corporation, therefore, decided to continue the activities envisaged in the project as part of medical care for the period from 1-4-1980. The expenditure on the scheme in the States is to be met from shareable pool of expenditure on medical care. The expenditure on central cell is met by E.S.I. Corporation.

The achievements made under the family welfare programme are as under:

	As on 31-12-1979	As on 31-8-1980
1. No. of Tubectomy beds	200	200
2. No. of Family Welfare Centres	180	180
3. Vasectomies performed	86,604	90,719
4. Tubectomies performed	59,945	77,579
5. Total sterilisation	1,46,549	1,68,298
.U.C.D.	16,674	20,868
7. M.T.P.	12,706	16,988
8. Nirodh	41,27,010	53,04,526
9. Oral Pills	2,58,302	3,39,177
10. Equivalent sterilisation	1,56,537	1,84,390

(ii) Facilities for immunization including a special programme of protecting the children against infectious diseases;

The immunization programme is making steady progress in all the States where the E.S.I. Scheme has been implemented.

11.14 The Corporation has decided to construct 10 Convalescent homes, one each in Maharashtra, West Bengal, U.P. Tamil Nadu, Kerala, Karnataka, Gujarat, Haryana, Punjab and Bihar to provide facilities for patients who no longer need active medical treatment in hospitals and whose requirements can be met by providing ordinary medical attention and nursing care etc.

11.15 The ESI Corporation has laid down that medical care under the ESI Scheme may also be provided under systems other than allopathy under the following circumstances:—

(i) Where there is a demand from a substantial number of workers for that system; and

(ii) Where the State Government has recognised the qualifications in that system.

No intermixing of different systems may be allowed.

11.16 The facilities under Ayurvedic System in the E.S.I. Scheme are shown below:—

Name of State	No. of dispensaries	No. IMOs/IMPs.	No. of Specialists	No. of beds.
Delhi	2	2	—	—
Gujarat	53	54	2	20
Karnataka	2	2	..	—
Kerala	4	4	.	—
Bombay	-	1,115 (IMPs)	2	30
Nagpur	1	1		—
Poona	.	11 (IMPs)	1	20
Uttar Pradesh	1	1	—	—

The C.G.H.S. Ayurvedic Formulary has been adopted for use in the E.S.I. Institutions.

11.17 The Labour Ministers' Conference held in July, 1980 took stock of the medical arrangements and made the following recommendations with a view to improvements:

(i) To have a separate cadre of Medical Officers in the ESI Scheme for the various States;

(ii) To enfore the norms with regard to staffing and equipment as prescribed by the ESI Corporation

(iii) To provide the ESI laid down scale of diet for the beneficiaries in ESI Hospitals.

(iv) To ensure periodical inspection of FSI institutions in the States.

11.18 On the recommendations also of the Medical Benefit Council in October, 1980, the State Governments have been suggested:—

(i) to fill up all the vacant posts in various ESI Institutions;

(ii) to have staff as per norms approved by the FSI Corporation;

(iii) to provide diet to in-door patients as per scale laid down for ESI beneficiaries; and

(iv) to ensure periodical inspection of ESI Institutions in the States.

11.19 The Corporation has decided to activise the working of G.P.S.C. which aims to visit 4 States in a year as against the average of one visit per year in the past. During the current year, the Committee has already visited Bihar and Tamil Nadu and is due to visit Punjab, Haryana and Union Territory of Chandigarh in February, 1981.

11.20 A sub-Committee set up by the ESI Corporation has conducted in depth study of the performance of I.M.Ps and their grievances and made several recommendations for improvement of medical services in panel areas.

11.21 To ensure regular supply of standard and efficacious drugs to beneficiaries of the ESI Scheme, the Corporation has entered into rate contract for over 500 drugs with reputed drugs manufacturers. These drugs are purchased by State authorities of ESI Scheme at fixed uniform rates throughout the country.

11.22 With a view to ensure speedy decision of cases of insured persons who claim reimbursement of cost of treatment/medicines which are not available in the ESI hospitals/dispensaries, the State Governments have been given power to reimburse expenditure on medical expenses upto Rs. 1,000 in each case.

11.23 The following data further supplements the information given in paragraph 7 above regarding the progress made in providing medical care to the insured persons and their families.

Nature of information	1979-80 (Actuals)	1980-81 (Revised Estimates)	1981-82 (Budget Estimates)
1	2	3	4	5
1. (a) No. of Hospitals:			
General	60	68	74
T.B.	7	8	9
(b) No. of Annexes			
General	20	27	28
T.B.	14	14	15

1	2	3	4	5
2.	No. of beds commissioned in ESI Hospitals and Annexes as on 31-3-1980:			
	(a) In Hospitals:			
	General	11,300	11,865	12,458
	T.B.	1,777	1,865	1,958
	(b) In Annexes:			
	General	426	447	470
	T.B.	244	296	310
3.	No. of beds reserved in Government and other recognised hospitals	4,765	5,005	5,255
4.	Expenditure on medical care per annum per employee	Rs. 107.32	Rs. 124.70	Rs. 127.20

The statement in Annexure V shows the Employees' State Insurance Corporation's share of expenditure on medical care from 1970-71 onwards.

II—Cash Benefits and Other Benefits.

12.1 The expenditure on Cash Benefits is given below:

1979-80 (Actuals)	1980-81 (Revised Estimates)	1981-82 (Budget Estimates)
	(Rupees in Lakhs)	
63,55.23	76,32.33	77,60.46

12.2 The eligibility for different categories of Cash Benefits except employment injury benefits is dependent on the number of contributions paid/payable by the employees and the rate of their wages. Roughly, the Cash Benefit on account of sickness comes to 50% of the wages, in case of disablement and Dependants' Benefit it works out to 62.50% (70% with effect from 1-1-1981) of the wages and roughly full wages are paid in the case of Maternity Benefit to female insured workers. Funeral expenses are paid upto the amount of Rs. 100/- in the event of death of an insured person.

12.3 These benefits are paid to the Insured Persons or their beneficiaries directly by the Corporation through its Local Offices/Pay Offices which are located in almost all the industrial Centres where the Scheme has been implemented. The number of such offices was 694 on 31st March, 1980, as against 684 a year earlier. The incidence of expenditure on cash benefits depends on a variety of factors e.g. state of health, industrial peace and the awareness of the workers about their entitlement to the benefits, etc. It is, therefore, not possible to fix any physical targets. In all 85.47 lakhs payments (including 10,477 claims relating to lump-sum payments in respect of requests for commutation of permanent disablement claims) were effected during the year 1979-80. These were 6.00 lakhs more than those during the preceding year. On the average, 7.12 lakhs payments were effected every month as against 6.22 lakhs payments during 1978-79. The number of payments per employee has increased from 1.17 in 1976-77 to 1.33 in 1977-78, 1.43 in 1978-79 and 1.48 in 1979-80.

12.4 The break-up of expenditure under the different categories of Cash Benefits is given in the following table.

	Actuals Weighted average of No. of employees (figures in lakhs)	1979-80 Amount in lakhs of Rupees	Revised Estimates Weighted average of No. of employees (figures in lakhs)	1980-81 Amount in lakhs of Rupees	Budget Estimates Weighted average of No. of employees (figures in lakhs)	1981-82 Amount in (lakhs of Rupees)
Sickness Benefit	56.77	43,03.27	59.41	46,57.13	60.53	48,73.20
Extended Sickness Benefit	56.77	3,25.98	59.41	3,65.27	60.53	3,83.15
Maternity Benefit	56.77	1,94.91	59.41	2,14.61	60.53	2,25.10
Temporary Disablement Benefit	58.99	6,93.68	60.75	8,74.40	62.49	10,34.20
Permanent Disablement Benefit	58.99	6,50.83	60.75	10,56.45	62.49	8,86.30
Dependants' Benefit	58.99	1,76.48	60.75	4,53.70	62.49	3,33.26
Funeral Benefit	58.99	10.08	60.75	10.77	62.49	11.25
Invalidity Benefit		—		—	62.49	10.00
TOTAL—CASH BENEFITS		63,55.23		76,32.33		77,60.46

12.5 Cash Benefits have been improved upon as under:—

(i) The Permanent Disablement Benefit and Dependants' Benefit payments to permanently disabled insured persons and to the dependants of the deceased insured persons, respectively, who suffered disablement or death on or before 31-3-1975, were increased from 1-10-1977 by 10% to 20% to compensate them for the increase in the cost of living. Further increase in such cases has been made with effect from 1-4-1980 for all cases where disablement or death occurred on or before 31-3-1978, as under:—

(a) Cases where disablement or death Occurred on or before 31-3-1975	20% of the basic amount (excluding the increase already granted w.e.f. 1-10-1977
(b) Cases where disablement or death occurred between 1-4-1975 and 31-3-1978.	15% of the basic amount.

(ii) The rate of employment injury benefits which was raised to 25% over and above the daily standard benefit rate in 1968, has been raised to 40% over and above the daily standard benefit rate with effect from 1-1-1981.

(iii) A rehabilitation allowance at sickness benefit rate (i.e. about 50% of average daily wages) has been introduced with effect from 1-1-1980, which is granted to disabled insured persons for the period they remain admitted in the artificial limb centre for fixation, repair or replacement etc., of artificial limbs.

(iv) A scheme of invalidity benefit for payment of cash benefit in cases of invalidity due to non-employment injury causes has already been approved by the Corporation and is awaiting for amendment of the ESI Act.

(v) Twelve additional diseases have been added to the list of occupational diseases in the Schedule III of the ESI Act 1948, for grant of employment injury benefit

(vi) Insured Persons undergoing vasectomy/tubectomy operations would continue to be granted on a permanent basis, Enhanced Sickness Benefit for undergoing vasectomy/tubectomy Operation in addition to 91 days of ordinary scikness benefit admissible as an incentive for family welfare planning.

(vii) As in the case of other Cash Benefits, the facility of remittance by Money Order has been extended to funeral expenses also.

(viii) The table for determining a lump sum amount for commutation of Permanent Disablement Benefit under the ESI (General) Regulations, 1950, was revised on the basis of current mortality and interest experience.

(ix) The rate of conveyance charges to insured persons appearing before the Medical Board was enhanced from 25 paise per mile to 0.30 paise per K. M., subject to the limit of normal bus or railway charge. Where the insured person is not fit to travel by bus or other ordinary means of conveyance or needs an attendant, the actual charges incurred by him at a rate not exceeding Rupee 1 per Kilometre or part thereof are allowed for both ways journeys.

12.6 Provision of Rs. 76,32.33 lakhs in the Revised Estimates 1980-81 made for the various Cash Benefits is based on the progress of actuals for the first eight months of the financial year 1980-81 and the anticipated requirement for the remaining months.

There has been a trend in the case of Sickness Benefit towards an increase in the average number of benefit days per annum per employee. The amount of daily rate of Sickness and Temporary Disablement benefit per employee has also shown a trend towards increase as shown below :—

	Sickness Benefit			Temporary Disablement Benefit		
	1977–78	1978–79	1979–80	1977–78	1978–79	1979–80
Average number of benefit days per annum per employee	6.0	6.8	7.8	0.97	1.13	1.10
Average benefit rate per day per employee	8.31	8.92	9.54	9.39	10.10	10.72

The increased provision in the Revised Estimates 1980-81 is attributable mainly to the increase in the average number of benefit days per annum per employee in the case of Sickness Benefit and Temporary Disablement Benefit. Besides, the increased provision has also become necessary on account of enhancement in the rates of Permanent Disablement Benefit and Dependdants' Benefit with effect from Ist April, 1980 in cases where disablement of death occurred prior to 1-4-1978. The Revised Estimates 1980-81 provide for Rs. 4,50.00 lakhs as one time adjustment on account of the increase. The estimates also take into account the increase in the rates of disablement and dependants benefit from 125% to 140% of the standard benefit rate with effect from Ist January, 1981.

The Director General has been keeping continuous watch over the sickness benefit claims at various Centres. The relevant statistics received at the Headquarters every month are analysed periodically and abnormal variation in the trend in any Centre is taken up with the Regional Directors and Administrative Medical Officers with a view to enable them to take suitable and prompt remedial measures wherever necessary and possible.

The State Governments have also been advised to curl lax certification and exercise better control by monitoring the requisite data. A committee was set up to look into the question of lax certification during strikes, lay off etc. The report of that Committee is being placed before the Standing Committee of the Corporation.

Substantial variations have been noticed among the States *inter-se in respect of incidence and duration of sickness benefit* claims and temporary disablement benefit claims. The matter in regard to an analysis of the variation in Cash Benefits in different States is receiving attention.

12.7 The incidence of cost of establishment charges of the cash disbursement offices is as under:—

	1978-79 (Actuals)	1979-80 (Actuals)	1980-81 (Revised Estimates)	1981-82 (Budget Estimates)
Establishment charges of cash disbursement offices	Rs. 3,97.13 lakhs	Rs. 4,42.78 lakhs	Rs. 5,38.38 lakhs	Rs. 5,81.45 lakhs
Percentage of establishment charges to total amount of cash benefits disbursed	7.52%	6.97%	7.05%	7.49%
Expenditure per employee per annum	Rs. 6.99	Rs. 7.50	Rs. 8.86	Rs. 9.30

13.1 Other Benefits.

The expenditure on other Benefits is as under.

1979-80 (Actuals)	1980-81 (Revised Estimates)	1981-82 (Budget Estimates)
	(Rupees in Lakhs)	
17.32	20.33	22.14

13.2 The activity embraces, the payment of fees to the members of Medical Boards and Appellate Medical Tribunals, payments of conveyance charges and compensation for loss of wages to Insured Workers when they are required to appear before Medical Referee, Medical Board or Appeallate Medical Tribunal. Other miscellaneous expenses incurred by the Corporation for the direct benefit of Insured Workers also fall under this activity.

III. Direction, Superintendence and Field Work.

14.1 The Budget provision is in respect of the salary etc. of the Officers and Staff posted in the Hqrs. Office of the Corporation, its various Regional Offices and Local Offices. It also includes the expenditure of Organisation and Methods Branch and different Centres set up for arranging seminars etc. and training courses for officers and staff.

14.2 The following is the personnel summary.

	Actual Number as on 31-3-1980	Estimated Number as on 31-3-1981	Estimated Number as on 31-3-1982
Officers	401	418	549
Other Personnel	9,936	10,266	10,645

14.3 The question of economy in expenditure was discussed in detail at the meeting of the Budget and Accounts Sub-Committee held on 17th February, 1980. It was explained that there were in-built norms for provision of staff and that the administrative expenditure of the Corporation, by any yardstick, was not on a high side. Further, the Corporation had adopted, where applicable and to the extent possible, all the instructions of the Government of India in regard to economy. A detailed note on the subject was also placed before the Standing Committee of the Corporation at its meeting held on 21st September, 1979.

IV. Depreciation, Repairs and Maintenance of Hospitals and Dispensary buildings :

15. The expenditure on repairs and maintenance (including depreciation of the Corporation's hospital and dispensary buildings) is shown below.

	1979-80 (Actuals)	1980-81 (Revised Estimates)	1981-82 (Budget Estimates)
		(Rupees in Lakhs)	
Hospitals/Dispensaries/ Annexes	186.77	253.86	291.90

The figures represent the amounts transferred/transferable to the respective Reserve Funds in accordance with the percentage fixed for the purpose. The expenditure is actually incurred from the Reserve Funds.

V. Capital Construction Works.

16.1 The following provision would be necessary for capital construction works

	1979-80 Actuals	1980-81 Revised Estimates	1981-82 Budget Estimates
	(Rupees in Lakhs)		
Office Buildings (Including Staff quarters)	84.78	1,07.92	1,08.19
Hospitals and Dispensaries (Including staff quarters)	5,79.02	7,42.08	7,41.81
TOTAL	6,63.80	8,50.00	8,50.00

The statement in Annexure-IV shows construction projects for which the provision made in the Budget Estimates 1980-81 remained unutilised.

16.2 Under the Employees' State Insurance Act, 1948, the administration of the medical Scheme is the Statutory responsibility of the State Governments. As such it is for them to provide necessary buildings to house the Employees' State Insurance hospitals and dispensaries. In the initial stage, the Corporation had sizeable balance of income over expenditure, whereas the State Governments were not finding adequate resources to construct necessary buildings and consequently the Scheme was not making much head way. The Corporation, therefore, decided to invest available surplus of its income over expenditure in the construction of buildings for housing its own offices and Employees' State Insurance hospitals and dispensaries.

16.3 The Corporation in its meetings held on 2nd February and 3rd December, 1974, reviewed the Capital Construction programme of the Employees' State Insurance projects in various States and approved as under :

(i) 10% of the total revenue derived from 'Contributions' be credited to the Capital Construction Reserve Fund and the expenditure on Construction of Hospitals, dispensaries and other medical institutions and office buildings and staff quarters be incurred in the ratio of 8 : 2.

(ii) Plans and estimates for additional hospitals/annexes may be sanctioned so as to provide upto 5 beds per thousand employees as approved at the time of sanctioning new projects. Normally, the limit of 4 beds per thousand employees as already fixed shall not be exceeded and only in exceptional cases the additional beds will be sanctioned after ensuring that there is acute necessity for additional beds depending upon the incidence of diseases requiring hospitalisation based on the occupancy of beds in the existing ESI hospitals in that area. The expenditure on hospital beds is subject to a limit of Rs. 200 per "covered" employee.

(iii) For purposes of securing land, additional employees as are likely to be covered in the next 2 years as on the date of sanction of the proposal may also be taken into account for working out the number of beds admissible. Plans and estimates for the construction of additional beds may, howsver, be sanctioned only after notification has been issued by the State Government under Section 1 (5) of the E.S.I. Act.

(iv) Plans and estimates for construction of other buildings such as dispensaries, specialist centres, offices for the Administrative Medical Officers, Medical Stores, etc., may be sanctioned on merits of each case without any limitation on per capita basis, because expenditure on such works is of minor character.

16.4 The position of Capital Construction programme for hospital beds, dispensaries and office buildings, together with the information about funds sanctioned, funds placed at the disposal of construction agencies and approximate amount that will be required is given below :

(A)	Hospital beds	Number
	Number of beds admissible as per norms (on the basis of No. of employees as on 31.3.1980)	23,932
	Number of beds already constructed (Sept., 1980) (68 hospitals and 34 annexes)	15,446
	Number of beds under construction (Sept., 1980) (24 hospitals and 9 annexes)	3,420
	Number of beds already agreed (49 hospitals and 1 annexe)	4,237
	Number of beds still required	829

(B)	Dispensaries	Number
	Number of dispensaries at present eligible for construction	850
	Number of dispensaries that may be required in panel areas in the event of replacement of panel System	499 (approximately)
	TOTAL NUMBER OF DISPENSARIES	1,349
	Number of dispensaries constructed (as on 30.9.1980)	206
	Number of dispensaries under construction (as on 30.9.1980)	56
	Number of dispensaries yet to be constructed	1,087
(C)	Financial Outlay in case of 'A' and 'B' above	
	Amount sanctioned upto September, 1980	91,75.22 lakhs
	Amount released upto September, 1980	76,76.38 lakhs
	Balance liability	14,98.84 lakhs
	Additional liability for project to be constructed	
	(i) Hospital beds 5,066 beds × Rs. 1.00 lakh cost of each bed	50,66.00 lakhs
	(ii) 1,087 dispensaries × Rs. 10.00 lakhs cost of each dispensary	1,08,70.00 lakhs
	(iii) Convalescent Homes	5,00.00 lakhs
	Outlay for Office buildings and staff quarters	30,00.00 lakhs
	Total Liability	2,09,34.84 lakhs

The State Governments and the Regional Directors have been requested to pursue a crash programme for construction. A periodical review is done in this regard, of the progress made in case of projects under construction and also commissioning of the constructed hospitals.

Earlier, when the Government of Maharashtra was constructing ESI hospitals as their own property, a sum of Rs. 3,62.14 lakhs was advanced as loans to that Government. Further, as sum of Rs. 1,00.00 lakhs was granted as grant-in-aid to the Mahatma Gandhi Memorial Hospital, Bombay.

Programme of construction work (including works in progress) is given in Annexure III. The construction of 33 hospitals and 2 annexes having about 2,497 beds and 31 dispensary buildings is likely to be taken up in 1981-82 while some more hospitals, annexes, dispensaries may be sanctioned.

16.5 The capital expenditure on the acquisition of sites and construction of buildings for dispensaries and hospitals including staff quarters upto 30th September, 1980, amounted to Rs. 76.76 lakhs (including loans of Rs. 3,62.14 lakhs sanctioned to Maharashtra State for construction of hospitals).

BALANCE SHEET

17.1 A summary of the Balance-sheet as on 31st March, 1980 is as follows :—

Liabilities		Assets	
(Rupees in lakhs)		(Rupees in lakhs)	
Excess of Income Over expenditure	1,67,56.74	Fixed Assets: Lands and Buildings	54,90.80
Reserve Funds	1,92,25 44	Advances for Construction work	17,76.80
		Staff Cars	5.65
Current liabilities (Deposit of Securities, unclaimed deposits in Provident fund).		Current Assets (Advances to employees and advances for the repairs & maintenance of buildings etc).	7,84.26
Miscellaneous deposits etc.	28 27	Cash in transit	(—)3,86.68
		Investment of Reserve Funds	1,43,36.86
		Cash Balances and Investment of General Cash Balance	1,40,02.76
TOTAL	3,60,10.45	TOTAL	3,60,10.45

17.2 In terms of Section 37 of the Employees' State Insurance Act, 1948, the Corporation shall, at intervals of five years, have a valuation of its assets and liabilities made by a valuer appointed with the approval of the Central Government. The valuation for the quinquennium ending 31st March, 1979, by a Valuer appointed for the purpose, is in progress.

OTHER MATTERS OF INTEREST

18.1 During 1980-81, the Organisation and Methods Division submitted study reports/evolved norms and standards, covering (a) procedure for realisation of contributions in cash (b) weightage formula for provision of Upper Division Clerks/ Lower Division Clerks in regions where there are disproportionately large number of employers in relation to smaller number of employees therein (c) workload consequent on the introduction of payments by money orders in some Local Offices (d) transfer of entries from bigger to smaller Benefit Payment Ledgers. In addition, 5 sub-topics were also studied. For 1981-82, 9 other projects have been identified including study of (a) abolition of contribution cards (b) norms and standards for various funtionaries in Grade II, III and IV Regional Offices (c) Revenue Recovery Branches in Regional Offices.

18.2 With a view to speed up the decision making processes and falling also in line with the thinking that there should be greater decentralisation of powers, the delegation of powers made to the officers of the corporation was kept under review and, to the extent indicated, the existing delegations were liberalised and further delegations were made.

18.3 On the recommendation of the Pay Committee of the Corporation, the Central Government approved the grant of facility of encashment of leave for one month in a block of two calendar years, by the employees of the Corporation with effect from 1-6-1980.

18.4 During the year 1980-81, Central Government decided to initiate Scheme for payment of productivity linked Bonus to the employees of the Corporation. However, pending formulation of such Scheme, the Government sanctioned an ad-hoc payment equal to 15 days' wages in respect of the year 1979-80 to all the employees of the Corporation, who were in service on 29-2-1980, and were drawing wages upto Rs. 1,600/- per mensem (excluding compensatory allowances).

18.5 A Working group was set up to suggest primarily (a) improvements in record-keeping relating more particularly to the aspects of revenue recovery (b) ways and means whereby the documentation and work processes are so streamlined that the revenue recovery action becomes more or less automatic. The report of the Working Group was circulated to all the Regional Directors for eliciting their views and was discussed also in the conference of the Regional Directors held in December, 1980. Action on the conclusions reached is being arranged.

18.6 A Forms Review and Control Unit was set up at the Headquarters of the Corporation to rationalise and standardise the various forms in use in the office of the Corporation. The Committee of officers set up for the purpose reviewed 172 coded forms and made its recommendations. Action to implement the recommendations is being arranged.

18.7 A Manual of General Office Procedure has been drafted and will be published shortly.

18.8 The system of collection of contributions in cash instead through sale of stamps by approved branches of State Bank of India and nationalised banks was first introduced as an experimental measure in Delhi region in 1975. Thereafter, it was extended in phases in some other regions. An evaluation study of the system was undertaken by the Organisation and Methods Division in Rajasthan, Karnataka and Andhra Pradesh regions. It was found that the system was working satisfactorily and, accordingly, it was decided to extend the system to all the regions. All the regions of the Corporation have now switched over to the collection of contributions in cash.

18.9 Annual assessment of 'covered employees' is cardinal to the working of the Employees' State Insurance Scheme. Steps have been taken/are being taken to improve upon the process of assessment.

18.10 There are arrears in certain regions in regard to (i) survey/inspection of factories/establishments (ii) decision about coverage or final coverage and (iii) work relating to levy of penal damages for belated payment of contributions. Efforts are being made to clear these arrears.

18.11 The question of arrears of contribution figured during the course of the discussions in the Labour Ministers' Conference held on 19th July and 20th July, 1980. In the light of the recommendations of the Conference, action has already been taken on some points. On remaining points, action is under process with the State Governments. The matter was also discussed in the Regional Directors' Conference in December, 1980 and action on certain suggestions made is in process.

18.12 Internal Audit System in the Corporation has been further strengthened so as to make it a purposeful management tool.

18.13 Matter in regard to expeditious settlement of the pending audit observations was discussed in the Regional Directors' Conference held in December, 1980. It was emphasised that steps may be taken urgently, as per instructions, to settle the pending audit observations within a period of six months.

18.14 The Central Training Institute and its four Zonal Training Centres have, during April—December, 1980, held 53 training courses where training was imparted to 1,021 participants of various levels. Another 17 courses are planned during January—March, 1981, where 445 participants are proposed to be trained.

Six Officers of the Social Security Organisation, Government of Malaysia, received training in the ESI Scheme during October—November, 1980 at Headquarters and some of the Regional Offices of the Corporation.

A committee consisting of Additional Secretary, Ministry of Labour, an employer's representative and an employee's representative on the Standing Committee, carried out an appraisal of the training programmes. Among others, the Committee has recommended that—

(i) Refresher courses should be held after every 3-4 year so that the trainees may keep abreast of the latest developments.

(ii) Apart from lectures, syndicate discussions and problem solving sessions should be held so that there is greater sense of participation among the trainees and greater appreciation of the training received.

(iii) The Central Training Institute should periodically hold national seminars on social security and invite members and officers of the corporation as well as representatives of the ISSA. It should be the aim to develop the Institute so that it serves the needs also of other countries in the nearby regions for training in social security.

18.15 A Working Group of ISSA members to study the question of occupational risks under the social security is expected to meet in India from 7th to 10th July, 1981. The Corporation has agreed to host the meeting.

18.16 With a view to deliberate on various aspects of the working of the E.S.I. Corporation, a meeting of the Regional Directors was held from 20th December to 23rd December, 1980. The Union Minister for Labour and Planning presided over the inaugural function and addressed the Regional Directors on vital topics of coverage, liaison with the State Government, Vigilance and the importance of ESI Corporation as a service Organisation. The Director General, in his opening remarks, covered a wide range of subjects on administration, insurance, medical and accounts. He stressed the need for a committed teamwork. During the course of the meeting, important topics, such as, energising work processes and improving attitudes so as to make the ESI Corporation a more effective instrument of service, ways and means for effecting revenue recovery, record-keeping, audit as an effective aid to management, delegation of powers, came up for meaningful discussion.

ANNEXURE—I

Statement showing State-wise position of coverage—number of (1) covered employees, (2) Insured Persons (3) Family (Insured Persons) Units—under Employees State Insurance Scheme as on 31-3-1980.

Sl. No.	State (with number of Centres)	Number of (1) Covered employees (2) Insured Persons (3) Family (I.P.) Units		Number of Insured Women	Total number of Beneficiaries	Number of employees yet to be covered (See 2(12) only)
1	2		3	4	5	6
1.	Andhra Pradesh (44)	(1)	2,40,000	33,150	10,63,100	16,200
		(2)	2,74,000			
		(3)	2,74,000			
2.	Assam (13)	(1)	32,000	2,000	1,39,700	10,500
		(2)	36,000			
		(3)	36,000			
3.	Bihar (29)	(1)	1,40,000	18,150	6,63,500	2,00,000
		(2)	1,71,000			
		(3)	1,71,000			
4.	Chandigarh (1)	(1)	14,300	850	67,900	..
		(2)	17,500			
		(3)	17,500			
5.	Delhi (1)	(1)	2,65,000	22,450	12,80,400	..
		(2)	3,30,000			
		(3)	3,30,000			
6.	Gujarat (15)	(1)	5,50,000	33,150	22,97,000	1,00,000
		(2)	5,92,000			
		(3)	5,92,000			
7.	Haryana (18)	(1)	1,94,000	18,650	9,40,900	15,000
		(2)	2,42,500			
		(3)	2,42,500			
8.	Himachal Pradesh (1)	(1)	1,200	50	5,000	4,100
		(2)	1,300			
		(3)	1,300			
9.	Jammu & Kashmir	(1)	..	..	..	11,600
		(2)	..			
		(3)	..			
10.	Karnataka (18)	(1)	3,00,000	32,800	12,72,600	28,000
		(2)	3,28,000			
		(3)	3,28,000			
11.	Kerala & Mahe (33)	(1)	3,08,000	1,17,250	12,99,800	2,600
		(2)	3,35,000			
		(3)	3,35,000			
12.	Madhya Pradesh (22)	(1)	1,60,000	15,200	7,76,000	75,000
		(2)	2,00,000			
		(3)	2,00,000			
13.	Maharashtra :					
	(i) Bombay Area (1)	(1)	11,46,000	81,750	47,33,600	14,000
		(2)	12,20,000			
		(3)	12,20,000			
	(ii) Goa (7)	(1)	19,500	1,400	80,300	..
		(2)	20,700			
		(3)	20,700			
	(iii) Nagpur area (10)	(1)	75,000	2,050	3,18,100	23,000
		(2)	82,000			
		(3)	82,000			

1	2		3	4	5	6
	(iv) Poona Area(15)	(1)	2,45,000	10,400	10,08,800	37,500
		(2)	2,60,000			
		(3)	2,60,000			
14.	Orissa (22)	(1)	1,09,000	11,600	4,50,100	82,000
		(2)	1,16,000			
		(3)	1,16,000			
15.	Pondicherry (1)	(1)	15,000	1,800	62,100	..
		(2)	16,000			
		(3)	16,000			
16.	Punjab (27)	(1)	1,65,000	10,100	7,99,300	13,000
		(2)	2,06,000			
		(3)	2,06,000			
17.	Rajasthan (19)	(1)	1,24,000	13,950*	6,01,400	11,500
		(2)	1,55,000			
		(3)	1,55,000			
18.	Tamilnadu (44)	(1)	4,50,000	60,600	20 44,800	32,000
		(2)	5,27,000			
		(3)	5,27,000			
19.	Uttar Pradesh (47)	(1)	4,45,000	5,900	19,01,200	34,000
		(2)	4,90,000			
		(3)	4,90,000			
20.	West Bengal (7)	(1)	9,85,000	45,500	47,72,400	1,48,000
		(2)	12,30,000			
		(3)	12,30,000			
21.	ALL INDIA (395)	(1)	59,83,000	5,38,750	2,65,78,000	8,58,000
		(2)	68,50,000			
		(3)	68,50,000			

ANNEXURE—II

Employees' State Insurance Scheme Per Capita expenditure under different heads

	Actuals 1978-79 Rs.	Actuals 1979-80 Rs.	Revised 1980-81 Rs.	Budget 1981-82 Rs.
I. Cash Benefits				
Sickness Benefit (including Extended Sickness Benefit)	66.27	74.56	84.54	86.90
Temporary Disablement Benefit	11.37	11.76	14.39	16.55
Permanent Disablement Benefit	11.24	11.03	12.60(a)	14.18
Dependant's Benefit	2.55	2.99	4.84(b)	5.33
Maternity Benefit	3.14	3.43	3.61	3.72
Funeral Benefit	0.17	0.17	0.18	0.18
Other Benefit	0.24	0.29	0.33	0.35
Invalidity Benefit	..	..	..	0.16
Total —Cash Benefits	94.98	104.23	120.49	[127.37
II. Expenditure on Medical Care (Corporation's Share)	92.48	107.32	124.70	127.20
III. Administration Expenses	17.51	19.27	23.34	24.61
IV. Hospital, Dispensaries (Repairs, Maintenance and Depreciation)	2.50	3.16	4.18	4.67
V. Total Per Capita expenditure	207.47	233.98	272.71	283.85

(a) Excludes the amount of one-time adjustment (Rs. 2,90.42 lakhs) on account of increase granted with effect from 1-4-1980 in respect of cases occuring prior to 1-4-1978.

(b) Excludes the amount of one-time adjustment (Rs. 1,59.58 lakhs) on account of increase granted with effect from 1-4-1980 in respect of cases occuring prior to 1-4-1978.

NOTE:—The incidence in this statement has been worked out on the basis of actual number of employees exposed to risk.

ANNEXURE—

Statement showing the Progress of

Sl. No.	Name of work/Location	Amount sanctioned (Rs. in lakhs)	Target anticipated in the beginning of 1980-81	Physical Achievement likely to be reached during 1980-81	Target for 1981-82
1	2	3	4	5	6
	HOSPITALS				
1.	50 bedded ESI Hospital (Gauhati Assam)	56.05	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
2.	50 bedded ESI Hospital Phulwarisharif Patna (Bihar)	25.63	100%	100%	-do-
3.	50 bedded ESI Hospital Adityapur (Bihar)	49.33	100%	100%	-do-
4.	200 bedded ESI Hospital, Baroda (Gujarat)	1,37.04	100%	100% (for Hosp. only)	100% (for Hosp.)
5.	150 bedded ESI Hospital, Surat (Gujarat)	90.75	100%	,,	100% (for Hosp.)
6.	50 bedded ESI Hospital Kalol (Gujarat)	36.86	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
7.	50 bedded ESI Hospital, Rajkot (Gujarat)	38.89	100%	90%	100%
8.	100 bedded ESI Hospital, Mysore (Karnataka)	66.62	100%	90%	100%
9.	300 bedded ESI Hospital, Indiranagar Bangalore (Karnataka)	183.00	70%	60%	100%
10.	632 bedded ESI Hospital, Thana (Maharashtra)	480.77	100%	85%	100%
11.	50 bedded ESI Hospital, Vellore (Tamil Nadu)	14.54	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
12.	100 bedded ESI Hospital, Nalni Allahabad, (Uttar Pradesh)	133.40	100%	100%	-do-
13.	100 bedded ESI Hospital Ghaziabad (Uttar Pradesh)	117.08	100%	100%	-do-
14.	100 bedded ESI Hospital, Agra (Uttar Pradesh)	117.93	100%	100%	-do-
15.	100 bedded ESI Hospital, Lucknow (Uttar Pradesh)	110.63	100%	100%	-do-
16.	150 bedded ESI Hospital (T.B) Asansol (West Bengal)	67.58	100%	100%	-do-
17.	250 bedded ESI Hospital (T.B) Bandel (West Bengal)	179.62	100%	100%	-do-
18.	50 bedded ESI Hospital Saharanpur (Uttar Pradesh)	27.69	25%	25%	100%
19.	120 bedded ESI Hospital, Sholapur (Maharashtra)	95.44	—	10%	80%
20.	60 bedded ESI Hospital, Kota (Rajasthan)	81.02	—	—	50%
21.	Addl. 40 beds in existing ESI Hospital, Mangalore (Karnataka)	17.20	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
22.	Addl. 100 beds existing ESI Hospital, Pandunagar (Kanpur)	31.89	50%	30%	100%
23.	50 bedded ESI Hospital and 4 Dr. Dispy., Rajamundry (Andhra Pradesh)	43.58	40%	40%	100%
24.	IInd ESI Hospital Hyderabad (Andhra Pradesh)	—	—	—	—
25.	ESI Hospital Gauhati (Assam)	56.05	100%	100%	—
26.	ESI Hospital Ranchi (Bihar)	30.30	—	—	—
27.	ESI Hospital Jhilmil (Delhi)	2.07	—	—	—
28.	ESI Hospital Basaidarapur (Delhi)	—	—	—	—
29.	ESI Hospital Bhavnagar (Gujarat)	4.25	—	—	—
30.	Addl. staff Qts. in Hosp. Faridabad (Haryana)	30.66	—	—	—
31.	100 bedded ESI Hospital, Ballabhgarh (Haryana)	0.01	—	—	—
32.	Addl. staff Qrts. in Hospital, Rajajinagar, (Karnataka)	24.77	—	—	—
33.	ESI Hospital, Devanagare (Karnataka)	5.18	—	—	—
34.	ESI Hospital Hubli (Karnataka)	1.68	—	—	—
35.	ESI Hospital Chungam, Feroke (Kerala)	3.49	—	—	—
36.	50 bedded Hosp. Brajrajnagar (Orissa)	21.39	—	—	—
37.	ESI Hospital, South Madras, (Tamil Nadu)	2,05.83	—	—	—

III
ESI Works Under construction

Expenditure upto 1979-80	Original monetary target for 1980-81	MONETARY TARGETS		Date of Commencement of work	Expected yea of completion
		Revised monetary for target 1980-81	Monetary target for 1981-82		
7	8	9	10	11	12
		(Rupees in lakhs)			
50.00	6.00	6.00	—	Aug. 77	1980-81
25.62	—	—	—	2-10-77	1980-81
49.33	—	—	—	1-10-78	1980-81
96.21	—	25.00	15.83	20-12-76	1981-82
70.85	19.90	10.00	9.90	25-8-77	1981-82
24.40	7.00	12 47	—	15-3-78	1980-81
26.27	6.66	7.62	5.00	11-3-78	1981-82
55 00	-	5 00	6.62	16-8-76	1981-82
60.00	75.00	50.00	73 00	1-5-78	1982-83
285.00	195.00	50.00	60.00	7-1-77	1981-82 (1st Phase) 1983-84 2nd Phase
14.13	—	0.41	—	28-9-77	1980-81
81.41	30.27	43.57	8 42	5-11-76	1980-81 (Hosp.) 1981-82 (Qtrs)
86.10	18.45	30.98	—	Jan. 78	1980-81
112.17	22.93	5.76	—	Sept. 76	1980-81
85.00	18.40	25.63	—	28-1-78	1980-81
65.03	—	2.55	—	Nov. 75	1980-81
122.08	44.45	57.54	—	Aug. 76	1980-81
7.00	7.00	7.00	13.69	1980	1981-82
4.00	8.00	8.00	50.00	1979	1982-83
—	5.00	5.00	40.00	1980	1982-83
10.00	7.20	7.20	—	1979	1980-81
8.00	8.00	8.00	15.89	1980	1981-82
10.00	10.00	15.00	18 .58	1980	1981-82
—	—	10.00	5.00	Not Started	—
50.00	6.05	6.05	—	Aug. 77	1980-81
0.40	10.00	10.00	8.00	Not started	1982-83
2.07	—	5.00	10.00	—	1983-84
—	4.00	4.00	4.00	Not started	—
4.25	5.00	5.00	15.00	Not started	—
24.24	5.00	5.00	2.00	24-11-78	1981-82
9.08	2.00	2.00	5.00	Not started	—
13.20	11.57	8.00	3.57	24-4-79	1981-82
2.62	2.56	10.18	15.00	—	—
1 63	2.04	2.04	3.00	Not started	—
3.49	—	5.00	15.00	Not started	—
9.09	3.00	3.00	9.30	1-1-71	1981-82
196.72	4.00	4.00	5.11	4-12-75	1981-82 (Partially Co mmissioned).

1	2	3	4	5	6
38.	25 bedded Hosp. & 4 Dr. Dispy. Jaykaypur (Orissa)	39.59	100%	100%	—
39.	50 bedded Hosp. Aligarh (Uttar Pradesh)	—	—	—	—
40.	50 bedded Hospital Varanasi (Uttar Pradesh)	22.73	—	—	—
41.	100 bedded Hospital Shastrinagar Kanpur (Uttar Pradesh)	14.12	—	—	—
42.	100 bedded Hospital Kidwainagar (Uttar Pradesh)	13.54	—	—	—
43.	ESI Hospital Manikotla (West Bengal)	2,23.85	—	—	—
44.	ESI Hospital Uluberia (West Bengal)	52.74	—	—	—
45.	ESI Hospital Budge-Budge (West Bengal)	1,16.33	—	—	—
46.	ESI Hospital Thankurpukur (West Bengal)	1,52.06	—	—	—
	E.S.I. ANNEXES:				
1.	20 bedded ESI Annexe (Tinsukia Assam)	22.85	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
2.	32 bedded ESI Annexe, Robert Sonepat (KGF) (Karnataka)	2.66	100%	100%	-do-
3.	20 bedded ESI Annexe, Kollrer (Bihar)	2.91	—	—	—
	E.S.I. DISPENSARIES				
1.	5 Dr. Dispy. Mallepally Hyderabad (Andhra Pradesh)	11.54	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
2.	3 Dr. Dispy. Vijayanagaram (Andhra Pradesh)	9.25	100%	100%	-do-
3.	2 Dr. Dispy. Pedakakani (Andhra Pradesh)	4.29	100%	100%	-do-
4.	4 Dr. Dispy. (alongwith ESI Annexe Tinsukia (Assam)	Provision made under Annexe	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
5.	2 Dr. Dispy Monghyr (Bihar)	5.30	100%	70%	100%
		(Construction was held up as the Contractor has gone to the Court against the Constn. Agency)			
6.	6 Dr. Dispy. Katihar (Bihar)	4.95	100%	100%	-do-
7.	5 Dr. Dispy Laldarwaja Surat (Gujarat)	14.16	100%	100%	-do-
		(Construction was held up due to dispute between Contractor and Gujarat Housing Board and Contractor obtained Stay Order)			
8.	2 Dr. Dispy. (Plot No. 12 & 13) Sector 27-B Faridabad Haryana	13.11	100%	80%	100%
9.	5 Dr. Dispy. Chalapuram (Kerala)	4.75	100%	100%	Completion anticiapted in 1980-81
10.	5 Dr. Dispy. Algappanagar (Kerala)	8.57	100%	50%	100%
11.	3 Dr. Dispy. Hirakud (Orissa)	14.96	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
12.	2 Dr. Disy. Rajpura (Punjab)	6.71	100%	80%	100%
13.	3 Dr. Dispy Kharar (Punjab)	5.63	100%	100%	Completion anticipated in 1980-8 1
14.	5 Dr. Dispy Kota (Rajasthan)	9.41	100%	100%	-do-
15.	C.M. S&R/AMO's Office Madurai (Tamil Nadu)	7.56	100%	80%	100%
16.	5 Dr. Dispy. Juhi, Kanpur (Uttar Pradesh)	7.99	100%	60%	100%
17.	2 Dr. Dispy hakai (Kerala)	3.58	100%	60%	100%
18.	3 Dr. Dispy. Perumba Voor (Kerala)	5.38	100%	60%	100%
19.	Two 4 Dr. ESI Dispy. Cottenpet (Karnataka)	9.50	100%	55%	100%
20.	4 Dr. Disy. Jayanagar IV Block (Karnataka)	6.25	100%	100%	100%
21.	4 Dr. Dispy. Indiranagar II State Indiranagar Banagalore (Karnataka)	9.27	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
22.	4 Dr. Dispy Viveknagar (Karnataka)	9.27	100%	50%	100%
23.	4 Dr. Dispy. Jayra Jan Colony (Karnataka)	9.27	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
24.	4 Dr. Dispy. Mysor Road (Karnataka)	9.42	100%	100%	-do-
25.	4 Dr. Dispy. William Town (Karnataka)	9.40	100%	100%	-do-
26.	4 Dr. Dispy. Audogudi (Karnataka)	9.35	100%	60%	-do-

7	8	9	10	11	12
		(Rupees in lakhs)			
37.00	2.59	2.59	—	27-9-76	Commissioned on 1-8-79
—	2.00	2.00	10.00	Not started	—
—	5.76	10.00	5.00	Not started	1982-83
—	12.77	14.12	5.00	-do-	—
—	12.25	13.54	5.00	-do-	—
209.89	10.00	10.24	3.72	July. 73	Commissioned from 1-3-79
47.05	1.54	5.69	—	14-5-72	Already commissioned.
104.66	6 15	6.15	5.52	22-3-66	Already commssioned.
4.94	10.00	10.00	10.00	—	—
E.S.I. ANNEXES					
18.00	—	4.85	..	25-8-77	1980-81
2.00	0.66	0.66	—	March, 76	1980-81
—	1.00	1.60	1.91	Not started	1981-82
E.S.I. DISPENSARIES					
6.00	5.54	5.54	—	1977	1980-81
6.00	3.25	3.25	—	18-1-78	1980-81
2.00	2.29	2.29	—	1978	1980-81
	Expenditure booked under Annexe		—	25-8-77	1980-81
2.87	—	1.00	1.43	Jar. 70	1981-82
4.95	—	—	—	1978	1980-81
9.22	4.94	4.94	—	25-10-74	1980-81
8.00	4.11	3.00	2.11	1978	1981-82
3.44	2.75	1.31	—	1978	1980-81
2.02	4.55	2.00	4.55	1978	1981-82
14.78	—	0.18	—	1-10-77	1980-81
4.00	2.71	1.00	1.71	1978	1981-82
4.00	2.63	1.63	—	1978	1980-81
9.41	—	—	—	10-3-78	1980-81
4.00	2.00	2.00	1 56	1978	1981-82
4.00	2.59	1.00	2 99	1978	1981-82
1.00	1.58	1.00	1.58	1978	1981-82
1.18	1.27	2.00	2 20	28-9-77	1981-82
3.00	3.50	2.00	4.50	1978	1981-82
5.85	1.25	0.40	—	1-6-79	1980-81
3.00	4.27	6.27	—	1978	1980-81
3.00	4.27	3.00	3.27	1-6-79	1981-82
3.00	4.27	6.27	—	1-8-79	1981-82
5.00	4.42	4.42	—	1-8-79	1980-81
5.00	2.40	4 40	—	1-5-79	1980-81
3.00	4.35	3.00	3.35	19-5-79	1981-82

1	2	3	4	5	6
			(Rupees in lakhs)		
27.	4 Dr. Dispy., Srirampuram (Karnataka)	9.50	100%	60%	100%
28.	4 Dr. Dispy., Yaswanthpuram (Karnataka)	10.40	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
29.	Two 4 Dr. ESI Dispys. Anjaneya Swami Temple (Karnataka)	9.65	100%	100%	-do-
30.	4 Dr. Dispy. IX Block Jayanagar (Karnataka)	9.35	100%	60%	100%
31.	Two 4 Dr Dispy., Hains Road (Karnataka)	9.39	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
32.	4 Dr. Dispy. Frazer Town (Karnataka)	9.95	100%	100%	-do-
33.	4 Dr. ESI Dispy. N.H. 5 Faridabad (Haryana)	12.58	100%	100%	-do-
34.	5 Dr. ESI Disy. Amba Bari, Jaipur (Rajasthan)	7.28	100%	50%	100%
35.	3 Dr. Dispy. Satpur, Nasik (Maharashtra)	5.09	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
36.	A.M. O. Dispy. Officer, Jaipur (Rajasthan)	5.65	100%	100%	-do-
37.	2 Dr. Dispy., Ajmer (Rajasthan)	4.60	100%	40%	100%
38.	2 Dr. Dispy., Khanna (Punjab)	5.69	100%	15%	100%
39.	3 Dr. Dispy., Gurgaon (Haryana)	5.95	40%	40%	100%
40.	5 Dr. Dispy., Partapnagar (Gujarat)	9.20	40%	40%	100%
41.	3 Dr. Dispy. Dhandri Kalan, Ludhiana (Punjab)	4.61	20%	20%	100%
42.	4 Dr. Dispy., Bharatpur (Rajasthan)	7.18	15%	15%	100%
43.	Dispy. Jogighopa (Assam)	8.20	—	—	—
44.	Dispy. Mangolpuri (Delhi)	1.30	—	—	—
45.	Dispy. Pinjore (Haryana)	14.84	—	—	—
46.	Dispy. 2 L Park NIT, Faridabad (Haryana)	0.42	—	—	—
47.	Dispy. Dyavasandra Bangalore (Karnataka)	0.56	—	—	—
48.	Dispy. Tungabhadra Dam (Karnataka)	9.18	—	—	—
49.	Dispy. Dewas (Madhya Pradesh)	3.43	—	—	—
50.	Dispy. Rourkela (Orissa)	10.83	100%	100%	—
51.	Dispy. Rajpura (Punjab)	6.71	100%	70%	100%
52.	Dispy. Mandi, Gobindgarh (Punjab)	0.22	—	—	—
53.	Dispy. Mudaliarpet, Pondicherry (Tamil Nadu)	22.32	—	—	—
54.	2 Dr. Dispy. Gandhinagar (Rajasthan)	2.60	—	—	—
55.	Dispy. Usilampatti (Tamil Nadu)	7.07	100%	Commissioned on 5-9-79	—
56.	Dispy, Tambaram (Tamil Nadu)	11.27	100%	100%	—
57.	Dispy. Perembur III (Tamil Nadu)	25.41	100%	100%	—
58.	Dispy. Kodambekkam (Tamil Nadu)	19.72	—	—	—
59.	Dispy. Kattoor (Tamil Nadu)	6.19	—	—	—
60.	Dispy. Tudialur (Tamil Nadu)	8.38	—	—	—
61.	Dispy. Disdigul (Tamil Nadu)	8.48	100%	100%	—
62.	Dispy. Virudhunagar (Tamil Nadu)	—	—	—	—
63.	Dispy. Hapur (Uttar Pradesh)	2.00	—	—	—
64.	Dispy. Shastri nagar, Kanpur (Uttar Pradesh)	1.96	—	—	
65.	Dispy. Bengjhbar, Kanpur (Uttar Pradesh)	0.59	—	—	—
66.	Dispy. Shikohebad (Uttar Pradesh)	1.23	—	—	—
67.	Miscellaneous (Provision for revision of estimates of current works, addition/alternation in completed buildings etc.	—	—	—	—
68.	10 Convalescent Homes	—	—	—	—
TOTAL : HOSPITAL/DISPENSARY BUILDINGS					

7	8	9	10	11	12
			(Rupees in lakhs)		
3.00	4.50	3.00	3.50	1978	1981-82
9 00	0.40	1.40	—	1-5-79	1980-81
6 00	3.65	3.65	—	18-5-79	1980-81
3.00	3.35	3.00	3.35	18-5-79	1981-82
6 00	4.39	3.39	—	4-6-79	1980-81
3.00	4.95	6.95	—	4-6-79	1980-81
11.30	2.45	1.28	—	12-7-79	1980-81
2.00	3.28	2.00	3.28	1979	1981-82
2.00	3.09	3.09	—	17-12-79	1980-81
5.65	—	—	—	1977	1980-81
1.00	1.00	1.00	2.60	1980	1981-82
1.00	4.69	4.69	—	1980	1981-82
—	—	2.00	3.95	1980	1981-82
—	4.00	4.00	5.20	1980	1981-82
—	1.00	1.00	3.61	1980	1981-82
—	1.00	1.00	6 18	1980	1981-82
6.50	1.70	1.70	—	1-12-76	1980-81
0.13	1.00	2.00	2.00	not started	—
—	5.00	5.00	9.84	29-10-80	1981-82
—	0.42	0.42	1.00	—	—
0.56	1.00	1.00	1.00	—	—
0.18	3.00	3.00	3.00	—	—
3.43	—	1.00	3.00	—	—
10.17	0.66	0.66	—	June 77	Commissioned on 23-8-80
4 00	1.00	1.00	1.71	23-6-78	1981-82
—	1.22	1.22	3.00	—	—
0.25	5.00	5.00	7.51	—	1982-83
-	3.60	3.60	3.00	19-1-77	Commissioned on 5-9-79
6.00	1.07	1.07	—	19-1-77	Commissioned on 5-9-79
9.00	2.27	2.27	- -	12-7-78	Commissioned on 29-4-80
24.11	1.30	1.30	—	22-7-76	Commissioned on 12-4-80
5.40	2.00	2.00	8.32	Not started	1982-83
—	2.00	2.00	4.19	Not started	1981-82
—	2.00	2.00	6.38	-do-	1981-82
7.72	0.75	0.75	—	1-7-77	Commissioned on 6-5-79
—	2.00	2.00	5.00	—	—
1.98	0.02	0.02	3.00	1-7-77	—
—	1.96	1.96	2.00	-do-	—
—	0.59	0.59	2.00	-do-	—
1.23	—	1.00	2.00	-do-	—
—	—	26.97	99.88	—	—
—	—	—	50.00	—	—
—	—	742.08	741.81	—	—

1	2	3	4	5	6
		(Rupees in lakhs)			
	OFFICE BUILDING AND STAFF QUARTERS				
1.	Regional Office Bhubaneshwar, Bhubaneshwar (Orissa)	17.96	100%	50%	100%
2.	Staff quarters for local Office, Nagda (Madhya Pradesh)	1.84	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
3.	Staff quarters for Regional Office at Nehru Nagar, Indore (Madhya Pradesh)	26.70	100%	90%	100%
4.	Staff quarters for Local Office, Ratlam (Madhya Pradesh)	1.84	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
5.	Local Office, Burhanpur (Madhya Pradesh)	2.74	100%	80%	100%
6.	Local Office, Satna (Madhya Pradesh)	2.66	100%	80%	100%
7.	Local Office, Budhwaria Ujjain (Madhya Pradesh)	1.27	100%	100%	100%
8.	Regional Office, Patna (Bihar)	26.62	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
9.	Regional Office, Binney Field, Bangalore (Karnataka)	57 38	100%	70%	100%
10.	Additional Staff quarters, Chandigarh	6.51	100%	70%	100%
11.	Local Office, Kabari Market, Kanpur (Uttar Pradesh)	1.89	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
12.	Staff quarters Salt Lake, Calcutta (West Bengal)	30.69	100%	85%	100%
13.	Regional Office, Madras (Tamil Nadu)	64.21	100%	80%	100%
		Work suspended due to difficulty in getting			
14.	Staff quarters, Baroda for Local Office, Paingate, Baroda (Gujarat)	3.91	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
15.	Local Office, Guindy, Madras (Tamil Nadu)	1.96	100%	100%	-do-
16.	Local Office, Brajraj Nagar (Orissa)	1.16	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
17.	Regional Office Annexe, Hyderabad (Andhra Pradesh)	3.37	100%	100%	-do-
18.	Additional Staff quarters, Andheri, Bombay (Maharashtra)	20.58	100%	50%	100%
19.	Mini Local Office and Staff quarters, Hirakud (Orissa)	3.09	100%	100%	Completion anticipated in 1980-81
20.	Local Office Choudwar, Choudwar (Orissa)	4 31	100%	100%	-do-
21.	Local Office, Sanathangar (Andhra Pradesh)	2.43	40%	40%	100%
22.	Regional Office Gauhati (Assam)	20.04	100%	100%	—
23.	Local Office, Adityapur (Bihar)	1.37	—	—	—
24.	Mini Local Office, Rasikapara, Wankaner (Gujarat)	0.58	—	—	—
25.	Local Office, Gokak (Karnataka)	0 18	—	—	
26.	Local Office, Davengere (Karnataka)	2.99	—	—	—
27.	Local Office, Feroke (Kerala)	1.00	—	—	—
28.	Local Office, Chelapuram (Kerala)	1.27	—	—	—
29.	Local Office, Desai Nagar (Ujjain, M.P.)	1.27	100%	100%	—
30.	Local Office, Nasik (Maharashtra)	2.26	—	—	—
31.	Mini Local Office, Rourkela (Orissa)	—	—	—	—
32.	Regional Office, Annexe Jaipur (Rajasthan)	5.72	—	—	—
33.	Local Office, Kota (Rajasthan)	1.89	—	—	—
34.	Local Office, Jirupur (Tamil Nadu)	1.32	100%	100%	
35.	Local Office, Perambur (Tamil Nadu)	2.22	100%	100%	—
36.	Additional Staff quarters, Kanpur (Uttar Pradesh)	10.61	—	—	—
37.	Miscellaneous (Provision for revision of estimates of current works addition/alternation in completed building etc.	—	—	—	—
	TOTAL : OFFICE BUILDINGS				

7	8	9	10	11	12
		(Rupees in lakhs)			
4.00	11.96	5 00	8.96	1978	1981-82
1.00	—	0 84	—	1978	1980-81
12.00	10.00	10.00	4 70	1979	1981-82
0.50	1.34	1.34	—	1979	1980-81
1 00	1 00	1.00	0.74	1978	1981-82
1.00	1.00	1 00	0 66	Aug. 80	1981-82
0 50	0.27	0.77	—	1979	1980-81
22.00	8.60	4.62	—	22-4-78	1980-81
20.00	25 80	20.00	17 38	15-11-78	1981-82
3 50	1 17	1 00	2.01	1978	1981-82
1.89	—	—	—	1978	1980-81
15.67	10.03	10.00	5.02	4-4-77	1981-82
29.50	25 37	20 00	14.71	1975	1981-82
clearance for Multistorey Building					
3.00	—	0.91	—	1978	1980-81
1.00	—	0 96	—	1978	1980-81
0.75	—	0.41	—	1979	1980-81
2.00	—	1.37	—	1979	1980-81
5.00	10 58	6 00	9.58	1979	1981-82
3.00	—	—	—	1979	1980-81
2.00	—	2.31	—	1979	1980-81
—	1.00	1.00	1.43	1980	1981-82
18.28	2.04	1.76	—	22-7-75	Commissioned on 1-8-80
—	0.50	0.50	0.87	Not commenced	1981-82
—	0.58	0.58	—	-do-	1981-82
—	0.18	0.18	2.00	——	——
—	1.00	1.00	1.99	Not yet started	1981-82
—	0.50	0.50	0.50	-do-	1981-82
—	0.50	0.50	0.77	-do-	1981-82
0.40	0.87	0.87	—	13-11-78	Commissioned on 1-4-80
—	1.00	1.00	1.26	4-12-80	1981-82
—	0.50	0.50	0.50	Not started	1981-82
—	1.00	2.00	3.72	25-7-80	1981-82
—	0.50	0.50	1.39	Not started	1981-82
1.32	—	0.16	—	29-6-77	Commissioned on 3-12-79
1.60	0.46	0.62	—	26-9-77	Commissioned on 12-2-79
10.08	0.53	0.53	—	31-5-78	1980-81
—	—	8.19	30.01	—	—
—		1,07.92	1 08.19	—	—

ANNEXURE IV

Statement Showing Construction Projects for which the provision made in the Budget Estimates 1980-81 remained unutilised

Sl. No.	Name of project
1.	ESI Hospital, Ranchi (Bihar)
2.	ESI Dispensary, Muktapur (Bihar)
3.	ESI Annexure, Konver (Bihar)
4.	ESI Hospital, Jhilmil, (Delhi)
5.	ESI Dispensary, Mongolpuri (Delhi)
6.	ESI Hospital, Bhavnagar (Gujarat)
7.	ESI Dispensary, Sector 16, Faridabad (Haryana)
8.	ESI Hospital, Ballabhgarh (Haryana)
9.	ESI Hospital, Palghat (Kerala)
10.	ESI Hospital, Feroke (Kerala)
11.	ESI Dispensary, Mavoor (Kerala)
12.	ESI Hospital, Davangere (Karnataka)
13.	ESI Hospital, Aurangabad (Maharashtra)
14.	ESI Hospital, Chinchwad, Pune (Maharashtra)
15.	ESI Hospital, Nasik (Maharashtra)
16.	ESI Hospital, Bibewadi, Pune (Maharashtra)
17.	ESI Dispensary, Bagadgunj, Nagpur (Maharashtra)
18.	ESI Dispensary, Jharsuguda ((Orissa)
19.	ESI Dispensary, Mandi Govindgarh (Punjab)
20.	ESI Hospital, Mandi Govindgarh (Punjab)
21.	ESI Hospital, Bharatpur (Rajasthan)
22.	ESI Hospital, Salem (Tamil Nadu)
23.	ESI Dispensary, Kattoor (Tamil Nadu)
24.	ESI Dispensary, Virdhunagar (Tamil Nadu)
25.	ESI Dispensary, Thudiyalur (Tamil Nadu)
26.	ESI Hospital, Varanasi (Uttar Pradesh)
27.	ESI Dispensary, Bareilly (Uttar Pradesh)
28.	ESI Dispensary, Aishbagh, Lucknow (Uttar Pradesh)
29.	ESI Dispensary, Aligarh (Uttar Pradesh)
30.	ESI Hospital, Pipri, Mirzapur (Uttar Pradesh)
31.	ESI Hospital, Thakurpukur (West Bengal)
32.	ESI Hospital, Shyam Nagar (West Bengal)
33.	ESI Hospital, Garden Reach (West Bengal)
	OFFICE BUILDINGS & STAFF QUARTERS
1.	Staff quarters, Bhubaneswar (Orissa)
2.	Local Office, Jaykaypur (Orissa)
3.	Local Office, Davangere, (Karnataka)
4.	Local Office, Feroke, (Kerala)
5.	Local Office, Chelapuram (Kerala)
6.	Local Office, Kota (Rajasthan)
7.	Local Office, Juhi (Kanpur) (Uttar Pradesh)

ANNEXURE V

Statement showing the Employees' State Insurance Corporation's share of expenditure on medical care from 1970-71 onwards

Year	Total Expenditure Corporation's share (Rupees in lakhs)	Expenditure per annum per employee Rs.
1970-71	14,48.71	39
1971-72	17,03.17	44
1972-73	20,18.13	50
1973-74	24,70 36	58
1974-75	26,49.93	61
1975-76	32,75.12	70
1976-77	36,42.36	68
1977-78	47,10.73	85
1978-79	52,87.31	92
1979-80	63,59.27	107
1980-81 (Estimated)	76,25.20	125
1981-82 (Estimated)	79,98.88	127

[No. G- 20017/1/81-HI]

N B. CHAWLA, Dy. Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1982